

OTHER BOOKS OF GENERAL INTEREST

The Story of Bardoli	2 8 0
Constructive Programme — Some Suggestions	0 8 0
Practical Non-violence	0 12 0
A Discipline for Non-violence	0 10 0
Economics of Khaddar	2 0 0
Clive to Keynes	0 12 0
Practice and Precepts of Jesus	1 8 0
Christianity — Its Economy & Way of Life	1 8 0
A Survey of Matar Taluka	2 0 0
To Women	0 6 0
Selections from Gandhi	4 0 0
Gandhi's Challenge to Christianity	1 8 0
The Gospel of Selfless Action	
or	
The Gita According to Gandhi	4 0 0
The Epic of Travancore	
The Power of Non-violence	
Public Finance and Our Poverty	
Status of Indian Princes	
The Epic Fast	
Cow Protection	
Glances at Islam	
Seven Months with Mahatma Gandhi	

NAVAJIVAN PUBLISHING HOUSE
AHMEDABAD

BOOKS BY GANDHIJI

An Autobiography	7 0 0
Satyagraha in South Africa	4 8 0
Hind Swaraj	0 8 0
Cent Per Cent Swadeshi	2 0 0
Constructive Programme — Its Meaning & Place	0 6 0
Non-violence in Peace and War Vol I	7 0 0
Women & Social Injustice	3 0 0
Gandhiji's Correspondence with the Government (1942-44)	2 8 0
From Yeravda Mandir	0 8 0
Self-Restraint v Self-Indulgence	2 0 0
Delhi Diary	3 0 0
The Nation's Voice	3 0 0
Key to Health	0 10 0
Christian Missions — Their Place in India	
Economics of Khadi	
Indian States' Problem	

NAVAJIVAN PUBLISHING HOUSE
AHMEDABAD

ગુજરાત વિદ્યાપીઠ ગ્રંથાવલિ પુસ્તક નં. ૪૧

ગાંધી સાહિત્ય સૂચિ

GANDHIANA

(A Bibliography of Gandhian Literature)

સંયોજક

પાંડુરંગ ગણેશ દેશપાંડે

Compiled by
P. G. DESHPANDE



NAVAJIVAN PUBLISHING HOUSE
AHMEDABAD

मुद्रक और प्रकाशक
जीवणजी बाघामाभी देसाभी
नवजीवन मुद्रणालय, काठपुर, महमदाबाद

पहली बार, प्रति ५,०००

दो गांधीभक्त
महादेवभाजी देसाजी
और
जयशंकर पी. त्रिवेदीसाहब को
जिन्होंने मेरे इस काममें काफी दिलचस्पी ली

To
MAHADEV DESAI
AND
JAYSHANKAR P. TRIVEDI
Two *Bhaktas* of Gandhiji who took keen
interest in this my work

प्रकाशकका निवेदन

हमें इस बातकी बड़ी खुशी है कि गांधी साहित्य सूचिकी यह आवृत्ति हम प्रकाशित कर रहे हैं । इस सूचिका कुछ संक्षिप्त इतिहास पाठकोंको बता देना उचित होगा । गांधीजीके हीरकमहोत्सवके अवसर पर गूजरात विद्यापीठने भेक खादी प्रदर्शन किया था । उसमें भेक विभाग गांधीसाहित्यका था । उस विभागमें गांधीजीकी अपनी लिखी हुअी, और उनके जीवन और कार्यसे संबंध रखनेवाली अन्य लेखकोंकी पुस्तकें जिकरी की गयी थीं । उन सव पुस्तकोंकी यादी लगभग आठ पृष्ठकी बनी थी । वह इस सूचिकी भेक छोटीसी शुरूआत ही कही जायगी । इसके बाद गूजरात विद्यापीठ ग्रंथालयके ग्रंथपाल श्री पांडुरंग गणेश देशपांडेने गांधीसाहित्यकी संपूर्ण सूचि तैयार करनेका काम विशेष रूपसे अपना लिया । और तवसे वे इसमें बड़ी लगनसे जुटे रहे हैं ।

१९४१में अहमदाबादमें गूजरात पुस्तकालय सम्मेलन हुआ । उसके संचालकोंने गांधीसाहित्यकी भेक प्रदर्शनी भरना चाहा और साथ ही गूजरात विद्यापीठ ग्रंथालयके ग्रंथपालकी सहायता और सहयोगसे उस साहित्यकी भेक पूरी सूचि प्रकाशित करना चाही । विद्यापीठने उनका यह प्रस्ताव स्वीकार किया और श्री देशपांडे तथा पुस्तकालय सम्मेलनके एक मंत्री श्री कीकुभाई देसाभी, जिन दोनोंके नामसे तव तकके गांधी साहित्यकी पूरी सूचि प्रकाशित की गयी । वह सूचि हमारी अपेक्षासे बहुत जल्दी विक गयी और तवसे उसकी माँग बराबर चली आ रही है । यह देखकर श्री देशपांडेको अपने काममें उत्साह मिला और दूसरे महायुद्धके कठिन समयके बावजूद उन्होंने अपना काम जारी रक्खा । यह सूचि उनकी उस मेहनतका फल है । इस संस्करणमें हिन्दुस्तानकी भाषाओंमेंसे हिन्दी, गुजराती, मराठी, बंगला, उर्दू, कन्नड़, संस्कृत और सिन्धी तथा अंग्रेज़ीकी अब तककी सव किताबें दर्ज करनेकी पूरी कोशिश की गयी है ।

यहाँ इस सूचिकी पुस्तकोंके बारेमें भी कुछ कह देना जरूरी है । इस सूचिमें गांधीजीका अपना प्रकाशित किया हुआ साहित्य तथा उनके जीवन, कार्य और तत्त्वज्ञान सम्बन्धी पुस्तकें तो हैं ही; साथ ही इसमें ऐसी पुस्तकें भी दी गयी हैं जिनसे उनके व्यक्तित्व, जीवन, कार्य और तत्त्वज्ञानको

समझनेमें सहायता मिलती है । जिस तरह पाठक देखेंगे कि टॉन्टॉय, रसिन्, घोरो, श्रीमद् राजबन्ध, बगैर लेखकोंकी पुस्तकें जिसमें हैं । देशकी आज़ादीके आन्दोलन और कुछी वर्तमान समस्याओं सम्बन्धी पुस्तकें भी इसमें शामिल की गयी हैं । राष्ट्रीय महासभा, गांधीसेवा संघ और जिस प्रकारकी अन्य संस्थाओंकी रिपोर्टें, जिन्दिदान अन्वुअन रजिस्टर और जिन्दिदा जैसे वार्षिक और दूसरे कुछ सामयिक भी जिसमें लिये गये हैं ।

पुस्तकें भाषावर दी गयी हैं और सुनघ वर्गीकरण जिस तरहसे किया गया है

- | | |
|--|---------------------|
| १. गांधी चरित्र | ६. अर्धशास्त्र |
| २. सत्याग्रह, अहिंसा, गांधीवाद इत्यादि | अ. सारी |
| अ. सत्याग्रहोका इतिहास | आ. प्रामोयोग |
| ३. धर्म और नीति | ७. शिक्षण |
| ४. समाज विवरण ग्रन्थ (सामान्य) | ८. राष्ट्रभाषा |
| अ. असह्यता-निवारण | ९. आरोग्य |
| आ. कोमी भेक्षण | १०. साहित्य |
| ५. राजनीति | ११. आधुनिक इतिहास |
| | १२. सामयिक और समग्र |

जिरादा तो यह था कि दक्षिणकी चारों भाषाओं की किताबें जिस भाषा में शानित की जायें । किन्तु संयोजकको गफसोस है कि कन्नड़की कुछ किताबोंके नाम देनेके सिवा जिस दिशामें अधिक कुछ नहीं किया जा सका । दक्षिणके कुछ मित्रोंसे जिस सम्बन्धमें प्रार्थना की भी थी कि वे अपनी अपनी भाषाओंके गांधीसाहित्यकी सूचियां भेज दें, लेकिन अभी तक वहाँसे कुछ भी नहीं मिल पाया । हम तो अभी भी दक्षिणके गांधी प्रेमियोंसे प्रार्थना करते हैं कि वे अपनी अपनी भाषाओंके गांधी साहित्यकी पुस्तकोंके नाम भेज दें, जिससे हम जिस पुस्तककी बादकी भाषा में सुनई शामिल कर दें ।

जिस विषयके समग्रके सम्बन्धमें यह दावा करता कि वह पूर्ण है, अगर सम्भव नहीं, तो मुश्किल पसर है । लेकिन फिर भी हम यह कह सकते हैं कि जो देशपांडेजीकी पूरी कोशिश रही है कि यह सूचि जहाँ तक हो सके पूरी हो । और जिस दिशामें जो कोमी भी सुनकी सहायता करेगा उसे वे कृतज्ञता पूर्वक स्वीकार करेंगे ।

संयोजकने किताबोंके लेखक और प्रकाशकोंके नाम, प्रकाशनका स्थान और समय, पृष्ठोंकी संख्या, कीमत बगैर दी है । वे चाहते थे कि पाठककी जानकारीके लिये हर किताबका थोड़ा विवरण दिया जाय । लेकिन मित्रोंकी सहायता और

काफी अवकाश मिलने पर ही हमारे लिये यह काम करना सम्भव था । दूसरे, अगर हम अितना करने जाते तो यह सूचि, जिसकी माँग दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही है, प्रकाशित करनेमें और भी देर हो जाती । गांधीजीके चले जानेके बाद देश-विदेशकी इस माँगकी ओर लापरवाह रह कर हम अपने अरमान पूरे करनेमें लगे रहते तो निश्चित था कि हम अव्यावहारिक अुत्साहके दोषके पात्र बन जाते । इसी वजहसे संयोजकके पास जो कुछ सामग्री तैयार थी वह देकर हमने मनको तसल्ली दे ली है । शेष किताबोंके लिये पाठकोंको दूसरी आशुत्तिका अिन्तज़ार करना होगा । गांधीजीके साहित्यके अभ्यासियोंसे प्रार्थना है कि वे शेष किताबों पर नोट भेजकर हमारी सहायता करें ।

बहुतसी भारतीय भाषाओंकी किताबोंके अन्तमें 'वि' निशान किया है और अंग्रेजी किताबोंके अन्तमें 'V' निशान किया है । अिन निशानियोंका मतलब यह है कि ये किताबें गूजरात विद्यापीठ ग्रंथालयमें मौजूद हैं । इस सूचिमें दी हुअी किताबोंकी कुल संख्या २८००के करीब है । वह भाषावार इस तरहसे है : हिन्दी ४१२, गुजराती ५००, मराठी २८७, बंगला ११७, उर्दू ५४, कन्नड़ ५६, संस्कृत १२, सिन्धी ४ और अंग्रेजी करीब १४०० । गांधीजीके विषयमें यह अेक काफी बड़ा संग्रह है । और जैसे जैसे समय बीतता जायगा, वैसे वैसे हमें विश्वास है कि यह संग्रह और भी कअी तरहसे विकास करेगा । अेक खास महत्त्वकी दिशा, जिधर संग्रहकर्ता ध्यान नहीं दे सके, या यों कहें कि वे अकेले हिम्मत ही नहीं कर सकते हैं, वह है देश-विदेशके कअी सामयिकोंमें समय समय पर लिखा गया गांधीजी-विषयक साहित्य । यह साहित्य तितर-वितर बिखरा पड़ा है और साथही लोगोंकी पहुँचके बाहर है । इसकी भी सूचि तो बनाअी जा सकती है, लेकिन हालमें वह अेक आदमीकी ताकतके बाहर है । इस साहित्यमेंसे खास महत्त्वका भाग तो कभी न कभी पुस्तक रूपमें प्रकाशित हो ही जायगा और तब अुसे इस तरहकी सूचिमें लेना मुश्किल नहीं होगा । गांधीसाहित्यकी दृष्टिसे कुछ महत्त्वके सामयिकोंके नाम तो इस सूचिमें भी ले लिये गये हैं ।

हमें विश्वास है कि गांधीजी जैसे महापुरुषके जीवन और कार्यसे सम्बन्ध रखनेवाली यह सूचि प्रकाशित करके हम अेक बहुत बड़ी कमीकी पूर्ति कर रहे हैं । इससे हमारी सिर्फ अितनी ही अुम्मीद है कि जो शान्ति, प्रेम और मेलजोलका सन्देश लेकर आये थे, अुनके साहित्यके अभ्यासियोंके लिए यह सूचि बहुत कामकी साबित होगी । और साथही अुनमें अुन्हीं अुसूलोंकी प्रेरणा करेगी जिनके लिए गांधीजी जीये और मरे ।

२-११-४८

अहमदाबाद

PUBLISHER'S NOTE

It is with very great pleasure that we issue this edition of the Bibliography of Gandhian Literature. The story of its compilation may be briefly noted here. The Gujarat Vidyapith had organized a Khadi Exhibition on the occasion of the Diamond Jubilee of Gandhiji. One of the sections in the Exhibition was Gandhian Literature. Books by, on or about Gandhiji and related to or having a bearing on his life and work, were collected together in that section. A list recording all these books covered about 8 foolscap pages. This may be said to be the modest beginning of the present edition of the bibliography. Since then Shri Pandurang Deshpande, the Librarian of the Gujarat Vidyapith Granthalaya, has made the work of the compilation of the Gandhian Bibliography his own and has assiduously worked at it all these years.

In 1941 the Gujarat Library Conference met in Ahmedabad. They desired to hold an exhibition of Gandhian Literature and publish its full bibliography with the co-operation and help of the Librarian of the Gujarat Vidyapith. The Vidyapith accepted their proposal and an upto-date bibliography was published in 1941 under the joint names of Shri Deshpande and Shri Kikubhai Desai, who was one of the secretaries of the Library Conference, as compilers. To our surprise, the edition sold out more

A few words regarding the contents of the bibliography. The published writings of Gandhiji together with books dealing with or bearing on his life work and philosophy have of course been included in this catalogue. Such books as are useful or necessary to understand Gandhiji's personality his life work and philosophy have also been included in this bibliography. Thus books by Tolstoy, Ruskin Thoreau Shriyad Rajachandra and such others find a place here. Literature concerning the Indian freedom movement and current Indian problems has also been included. Reports of institutions like the Indian National Congress the Gandhi Seva Sangh annuals like the Indian Annual Register and India (1919 To 1934-35) and some important periodicals and journals have also been noted.

The books are arranged language-wise and are classified under the following chief heads

- | | |
|------------------------------|--|
| 1 Biography | 7 Education |
| 2 Satyagraha Pacifism etc | 8 The National Language |
| 2A Satyagraha Struggles | 9 Health and Dietetics |
| 3 Religion | 10 Literature |
| 3A Social Ethics | 11 Current History |
| 4 Sociology | 12 Collections (General) of Gandhiji's Writings and Speeches |
| 4A Removal of Untouchability | 13 Journals and Periodicals |
| 1B The Communal Problem | 14 Reference and Allied Books |
| 5 Politics | |
| 6 Economics | |
| 6A Labour | |
| 6B Khadi | |
| 6C Village Industries | |

It was proposed to include books in the four South Indian languages also. But the compiler is sorry to report that barring a few entries in Kannad nothing more could be accomplished in that direction. Some South Indian friends were approached to supply us with the lists but till now we have not been able to get them. The request still stands and South Indian lovers of Gandhiji may give the lists even now so that they may find their due place in the bibliography later on.

In a compilation like this it is difficult, if not impossible, to claim exhaustiveness. This may however be said that Shri Deshpande has tried his very best to be as exhaustive as one can be in a work of this nature. And he would very much appreciate and welcome all help in that direction.

The compiler notes the names of the author and the publishers, date and place of publication, number of pages, price, etc. of books entered here. He had wished to give short notes also to introduce every book to the reader. That could be done with the help of friends and provided there was sufficient time for work. That would have meant more delay in the publication which has been in so great a demand for years now. With Gandhiji away from us, this demand, both in our country and from abroad, cannot be ignored without being charged with impractical over-zealousness. The compiler has, therefore, been content with giving the notes that were ready with him. For the remaining ones readers will have to wait till the new edition; and all students of Gandhiji who can help us by sending such notes on the remaining books are hereby invited to do so.

Most of the entries are followed by ॐ in the case of books in the Indian languages, and by V in the case of those in English; they indicate that those books are available in the Gujarat Vidyapith Granthalaya.

The total number of books listed in this bibliography is about 2800. Taken language-wise they are as follows: Hindi—412, Gujarati—500, Marathi—287, Bengali—117, Urdu—54, Kannad—56, Sanskrit—12, Sindhi—4 and English—about 1400. This is a fairly large library on Gandhiji, and as years go by, we are sure, it is going to increase in many more ways than hitherto. One noteworthy branch of literature in which the compiler could not, and we may say, he alone dares not, go is the great mass of periodical literature on Gandhiji that lies scattered and buried in various journals here and abroad. This may also be catalogued; but for the present it should be taken as beyond the competence of a single individual. The more important of it may be expected to go into book-form

sooner or later. It will then easily find its place in such a compilation as this. Some at least of the most important of the journals from the point of view of Gandhian literature have already been included here.

We believe, in publishing this bibliography about the life and work of a man like Gandhiji, we are meeting a very great need. Our only hope is that it may help the readers to study this great and unique man of peace and love and concord on earth and inspire them to live the life that he stood and died for.

211 48

Ahmedabad

अनुक्रमणिका

CONTENTS

प्रकाशकका निवेदन	५
Publisher's Note	ix
हिन्दी पुस्तकें	१
Hindi Books	1
गुजराती पुस्तकें	२५
Gujarati Books	25
मराठी पुस्तकें	५७
Marathi Books	57
बंगाली पुस्तकें	७५
Bengali Books	75
शुद्ध पुस्तकें	८०
Urdu Books	80
कन्नड पुस्तकें	८३
Kannad Books	83
संस्कृत पुस्तकें	८५
Sanskrit Books	85
सिन्धी पुस्तकें	८६
Sindhi Books	86
अंग्रेजी पुस्तकें	८७
English Books	87
पूर्ति	१८८
Supplement	188
ग्रंथनाम सूचि	१९१
Title Index	191

हिन्दी पुस्तकें

१. गांधी-चरित्र

अग्रवाल, रुद्रनारायण और व्यास, दीनानाथ-टॉलस्टॉय और गांधी (संसारके दो महापुरुषोंकी तुलनात्मक आलोचना) दिल्ली, साहित्य मण्डल, रु. २-८-०, ३-०-०, १९३६, पृ. ८ + ३८१. वि

अरोड़ा, नारायणप्रसाद - मेरे गुरुजन. कानपुर, भीष्म अण्ड वदर्से, रु. १-०-०, १९४५, पृ. १२८. वि

असिमें दिये हुअे कुल १२ भारतीय महापुरुषोंके चरित्रोंमें गांधीजीका चरित्र पृ. ११२ से १२८ तक है।

सुपाध्याय, हरिभाभू और वाष्णेश, चन्द्रगुप्त - विश्वकी विभूतियाँ. प्रयाग, हिन्दी मन्दिर, रु. १-८-०, १९४५, पृ. ४ + १४९. वि

असिमें कुल १६ चरित्र हैं। गांधीजीका चरित्र पृ. १ से ८ तक।

कन्हैयालाल, बाबू - सत्याग्रही महात्मा गांधी. पटना

खंडेलवाल, दामोदरदास - बापूकी वात. चिरगांव - (झांसी), साहित्य सदन, रु. १-०-०, सं. २००४, पृ. ४ + ९६. वि

गांधी, प्रभुदास छ. - महात्मा गांधी क्या हैं? क्या कहते हैं? क्या चाहते हैं? आंसफपुर (वदवाँ), गांधी सेवा सदन, आधा आना, १९३७, पृ. २२

गांधी, मोहनदास क. (अनु. हरिभाभू सुपाध्याय) - आत्मकथा खण्ड १, २. अजमेर, सस्ता साहित्य मण्डल। खण्ड १ - १० आने, १ आ. १९२८, पृ. ४१३

+ ३; खण्ड २ - रु. १-४-०, १ आ. १९२८, पृ. ६ + ५०९. वि

दोनों खण्ड अेक जिल्दमें रु. १-१२-०, ७ आ. १९४६, पृ. १६ + ५७७। दिल्लीसे प्रकाशित। असिका दूसरा नाम 'सत्यके प्रयोग अथवा आत्मकथा' भी है।

- भारतके प्राण महात्मा गांधीकी जीवन-कथा (आत्मकथाका संपूर्ण सारांश). जिलाहाबाद, राममोहनलाल, १२ आने, १९३१, पृ. ८ + २२० (गुटका). वि

- मेरा जीवन. देखो विभाग २ अ.

- मेरे जेलके अनुभव. कानपुर, १९३९

- (सं. महादेव देसायी और हरिभाभू सुपाध्याय) - संक्षिप्त आत्मकथा [महात्मा गांधीकी आत्मकथाका संक्षिप्त विवरण]. दिल्ली, सस्ता साहित्य, ८ आने, १ आ. १९३९, पृ. ८ + २४८. वि

- सत्यके प्रयोग अथवा आत्मकथा. देखो अपर 'आत्मकथा.'

गांधी साहित्य संग्रह (प्र.) - गांधीजीके फोटोग्राफ (आल्बम). सावरमती, गां. सा. संग्रह, रु. १४०-०-०, मर्यादित आवृत्ति गुप्त, सियारामशरण - बापू (काव्य). चिरगांव (झांसी), साहित्य सदन, ८ आने, २ आ. १९३९, पृ. ८ + ७३. वि

गोयल, हनुमानप्रसाद - संसारके चुने हुअे रत्न. बनारस सिटी, मार्गव पुस्तकालय, रु. २-८-०, १९३८, पृ. ८ + ४०८

त्रिपाठी, कमलापति शास्त्री - बापू और भारत [गांधीका व्यक्तित्वदर्शन और भारत-

को बपूजी देना। बनारस, मारवाड़ी मन्दिर,
 न ४-८-०, १९४५, पृ ८+१८० वि
 -बापू की मानवता बनारस मन्दिरमन्दिर,
 न ४-८-०, १९४५, पृ ८+४१० वि
 जिवादी, रामनरेश-गोधीनी कीन हैं ?
 प्रयाग, १९२१
 जिवादी, सुन्दरकाठ-छत्रगमें होंगीवाला
 बपू मो सुन्दरकाठ जिवादी ५ आना
 १९३३, पृ ५०

दूसरी रामगुप्त टबल कॅन्फरन्स बपू
 गोधीजी छत्रग गव सुप्र यात्राका बपान
 दूने, सुप्रगाम (बपु कजिनप जिवादी)
 -गोधीका अमरावती, मरवाती,
 ८ आना, १ भा १९४१, पृ ७+१५६ वि
 दुमात्री महाबमात्री (बपु मरवाती
 ३मां) -जिम्मेदमें महाबमात्री अमरे
 मला साहित्य, न १-०-० १ भा
 म १८८९, पृ ६+११७ वि

'जेष्ठम बॅन्किम कि मुनरापका
 हिन्दी अनुवाद। पूर्वमें 'श्रीराजी क
 नामने अनुवादित और प्रकाशित हुआ है।
 द्विवेदी, सोहमकाठ (म) -गोधी
 अभिलेख ग्रंथ [महात्मा गोधीक
 सुवर्णमें लिखित अनेक मन्त्रार्थके प्रतिनिधि
 कवियोंका कव्यग्रन्थ] प्रयत्न, गोधी
 अभिलेख ग्रंथ प्रकाशित -अनेक प्रकाशित
 हापुर, न १०-०-०, १ भा १९४४,
 पृ १०+१९७+५७ सवित्र, श्री सर्वजनी
 राधाकृष्ण ठिक्का भूमिका सहित। वि
 परोक्ष, धनमांडा और मन्थर, सुमोका
 (बपु कजिनप जिवादी) -हमारी भा
 (धुनको जीवन-कथा) अमरवती, ८,
 मरवाती, न २-०-०, १९४३, पृ
 ७+२१३ वि

महात्मा गोधीकी प्रभावना सहित।
 पाण्डेय, छविनाथ (म) -सत्यार्थ सर्वश्रेष्ठ
 पुरुष कथना, १९३३

कड़के, कृष्ण विनायक -बाबूदास, कानपुर
 गोधी और मन्थर, न १-०-०, १९४३,
 पृ १२८ वि

'बन्धों क गोधीजी' पृ १७-१०१
 जिवादी, सुमो (बपु सुमो और सुमो)
 -गोधीका साथ साथ दिन कभी
 कोट में बपूजी, न २-०-०, १९४५,
 पृ ४+१३० वि
 बापेकाठ, महाबलिहिंदू-गोधी गोधी
 पनाही, १९३०

बिहारी, धनश्यामदास-ठापरीके कुछ
 पन्ने (दूसरी गोमन्थरपरमें गोधीकी
 साथ) नवी हिन्दी सभा साहित्य,
 १जी बपूजी, दशमकाठ के. के (२)
 न १-८-० पृ २२+२२४, २ भा हिंदी,
 १२ अने, १९४१, पृ १६० वि

-बापू हिन्दी, सत्य साहित्य मन्थर, ६
 १-८-०, १ भा १९४०; पृ १८+
 २०३। १३ वित्र श्री महादेव देव'के
 'बादिवन' सहित। वि

२० प्रकाशमें गोधीकी जीवनक कुछ
 प्रकाश, चरित्रलिखन और मुनक विचारों
 विचार और कविता समावेशना।

भण्डारी, सुखमपत्तिराय -महात्मा गोधी
 जिवादी, १९१८ वि

मशानीदास -सम्पादही महात्मा गोधी
 प्रकाश, १९१९

भावे, विनोबा-गोधीजीको अद्भुत
 नमो लिप्ता, सभा साहित्य, ३ अने,
 १९४८, पृ ४८ वि

मानवीय, प राधाकिशोर-महात्मा
 गोधीकी जीवनाका-यात्रा जिवादी, १८,
 आर्य हिन्दी पुस्तकालय, न ३-०-०,
 १ म १९४०, पृ ८+२१८, सवित्र वि

राधाकृष्ण, सर्वजनी (म) (अनुवाद
 मन्थर-श्री नैन्द कुर) -महात्मा
 गोधी अभिलेख ग्रंथ [७३३ अने

दिवसकी भेंट]. दिल्ली, सस्ता साहित्य; रु. १-८-०, १९३९, पृ. १२ + २७०. वि

श्री रामाकृष्णन् अत्यादि करीब ६० के अूपर हिन्दी और परदेशी विख्यात व्यक्तियोंके गांधीजीके जीवन, कार्य और फिलसुफीके बारेमें लिखे हुये लेखोंका संग्रह ।

रामचन्द्रन्, जी. - गांधी-गाथा. वन्दभी, हिन्दू किताबज, रु. १-०-०, १९४८, पृ. ८ + ४९. राजगोपालाचार्यकी प्रस्तावना ।

रामनाथ 'सुमन' - गांधीवादकी रूपरेखा. देखो विभाग २में ।

- महात्मा गांधी [जीवनकी आँकियों और चरित्रचिंतन]. दिल्ली, सस्ता साहित्य; ६ आने; १ आ. १९३९, पृ. २ + १५४. वि

- युगाधार गांधी [जीवनचरित्र, जीवनका अध्ययन तथा संस्मरण]. अिलाहाबाद, साधनासदन, रु. २-०-०, १९४७, पृ. ८ + १८०. वि

- हमारे राष्ट्रनिर्माता [जीवन, अध्ययन और शैक्तियों] अजमेर, सस्ता साहित्य; रु. २-८-०; १९३३; पृ. ६६४. वि

अिसमें तिलक, नेहरू (पिता-पुत्र), गांधीजी, अित्यादि १० नेताओंके चरित्र दिऐे हैं । गांधीजीका चरित्र पृ. २७७ से ४३० तक । सहायक सामग्रीकी सूचि और 'भारतीय राष्ट्रीयताका विकास' सहित ।

रोलॉ, रोमॉ - महात्मा गांधी : विश्वके अद्वितीय पुरुष. अिलाहाबाद, सेंट्रल बुक डीपी; रु. २-०-०. १९४७, पृ. ४ + १०३. वि
अंग्रेजीसे अनुवादित.

लीस्टर, म्यूरिअल - गांधीजीकी यूरोप-यात्रा. वन्दभी, वीरा अॅन्ड क., रु. २-४-०

वर्मा, मुकुन्दीलाल - कर्मवीर गांधी. प्रयाग

- श्रद्धासद मोहनदास कर्मचन्द गांधीका जीवनचरित्र. प्रयाग, अभ्युदय प्रेस; ८ आने; पृ. १० + १६०

वर्मा, रामचन्द्र - महात्मा गांधी [जीवन और व्याख्यान]. वन्दभी, १९२२

विद्यार्थी, प्रभुदयाल - गांधीजी

विशाल भारत-गांधी अंक अक्तूबर १९३८.

कलकत्ता, प्रवासी प्रेस; रु. १-०-०;

१९३८; पृ. ३७७ से ४९६. सचित्र. वि

गांधीजीके जीवन और विविध प्रवृत्तियों और विचारसृष्टि-विषयक मूल्यांकन और समालोचना करते हुये लेखोंका अच्छा संग्रह अिस अकमें मिलता है ।

शर्मा, गोकुलचन्द्र - गांधी गौरव. कानपूर, १९२१

शर्मा, विश्वभरप्रसाद - राष्ट्रमाता कस्तूरबा. नागपुर, नवयुग प्रकाशन; रु. १-८-०;

३ स. १९४६; पृ. १२८

शुक्ल, चन्द्रशंकर प्रा. (मं) (अनुवादक दर्शन) - गांधीजीके संपर्कमें. वन्दभी, वीरा अॅन्ड कपनी; रु. ३-४-०; १९४०; पृ. २२४. वि

शुक्ल, विद्या भास्कर - जगमगाते हीरे. प्रयाग

सत्यदेव विद्यालंकार - हमारे राष्ट्रपति [सन १८८५ से १९३६ तकके काँग्रेस-सभापतियोंके जीवन-परिचय]. दिल्ली, सस्ता साहित्य; रु. १-०-०; १९३६; पृ. ३८१; वि

प्रस्तावना बाबू राजेन्द्रप्रसाद ।

गांधीजीका चरित्र पृ. २३९ से २८० तक.

संतराम बी. अे. - भारतके महापुरुष लाहौर, हिन्दी भवन रु. १-४-०; १९४६; पृ. ६ + १५७. वि

अिसमें कुल १२ भारतीय महापुरुषोंके चरित्र हैं । गांधीजीका चरित्र पृ. १३९ से १५७ तक

साहित्य मन्दिर (प्र.) - महात्मा गांधीका विश्वव्यापी प्रभाव. प्रयाग; १० आने; पृ. १५८. वि

दिनके ३ भागमें ब्रह्मसूत्र की टीका, धनक संग्रह और विवर दिने गये हैं।

हाइदन, बनारस—दुनियामें सबसे ऊँचे आत्मी महात्मा गांधी बनने, १९११

२. सत्याग्रह, अहिंसा, गांधीवाद अि.

मानेकट, द बा (म)—गांधीवाद समाजवाद [दोनों विचारधाराओं के विचारकों द्वारा मुक्तता के विचार] दिल्ली, सत्याग्रह, १२ भाग, २ भा १०३० पृ ८ + १४८ वि

एनेन्सबर्ग की प्रस्तावना और कृष्णदास कुल्लार 'सर्वे या सर्वो?' कृष्णदास, आचार्य—अहिंसक क्रान्ति जिन्दगी, साधना मदन, १० भाग, १९६०, पृ ५५ वि

—गांधी-मार्ग जिन्दगी, साधना मदन, क २-८०

गांधी, मोहनदास क.—मृतका बदला मृतसे नहीं बनरस, काशी पुस्तक मन्दिर, क १-८-०

—(मृत कृष्णलक्ष्मण)—गांधीजीका कथान या सत्याग्रह श्रीमामा बनरस, प्रकाशक, ८ भाग, १ भा १९०३, पृ ८० वि

वर्षा के मानकी जैव कालक जिने विमुक्त इतर कर्मक भाग मद्रास गांधीका दिवा दुभा बनान।

—(स न ना गदें) गांधी मिहान्त कडकला, १९२१

—पुद्ग और अहिंसा नदी दिल्ली, सत्याग्रह, १२ भाग, १९६०, पृ ६ + २२० वि

—सत्याग्रह क्यों, कब और कैसे? (सत्याग्रह का गांधीजीक विचार) दिल्ली सत्याग्रह, ३ भाग, १९६०, पृ ४ + ५५ वि
सत्याग्रह विचार गांधीजीके तने 'मेरे' का मद्रास। इतिहास व बनरस सत्याग्रह का सत्याग्रह की ओर देख भी दिया है।

—सत्याग्रह पुद्ग [सैनिकों के जिने उन्ने दोर बनने] मद्रास, मद्रास, १ भा १०३०, पृ ६१ वि
दोईदूक के पुद्ग रीत के मद्रास गांधीजीका सत्याग्रह की जिने दुभा का, कडर कीनेका सत्याग्रह प्रकाश और सत्याग्रह की प्रकाश विचार जिने पुस्तक के है।

गांधी सेवा मध्य—मध्य के वार्षिक कार्य विवरण वर्षा, मर्जी, गांधी सेवा मध्य १९३६-१ ३८, १९३०, ४ भाग वि १९३०-१ २०, १९३८, ४ भाग वि १९३८-१ २०, १९३९, ४ भाग वि १९३०-१ २०, १९४०, ४ भाग वि
—द्वितीय वार्षिक समेकन मद्रास, १९३६, क १-०-०, पृ २६ + ९३ वि

—तृतीय वार्षिक समेकन पुद्ग, १९३६, क. १-०-०, पृ. ६ + ७० + ६५ वि

—चतुर्थ वार्षिक समेकन इलाहाबाद, १९३८, क. १-०-०, पृ ४ + ९२ + २८ वि

—पञ्चम वार्षिक समेकन पुद्ग, १९३९, क १-०-०, पृ ४ + ९२ + २० वि

—छठा अधिवेशन मद्रास, १९४०, क १-०-०, पृ ४ + ७२ + १० वि

—गांधी सेवासभा के विधान तथा नियम ० भाग, १९३५, पृ २२ वि

मेरा, रिचर्ड बी—अहिंसा की शक्ति [धरम और नैतिक शक्ति का सत्याग्रह] मर्जी जिने सत्याग्रह, क १-८-०, १९४३, पृ ६ + १०० वि

बनरसेन गांधी, आयुर्वेद का पं
—सत्याग्रह और अमृतयोग [वर्तमान सत्याग्रह पर नवी कथा, अने विवर

द्वारा अपूर्व प्रकाश डालनेवाला, बंदी ओजस्वी भाषामें लिखा हुआ मौलिक ग्रंथ].
 रम्यभी, गांधी हिन्दी-पुस्तक भण्डार,
 रु. १-१२-०, २-४-०, १ आवृत्ति सं.
 १९७८, पृ. १२ + २६३. वि

तिवारी, पंडित रामदयाल - गांधी मीमांसा
 [महात्मा गांधीके व्यक्तित्व, जीवनसिद्धान्त
 तथा सार्वजनिक कार्यपर अेक आलोचनात्मक
 दृष्टि] प्रयाग, गिन्डियन प्रेस, रु. ३-०-०,
 १९४१, पृ. १८ + ८५०. वि

नागर, नरोत्तमप्रसाद - अेक-माता-व्रत
 [गांधीवादका मनोवैज्ञानिक विश्लेषण]
 प्रयाग, अुच्छल प्रकाशन, रु. १-८-०,
 १९३९, पृ. १८८. वि

पालीवाल, श्रीकृष्णदत्त - गांधीवाद और
 मार्क्सवाद. अगरा, शिवलाल अग्रवाल,
 रु. ३-०-०, पृ. २६२. वि

फिशर, लुअी - गान्धी और स्टालिन
 [लड़खड़ाती दुनियाके दो मार्गदर्शक]
 दिल्ली, राजकमल पब्लिकेशन्स, रु. ३-४-०,
 १९४७, पृ. ६ + २०९. वि

मगरूवाला, किशोरलाल घ. - अहिंसा
 विवेचन नयी दिल्ली, सस्ता साहित्य,
 ८ आने, १ आ. १९४२, पृ. ११८.
 वि

२. अ. सत्याग्रहोंका इतिहास

गांधी, मोहनदास क. - अेक सत्यवीरकी
 कथा ग्राने सुकरातकी सफ़ाअी. नयी
 दिल्ली, सस्ता साहित्य, १ आना, १९४१,
 पृ. ४०. वि

- (अनु: वैजनाथ महोदय) - दक्षिण अफ्री-
 काका सत्याग्रह. अजमेर, सस्ता साहित्य;
 पूर्वार्ध पृ. ६ + २७२; अुत्तरार्ध पृ.
 २ + २२२; हरेकके ८ आने. वि

- (स. पं. रवीन्द्रनाथ अग्निहोत्री) - मेरा
 जीवन या अहिंसाकी परीक्षा प्रयाग,

- गांधीविचारदोहन. अजमेर - दिल्ली, सस्ता
 साहित्य, १२ आने, १ आवृत्ति १९३०,
 पृ. ८ + २१६. वि

अिसमें गांधीजीके विविध विषयोंके
 बारेमें विचार खंडशः अलग अलग सूत्रमय
 भाषामें दिखे हैं।

- निर्भयता. अहमदाबाद, नवजीवन, २ आने,
 १९४२, पृ. २०. वि

यशपाल - गांधीवादकी शवपरीक्षा (सत्य
 अहिंसाकी परख) लखनअू, विस्व्व कार्यालय,
 रु. १-१२-०, १९४१, पृ. १७६. वि

रामनाथ 'सुमन' - गांधीवादकी रूपरेखा
 [महापुरुष गांधी और अुनके तत्त्वज्ञानका
 विवेचन]. अिलाहाबाद, साधना सदन,
 रु. १-८-०, स. १९४४, पृ. २००. वि

सत्याग्रह आश्रमकी नियमावलि -

अहमदाबाद, १९२८ पृ. २३. वि

सदानंद भारती - गांधी वनाम साम्यवाद
 [वर्तमान भारतीय राजनैतिक रंगमचका
 सर्वश्रेष्ठ विवेचक ग्रंथ]. काशी, अेस्. अेस्.
 मेहता अेंड ब्रदर्स, रु. १-१२-०, २-०-०,
 १ आ. सं. १९९१, पृ. ८ + २००. वि

महात्मा गांधीका कार्यक्रम वास्तवमें
 सान्यवादका ही क्रियात्मक रूप मात्र है
 अैसा कर्नाका मन्तव्य है।

मातृभाषा मन्दिर; रु. १-४-०, १९४४,
 पृ. ६ + १०६. वि

देसाअी, महादेव (अनु: काशिनाथ त्रिवेदी)
 - अेक धर्मयुद्ध [अहमदाबादके गिल-
 मजदूरोंकी लड़ाअीका इतिहास].
 - अहमदाबाद नवजीवन; ८ आने, १९४१, पृ.
 ८ + १२७ वि

प्रताप कार्यालय (प्र.) - चम्पारण्यकी
 जाँच अर्थात् चम्पारण्य कृषीय कमेटीकी
 रिपोर्ट. कानपुर; प्रताप, १९१८

८ आने, १९३९, पृ. ६ + १९५. वि
- ब्रह्मचर्य और आत्मसंयम ['ब्रह्मचर्यके
अनुभव' का संशोधित और परिवर्धित
संस्करण] बनारस सिटी, अन्. अन्. मेहता
अॅण्ड ब्रदर्स; १० आने, ३ सं. १९३८,
पृ. ९६. वि

- ब्रह्मचर्यके अनुभव प्रयाग, साहित्य मन्दिर;
१२ आने, १ सं. १९३२, पृ. २ + ९१. वि

- ब्रह्मचर्यपर महात्मा गांधीजीके अनुभव.
प्रयाग, तरुण भारत ग्रंथालय कार्यालय; ८
आने, २ सं. १९३६, पृ. ४ + ८२. वि

- भाषियों और बहिनों. (प्रार्थना सभा-
ओंमें गांधीजीके भाषण). दिल्ली, पब्लि-
केशन डिजिटल, मिनिस्ट्री ऑफ बिन्फ-
मेशन अॅन्ड ब्रॉडकास्टिंग, गवर्मेन्ट ऑफ
इण्डिया.

अंक १ - ४ आने, पृ. ३२, दिल्ली,
ता. १२-९-'४७ से २१-९-'४७ तक. वि

अंक २ - ४ आने, पृ. ३२,
ता. २२-९-'४७ से ३०-९-'४७ तक. वि

अंक ३ - ४ आने, पृ. ३२,
ता. १-१०-'४७ से ७-१०-'४७ तक वि

- मंगलप्रभात दिल्ली, सस्ता साहित्य, रु.
०-१-६, २ सं. १९३८, पृ. ६ + १०५. वि

सत्य, अहिंसा अत्यादि आश्रम जीवनके
व्रतोंके बारेमें बरबडा जेलसे गांधीजीके
लिखे हुये पत्रोंका संग्रह। 'व्रतविचार'
का ही यह नामान्तर है।

- बरबडा मन्दिरसे दिल्ली, १९३१

- विवाह समस्या प्रयाग, मातृभाषा मन्दिर;
रु. १-६-०

- व्रतविचार. देखो 'मंगलप्रभात'.

-(अनु : काशिनाथ त्रिवेदी) - सप्त
महाव्रत गोरखपुर, गीता प्रेस; १ आना,
२ सं. १९३२, पृ. २९. वि

बरबडा कारागारसे गांधीजीके भेजे
हुये पत्र-प्रवचनमेंसे सातका संग्रह जिसमें

है। सब प्रवचन 'मंगल प्रभात' नामसे
प्रसिद्ध है।

-(सं. यशपाल जैन) - हृदय मंथनके पाँच
दिन [महात्मा गांधीके कुपवासके दिनोंके
भाषणोंका संग्रह]। नबी दिल्ली, सस्ता
साहित्य, २ आने, १९४८, पृ. ६ + ५०. वि
गांधीजीकी प्रस्तावना सहित।

दक्षिण हिन्दी प्रचार सभा (प्र.) - पूज्य
वापूजीकी प्रार्थना मद्रास, द. भा. हि.
प्र. सभा, ३ आने, १९४६, (तामिल और
नेलगू लिपि सह) वि

दिवाण, कुन्दर (सं.) - आश्रम संगीत
'नालवाडी-वर्षा, प्रागसेवा-मंडल; १२ आने,
१९४४, पृ. २० + ३३८ + २८. वि

भावे, आचार्य विनोबा (अनु : हरिभाबू
भुपाध्याय) - गीता-प्रवचन नबी दिल्ली,
सस्ता साहित्य, रु. २-८-०, १९४७, पृ.
६ + ३०२. वि

मशरूवाला, कि. घ. (अनु : काशिनाथ
त्रिवेदी) - अंगु खिस्त अहमदाबाद, नव-
जीवन; १४ आने, १९४६, पृ. १४ + ९२.
वि

-(अनु : शंकरलाल वर्मा) - गीतामन्थन
दिल्ली, सस्ता साहित्य, रु. १-८-०, १९३९,
पृ. १२ + ४२६. वि

राजचन्द्र, श्रीमद् - श्रीमद्. राजचन्द्र :
राजचन्द्रजीके विविध लेख, पत्र, प्राशिवेद
बायरी आदिका संग्रह। बम्बई, परमशुत
प्रभावक मण्डल; रु. ६-०-०, १९३८, पृ.
८१ + ८७४. वि

सुंदरलाल, पं. - हजरत मुहम्मद और
असलाम. बिलाहाबाद, विश्ववाणी
कार्यालय; रु. १-८-०, १९४१,
पृ. २२४ + ३. वि

- गीता और कुरान. बिलाहाबाद, विश्ववाणी
कार्यालय, १९४४, पृ. ३२ + १७२. वि

४. समाजविपयक-सामान्य

काष्ठेकर, ए. बा. (अनु.) मुकुटविहाते
बर्मा) कोऊमोवन दिल्ली, मन्सा छादित्य,
८ अने, १ अङ्कित १९३८, पृ. १२+
१०० वि

ग्रामसंगठन विवरण केरलका सप्तर।

अनुवर्तमान वृत्त दोष है।

कोरेंटिफिकन, पिन्य-मवर्ध या सहयोग
अम्मेर, मन्सा छादित्य, ४ १-८-०,
१०२३, पृ. १०+८० वि

गांधी, मोहनदास क - बहर्नामि कलकता,
मुद्र सदी अम्मेर, २ पैमे, १९३१, पृ.
६+४० वि

मयाननिरव और फरेशी कारिक
वर्षिकार और निरुक्ति कर्मे किने
हुने १ केरलका छोटासा सप्तर।

-(अनु. प्रकृतक बर्मा) - रचनामक
कार्यक्रम (मुक्का रररर और र्वन)
नवी दिल्ली, मन्सा छादित्य, २ अने,
१९४२, पृ. २२ वि

-(अनु. कादिनाथ विवेदी) - रचनामक
कार्यक्रम (मुक्का रररर और र्वन)
अहमदाबाद, नवमीवन, ६ अने, २ अङ्कित,
१९४६, पृ. ४६ वि

अम्मेर १ कोरि व र्वनियन अम्मेर
अङ्कितमे अम्मेर।

परवर्धन, अचामादेव (अनु. हरिबन्धु
मुक्काबाध)-सेवाभर्मि मित्राबाध, मुक्का
मदन, ४ ०-४-०, १९४३, पृ. २२० वि
औ नम्मेरकी प्रम्मेरना अम्मेर
अन्विष्टा मन्वि।

मन्मन्दा, धीमन् (म. एमन् 'गुनन')
-समय ग्राममेबाकी आर [मन्मन्
ग्राम र्वनकी पुन र्वनकी मन्मन्
और मुक्का मन्मन्] मित्राबाध,
मन्मन्मदन, ४ ८-०-०, १९४३, पृ.
२४+३२८ वि

अम्मेर कृष्णानीकी भूमिका सप्तर।

महोदय, धीमन् - र्वनकी लुक्की
अम्मेर, मन्सा छादित्य, १४ अने, १९२८,
पृ. १६+१०६+३३+६४+९८ वि

मन्मन् अम्मेर मन्मन्, अम्मेर, लन्मन्,
मन्मन् मित्रादि अम्मेर और अम्मेरकी
अन्विष्टाका विवरण।

राजेन्द्रप्रमाद बाबू - रचनामक कार्यक्रम
मुक्का मुक्का, दिल्ली, मन्सा छादित्य, ४ अने,
२ म. १९४५, पृ. ४२ वि

४ अ. अस्पृश्यतानिवारण

आनन्द कौम्यारन, अम्मेर - मुक्का
अम्मेरकी भाषा दिल्ली, मन्सा छादित्य,
१ अने, १ म १९२०, पृ. २+६० वि
गांधी, मो क - हमारा कम्मेर [मन्मन्ना
निवारण पर मन्मन्नायिक केरलका सप्तर]
अम्मेर, मन्सा छादित्य १० अने, १
भा १९२९, पृ. १६+२८६ वि

परिशिष्टमे कर्मेर केरल १९२३मे
औ प्रविष्ट मुक्का गांधीकीने किवा मुक्का
हर्षिक और लम्मेरकी निवेदन मि है।

गांधीजी और अन्य लेखक - मन्मन्मन्मन्
और अस्पृश्यतानिवारण बनारस, १९२२
औहरी, चंपालाल - बहिष्कृत मन्मन् कान
पु. प्रमाद कर्माय, ५ अने, १९३२,
पृ. ६+४२ वि

दीक्षित, मन्मन्प्रमाद - मन्मन्मन्मन्मन्मन्मन्
मन्मन्, मुद्रक मन्मन्मन्, १२ अने
१९२४, पृ. १२६ वि

भारतवर्षीय अम्मेरद्वारा कमिटीकी रिपोर्ट
१९२४ १९२९

विद्योगी हरि - मन्दिरप्रवेश काशो, १९३१
शर्मा, सिद्धेश्वर - अछूतोद्धार और महात्मा
गांधी. शिकारपुर

सातवळेकर, श्रीपाद द. - छूत और अछूत
ओंध, १९२७
हरिजन सेवक संघ, दिल्ली - संघकी रिपोर्टें.

४ आ. कौमी अेकता (प्रधानतया हिन्दू-मुस्लिम)

अुपाध्याय, हरिभाअू - स्वामीजीका
बलिदान और हमार कर्तव्य (हिन्दू-
मुस्लिम समस्या) अजमेर, सस्ता साहित्य,
५ आने, २ आवृत्ति १९२८, पृ. १२८. वि
गांधी, मोहनदास क. - हिन्दू-मुसलमानों-
का तनाजा : अुसका कारण और अुपाय.
अहमदाबाद, नवजीवन, १ आना, १९२४,
पृ. ८ + ४०. वि

खास भूमिकामें गांधीजीने अपने
मन्तव्यका सार दिया है ।

-(सं. अेन्. आर्. मेहता) - सांप्रदायिक
विद्वेषपर बाधुके विचार. अलाहाबाद,
बिण्डिया पब्लिशर्स, रु. २-०-०

चन्द्रगुप्त वेदालंकार, स्वर्गीय (सं. शाली,
जगजुमार) - अखण्ड भारत ('सिंह-
कवि' कृत 'पाकिस्तानी पन्चीसी' सहित).
देहली, साहित्य मण्डल, १२ आने; २ सं.
१९४६, पृ. ७२. वि

जिन्ना, मुहम्मद अली - स्वराज्य और
मुसलमान. प्रयाग, १९१७

दिवाकर, रघुवीरशरण - हिन्दू मुस्लिम
समस्या और पाकिस्तान. वर्षा, मानव

साहित्य सदन, रु. १-०-०, १९४३,
पृ. १२ + १०६. वि

भगवानदास, बाबू और आज़ाद सोभानी
- हिन्दू मुस्लिम अेकताका प्रश्न (सवाल)
काशी, ज्ञानमण्डल यंत्रालय; २ आने, सं.
१९८०, पृ. ८२. वि

राजेन्द्रप्रसाद, बाबू - खण्डित भारत
बनारस, ज्ञानमण्डल (पुस्तक भंडार),
लि. रु. ८-०-०, १९४६, पृ. १० +
६५४ + १२ रेखाचित्र

सुन्दरलाल, पण्डित - भारतमें अंग्रेज़ी
राज खड १-३. अिलाहानाद, ओंकार प्रेस;
रु. १०-०-०, २ सं. १९३८, पृ.
६० + १७८०. वि

अिस पुस्तककी प्रस्तावना अिस
विषयमें खास अुपयुक्त है ।

- हिन्दू-मुसलिम अेकता [चार लेक्चर
जो पण्डितजीने अक्तूबर १९४४ में
रियासत ग्वालियरमें दिये]. ग्वालियर,
सेन्ट्रल कन्सिलियेटरी बोर्ड; १२ आना,
१९४७, पृ. ९८. वि

५. राजनीति

अग्रवाल, श्रीमन्नारायण - स्वतंत्र भारतके
लिअे गांधीवादी शासन विधान.
अिन्दौर, नवयुग साहित्य मन्दिर; रु.
१-८-०, १९४६, पृ. ६ + ११२. वि
महात्मा गांधीकी भूमिका सहित.

अेक राजनीतिका विद्यार्थी - क्या काँग्रेस
नाकाम रही है? [१९१८ से १९३९

तकका अैतिहासिक विवेचन]. लाहौर, लाला
मोतीराम; ३ आने, १९४३, पृ. १००

केला, भगवानदास (सं. दयाशंकर दुवे)
- सरल नागरिक शासक प्रयाग, हिन्दी
साहित्य सम्मेलन; रु. ५-०-०, १९४३,
पृ. २४ + ६६४. वि

शिक्षा और साहित्य (३०), राष्ट्रीय

अन्तर्जन (३१) और राजनीतिक विभाग
(३२) यहाँ जल परिशुद्ध स्वयं सुनिश्चित
है। मित्रों रहने महामा और गर्भ-
नक प्रभाव बचाने है।

गांधी, मो क (अनु बालीयन पण्डित)
- आगत्यों महामा गांधीजीका पण
प्यवहार अगला, एन्दर मेग, १० अने,
१ भा १ ११२

- महामा गांधीजीके कॉमिसेमें अगला
होनेका कारण [१७ अगला और १५
अगला १०३८ को प्रकाशित अगला
अनुवर्] दिनी, हिन्दुन न ट. अगला मेग,
११ अगला, १०३४, १ ४८

- स्वायत्तपर गांधीजी दिन्दनी - कोकण,
मोमपद कार्यालय, २ अने, म १०७८,
१ २८ वि

जानी गुलाम राजनीय परिद
मोमपद कार्यालय अने गांधीजीका दिना
दशा अगला (अने १११७)

- हिन्दुस्वराज्य दिन्दनी, एगला अगला, ३
अने, नमी अगला १०३८, १ १६ +
२१६ वि

गांधी, मो क और पण्डित अवाहरमाल
नेहरू - युरोपीय सुब और भारत नमी
दिन्दनी, एगला अगला, ४ अने, १९४७,
१ ४७ वि

गुला, श्री प्रियवदादेवी - अमहयोग तथा
हमारी परिस्थितिका सुधार अगला,
अवर्तन अगला, १० अने, १ भा १
१० + १०१ वि

देसाजी, बालजी गोविन्द - प्रजाप्रीही

राजा पण्डित अगला, गुल राजनी अगला
२ अने, १०३०, १ २१- वि
मध्य, प्यारमाल - देसी राजाजीका दहा
नमी दिन्दनी, एगला अगला, ४ अने,
१९४६, १ ४७ वि

नेहरू, अवाहरमाल - राष्ट्रीय अगला, नमी
दिन्दनी, एगला अगला, ४ अने, १९४७,
१ ४ + ५५- वि

- हिन्दुस्तानकी समस्यायें नमी दिन्दनी,
एगला, अगला, ४ १-०-०, १०३४, १-
८ + २१६ वि

पादरेन्दु, रामनारायण - भारतीय अगला
और भारतीय अगला, नमी दिन्दनी,
मगला अगला, ४, १-४-०, १९४६,
१ १२ + ३१६ अगला अगला अगला
अगला १ वि

मोहिया, राममनोहर - स्वराज्य क्या और
कैसे ? अगला अगला, राममनोहर मोहिया,
२ अने, १९३६, १ ४ + ७७- वि

वर्मा, जाम्बिप्रसाद - हमारी राजनीतिक
समस्यायें (वैयक्तिक विशेषणों दिन्दनी
अगला अगला) अगला, नमी अगला अगला,
१ ५-०-०, १०४६, १ ८ + २५२ वि

मिहा, बर्दीप्रसाद - गांधीका मौनी राज
[दिन्दनी दिन्दनी अगला अगला अगला
अगला अगला अगला] अगला, बर्दीप्रसाद
मिहा, ४ ३-०-०, १९४६, १ १० + २७७
वि

सुदर्मान, पण्डित और केला, अगला अगला
- विधायकी और अगला अगला, अगला
अगला, ४ २-८-०, १९४४, १ १०
+ ३१० वि

६. अर्थशास्त्र

अखिल भारतीय कॉमिसे कमेटी - भारतका
सरकारी अगला अगला, १०३२
अगला, १०० अगला (अनु अगला अगला अगला)

अगला - अगला राजमें हमारी आर्थिक
अगला दिन्दनी, एगला अगला, ८ अने,
१०३८, १ ६ + १५४- वि

- हमारे किसानोंका सवाल. [केन सरसरी निगाह] दिल्ली, सस्ता साहित्य, ४ आने, १ आ. १९३७; २ आ. १९३८, पृ. ६+१०८ वि

प. जवाहरलालजी भूमिका ।

काटेलकर, द. बा. - स्वदेशी धर्म. वन्धवी, ग्रंथभण्डार माटुंगा; ४ आने, १९२१, पृ. ६+३२. वि

कुमारप्पा, जे. सी. (अनु. ललिता देवी) - नियोजित अर्थव्यवस्थाका गांधीवादी मार्ग. मुजफ्फरपुर, अ. भा. ग्रा. शु. स्व, विहार: ५ आने

-(अनु: रामदास गौड़) - राजस्व और हमारी दरिद्रता [भारतकी वर्तमान अवस्थाका पैदा करनेमें राजस्वका भाग]. कलकत्ता, महावीरप्रसाद पोद्दार, ४ आने, १९३१, पृ. १४+१८५+४२. वि

-(अनु: रामनारायण चौधरी) - हिन्दुस्तान और ब्रिटनकी आर्थिक टेन-टेन. अहमदाबाद, नवजीवन, ८ आने, १९४८, पृ. ४८. वि

कुमारप्पा, भारतन् - पूँजीवाद, समाजवाद और धामोद्योग. रु. ५-०-०

गांधी, मो. क. (अनु. काशिनाथ त्रिवेदी)

- गोमेदा. अहमदाबाद, नवजीवन रु. १-८ ०, १९४६, पृ. १२+१६८. वि

- नमक-कर. कलकत्ता, शुद्ध खादी भण्डार, ९ पात्री, १९३९, पृ. १०२. वि

बिनमें दो लेख पृ. ७१ से १०२ महादेव देसायी और छगनलाल जोशीके लिखे हुअे हैं ।

-(अनु : वैजनाथ महादेव) - यन्त्रोंकी मर्यादा (यन्त्रोंक, विषयमें महात्माजीके विचार और लेख). बिन्दौर, साहित्यसदन, ५ आने, १९४६, पृ. १६. वि

-(अनु : कृष्णलाल वर्मा) - सर्वोदय. वन्धवी,

ग्रंथ भण्डार माटुंगा; ४ आने, १ आ. पृ. ३०. वि

- सर्वोदय [रस्किनके 'अन्टु धिन लास्ट' का सार] दिल्ली, सस्ता साहित्य, १ आना, २ मं. १९३९. पृ. ६+७५. वि

- स्वदेशी और वहिष्कार कलकत्ता गौड़, रामदास - त्वत्तेकी घड़ी या धनवानोंकी चेनावनी (नवजीवन माला १०). कलकत्ता, शुद्ध खादी भण्डार, २ आने, पृ. १०३. वि

टॉल्स्टॉय, लीयो (अनु : क्षेमानन्द राहत) - क्या करें ? खण्ड १-२. अजमेर, सस्ता साहित्य; (१) - १० आने, १९२६, पृ. २६०; (२) - रु. १-०-०, १९२९, पृ. ६+३१८. वि

-(अनु : श्रीमालाल गुप्त) - मालिक और मजदूर [गरीब और अमीरोंकी समस्याओंक निवर्णोंका संग्रह] बिन्दौर, नवयुग साहित्य सदन, रु. १-०-०, १९४५, पृ. ६+११०. वि
दत्त, रमेशचन्द्र (अनु : केशवदेव सहायिया) - ब्रिटिश भारतका आर्थिक इतिहास काशी, ज्ञानमण्डल कार्यालय; रु. १-१-०, १९२३, पृ. २१६. वि

देसायी, महादेव - स्वदेशीका नाश कलकत्ता देसायी, बालजीभाभी - गोरक्षाकल्पतरु. नाबरमनी, १९२९

नवरोजी, दादाभाजी (अनु : शिवचरणलाल शर्मा) - जब अंग्रेज नहीं आये थे. अजमेर, सस्ता साहित्य, ४ आने, १९२८, पृ. ९६. वि
पारनेरकर, य. म. - वृषभ-सुधार. वर्धा, गो-सेवा-संघ, ५ आने, १९४५, पृ. ३१. वि
विनोबाकी प्रस्तावना

मशरूवाला, कि. घ. - सोनेकी माथा. नबी दिल्ली, सस्ता साहित्य, १ आना, १९४१, पृ. ६१. वि

मसान्नी, मीन् (अनु : प्रशान्त) - समाज-वादका पुनर्विचार (संगोषित भेव परि-

वर्षित सम्पत्ति) मद्रास, १९३१, १२
 अने, प्रथम दिनी से १९४५, १.०६४४. वि
 मैत्रेय, अश्वकुमार (अनु एमनबन्धन)
 -अवसरेत आयें अमर, मद्रास मद्रिद,
 ४ १-६-०, १९३०, १ ४०+२०२ वि
 वमो, मजमोहनमाल - गौरक्षा अमरवा, १९३७

मीतारामेया, हो पदार्थ - भारतका
 आर्थिक गौरव. प्रथम, मद्रास मद्रिद,
 ४ १-४-०. वि
 -महामा गोर्यका समावहार प्रथम,
 मद्रास मद्रिद, ४ १-०-०
 मुकुन्द लाली मण्डार (२) - वैमर्की भाषा
 मद्रास, गु ल मण्डार, १. १०. वि

६ अ. अर्थशास्त्र : खादी

अखिल भारतीय खादी समाचार विभाग
 (२.) - अ मा खा स विभागकी
 पत्रिकाये १९३३ मद्रासमी, ४ १-८ ०,
 १९२४, १ ८+१-४ वि

अखिल भारत खरमा मय - अ मा ख
 मयक आर्थिक विवरण (मन्त्रालय रिपट)
 १९३१-३६, १९३५, १९३६, १९३७,
 १९३८, अमनावर अ मा ख मय
 १९३१-३६ १ ४१ वि
 १९३५ १ ६० वि
 १८३६ १ ८१ वि
 १९३७ १ ४५ वि
 १९३८ १ ४८ वि

१९३० का और अमर वाम विवरण
 अमन-वाम मद्रिद मुने है ।
 आर्थिक विवरण १९३९ वरुं, १९४०,
 १ ४८ वि

विमर्क मयक विवरण 'खरमा अमर'
 में प्रकाशित मुने है ?

अ मा ख मय - मार्गमूचिका वहां
 अ मा ख मय, १९४३, अम १ १
 २+७३, १० अने अम २ १ ८+
 १०४, १४ अने वि

खादी अमर (मानिक) देवे विवरण
 मन्त्रिर्कोष ।

-खरमा मयका मयमयकरण. सेवाग्राम,
 ४ १-८-०, १९४५, १ ६+११० वि

-अमर अमो अमरवा, अ. मा ख. मय,
 ८ अने, १ ५० वि

गांधी, कृष्णदाम (२) - खादी अमर
 (मानिक) देवे मन्त्रिर्कोष विवरण ।

गांधी, कृष्णदाम - धोखे कमात्रीकी आम
 वमो : मयक अमर (मय मयवा १९३५)
 मयग्राम, अ मा ख. मय, ४ १-४-०.
 १९४५ १ ८+१२२. वि

- (५) - महाराष्ट्र खादी पत्रिका
 (मानिक) देवे विवरण मन्त्रिर्कोष ।

खादी निवास (५) - खादी निवास, मन्त्रालय
 पुरकी रिपोर्टे अमरवा, १९३०

गांधी, मजमोहन लु - अमोमाका अम १,
 मयग्राम, १९३३

गांधी, मजमोहन लु - बिदेसी कपड़ेका
 मुकावला कैम किया आय ? अमर,
 मद्रास मद्रिद, १० अने, १९३१ १
 २०+१३३ वि

गांधी, मो क (म. कमु गंधी) - अर्थमय
 स्वराज्यमापना सेवाग्राम, अ मा
 मयग्राम, ४ अने, १९४५, १ ६+३१ वि
 -अमोमा अमोमा - अमो कनकल, गुल
 मदी अमर

-गांधीजीके लेख (खरमा अमरने अमोमी
 १९४१ से अम १९४३ तक प्रकाशित
 लेखोंका मयमय) वहां, अ मा ख. मय, ८
 अने, १९४३, १ २+६३. वि

गौड़, रामदास - खदर ही क्यों? कलकत्ता,
शुद्ध खादी भण्डार, पृ. २+१४०. वि
श्री रीचर्ड बी. जेम्स 'खदरका
संपत्तिशास्त्र' का सारांश

- खादी गीत. कलकत्ता

- संभले कैसे? कलकत्ता, शुद्ध खादी भण्डार,
पृ. १६०. वि

- हम कैसे लुटे? कलकत्ता, शुद्ध खादी
भण्डार, पृ. ३२. वि

जेम, रीचर्ड बी. (शुल्काकार - रामदास गौड़)
- खदरका संपत्तिशास्त्र अजमेर, सस्ता
साहित्य, १५ आने, १९२९, पृ. ८+३२३.
वि

खदरविषयक साहित्यकी सूचि -

परिशिष्ट अ

दास्ताने, दत्तोबा - नवी तुनाजी. सेवाग्राम-
वर्षा, खादी विद्यालय, रु. १-८-०, १९४४,
पृ. ६+९८. वि

दिवाण, प्रभाकर - किसान चरखा. नेवा-
ग्राम-वर्षा, खादी विद्यालय, रु. १-८-०,
१९४५, पृ. ८+९४. वि

देवधर, केशव - धनुष तकुवा. सेवाग्राम,
खादी विद्यालय, ६ आने, १९४४, पृ.
४+३४. वि

- (अनु: रामनरेशसिंह) - सरजाम-परिचय
मधुवनी, अ. भा. च. संघ, बिहारशाखा;
रु. १-१२-०, १९४५, पृ. १०+१७३
+ २. वि

नंदा, गुलजारीलाल - खादीके कुछ पहलू
अहमदाबाद, अ. भा. च. संघ, ५ आने,
१९३८, पृ. ४+४३. वि

'Some Aspects of Khadi'
का अनुवाद

- खादीका महत्त्व. दिल्ली, सस्ता साहित्य,
बेढ़ आना, १९३९, पृ. ४+९६. वि

'Some Aspects of Khadi'
का ही यह दूसरा अनुवाद है।

पुणतांवेकर, श्री. वि. और वरदाचारी,
अनु. अस्. (अनु: रामदास गौड़)
- हाथकी कताजी बुनाजी (निबन्ध).
अजमेर, सस्ता साहित्य, १० आने, १९२७,
पृ. ४+२८०, सूचि. वि

प्रीदार, महावीरप्रसाद - खादी प्रदर्शक.
कलकत्ता, शुद्ध खादी भण्डार, ४ आने,
१९२३. वि

भगवतीसिंह - खदर शिक्षक. काशी १९२४
भावे, विनोबा - खादी और गादीकी
लड़ाजी. दिल्ली, सस्ता साहित्य, २ आने,
१९३९, पृ. २+१०६. वि

मुग्यत: खादी विषयक १० लेखोंका
संग्रह जिस छोटी किताबमें है।

मथुरादास पुरुषोत्तमदास - मध्यम पिंजन
अहमदाबाद, अ. भा. च. संघ, ५ आने,
१९३८, पृ. ८+८४+१० चित्र. वि
महेता, बालुभाजी - खादी मीमांसा. दिल्ली,
सस्ता साहित्य, रु. १-८-०, १९४० पृ.
६+३४३. वि

आधारभूत ग्रंथोंका परिचय स्वतंत्र
प्रकरणमें दिया है। मराठीसे अनुवादित।
मातृभाषा मन्दिर (प्र.) - चर्खेकी सुप-
योगिता. प्रयाग

मीरा बहेन - खादी और स्वराज्य. कलकत्ता,
शुद्ध खादी भण्डार, १९३०. वि
राजेन्द्रप्रसाद, बाबू - खादीका अर्थशास्त्र
मुजफ्फरपुर, १९२८

वरदाचारी और पुणतांवेकर - हाथकी
कताजी बुनाजी (निबन्ध). देखो पुणतांवे-
कर और वरदाचारी

शर्मा, गणेशदत्त - खादीका इतिहास
बनारस, १९२३

शुद्ध खादी भण्डार (प्र.) - खादी-प्रदर्शक
कलकत्ता, ४ आने, १९२९, पृ. ८+८६
Khadi Guide का हिन्दी अनुवाद
सातचळेकर, पं. श्रीपाद द. - घेदमें चर्खा

की, स्वच्छन्द मन्दन, १९२८, पृ ८४ वि
मीनारामदाम, माधु - लादी निवास क्षेत्र
दर्शन मन्त्रपुर, लादीनिवास, पृ. ०-१-०.

१९२४, पृ १२८. वि
मन्त्रपुर में अन्तर्गत केन्द्रों का नाम
विश्व विविध नामों के मातीकरण केन्द्रों।

६ आ. अर्थशास्त्र : ग्रामोद्योग

- अर्थशास्त्र भारतीय ग्रामोद्योग संघ - अ भा
मा मन्त्री कार्यालय विवेक वा कप
विभाग, १९२६, अ भा मा मन्त्र १९२५ -
८ अने, १९२६, पृ २४ + १८, १९२६ -
८ अने, १९३०, पृ ४२। १९२७ - ८
अने १९२८, पृ २४, १९२८ - ८ अने,
१९२९, पृ २२ १९२९ - १० अने,
१९४०, पृ ६४ वि
- लावक वर्ग, १२ अने, १९४२ पृ ६ +
६० वि
- हिन्दुस्तानी नाथ पराधीन आहारनय
और सुनने प्राप्त जीवननय वर्ग, ३
अने, १९४२, पृ १५ वि
- कुमारणा, जे सी - ग्राम आन्दोलन की
आवश्यकता वर्ग, अ भा मा मन्त्र, ६
अने, १९३८, पृ २० + १०२ वि
- (२) - ग्राम सुयोग पत्रिका (वैयक्तिक)
देखा विभाग मन्त्रविभाग।
- कुमारणा, भारतन - ग्राममन्त्रीयन (ग्राम-
सुयोग तथा मन्त्रपुरवर्तन) वर्ग, अ
भा मा मन्त्र २ अने, १९२५ पृ
० + २४ वि
- कैप्टेन मुरारिचन्द्र लाल अन्तर्गत
लादी और ग्रामोद्योग प्रदर्शनी मन्त्रालय
- लादी और ग्रामोद्योग प्रदर्शनी कार्य
विभाग हरिपुर महामन्त्र अन्तर्गत, हरि
पुर मन्त्र मन्त्रालय, ८ अने, १९२८,
पृ ४८ वि
- लादी और ग्रामोद्योग प्रदर्शनी कार्य
विभाग विपुली मन्त्रालय, विपुली, ४,
अने, १९२९, पृ १५ वि

- गांधी, मो. क - ग्रामोद्योग (ग्रामोद्योग
मन्त्री मन्त्रालय मन्त्र) दिल्ली, मन्त्र
विभाग, १ अने, १९३८, पृ ७३. वि
- ग्रामोद्योग मन्त्रालय अन्तर्गत
- लादी और ग्रामोद्योग (ग्रामोद्योग मन्त्रालय
मन्त्र १) दिल्ली, मन्त्र विभाग, १
अने, १९३०, पृ ६० + ७३. वि
- गोमेवा मन्त्र - मन्त्री सी (ग्रामोद्योग मन्त्र
मन्त्र) गोपुरी-वर्ग, ६ अने, १९४०, पृ
६ + ४३ विमोक्षक मन्त्रालय के मन्त्र वि
गोमेवा मन्त्र - वर्ग गोमेवा कार्यका
मन्त्रालय अन्तर्गत, गुवागो १९४२ से
दिल्ली १९४० तक गोपुरी-वर्ग, मन्त्रालय
मन्त्र, २ अने, १९४६ पृ २२
- गौड़, रामदाम - हमारे गाँवों का सुधार
और मन्त्रालय दिल्ली मन्त्रालय, ८
अने, १९२८, पृ २१ + २३६. वि
- ग्रामोद्योग मन्त्रालय की मन्त्रालय की है।
- हमारे गाँवों की कहानी दिल्ली, मन्त्रालय
विभाग, ८ अने, १९३९, पृ १० + १९८
+ ५५, ३ म १९४९, पृ २-८-० वि
- चित्र, शांताराम मोरेश्वर - मन्त्रालय-
पालन वर्ग, अ भा मा मन्त्र, १ अन्तर्गत
१९३०, २ म १९४१, ८ अने, पृ-
६ + २८ वि
- मन्त्रालय-पालन दिल्ली, मन्त्रालय,
२ अने, १ अन्तर्गत, १९३०, पृ ६ + ९६
+ ० वि
- मन्त्र मन्त्रालय मन्त्रालय मन्त्रालय
चौधरी, मुश्तारामिह (म. मन्त्रालय विभाग
मन्त्र) - हमारे गाँव और किसान

दिल्ली, सस्ता साहित्य, ८ आने, १९४०,
 पृ. १०+१८२. वि
 जैन, वंसीधरजी - देशी रंगाजी व छपाजी
 (६५ नमूनों के सहित). सावरमती, अ.
 भा. खादी समाचार विभाग, रु. १-४-०,
 १९२४, पृ. १८+१८१; रंगों के नमूने
 अलग वि
 जोशी, के. बी. - साधुनसाजी [गृहोद्योगों के
 रुपमें केवल देशी वस्तुओं के उपयोगसे]. वर्षा,
 अ. भा. ग्रा. संघ, १२ आने, १ आ.
 १९३९, पृ. ८+६७, सचित्र. वि
 -(अनु: सी. बी. गुप्त) - हाथ कागज़
 (गृहोद्योगों की दृष्टिसे). वर्षा, अ. भा. ग्रा.
 संघ, ८ आने, १ आ. १९३८, पृ.
 ६+४९, सचित्र. वि
 जायक, गजानन - ताड़का गुड़. वर्षा, अ.
 भा. ग्रा. संघ, २ आना, १ आ.

१९३८, पृ. २+१८. वि
 पटेल, शंवरभाजी पु. (संकलनकार)
 - गांवों का आर्थिक सवाल. दिल्ली,
 सस्ता साहित्य, ३ आना, १ सं. १९३९,
 पृ. ६+१६६. वि
 - तेलघानी वर्षा अ. भा. ग्रा. सु. संघ,
 १ सं. १९३८; ३. सं. १९४३, रु.
 १-८-०, पृ. ६+१७+९६+४२. वि
 - तेलघानी की पूर्ति. वर्षा, अ. भा. ग्रा. सु.
 संघ, ५ आना, १ आवृत्ति, १९३८, पृ.
 १०+३०, सचित्र. वि
 - सीमेण्ट घानी की ओखली बनाने का तरीका
 वर्षा, अ. भा. ग्रा. सु. संघ, २ आने, पृ. ६, वि
 शुक्ल, कृष्णकुमार - भारत के देहात :
 सुनका अतीत और भविष्य. कानपुर,
 राष्ट्रीय प्रकाशन मन्दिर, रु. १-०-०,
 १९३९, पृ. ४+१५१ वि

७. शिक्षण

आशादेवी (सं.) - नयी तालीम (मासिक).
 देखो आगे 'नयी तालीम'
 कन्हैयालाल - राष्ट्रीय शिक्षा का इतिहास
 - काशी, काशी विद्यापीठ, रु. २-०-०,
 १९३०, पृ. ८+२९१. वि
 कालेलकर, दत्तात्रेय बालकृष्ण - काशी
 विद्यापीठ के षष्ठ समावर्तन के अवसर पर
 दिया हुआ भाषण. काशी, काशी
 विद्यापीठ, १९३१, पृ. २६. वि
 - राष्ट्रीय शिक्षा के आदर्शों का विकास.
 अहमदाबाद, गुजरात विद्यापीठ, १९२८,
 पृ. २० वि
 - सहजीवन की समस्या [प्रयाग महिला
 विद्यापीठ के अध्यापिवितरणोत्सव के अवसर
 पर दिया हुआ दीक्षान्त भाषण]. बिलाहावाद
 प्रयाग महिला विद्यापीठ, १९३७, पृ. ३२.
 कृपलानी, आचार्य - बुनियादी तालीम की
 पद्धति और आदर्श. सेगांव-वर्धा, हिन्दु-

स्तानी तालीमी संघ, २ आने, १९३९,
 पृ. २४. वि
 गांधी, कृष्णदास - कताजी गणित-प्रकरण
 १ : गज और तार या सूत की लंबाई के
 नाप. सेवाग्राम, हिन्दुस्तानी तालीमी संघ,
 ८ आने, २ सं. १९४०, पृ. १६+१४६.
 वि
 - कताजी गणित-प्रकरण २ : सूत का अंक.
 सेवाग्राम, हिं. ता. संघ, ४ आने, १ आवृत्ति
 १९४०, पृ. ४+६०+२. वि
 - घरेलू कताजी की आम गिनतियाँ. सेवा-
 ग्राम, अ. भा. च. संघ, १२ आने, १९४६,
 पृ. ८+७८. वि
 गांधी, मगनलाल और ड्रेग, रीचर्ड बी.
 - तकली शिक्षक [सचित्र]. सावरमती,
 शिक्षण विभाग, चर्खा संघ; ६ आने,
 १९२६. पृ. ८+७२. वि
 गांधी, मो. क. (अनु: काशिनाथ त्रिवेदी)

95

हि. ता. संघ, रु. १-४-०, १९४१, पृ. ४८ + २३२. वि
- शिक्षामें अहिंसक क्रान्ति. सेवाग्राम, हि. ता. संघ, २ आवृत्ति, १९४०, पृ. ६ + १७२ + १३३ + २४८. वि

८. राष्ट्रभाषा

कालेकलर, द. वा. - स्वराज्य-भाषा [दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रासके प्रथम व्यापारिवितरणोत्सवके अवसरपर दिया हुआ अभिभाषण]. मद्रास, हिन्दी प्रचार प्रेस, पृ. १३. [यिकोंमें।]
- सबकी बोली (मासिक) - देखो साम-
- हिन्दुस्तानीकी नीति. वर्षा, हि. प्र. सभा, १९४७, पृ. ८. वि
- हिन्दुस्तानीके प्रचारक गांधीजी. वर्षा, हि. प्र. सभा, २ आने, १९४८, पृ. १८. वि
गांधी, मो. क. (अनु: काशिनाराय त्रिवेदी)
- राष्ट्रभाषा हिन्दुस्तानी. अहमदाबाद, नवजीवन, रु. १-८-०, १९४७, पृ. १२ + २२४. वि
देसायी, मगनभायी (सं.) - हिन्दुस्तानी-गुजराती कोश. अहमदाबाद, नवजीवन, रु. ४-०-०, २ आवृत्ति, १९४६, पृ. १६ + ३७६. वि

महात्मा गांधीजीको प्रस्तावना सहित। हिन्दुस्तानी शब्द नागरी और शुद्ध दोनों लिखावटमें दिये हैं। यह 'राष्ट्रभाषानो गुजराती कोश' की ही दूसरी आवृत्ति है।
मकतबा जामिया(प्र.) - हिन्दुस्तानी. दिल्ली, १२ आने, १९४०, पृ. ७५. वि

९. आरोग्य

गांधी, मोहनदास क. (अनु: पं. गिरिधर शर्मा 'नवरत्न') - आरोग्य-दिग्दर्शन. बनबी, गांधी हिन्दी पुस्तक भण्डार, ७ आने, ३. सं. १९२०, पृ. १२ + १२८. वि

वर्षा शिक्षण पद्धति पर गांधीजीके विचार, वर्षा शिक्षण, अखिल भारत-शिक्षा - परिषद्का विवरण और जाकिर हुसेन कमेटीकी रिपोर्ट और मुनियादी तालीमका विस्तृत पाठ्यक्रम।

हिन्दुस्तानीके विषयमें डॉ. ताराचंद, डॉ. अब्दुल हक, बाबू राजेन्द्रप्रसाद, डॉ. जाकिर हुसेन वगैराके ऑल इंडिया रेडियो परसे वयान।
शर्मा, पं. पद्मसिंह - हिन्दी, शुद्ध और हिन्दुस्तानी. अिलाहाबाद, हिन्दुस्तानी अकेडेमी, रु. १-०-०, १९३२, पृ. ८ + १७३. वि
शर्मा, स्वामीनाथ - भारतकी भाषा. बम्बई, नालन्दा प्रकाशन, रु. १-४-०, १९४७, पृ. ४५. वि
शुक्ल, रविशंकर - राष्ट्रभाषाकी समस्या और हिन्दुस्तानी आन्दोलन. लखनऊ, गंगा पुस्तकमाला, रु. २-८-०, सं. २००२, पृ. ८ + २४८ + ४५. वि
सुंदरलाल पंडित (सं.) - नया हिन्द. नागरी और शुद्ध लिखावटमें प्रसिद्ध होनेवाला मासिक।

देखो सामयिकोंके विभागमें।
हिन्दुस्तानी प्रचार सभा - हिन्दुस्तानी प्रचार क्यों? (अखिल भारत हिन्दुस्तानी प्रचार संमेलन, १९४५ वर्षाकी रिपोर्ट) वर्षा, हिन्दुस्तानी प्रचार सभा, १२ आने, १९४५, पृ. ६०. वि

- आरोग्य-दिग्दर्शन. प्रयाग, १९३५
- आरोग्य-साधन. कलकत्ता, १९२२-
दिवाण, मनोहर घ. - कीड़ (शुसका कारण और अिलाज). नयी दिल्ली, सस्ता

સાદિલ, ૧૨ મને, ૧૯૪૩, પૃ ૧૨+
૧૨૪ ટિ

मोक्ष, बालमुनिजी ८ - हमारा आदर्श

१०. साहित्य

दुपायाय, हरिमातृ-युगाधनं बन्धने,
सत्या माह्वय * १-२ ०, १९११, ५
६ + २९४ + २ वि

—सन्त मिन्दौर नवयुग संहिता सान,
४ १-४-०, १९४६ पृ १११ वि

-समग्रताको मोर जिल्ला, १९१५ वि
काठेठछ, द बा (मनु हार्किन्स)-क्याः
केक जीवनदर्शन जिल्ला, स सा मध्य,
८ जाने, १९१७ नु ४३१०८ वि

-(अनु. मोनिवभाष्ये दिनेरी) - जीवन
साहित्य - मंड १, २ बरबर स सा
मंड ६ बने ६ बने, १९२७ १९२८,
पृ २१६ २०० वि

-(अनु. श्रीराम जोशी) - श्रीमन्का काव्य
महमदाबाद नवम्बर, २ मध्ये, १९४७,
१८ + २५४ वि

सह, बाबू दशरथप्रसाद - सत्याग्रही प्रवृत्ति
(नटक) कलकत्ता, मिहलबन्द बँड
कमी, रु १-४-०, म १९७८, पृ
१६ + १२१ वि

गांधी, मो क - ग्रामनवागो (जीवननयन)
प्रदीप खरेवाडे ९० निधो पत्र
जिल्हाद, माधनमन ६, १-८-०,
१९४४, पृ १५६ रि

-(स रामनाथ मुनन) - गांधीवाणी
जिल्हवा सुचनासदन रु १-१२-०,
१९४३

—सौन राम बनभौ मैनेजर धधमण्ट, १०
मने पृ. ४+८७ वि

मित्र पुस्तकमे टैक्सटोयकी तान
क्यार्थोय गीतोयय पुस्तको अमुकदका
मिनी माशंतर दिवा है । क्याथे ?

कपाँ, अ मा मा दु हंय, ८ जाने,
१९४०, पु ८+९३+४ वि

मृत्युप्राप्त, = मनुष्य स्थिती समीपका
माहिक हो सकता है और ३ जीवन
होगा

- पञ्चरात्र सम्प्रदाय, १५ अक्टूबर, १९७७, १ मार्च १९७७, पृ ८४१९ वि

पंचरत्न वर है १. पूर्व और पश्चिम,
२. नीतिधर्म अथवा धर्मनीति, ३.
अभिहितके महान नेता मुस्तफा कामेल
पाशाका जीवनी और पुनरुद्धार
अध्ययन, ४. एक सत्यवीरकी कथा
या स जेरोल्मी सचमी, और ५. महामा
गांधीजीका कोर्टमें दिया हुआ दायन
१९२२ और कुछ महत्वपूर्ण निर्णय की
शान्ति है । मुद्रणालय बनारस

- पूर्व और पश्चिम लोचन दिक्किसनको
 स्थित है 'वेस्टर्न ऑफ़ जैन चयनार्थ'।
 (चीनकी भाषा) का यह पाँचवीं दिक्किसन
 सारंग है। देखो दिक्किसन :

- (अनु. २३बीएर ४४२बी) - महात्मा गांधीके निजी पत्र काठपुर, सस्ती गिरी पुस्तकालय ५ बाने, १९२६, पृ. ६०-१२२ वि

प्राचीन के अपने भारतीयों के प्रति
समय समय पर लिखे हुये ८१ पत्रों का
संग्रह (१९०८-१९१७)

- महाभाषीके पत्र बयपुर, १९१०

- धियोकी समस्याओं मिडह्वद, सभ्य
सदन, व १-४-०

गुरु, गिरधारीदास - अर्थ हिन्दू (कव्य)
चिन्ता (सौम्य), साहित्य सदन, १९४०,
४ २६ वि

- नौआवालोमें (हज्ज) चिगाब (हॉल)।

साहित्यसदन, ८ आने, सं. २००३, पृ. ५२. वि

गुप्ता, रमेश-सावरमतीका संत तथा अन्य गीत. बम्बयी, हमारा हिन्दोस्तान, रु. २-०-०, १९४५, पृ. ६ + ४७. वि

गोविंददास, सेठ-पाकिस्तान नाटक [तीन बंकोमें एक नाटक]. अिलाहाबाद, किताब-महल, रु. ३-०-०, १९४६, पृ. १३७. वि

गौड़, रामदास-राष्ट्रीय गायन. कलकत्ता, शुद्ध खादी मण्डार, १ आना, १९३०, पृ. ८०. वि

‘चन्द’ त्यागी-चर्खा नाटक (नवयुग-दर्शन). अछेजा (जि. मेरठ), राजकिशोर राज, १२ आने, १९३०, पृ. २० + १७४. वि

जैनेन्द्रकुमार-जड़की घात : कुछ निबंध. प्रयाग, हिन्दी मन्दिर, रु. २-०-०, १९४६, पृ. ८ + २१५. वि

लेख-२, १३ और १४ राष्ट्रीयता, अहिंसाकी बुनियाद और गांधीनोति विषयक हैं।

डिक्किन्सन, लोवेज़ (अनु : वैजनाथ महोदय) - चीनकी आवाज़. अजमेर, सस्ता साहित्य, ५ आने, १९२७, पृ. १३३. वि

- (सारानु : मो. क. गांधी) - पूर्व और पश्चिम. देखो गांधीजीके नामपर.

द्विवेदी, सोहनलाल-सेवाग्राम (राष्ट्रीय कविताओंका संग्रह). प्रयाग, इंडियन प्रेस, रु. १०-०-०, १९४६, पृ. १४ + २३१. वि

विड़ला, धनश्यामदास-बिखरे विचार. दिल्ली, श्यामलाल, हरिजन कॉलोनी रु. १-८-०, १९४१, पृ. ६ + २५०. वि

पुस्तकके तीन विभागोंमेंसे दूसरा गांधीजीके विषयमें है। पृ. ६३ से १५२.

भावे, विनोबा-विचारपोथी. नालवादी (वर्षा), ग्रामसेवा मंडल, रु. १-८-०, १९४६, पृ. ८ + १६०. वि

-(अनु : वियोगी हरि)-विनोबा और

अनुके विचार. नयी दिल्ली, स. सा. मण्डल, ८ आने, १ आ. १९४०, पृ. १२ + २०४. वि

- विनोबा और अनुके विचार-भाग २ रा. नयी दिल्ली, स. सा. मण्डल, रु. १-८-०, १९४६, पृ. ६ + १७२. वि

रघुवीरशरण ‘सिंह’-महापुरुष (काव्य). मेरठ, अ. भा. रा. सा. प्र. प. रु. १-०-०, १९४६, पृ. ६ + ३९. वि

‘संत गांधी’ काव्य, पृ. ३-४.

रमावल्लभसिंह (सं)-राष्ट्रीय साहित्य. खण्ड १ से ४. लहेरियासराय, नवयुग ग्रंथमन्दिर, रु. १-८-०, १९२२, पृ. ३४३.

- राष्ट्रीय साहित्य-खण्ड ५-६. रु. ३-०-०, पृ. ६१६

राजगोपालाचार्य, चक्रवर्ती (अनु : शान्ति भटनागर) - कुन्जा सुंदरी और दूसरी कहानियाँ. नयी दिल्ली, स. सा. मण्डल, रु. २-०-०, १९४६, पृ. ६ + १९७. वि

- विमोचन. मद्रास, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, ८ आने, १९३६, पृ. ४ + ९२.

राहुल, सांकृत्यायन - दिमागी गुलामी. पटना, रामनाथ त्रिवेदी, १० आने, १९३८, पृ. ६ + ९५. वि

गांधीवाद पृ. ११ से २३. गांधीवादमें वैज्ञानिक घृतिका अभाव है, बुद्धिकी जड़ता है, अत्यादि मन्तव्य सब पुस्तकमें भरे हुये हैं।

विराज - आज्ञाद हिंदूका तिरंगा झण्डा. लाहौर, साहित्य भवन, रु. १-४-०, सं. २००३, पृ. ७९

शास्त्री, कमलापति और टंडन, पुरुषोत्तमदास - पत्र और पत्रकार. बनारस, शान मण्डल (पुस्तक मण्डार) लि. रु. ५-०-०, १९४४, पृ. १२ + ४५५. वि

सस्ता साहित्य मण्डल (प्र) - राष्ट्रीय गायन. दिल्ली, सस्ता साहित्य, २ आने, १९३९, पृ. २ + १२३. वि

११. आधुनिक अितहास

अखिल भारतीय महासभा समिति -
भारतीय राष्ट्रीय महासभाके अधि
पेयनर्तक कार्य विवरण

४१वीं अधिवेशन, गौहटी, मद्रास,
महासभा, अ मा म समिति, १२ भागे,
१९४०, पृ. ४०. वि

५०वीं अधिवेशन पैटुर, १९३६

मिनाबाद, १९३७, पृ. ७२ + ७३ + ७४ वि

जैहपुर, सी. डे. और पिपर्मन, डम्प
डम्प (अनु. मद्रास ६२४) - फिजीमें
भारतीय प्रतिज्ञाबद्ध कुलीनया राजपुत्र,
मराठा काव्यान्व, ६ १-२-०, १९३९,
पृ. २४० वि

कनैयालाल - कांमैयक प्रस्ताव (१८८५ -
१९३१) बनारस छावनी, नवयुग प्रकाशन
मन्दिर, ६ ४-०-०, १९३१ पृ
१० + १४ + २४ वि

सुभाषबाय, हरिमाय - साधनाके पथपर
का अधिपक अनुभव मिन्दौर, नवयुग
साहित्यमदन, ६ १-०-० १९४५,
पृ. १० + २३८ वि

काटेल्कर, दत्तात्रेय बालकृष्ण - हिन्दी
बनी. कल्कता, गुड छापी मन्दार, १
भागा, १९३०, पृ. ४ + ६८ वि

एल. ए. आन्ड्रोनोके बनारस लेभोने
क्षम करक सुबर्बोम-अनोक

कृष्णचन्द्र विद्यालंकार - कांमैयका अिति
हास (सन् १९३५ से १९३९ तक).
मिन्गी, सप्ता संहिता, ५ भागा, २ भा.
१९३९, पृ. ८ + ७५ वि

हॉ गृहमि सीतारामेयको प्रस्तावना।

मुन्दीकि विन्ने हुमे विविधानके अनुसन्धानमे
यह विद्या गया है।

कृष्णदाम - स्वर्णप्रतापके समामाके ९० वर्ष
१८५७-१९४७ विभागाद, मिन्डिया
बन्दिगुम्मे, ६ ४-८-०, १९४७ वि

बेला, भगवानदाम - भारतीय छाप्राने-
अशीगद, भगवानदाम बेला, १-०-०,
१९२०, पृ. १२ + २०२. वि

- भारतीय राष्ट्रनिर्माण बुन्दवन, प्रेम
महाविद्यालय, १४ भागे, ३ स. १९२३,
पृ. १६ + १८४. वि

- भारतीय चिन्तन. बुन्दवन, मरदोव
प्रधाना, १४ भागे, १९२३, पृ
१२ + १८८. वि

- हमारी राष्ट्रीय समस्याएँ. मिनाबाद,
भारतीय प्रधाना ७, बा देवराज, ६
१-०-०, पृ. १३६. वि

वरेन मोत्रना तक

प्रेमचन्द सुमन - हमारा सपरं [छक
मेने सुरीर ऐनीमे विद्या दुभा मन्ना
कानिका मोत्रसी मिनिहाम] देवराज,
भास्कर प्रेस, ६ ४-०-०, पृ. १६ + १००

सुराना, डॉ. लक्ष्मीचन्द्र तथा कृष्णचन्द्र
विद्यालंकार - वर्तमान जगत लक्ष्मी
भास्काराम बेंड्रे सम्म, ६. २ ४-०,
पृ. ८ + ३२९ वि

आरक गुगनिर्दिष्ट-मोन्ने गौधीकी
चरित्र व कार्य, पृ. १४८ से १५१,
गौधीकर, पृ. १२२ से १२५

गौधी, मो. क - पुण्य स्मृतिपाँ [देवी
तथा विदेशी मद्रानाओंके प्रति अक्षरजि]
मयण, छपन दितकारी पुस्तकमाला, १२ भागे,
१९३०, पृ. ४ + १२८ वि

- महात्मा गौधीका व्याख्यान (११ ११-१७)
मुक्तकम्पुद, निरहुन पुस्तकमन्दार, १९३७,
पृ. ४ + ९

- गुड यात्रामें प्रवचन कल्कता, गुड
छापी मन्दार, देव भागा, १९३१, पृ
४ + २०० वि

भाणरते हॉकी तक रिचे हुमे
प्रवचनोन्नेम ८ प्रवचनोंका संग्रह

- राष्ट्रवाणी. दिल्ली, सस्ता साहित्य, १० आने, नवजीवन प्रकाशित 'Nation's Voice' के पूर्वाधिकार यह हिन्दी अनुवाद है। जिसमें गांधीजीके दूसरे गोलमेज परिषदमें दिये हुये भाषणोंका संग्रह है।

- हिन्दुस्तानका राष्ट्रीय झण्डा. बिन्दौर, हिन्दी साहित्य मंदिर, रु. १-०-०, १९२१

- हिन्दुस्तानकी समस्याएँ. बनारस, काशी पुस्तक भण्डार, रु. १-८-०.

गुप्त, नम्रयनाथ - अगस्त क्रान्ति और प्रतिक्रान्ति (समीक्षा). प्रयाग, कल्याण साहित्य मन्दिर, रु. २-८-०, १९४६, पृ. १८७. वि

गांधीजीने क्रान्तिका विरोध और प्रतिक्रान्ति स्थापन करनेकी चेष्टा की बैसा लेखकका मन्तव्य है।

गोविंदसहाय - सन ब्यालीसका. विद्रोह. बिन्दौर, नवयुग साहित्य सदन, रु. ६-८-०, १९४६, पृ. १४ + ३४३. वि

जयप्रकाश नारायण लिखित भूमिका।

चिंतामणि, सर सी. वायू. (अनु: केशवदेव शर्मा) - भारतीय राजनीतिके अस्सी वर्ष. अिलाहाबाद, हिन्दुस्तान अँकेडेमी, रु. १-०-०, १९४०, पृ. २२४. वि

जंगबहादुरसिंह - वारडोलीका सिंह. कानपुर, १९२९

जावड़ेकर, श. द. (अनु: हरिभाबू शुभाध्याय) - आधुनिक भारत. अिलाहाबाद. हिन्दी मन्दिर, रु. ४-०-०, १९४४, पृ. ६ + ३३२. वि

मूल मराठी ग्रंथका संक्षिप्त अनुवाद।

त्रिपाठी, कमलापति - वापू और भारत. देखो विभाग १.

- वापू और मानवता. देखो विभाग १. त्रिपाठी, रामनरेश - देशकी दशा. दिल्ली, १९३०

- सेठ जमनालाल बजाज. प्रयाग, १९२७

देवव्रत - गणेश शंकर विद्यार्थी. बनारस, नवयुग प्रकाशन मन्दिर, रु. २-०-०, १९३१, पृ. १२ + २३३. वि

देसाजी, महादेव - दो खुदाजी खिदमत-गार. दिल्ली, हिन्दुस्तान टाइम्स, १२ आना, १ रुपया, १९३५, पृ. ६ + ९१. वि महात्मा गांधीजी लिखित भूमिका.

द्विवेदी, देवनारायण - देशकी बात. कल्कता, आदर्श हिन्दी पुस्तकालय, रु. २-८-०, १९२४, पृ. १६ + ४००. वि

पञ्चावके हत्याकाण्डसे महात्मा गांधीकी ६ सालका दंड हुआ उस समय तकका इतिहास, पृ. ३५८ से ४००.

नरेन्द्रदेव, आचार्य - भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलनका इतिहास. बनारस छावनी, नवयुग प्रकाशन मन्दिर, ८ आने, १९३१, पृ. ८९. वि

नवजीवन प्रकाशन मन्दिर (प्र.) - लोकमान्यको श्रद्धाञ्जलि [नवजीवन और हिन्दी नवजीवनमें प्रकाशित लेखोंका संग्रह]. अहमदाबाद, नवजीवन, १९२४, पृ. ४ + १३२. वि

लोकमान्यके संबंधमें गांधीजीके दो लेख जिसमें हैं।

नेहरू, जवाहरलाल - दुनियाका रंगमंच (विश्व इतिहासकी झलककी पूर्ति). नयी दिल्ली, सस्ता साहित्य, ४ आने, १९३९, पृ. ३१. वि

- (अनु: शुभाध्याय) - मेरी कहानी. दिल्ली, सस्ता साहित्य, रु. २-८-०, ३ सं. १९३७, पृ. १६ + १०४५. वि

- युद्ध संकट और भारत. नयी दिल्ली सस्ता साहित्य, ४ आने, १९४० पृ. २ + ६८ वि

- रुखसहाती दुनिया. नयी दिल्ली, सस्ता साहित्य, रु. १-८-०, ३ आ. १९४५, पृ. १० + १५०. वि

- विषय इतिहासकी सुरुआत - भा. १-२
नदी दिल्ली, सभा छात्रावास, क. ८-०-०,
१०३८ पृ. १६ + १४९२ + १६ वि

सुख दिवस सास बरके सुखसुख है
- हम क्यों है ? (देव और क. प्रे. की बर्तमान
लिखित अवलोकन), दिल्ली, छात्रा
सदस्य, २ भा. १०३९, पृ. ४४४३ वि

- हिन्दुस्तान की कहानी (Discovery
of India का अनुवाद), नवी दिल्ली,
छात्रा सभा, क. १० ० ०, १०४८,
पृ. १८ + ७२० वि

पालक, हेनरी - एराय और साराय
प्रथम १९१७

विचार, सुधी - अज्ञान सुनोनी. दिल्ली,
राजकाय एडिटर

विहारा, धनश्यामदास - धी कमना-
साठजी नवी दिल्ली, छात्रा सभा,
६ भा. १९४२, पृ. ७५. वि

अनारोपदास सन्यासी, स्वामी - प्रवा-
सी की कहानी कच्छा, ६ भा सभा
प्रकाशक लिमिटेड, क. ३ ०-०, १९३९,
पृ. १० + २८० वि

सामीजी की अवलोकन। देवक
अधिके सन्यासने गांधीजी के सेक
सुखो है।

भारतीय हृदय. श्रेष्ठ - प्रवासी भारतवासी
विन्नीट, सरस्वती सदन, क. ४-४-०,
१९१८, पृ. १६ + १९१ + ३११ + ४०
वि

- भारत मल ओडुगुल बन्धी, गांधी विन्नी
पुस्तक मन्द, क. २-१२-०, १९२३,
पृ. ३३२ वि

मिथ, शिवनारायण (२) - अज्ञानी
हर्षन. अज्ञानी निर्वोका इतिहास
वष बर्तमान अज्ञानी आन्दोलन. कानपुर,
१२ भा. १, ८ + १००. वि

मीठल, प्रभुदयाल - राष्ट्रीय आन्दोलन.
मधुल, राष्ट्रमहापुस्तक मन्द, क. १-८-०,
व. १९७९, पृ. १२ + ११८. वि

राजेंद्रप्रसाद, बाबू - आत्मकथा. 'एड',
सदस्य सभा, क. १२-०-०, १ भा.
१९४७, पृ. १४ + ९००. वि

औ बन्धनधारी बन्धक प्रकाशने
सुख। प्रभावी १९४७ मच्छा अने बीव-
नका बर्तमान निरक्षर बन्धीन दिया है।

रामनाथ 'सुमन' - पण्डित अकाशनाथ
नेहरू नदी दिल्ली, सभा सदस्य, २ भा. १०३०, पृ. ७० वि

- हमारे राष्ट्रनिर्माता, देतो १८ विमल.
राममनोहरमिह - आजादी के संगे कच्छ. ७.
अभिनेत अरुण प्रकाश, क. २-०-०,
१०४१, पृ. १४ + १०१ + २. वि

छात्रासभा, छात्रा - तत्काल भारत बन्धी,
मिन्नी मन्त्रि मन्त्रि, क. १-४-०,
१९२३, पृ. १७७ वि

सुनिषा, जानमल - करानीको कांमिस
अम्बर, १०३१

सत्यदेव विद्यामन्त्र (स. विन्नी विन्नी
बाचन) - स्वामी अज्ञानन्द [अम्बर
अने स्वामी अज्ञानन्द की साराकरी
पृ. प्रायिक और विन्नी बीवनी]

- १०, शिवर पुस्तक मन्द, क. ३-८-०,
१९२३, पृ. २४ + १४८, सवित्र वि

सत्यदेव विद्यामन्त्र - हमारे राष्ट्रनि.
देतो विमल १ का

सर्वमान्य कांमिसने नेतागण और विद्वान
- कांमिसका सचिव (अन्त्य सुपरी)

सन १८८५ से १९४६ तकका सपूर्ण
इतिहास बनारस मिन्नी, काजी पुस्तक
मन्द, क. २-८-०, २ स. १९४६, पृ.
८ + २९८. वि

सोनारामिया, डॉ. पद्मानि - कांमिसका
इतिहास (१८८५-१९४५) दिल्ली.

सस्ता साहित्य, १ सं. १९३६, पृ. ३४७;
४ सं. १९४६, रु. ६-०-०. वि
स्वागत समिति ५१वीं हिन्दी राष्ट्रीय

१२. सामयिक और संग्रह

आजकल (बापू अंक) - सं. देवेन्द्र सत्यार्थी.
दिल्ली, मिनिस्ट्री ऑफ बिन्फ्रैमेशन अँड
वॉलकास्टिंगका पब्लिकेशन्स डिपार्टमेन्ट, १२
आने, १९४८, पृ. १२८, सचित्र. वि
खादी जगत् (अखिल भारत चर्चा) संघका
मासिक मुखपत्र) - सं. कृष्णदास गांधी
सेवाग्राम (वर्धा), अ. मा. च. संघ. वार्षिक
चंदा शुरूमें दो रुपया, बादमें छै रुपया
हुआ। १९४१ के जुलाहीसे शुरू। आगस्ट
१९४२ का युद्ध शुरू होन पर बंद रहा।
फिर चालू है। वि

ग्रामोद्योग पत्रिका (अखिल भारत ग्रामोद्योग
संघकी मासिक पत्रिका) - सं. जे. सी.
कुमारप्पा बि. वर्धा, अ. मा. ग्र. शु.
संघ. वार्षिक चंदा शुरूमें १२ आने,
अब २ रु. है। जनवरी १९३७ से शुरू।
आगस्ट १९४२ के आंदोलन दरमियान
बंद रहा। अब फिर चालू है। वि

त्यागभूमि [जीवन, जागृति, बल और
बलिदानकी मासिक पत्रिका] - सं. हरिभाबू
शुभाध्याय और क्षेमानन्द राहत। अजमेर,
सस्ता साहित्य मण्डल। वार्षिक चंदा ४
रुपया। प्रष्टसंख्या प्रतिवर्ष करीब ८००। शुरू
विजया दशमी सं. १९८४। १९३०-३२
का सत्याग्रह युद्ध शुरू होने पर बंद। वि
नवी तालीम (हिन्दुस्तानी तालीमी संघका
मासिक मुखपत्र) - सं. आशादेवी बि.
वर्धा, हिं. ता. संघ. सालका चंदा रु.
१-०-० शुरूमें था। अब ४ रुपया है।
शुरू जनवरी १९३९

आगस्ट आंदोलनके वक्त बंद रहा।
फिर चालू है। फरवरी १९४८ के अंकके
साथ पाँच वर्ष पूरे हुये। वि

महासभा - हरिपुरा अधिवेशनका
अहवाल. हरिपुरा, रु. २-४-०, १९३८,
पृ. २२८. वि

नया हिन्द (हिन्दुस्तानी कल्चर सोसायटीका
मासिक परचा) - संपादक : पं. सुन्दरलाल,
डॉ. ताराचंद बि०। परचा नागरी और
शुद्ध दोनों लिपियोंमें अेकत्र निकलता है।
बिलाहाबाद, हिं. क. सोसायटी सालाना
चंदा छै रुपया। जुलाही १९४६ से शुरू।
प्रतिमास करीब ९६ पृष्ठ होते हैं। वि
प्रेम - सं. असुदमल टे. गिदवानी और गंगाप्रसाद
भार्गव. बृन्दावन, प्रेम महाविद्यालय वार्षिक
मूल्य ३ रुपये। सप्टेंबर १९२६ से शुरू।
गिदवानीजीके समयके परचे गांधी
साहित्यकी दृष्टिसे उपयोगी हैं।

महिला आश्रम पत्रिका (महिला आश्रम
वर्धाका त्रैमासिक) - सं. भवानी प्रसाद
मिश्र। वर्धा, महिलाश्रम। वार्षिक मूल्य
रु. ४-८-०। सं. २००२ की गांधी
जयंतीसे शुरू। वि

यह पत्रिका प्रायः गांधीजयंती,
स्वातंत्र्यदिन, जलियोंवाला बाग दिन और
९ आगस्टकी प्रसिद्ध होती है।

- यंग बिडिया (गांधीजीके लेखोंका संग्रह)।

१९२९। खण्ड १-२. कलकत्ता,

राष्ट्रभाषा (राष्ट्रभाषा प्रचार समितिकी ओरसे
निकलता हुआ मासिक परचा) - सं.
श्रीमन्नारायण अग्रवाल. वर्धा. १५ जून,
१९४१ से शुरू। वार्षिक मूल्य रु. १-०-०.
वि

राष्ट्रभाषाका स्वरूप और लिपिके
प्रश्नके कारण तीव्र मतभेद होने पर
गांधीजी, काकासाहब बित्यादिने राष्ट्रभाषा
प्रचार समितिसे अस्तित्व दिये, तबसे यह
पत्रिका केवल देवनागरी हिन्दीका ही
प्रचार करती है।

विद्यार्थी (काशी विचारोत्थकी प्रेमात्मिक
पत्रिका) - सं. बाबू भगवानदास और
वेन्द्रेव. काशी स १९८६के आगस्टसे
शुरू ।

सदको घोड़ी (मानिक) - सं काका कछेऊकर
और श्रीमन्त्रा/वप अग्रवाल, वर्षी ओ ना
अग्रवाल १९४०के दिगम्बरसे श्री काका-
साहेब जकेले हो सप्तदश और प्रकाशक
बने । साताना चंदा रु १-४-०, पृष्ठ
मरुवा प्रतिवर्ष करोड़ ४००के आगस्ट ।
आक्टोबर १९३९ से शुरू हुआ । वि

राष्ट्रमन्त्रा प्रवर समिति का आग्रहक
नीचे यह राष्ट्रमन्त्राका प्रवर कामेवाला
मासिक था । २ वर्षों के बाद यह बंद
किया गया ।

सर्वोदय (मासिक) - म काका कछेऊकर
और दादा धर्माधिकारी वर्षी, दादा
धर्माधिकारी साताना चंदा रु ३-०-०,
पृष्ठमन्त्रा प्रतिवर्ष करोड़ ६७२के आगस्ट ।
वि

माथी सेवा सप्रेम आग्रहके नीचे यह
बड़ा महत्त्वका मासिक निकला था ।
१९४२ आगस्टका अन्तर्गत शुरू होनेक

बाद यह बंद हुआ । ४ वर्ष और १
महीना यह चला । जिसमें देखके सब
प्रमुख गांधीवादियोंके विचारणीय लेख
मिलेंगे ।

हरिजनसेवक (मासिक) - स विद्योपी
हरि. दिग्वे, वर्षी १ से ८, १९३३-४०
वर्ष ९ वॉ, महमदाबाद नवजीवन १९४२ ।
आगस्ट, १९४२का अन्तर्गत शुरू होने ही
जब हुआ । फिर चानू है । वार्षिक चंदा
र. ६-०-०

शुरूमें मिर्के हरिजन सेवा, अष्टावस्था-
निराकरण, और अन्य अराजनैतिक प्रश्नोंकी
चर्चा ही जिस परचेने दीती थी । फिर
प्रान्तीय कार्यसेकें सत्कार, होने पर राष्ट्रीय
जीवनके सभी प्रश्नोंको चर्चा जिसमें
शुरू हुई ।

हिन्दी नवजीवन (साप्ताहिक) - महमदाबाद,
नवजीवन नवजीवन वंग विद्यार्थीके
माथ हो यह निकलना था । १९३१-३२से
१९३२ तक चानू रहा । बादमें बंद ।

हिन्दी नवजीवन (जयन्ती अंक) - सं.
हरिभाबू भुषाव्यय । महमदाबाद, नवजीवन,
८ आने, म. १९७९, पृ ४+६४ वि

ગુજરાતી પુસ્તકો

૧ ગાંધી-ચરિત્ર

કવિ, દયાશંકર - કસ્તૂરબા. સુરત, હરિહર
પુસ્તકાલય, રૂ. ૧-૮-૦, ૧૯૪૪, પૃ.
૮ + ૧૩૭. વિ

કવિ, નાનાલાલ - ગુજરાતનો તપસ્વી
(કાવ્ય). મુંબઈ, સ્વામી આનંદ, ૧૯૧૯.
ગાંધીજીના સુંવર્ણ મહોત્સવ પ્રસંગે
કવિએ રચેલું કાવ્ય.

કુરેશી, હમીદ અને માંવલંકર, પુરુષોત્તમ
ગ. (સં.) - દુનિયાની દૃષ્ટિએ. અમદાવાદ,
કુરેશી અને માંવલંકર, ૬ આના, ૧૯૪૩,
પૃ. ૪૩; ૨ આ. ૧૯૪૮, ગતિ પ્રકાશન
લિ., રૂ. ૧-૦-૦, પૃ. ૬૪. વિ

કૃષ્ણમૂર્તિ, વાય. જી. - યુગપુરુષ ગાંધી.
મુંબઈ, કિશોર પ્રાણલાલ વૈદ્ય, રૂ. ૧-૦-૦,
૧૯૪૪, પૃ. ૫૮ વિ

કેલ્કર, કેશવ સદાશિવ (અનુ: શુદયચંદ
વૈદ્ય) - મહાત્મા ગાંધી. પૂના, કે. સ.
કેલ્કર, ૫ આના, ૧૯૩૨, પૃ. ૪૯,
ચિત્ર. વિ

ગાંધી, પ્રમુદાસ છ. - જીવનનું પરીઠ.
અમદાવાદ, નવજીવન પ્રકાશન મંદિર,
૧ ૧૯૪૮.

થોડા જ વખતમાં વહાર પડશે.
ગાંધી, મોહનદાસ ક. (સંક્ષેપકર્તા: જમુ
દાણી) - મારી જીવનકથા સુંડ ૧લી.
મુંબઈ, સી. જમનાદાસની કંપની, ૧૦ આના,
૧ આ. ૧૯૩૩, પૃ. ૧૦ + ૨૬ ૧૪૬
+ ૧૪. વિ

ગાંધી, મોહનદાસ ક. - આત્મકથા (દેવ-
નાગરી લિપિમાં). ૧૪ આના, ૧૯૪૦,

પૃ. ૧૪ + ૬૩૫, સ્વચિ. વિ
- (સં. વા. ગો. દેસાઈ) - પ્રેમપંથ યોજન
૨ (આત્મકથા: વાલકાંઠ). અમદાવાદ,
સત્યું સાહિત્ય વ. કાર્યાલય, ૪ આના
૧૯૪૭, પૃ. ૯૬. વિ

- પ્રેમપંથ યોજન ૨. નવજીવન પ્રકાશિત
આવૃત્તિ, ૪ આના, ૧૯૪૮, પૃ. ૮ + ૮૦
+ ૩ ચિત્રો. વિ

- મારો જેલનો અનુભવ. સુરત, ગાંધીવ
સાહિત્ય મંદિર, ૫ આના, ૨ આ. ૧૯૨૨,
પૃ. ૧૨ + ૧૦૦. વિ

- મારો જેલનો અનુભવ. અમદાવાદ,
રાષ્ટ્રીય સાહિત્ય પ્રચારક મંડળ, ૬ આના,
૧ આ. ૧૯૨૧, પૃ. ૭૦. વિ

દક્ષિણ આફ્રિકામાં મહાત્મા ગાંધીએ
ચલાવેલા સત્યાગ્રહ સમયે અનુભવેલો
જેલનો પરિચય.

- યરોડાના અનુભવ. અમદાવાદ, નવજીવન,
૧૨ આના, ૧ આ. ૧૯૨૫, પૃ. ૬ +
૧૫૬. વિ

- સત્યના પ્રયોગો અથવા આત્મકથા.
અમદાવાદ, નવજીવન, ૧ આ. સુંડ ૧
૧૯૨૭, ૮ આના, પૃ. ૮ + ૪૦૭; સુંડ
૨, ૧૯૨૯, ૮ આના, પૃ. ૮ + ૪૦૮. વિ

વજ્ર સુંડ એક ગ્રંથમાં રૂ. ૧-૦-૦
૧૯૪૦, પૃ. ૧૬ + ૬૮૫. સ્વચિ અને
ચિત્રો સાથે. નવું મુદ્રણ કિ રૂ. ૨-૦-૦. વિ
ગુજરાત મહાવિદ્યાલયનું વિદ્યાર્થીમંડળ
(પ્ર.) - સાવરમતી (દસ્તલિખિત દ્વૈ-
માસિક) - ગાંધી હીરકમહોત્સવ અંક.

અમરાવાદ, ૧૯૧૧, પૃ ૧૫૨ વિ
 ઘોષાનેરિયા, ધીવગલાઠ ક (મ) - મુકાનું
 કમરૂ અમરાવાદ, પ્રભાત કાર્યાલય, ૨
 માના, ૧ મા ૧૯૨૧, પૃ ૬૪. વિ

૧૯૩૨માં ગ્રેકાની સ્થાપકીઓએ
 બુલેટી રેડિયોરસ પ્રતિબંધિત
 ગાંધીજીના સંસ્મરણોનો પ્રદર્શ

ચિત્રલિપિ, કરસનદાસ મૂલગી - મહાત્મા
 ગાંધીજી મુશ્મી, ૧૯૨૭

ગોંડ, એમ્. હો (મુ. ગન્દકાન્દ
 મદરા) - ગાંધીજી અને કૌંઘેલ પ્રત્યે
 માલ વળ મુશ્મી, ૬૪માં દિવસી,
 ૮ માના, ૧૯૪૬, પૃ. ૩૮ વિ

ગેસનગુરા, શિવલાલ - અગાધા દલપુરવા
 હોદ્દા, ગોંડક જે (મુ. પ્રાગલીકન
 ગંગાનંદ મોદા) - મોહનદાસ કરમચંદ
 ગાંધી (દક્ષિણ આફ્રિકાવાળા હિન્દી
 રેગમલ)નો અન્યૂતાન મુશ્મી, મુશ્મી
 મિનિય પ્રેસ, ૧૯૨૨, પૃ ૮+૮૧+૧૨૨
 વિ

ગોંડ બેંચીજનો મુશ્મીપાત અને
 માર્ગાંતરકારની વિસ્તૃત (પૃ. ૮૧) પ્રસ્થાવન,
 છાપે

તેંદુલકર, હો હો; રાવ, એમ્. સ્વપ્નો;
 સારાભાઈ, મુદુલા, અને શરેરી,
 વિદુલ (સં.) - ગાંધીજી; તેમનું જીવન
 અને કાર્ય, અમરાવાદ, હોદ્દાકાગુન ટિ,
 રૂ ૧૨-૮-૦, ૧ મા ૧૯૪૫, પૃ. ૧૪
 + ૪૦૮ વિશે સ્થા વિ

મૂલ અનેકી પ્રવ પરી બનુવારિત
 દેવે, કપિલામદાદ મહામુખમાત્રી - ઝોગુ
 અને ગાંધી અમરાવાદ, ક. મ ૧૩, ૪
 માના, ૧૯૨૧, પૃ ૨૪ (સચિવ, બાદ-
 વેશ પર છાપેલું)

- ગાંધીજીની હંદમવાત્રા અમરાવાદ,
 ક. મ ૬૪, રૂ. ૧-૦-૦, ૧૯૨૨, પૃ ૪૦
 સચિવ, બાદવેશ, ૬૪૩ કાગુન છાપીશ

દેવે, જુગતરામ - ગાંધીજી. અમરાવાદ,
 નવલીન, મુશ્મીકારેલી બાઈટ,
 ૧૯૨૧, પુનર્મુદ્રા ૧૯૪૭, ૪ માના, પૃ.
 ૮+૧૨૨ વિ

'બાલકોના ગાંધીજી'ની નવી સંસ્કૃતિ
 અમુલિ

- બાલકોના ગાંધીજી મુશ્મી. સી.
 અમરાવાદ, ૨ માના, રૂ. ૧૯૮૫, ૫૦૫ વિ

દેવે, જંદાલાલ દેવસંકર (મ.) - મહાત્મા
 ગાંધી અને હિન્દુતા મહાન મરણનો.
 અમરાવાદ, આયોદ્ય - જે. ૬, દેવે, ૧૯૧૧,
 પૃ ૨૨૧

આ પુસ્તકનાં ઘંટી તિથ્ક, દાસ
 ગોંડ ૧૧ મેનાની ચરિત્રો છે ગાંધીજી
 ૫ ૧ થી ૮૮

દેવે, નંદલાલ માલેકલાલ (સં.)
 - ગોંડમેજીમાં ગાંધીજી (ભારતીયેઓ
 માળ ૪ થી) અમરાવાદ મુશ્મી દેવસંકર
 કાર્યાલય, ૧૨ માના, ૧૯૩૨, પૃ
 ૮+૨૧૮ વિ

ગાંધીજીએ ગોંડમેજી પરિવર્તન માટેનાં
 મતનો, વિકાસથી મુશ્મી. ગ. વાંચ-
 સરોવ છાપેનો પદ-અવધાર; કાર્યવારક
 સંવિધના ઠરાવો, છેલ્લે મોદા મંદિરની
 દીવાળી વાંચ

દિવેટિયા, મરમિદ મો - મહાત્મા ગાંધીજીનું
 જીવન રહસ્ય મુશ્મી, ૧૯૨૧

દેસાઈ, કનુ - માર્ગપુષ્પમદામ અમરાવાદ,
 પ્રસ્થાન, રૂ ૧-૦-૦, ૧૯૨૧, પૃ.
 ૬+૧૨ વિશે વિ

દેસાઈ, કાલ્યાભાઈ, મ. - મોહનદાસ
 કરમચંદ ગાંધી. અમરાવાદ, ૧૯૨૨
 દેસાઈ, પાંડુરાવ જો - કર્મવીર મોહનદાસ
 ક. ગાંધી અમરાવાદ, ૧૯૨૩

દેસાઈ, રમણલાલ વસંતલાલ - તેમ
 ચિત્રો મુશ્મી અમ. માર શેઠીકાળી,
 - રૂ. ૪-૦-૦, ૧૯૪૨, પૃ ૬+૨૫૪ વિ

પુસ્તકમાં જાણીતા અજાણીતા એવા
૧૩ સ્ત્રી-પુરુષોનાં ચરિત્રો છે. મહાત્મા
ગાંધીજીનું ચરિત્ર પૃ. ૨૬૬ થી ૩૫૩ સુધી.

પટેલ, ગોવિંદ હ. - વાપુને (કાવ્ય). ધર્મજ,
ગોરધનભાઈ, કિશોરભાઈ, ૭૪ પાઓ, સં.
૧૯૯૮, પૃ. ૪૭. વિ

કાવ્યમાં ૭૪ કડી છે.

પટેલ, રાવજીભાઈ મ. - ગાંધીજીની
સાધના. અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ.
૧-૪-૦, ૧૯૩૯, પૃ. ૨૩ + ૪૮૦

સચિ તથા કાલેલકરની 'પાર્શ્વભૂમિ' સાથે. વિ
પટેલ, રાવજીભાઈ મ. અને દેસાઝી,
પરાગજી રં. - મહાત્મા ગાંધીજીના
જીવનના કેટલાક પ્રસંગો. સુરત, કલ્યાણજી
વિઠ્ઠલભાઈ, ૪ આના, ૧૯૨૨, પૃ. ૮૦.
આમાં ૨૩ પ્રસંગો રજૂ કરવામાં
આયા છે.

પટેલ, સોમાભાઈ - મહાત્માના પ્રમુખો :
ટૂકાં રેખાચિત્રો (૧૮૮૫-૧૯૩૮). સુવંશી,
સુંદર સાહિત્ય પ્રકાશન મંદિર, રૂ. ૧-૦-૦,
૧૯૩૮, પૃ. ૨૦૪. વિ

ગાંધીજી, પૃ. ૧૪૦ થી ૧૫૨.

પંડિત, હુમેદચંદ લા. - ગાંધી મોહનદાસ
કરમચંદ. પૂના, ૧૯૩૨

પંડ્યા, ગજેન્દ્ર - વાપુ, તારે ચરણે
(વાપુની ૭૯ વર્ષની ૭૯ પુષ્પોની અંજલિ).
વહોદરા, પ્રકાશન મંદિર, ૩ આના,
૧૯૪૮, પૃ. ૧૯. વિ

પરીખ, વનમાલા અને નચ્ચર, સુશીલા
- અમારાં વા [એમની જીવન કત્તૂરી].
અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૧-૮-૦, ૧૯૪૫,
પૃ. ૮ + ૨૨૨. વિ
ગાંધીજીની પ્રસ્તાવના.

પાઠક, રામનારાયણ ના. - ગાંધી વાપુ.
તરવડા, સર્વોદય મંદિર, બે સંદર્ભો રૂ.
૯-૦-૦, સંદર્ભ ૧. ૧૯૪૬, પૃ. ૪૨૦;
સંદર્ભ ૨, ૧૯૪૭, પૃ. ૫૦૪. વિ

'યુગાવતાર ગાંધી' નો નવેસર લખેલો
સંવર્ધિત આવૃત્તિ. જુગતરામ દવેની,
પ્રસ્તાવના સાથે.

- યુગાવતાર ગાંધી. પોરવંદર, ભારતોદય
મળ્હજી-લોપયોગી સસ્તી ગ્રંથમાળા. સંદર્ભ ૧.
૮ આના, ૨આ. ૧૯૩૮, પૃ. ૮ + ૧૮૩;
સંદર્ભ ૨. ૧૨ આના, ૧આ. ૧૯૩૬,
પૃ. ૮ + ૨૮૭; સંદર્ભ ૩, રૂ. ૦-૧૫-૬,
૧આ. ૧૯૩૮ પૃ. ૮ + ૨૮૪ સચિત્ર. વિ
શ્રી મહાદેવ દેસાઝીની પ્રસ્તાવના સાથે.

પાઠક, રામનારાયણ વિ. તથા પરીખ,
રસિકલાલ છો. (સં.) - ગાંધી મણિ-
મહોત્સવ અંક (પ્રસ્થાન માસિક વર્ષ ૪
અંક ૧૧મો). અમદાવાદ, પ્રસ્થાન કાર્યાલય,
રૂ. ૧-૦-૦, સં. ૧૯૮૫, પૃ. ૨૯૩ થી
૪૫૫, ૬ ચિત્રો. વિ

પારેલ, હિરાલાલ ત્રિ. - અર્વાચીન ગુજરાતનું
રેખાદર્શન સંદર્ભ ૩ જો. અમદાવાદ, ગુજરાત
વર્ત્તક્યુલ્કર સોસાયટી, ૧૯૩૭, પૃ. ૨૬૪,
રૂ. ૧-૦-૦. વિ

ગાંધીજીવિષયક સ્વતંત્ર પ્રકરણ
'જગતનો એક મહાન ક્રાન્તિકારી પુરુષ'
પૃ. ૨૩૮ થી ૨૫૨

પોલાક, મીલી ગ્રેહામ - ગાંધીજીના જીવન-
પ્રસંગ. સુવંશી, વોરા એન્ડ કંપની, રૂ.
૨-૪-૦, ૧૯૪૪, પૃ. ૧૪૧. વિ
'મિ. ગાંધી ધ મેન' નો અનુવાદ.

- સંતનાં સ્મરણો. અમદાવાદ, ૧૯૪૦
'મિ. ગાંધી ધ મેન' નો જ બીજો
અનુવાદ.

પ્રસ્થાન કાર્યાલય (પ્ર.) - ગાંધીકૃષ્ણ
(આલ્બમ). અમદાવાદ, ૬ આના, ૧૯૩૦.
વિ

ફિશર, લુઓ (અનુ: ડૉ. પ્રા. શુક્લ)
- ગાંધીજી સાથે એક અઠવાડિયું.
સુવંશી, વોરા અને કંપની, રૂ. ૨-૦-૦,
૧૯૪૪, પૃ. ૧૧૪. વિ

કુર્તોપ મિહર, રનો (ખતુ ૨ ૩ મ.)
-તાલમહાર અમલદ ગુરુપત સાહિત
મરિર રુ ૧-૪-૦ ૧૯૨૧, પ ૧૨+
૧૦૧+૪ વિ

રા વિ પઠકનો ગુરુદેવ
ચિહ્નતા ઘનદયામદામ-વાયુ અમલદ
નવચોવન ૧૨ જાના, ૧૯૪૧, પ
૧૬+૧૬૪ વિ

દિન્ની ધરણી અનુવાદ
કુચ પુરાતન-આપણા કસ્તુરલા મારામનો
દસ પ્રકાશન-પુરાતન કુચ ૧૫ જાના
૧૯૪૧ પ ૪+૬૮ વિ

-આપણા ગાંધીજી અનુવાદ ગુરુ
પ્રજ્ઞાન કાર્યાલય રુ ૧૦૦ ૧૯૪૪
પ ૪+૧૨ વિ

પાલકો મને ટુંકુ જીવનવરિષ
-ગાંધીજીના સાનિધ્યમાં આવનગર,
મારણ પ્રકાશન મન્દિર, રુ ૧-૮ ૦,
૧૯૪૪ પ ૮+૧૪૪ વિ

-વાયુની છાયામાં આવનગર મારણી
પ્રકાશન મન્દિર રુ ૨૦૦ ૧૯૪૬,
પ ૧૦+૧૮૧ વિ

પાદાવાળા નંદલાલ (મ) -મહાત્મા
ગાંધીજીનો છદનપાત્રા અમલદ
નન્દલાલ કોનીકાલ

(મ) -મહાત્મા ગાંધીજીનું જીવન
કૃતાંત અમલદ ન નુ ચોદેરજી,
૬ જાના ૨ મા પ ૧૨૫

ગાંધીજીના જીવનકાલ દેસાજીના કૃતાંત
અરણી સપાદિત

મદ, મદરાસર મેઠારામ (ન) -દિન્દો
કુદાર [ગાંધીજીની વિનાયકની યાત્રા]
(સ્વેચ્છ પ્રેમનાથ ૧) કરાવી સ્વેચ્છો
કાર્યાલય મ મ મદ ૧૪ જાના
૧૯૨૨ પ ૧૦+૧૯૨ વિ

મને પ્રસાદર અપેત (અનુ ગોતર્પનદામ
ક અનોત) -જગતનો મહાન પુણ્ય

અમલદાદ ઘરું સાહિત્ય વંદક કાર્યાલય
રુ ૧-૪-૦, મે ૧૯૦૧ પ ૧૬+૧૧૧
વિ

ગાંધીજી વિવેના વિવિધ લેખોનો મેલ
મન પરિગિર્ના ગાંધીજીના છ મારાન
લેખો અપેત છે મારાં 'પુણ્યકોડ'
અરણી અનુવાદ

મહેતા મનમુખલાલ રવજોમાગી-
ગાંધીજીનો પ્રવૃત્તિઓ રામજો, ૧૯૧૧
માગેક, અમલદામ-અન્યાયવાગી (અન-
નુરથી નન્દલા પ્રકાશન રુ ૧-૪-૦
૧૯૪૧ પ ૨૪ વિ

ગાંધીજીને ૭૫મી વરમણંદો વિવે
તેમને આંગ કાપું ૭૧ પચોને કમ
કાકાસાદર કાલેન્કરના પ્રસવના મન
માસર કપિલાવદન-ગાંધીજી અને લીડો
લાનો મવનગર દક્ષિણનૃદિ પ્ર મન્દિર,
૧૦ જાના ૧૯૨૩ પ ૧૦ વિ

મદરપ્રલો યુમુક (અનુ મ હી મૂલ્ય
વચ્ચ) -આપણા નતાગ્રો. રજોપ
વચ્ચા પ્રકાશન રુ ૧૦૦ ૧૯૪૩
પ ૧૬ વિ

ગાંધીજી પ ૫ થી ૧૪
વાલિક, ઝિન્દુલાલ -મહાત્મા ગાંધીજીના
સદવામમાં મુરથી વિદુમ્મન નૂતર્પ
લિમિટેડ, મા ૧ રુ ૧-૮-૦, પ
૮+૨૦૮ મા ૨ પ્ર દિન્દુલાલ પ્રેલ
લિ રુ ૨-૦-૦ પ ૮+૨૪૫ વિ

રાપાકુખાન સર્વપલો (મ) (અનુ
અ પ્રા ગુલ) -ગાંધીજીના લગવદના
મુરથી ચોરા અને કાસી, ૧ મા ૧૯૪૨
૨મા ૧૯૪૪ રુ ૩ ૦-૦ પ ૮+
૨૩૦ વિ

ગાંધીજીને ૭૦ મી અન્નલિખિને વિવે
અર્પન કોલ્ય મી રાપાકુખાન સપાદિત
અમિનદનપ્રવતી અનુવાદ
-મહાત્મા ગાંધી મુરથી ચોરા અને કાસી

૧૦ આના, ૧૯૪૨, પૃ. ૭૫. વિ
 'ગાંધીજીને જગવંદના'માંના ઓ
 રાધાકૃષ્ણનના લેખનો અનુવાદ.

રાય, દિલીપકુમાર (અનુ : ન. ના. પોરલ)
 - તીર્થસલિલ [રોમે રોળાં, બર્દાન્લ રસેલ,
 મહાત્મા ગાંધી, રવીન્દ્રનાથ ઠાકુર તથા
 અરવિંદ ઘોષ સાયેનો વાતચીત]. મુંબઈ,
 મહાયુજરાત કંપની, ૧ આ. ૧૯૪૨;
 ૨ આ. ૧૯૪૭, રૂ. ૪-૪-૦, પૃ. ૩૦ +
 ૩૨૦. વિ

વીજી આવૃત્તિમાં રાધાકૃષ્ણનની
 પ્રસ્તાવના છે.

રાંદેરિયા, મધુકર - મહાસમાના મહારયીઓ
 [મહાસમાના સહયોગીઓ, પ્રમુખો અને
 સહયોગીઓ : તેમના જીવનકાર્યની રૂપરેખા].
 જોરાવરનગર, લક્ષ્મીદાસ પુ. ગાંધી, રૂ.
 ૫-૦-૦, ૧૯૪૬, પૃ. ૧૬ + ૩૧૬. વિ
 મહાત્મા ગાંધી, પૃ. ૧૫૬ થી ૧૬૮.

લેસ્ટર, મ્યૂરિએલ (અનુ : ચં. પ્રા. શુક્લ)
 - ગાંધીજીની યુરોપયાત્રા. મુંબઈ, એન.

એમ. ટકર અને કંપની, રૂ. ૨-૦-૦,
 ૧૯૪૫, પૃ. ૧૨ + ૧૫૨. વિ

વર્મા, જયકૃષ્ણ નાગરદાસ - મહાત્મા

ગાંધીજીનું જીવન. વઢોદરા, વિઠ્ઠલભાઈ
 આ. ટકર, રૂ. ૪-૦-૦, સં. ૧૯૭૮,
 પૃ. ૮ + ૩૪૫. વિ

શાહ, ધીરજલાલ ધનજીભાઈ (સં.)
 - 'ધા'. અમદાવાદ, ગુર્જર ગ્રંથસ્ત
 કાર્યાલય, રૂ. ૧-૮-૦, ૧૯૪૪, પૃ.
 ૫ + ૧૨૬. વિ

શાહ, મોગોલાલ ન. - મહાત્મા ગાંધી
 અને શ્રીમદ રાજચન્દ્ર. અમદાવાદ,
 શૃંગા ફાર્મસી, ૧૯૩૭

શાહ, રમણલાલ નાનાભાઈ - મહાત્મા
 ગાંધી (વિચાર્થી વાચનમાળા). અમદાવાદ,
 ધીરજલાલ ટોકરશી શાહ, સવા આનો,
 પૃ. ૨૮. વિ

શુક્લ, ચંદ્રશંકર પ્રા. (સં.) - ગાંધીજીના
 સમાગમમાં. વઢોદરા, રાયચુરા બુક ડેપો,
 રૂ. ૨-૮-૦, ૧૯૪૫, પૃ. ૨૦૦. વિ

- પુણ્યશ્લોક ગાંધીજી (ગાંધીજીના જીવન
 અને કાર્ય વિષેના જુદા જુદા લેખોનો
 લેખોનો સંગ્રહ). મુંબઈ, વોરા અને કંપની,
 રૂ. ૪-૪-૦, ૧ આ. ૧૯૪૪, પૃ.
 ૨૫૬ + ૨. વિ

૨. સત્યાગ્રહ, અહિંસા, ગાંધીવાદ અિ.

કોસમ્બી, ધર્માનન્દ - હિન્દી સંસ્કૃતિ અને
 અહિંસા. અમદાવાદ, જી. અ. મહેના, રૂ.
 ૨-૦-૦, ૧૯૩૭, પૃ. ૩૩૧. વિ

ગાંધી, જેઠાલાલ જી. (સં.) - જીવનચર્ચા.
 અમદાવાદ, પ્રસ્થાન, ૮ આના, ૧૯૩૧,
 પૃ ૧૧૮. વિ

ગાંધી, મોહનદાસ ક. (સં. બિન્દુલાલ
 યાજ્ઞિક) - અસહકાર. જુઓ રાજકારણ
 વિભાગ

- (સં. નગીનદામ અમુલ્લરાય) - અસહકાર.

(ગાંધીજીના જ પોતાના શબ્દોમાં). જુઓ
 રાજકારણ વિભાગ

- અસહકાર. અમદાવાદ, રાષ્ટ્રીય સાહિત્ય
 પ્રકાશન. જુઓ રાજકારણ વિભાગ

- અહિંસા. અમદાવાદ, નવજીવન, ૮ આના,
 ૧ આ. ૧૯૩૪, ૨ આ. ૧૯૪૧, પૃ.
 ૧૦ + ૩૩૫. વિ

- આ તે જીવદયા? અમદાવાદ, નવજીવન,
 ૩ આના, સં. ૧૯૮૩, પૃ. ૪ + ૩૯. વિ

'આ તે જીવદયા?' વાઙ્મા નવજીવનના
 લેખી ચાલેલી ચર્ચામાં ગાંધીજીએ અહિંસા
 શુપર લખેલા લેખો.

- કાયદાની સામે થવાની ફરજ.
 અમદાવાદ, વૃક્ષભાઈ પટેલ તથા મહાદેવ

ફાલગુણ, વ. ૧૯૭૧, પૃ. ૧૬. વિ

ચોરોના નિવૃત્તિ પાછો લક્ષ્યેન

-ગાંધીજીની જુવાની (ઈસ્ટ કમિટિ સમક્ષ અમદાવાદમાં) સાર્વજનિક, ૧૧મી આનંદ, સત્યાગ્રહ મંથન, ૬ આના, ૧૯૨૦, પૃ. ૧૦૦ વિ

-ધર્મયુદ્ધનું રહસ્ય [મહાત્માના પૂર્ણ સ્વરાજ્યનો ઠરાવ પછાર થયા પછી ઇસ્લામ પુદ્ગલ રહસ્ય કથાવર્ણન બનવાને ખુદેશીને પૂ. ગાંધીજીએ લખેલા લેખો તથા આલેખો માળગોનો ગ્રંથ] અમદાવાદ, પ્રત્યાન, ૬ આના, ૧ આ. ૧૯૨૦, પૃ. ૮૦. વિ

-[લોક. દેશમાં ચાલતી ગો.] - પ્રેમપંથ યોજન ૧. અમદાવાદ, સંસ્કૃત સાહિત્ય, ૩ આના, ૧૯૪૬, પૃ. ૬૪ વિ

નવજીવન પ્રજાગન મંદિર ટરફી વળ આ પુસ્તક બહાર પડ્યું છે

-[અનુ. અને સં મધુરાદાસ વિક્રમજી]

-મહાત્મા ગાંધીજીનો વિચારસૂત્રિ, મુશ્કો, મધુરાદાસ વિક્રમજી રૂ. ૨-૧૦-૦, ૪ ૧૯૭૫, પૃ. ૮ + ૪૧૨ વિ

મહાત્મા ગાંધીજીનાં લખાણોમાંથી ચૂંટી કાઢેલાં લેખો તથા આલેખોની કુર્મીલ સમ્રથ

-[સં નગીનરામ અમુલ્યપાલ] - સત્યાગ્રહ (મહાત્માનીના ઇન્દોના) ગાંધીશિષ્ય માળા-૨, મુશ્કો, નગીનરામ અમુલ્યપાલ, ૫ આના, ૧૯૨૩, પૃ. ૨૬ + ૭૦ વિ

પ્રેમ, રીચર્ડ જી (અનુ. વ. પ્રા. પુસ્તક)

-અર્ધસાની તાલીમ અમદાવાદ, નવજીવન, ૬ આના, ૧૯૪૨, પૃ. ૬૨. વિ

જનુરતેન શાહજી, વં - સત્યાગ્રહ અને અસહયોગ અમદાવાદ, સંસ્કૃત સાહિત્ય, રૂ. ૧-૪-૦, ૧૯૬૦, પૃ. ૬ + ૪૨૨ વિ

દર્શક - બે વિચારચારા. આલેખ, પ્રામ-દક્ષિણમૂર્તિ, રૂ. ૨-૮-૦, ૧ આ. ૧૯૪૫, પૃ. ૧૬ + ૨૨૨ + ૨૨ વિ

ગાંધીજી અને અમદાવાદની

પુસ્તકલેખક ચર્ચા.

દેશાગ્રી, પરાગગ્રી સંદુભાગી - સત્યાગ્રહનું રહસ્ય (સત્યાગ્રહ લેખમાળા નં. ૧૨) મુશ્કો, ઇન્ડિયન હીંગ એપ્રિલ, ૧ આનો, ૨. ૧૦, વિ

દેશાગ્રી, મગનભાગી પ્ર. - સત્યાગ્રહની મીમાંસા. અમદાવાદ, નવજીવન, ૨૪ આના, ૧ આ. ૧૯૨૪, પૃ. ૨૬ + ૨૨૨, મુશ્કો તથા પુસ્તક મુશ્કો મહિન. વિ

મી કાકાસાહેબની પ્રત્યાનના મંથે ૨મી પુણેની અપૂર્વિ ૧૯૪૮, ૩ મંથા માદરે ૩૨૦, કિંતુ અપૂર્વે રૂ. ૨-૮-૦. ટૂંકમાં બહાર પડે

નવજીવન પ્ર મંદિર (પ્ર) - સત્યાગ્રહાગ્રમ નિયમાવલિ. અમદાવાદ, નવજીવન, ૧૯૨૮, પૃ. ૨૪, ૨ આ ૧૯૨૯. વિ

મહાસિંહ - અસહકાર સુરત માળા. શાહપુરા, ૧૯૨૨

પરોલ, મરહિરૂ દ્વા - સત્યાગ્રહીના સ્વાતંત્ર્ય મંથો અમદાવાદ

મગસુવાળા, કિંતોરલાલ ઘ. - ગાંધી-વિચારદોહન [ગાંધીજીની સમગ્રપૂર્વક] અમદાવાદ, નવજીવન, ૨ આ ૮ આના, ૧૯૨૫, ૨ આ. ૧૯૪૦, ૪૪, ૧૪ આના, પૃ. ૧૬ + ૨૫૪. વિ

ગાંધીજીના વિચારોને ૧૪ સ્વદેશી કહેલી જુરા જુરા વિષયોને અને તેમની સા વિચાર કરાવે છે તે સત્યમય માકર્મી જગાવ્યા છે. સત્યાગ્રહિક અવલોકન માટે જ્ઞાન સુપરીની

-નિર્મયતા. અમદાવાદ, નવજીવન, ૬ આનો, ૧૯૪૨, પૃ. ૧૨ + ૮૪ વિ

-સત્યમય જીવન અમદાવાદ, પ્રત્યાન, ૧૦ આના, ૧૯૨૫, પૃ. ૨૧૦. વિ

મોર્કી, જાન (અનુ: મહાદેવ દેસાઈ) - સત્યાગ્રહની મર્યાદા (અંત કોષ્ટકોનિમિત્તો

અનુવાદ). અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૧-૪-૦, સં. ૧૯૮૨, પૃ. ૩૨ + ૩૦૩. વિ
રાજગોપાલાચારીના 'આમુષ' સહિત.
રવાણી, જમુ - અહિંસાનો રાહ.
સમાજશાસ્ત્રી - સત્યાગ્રહ : નિષ્ફળ અને
નકામું શસ્ત્ર ભાગ ૧-૨. મુંબઈ, ઍડવોકેટ

ઑફ બિલ્ડિયા પ્રેસ; ભાગ ૧ લો, ૧૨ આના,
૧૯૩૩, પૃ. ૧૩૦; ભાગ ૨ જો, ૧૯૩૪,
પૃ. ૧૭૨, રૂ. ૧-૦-૦.

'હિન્દુસ્તાન અને પ્રજામિત્ર' માં લેખકે
લેખેલા લેખોનો સંગ્રહ.

૨ અ. સત્યાગ્રહની લડતોનો ઇતિહાસ

નાંધો, મોહનદાસ ક. - એક સત્યવોરનો
કંથા અથવા સૉક્રેટીસનો વચાવ.
અમદાવાદ, નવજીવન, ૧ આનો, ૧૯૪૧,
પૃ. ૩૬; ૨ આ. ૧૯૪૪, ૨ આના. વિ
- દક્ષિણ આફ્રિકાના સત્યાગ્રહનો
ઇતિહાસ, खंड ૧, ૨. અમદાવાદ,
નવજીવન, खंड ૧, ૧૨ આના, ૧૯૨૪, પૃ.
૪+૨૭૦; खंड ૨, રૂ. ૧-૦-૦, ૧૯૨૫,
પૃ. ૮+૨૦૫. खंड ૨ની ૨જી આવૃત્તિ,
૧૯૪૦. વિ

ગુજરાત પ્રાન્તિક સમિતિ (પ્ર) -
ધરાસળાનો કાલો કેર. અમદાવાદ, ગુ. પ્રાં.
સમિતિ, ૩આ. ૧૯૩૦, પૃ. ૨૩+૧૨૦. વિ
ધરાસળાના મીઠાના અગરો પરના
દુમલાની ફકીકત

દેવે, જુગતરામ (સં.) - વારડોલી સત્યાગ્રહ
(પત્રિકાઓ). વારડોલી, ૧૯૨૮. જુઓ
સામયિકોનો વિભાગ.

દેસાઈ, મહાદેવ - એક ધર્મયુદ્ધ
[અમદાવાદના મિલમજૂરોની લડતનો
ઇતિહાસ. તા. ૨૨-૨-'૧૮ થી ૨૦-૩-
'૧૮]. અમદાવાદ, નવજીવન, ૧ આ.
૧૯૨૦; ૨ આ. ૧૯૪૦, ૬ આના,
પૃ. ૮+૧૨૪. વિ

- વારડોલીના સત્યાગ્રહનો ઇતિહાસ.
અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૧-૦-૦,
૧-૧૨-૦, ૧ આ. ૧૯૮૫, પૃ. ૮+૩૮૯,
નકશો તથા ચિત્રો. વિ

પટેલ, છોટુભાઈ શુ. - પંચમહાલ જંગલ
સત્યાગ્રહ. કાલોલ, ૧૯૩૦. વિ

પટેલ, સરદાર વલ્લભભાઈ - વોરની હાકલ
[સરદાર વલ્લભભાઈની રણ ગર્જનાઓ]
ભાગ ૧, ૨. અમદાવાદ, પ્રસ્થાન, ૧૯૩૦.
ભાગ ૧, ૧૨ આના, પૃ. ૮ + ૨૧૦;
ભાગ ૨, ૩ આના, પૃ. ૪ + ૧૫૬. વિ
પંડ્યા, નર્મદાશંકર ઘા. - ધ્વજારોષણ
અથવા વારડોલીનો ધનુષ્યટંકાર. સુરત,
૧૯૨૯.

પરીશ, શંકરલાલ દ્વા. - લેડાની લડત
(૨૦-૧૧-'૧૭ થી ૬-૬-'૧૮). અમદાવાદ,
રાષ્ટ્રીય સાહિત્ય કાર્યાલય, રૂ. ૧-૮-૦,
સં. ૧૯૭૮, પૃ. ૮+૫૬૮. વિ

પાઠક, રામનારાયણ ના. - રાજકોટ -
સત્યાગ્રહ. અમદાવાદ, ભારતી સાહિત્ય સંઘ,
૬ આના, ૧૯૩૯, પૃ. ૨૧૧. વિ

વધેકા, ગિરજાશંકર (ગિજુભાઈ) - વાર-
ડોલીની હિજરત. અમદાવાદ, પ્રસ્થાન,
અઢી આના, ૧૯૩૧. પૃ. ૪૮. વિ

- વોરસદની વીરાંગનાઓ. અમદાવાદ,
પ્રસ્થાન, ૨ આના, ૧૯૩૧, પૃ. ૩૯. વિ
વ્રૉકવે, ફેનર - અન્ય દેશોમાં અસહકાર
મુંબઈ, ૧૯૩૦.

રમણલાલ જુનીલાલ (સંગ્રાહક) - ભારતનું
ઘડતર ભાગ ૨ જો [લવણ નિઃશસ્ત્ર
સત્યાગ્રહ સુવિતસંગ્રામ]. મુંબઈ, રમણલાલ
જુનીલાલ, ૭ આના, ૧૯૩૧, પૃ.
૧૬+૨૭૯. વિ

તત્ત્વ વેઢોલ અને અલ્પવાચિયું પ્રકાશન.
ચિત્રો, કાગલ, છાપકાપ, વધું જ અરોચક
લગે તેવું છે.

રાતેન્દ્રપ્રસાદ, શાનુ - ચપાસળમાં મહાત્મા
 ગાંધીજી (તા ૧૦-૪-'૧૭ થી ૪-૨-'૧૮'
 સુધી) અમદાવાદ, યુગપત્ર, ૧-૪-૦,

૧-૮-૦, મ. ૧૧૭૧, પ ૧૬+૨૦૪ વિ
 હિન્દી વરવી અનુવાદ, મહાદેવભાવેના
 'કે લોટ' સાથે

૩. ધર્મ અને નીતિ

કાટેલકર, દ. શા - મોતાધર્મ [ગીતાનુ
 સમાવેશ] અમદાવાદ, નવજીવન,
 રૂ ૧-૦-૦, ૧૯૪૪, પ ૪+૧૭૨. વિ
 મળેલે વરવી માર્ગદર્શક
 - મીતામાર અમદાવાદ, સસુ સાહિત્ય,
 ૪ આના, મ. ૨૦૦૩, પ ૭૦, વિ
 - જાવના તહેવારો અમદાવાદ, નવજીવન,
 ૧ આ રૂ ૦-૨ રૂ. ૧૯૩૭, પ ૭૧, રૂ. મ.
 ૧૯૪૩, ૧-૦-૦, પ ૮ + ૨૬૦ વિ
 શ્રો, ૧ નારાયણ મો. (૧) - આશ્રમ
 મહાનાથલિ. હુમો હિન્દી વિમાનમ.
 ગાંધી, મોહનદાસ ક. - અનાર્સાધ્યોગ
 [શ્રીમદ્ ભગવદ્ગીતાનો અનુવાદ] અમદાવાદ,
 નવજીવન, ૧ આ ૧૯૩૦, ૨ આના,
 રૂ. ૨૦ + ૧૮૪ વિ
 - આશ્રમવાસી પ્રણે સાવત્રમ્તો, સ્વશા
 ધરામન, ૧ આ ૧૯૩૨, રૂ. ૦-૧-૧,
 રૂ. ૮ + ૧૪૨ વિ
 ૧૯૩૨ ના લેલ્લામ દાર્શન ધરોજ
 લેલ્લામી લેલ્લામ કાગલો.
 - મોતાપદાર્થકોષ અમદાવાદ, નવજીવન,
 ૪ આના, ૧૯૩૬ પ. ૧૬ + ૩૫૬. વિ
 ગાંધીજીની 'વાંચનારને વિનંતિ' અને
 કાલકાલેવના 'કે શુદ્ધો' સાથે
 - મોતાવોષ [શ્રીમદ્ ભગવદ્ગીતાનુ
 ધારણ] અમદાવાદ, નવજીવન, ૧ આ
 ૧૯૩૦, ૪ મુ ૧૯૪૨, ૨ આના,
 રૂ. ૮ + ૭૨ વિ
 - દુષાધર્મ [શ્રીમદ્ રાજચંદ્ર અગ્રી વર
 તા. ૧૫-૧૧-'૨૨ ને રોષ ગાંધીજીને
 કોલે પ્રવચન]. અમદાવાદ, પુરાનાથી
 શીરકર, ત ૧૯૭૮, રૂ. ૧૪ વિ

- દિવ્ધી કાપરી [૧૦-૧-'૪૦ રૂ.
 ૨૦-૧-'૪૮ સુધીના મર્યાના જાહેર
 પ્રવચનો]. અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ
 ૨-૦-૦, ૧૯૪૮, પ ૩૪ + ૪૬૮, શુચિ
 સહિત વિ
 આ પ્રવચનોમાં લોક અનેક વિષયોની
 ચર્ચા થોડા મહત્ત્વે, લોડા તમા લોડો
 વચરે માર જુરી જુરી કોમી ક વર્તના
 બોલો કવ્વે મુન્દે અને સ્વ ત્વપતા જ
 મુકાવેલો છે
 - (સ નર્મનદાસ અમુચ્છરાય) - ધર્મ
 (ગાંધીજીનું - ૨, ગાંધીજીના જશ્વનો)
 મુવલી, નર્મનદાસ અમુચ્છરાય, ૧૨
 આના, ૧૯૨૪, પ ૧૬ + ૧૫૪ વિ
 - ધર્મમંચન અમદાવાદ, નવજીવન, ૨૨
 આના, ૨ આ. ૧૯૩૧, પ ૧૬ + ૪૫૪,
 શુચિ વિ
 - મીનિધર્મ અથવા ધર્મનોતિ અને
 સર્વોદય સુરત, ગાંધીવ, ૪, ૬ આના.
 ૧ આ. ૧૯૨૨, રૂ. ૮ + ૭૨. વિ
 - મોતિધર્મ અથવા ધર્મનીતિ જ્ઞાણ
 મિ સૌત્વ નામના એક અલેક્ષ
 પુસ્તકનો શુચરણીમાં સાર. આ સારના જ
 અગ્રજ્ઞ કતાં જુરી જુરી મજામીમાં -
 અગ્રેજીમાં જળ - અર્થાતરો ચર્ચા છે
 - મંગલ્યમાત [અમરનાં જુરી જુરી મો
 વિલે ગાંધીજીને ધરીલા લેલ્લામી લેલ્લા
 પત્રો] અમદાવાદ, નવજીવન, ૧ આ.
 ૧૯૩૦.
 લેલે અર્થુતિ 'મતવિચાર' જાન્યો
 પ્રસિદ્ધ થતી હતી લેનુ જ વાલ્લવી આ
 નામ રાજવામા આનુ

- બોજી આવૃત્તિથી ત્વદેશી પર એક પ્રવચન સુમેરણું છે. કાકાસાહેવનો પ્રસ્તાવના.
- વ્યાપક ધર્મભાવના. અમદાવાદ, નવ-જીવન, ૧ આ. ૧૯૩૭, ૧૪ આના, પૃ. ૫૬૫. વિ
- વ્રતવિચાર. સારસ્વતી, સત્યાગ્રહ આશ્રમ, નારાયણદાસ સુ. ગાંધી, ૧ આ. ૧૯૩૦, દોઢ આનો, પૃ. ૬ + ૮૧. વિ
- આ પુસ્તકની બીજી અને પછીની આવૃત્તિઓ 'મંગલપ્રભાત' નામથી પ્રસિદ્ધ થઈ છે.
- હિન્દુ આચાર. જુઓ સમાજ વિષયક સામાન્ય વિભાગ.
- હિન્દુ ધર્મનો કલોટી. જુઓ સમાજ વિષયક સામાન્ય વિભાગ
- વધે, જુગતરામ - ગીતાગોતમંજરી. અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૧-૦-૦, ૧૯૪૫, પૃ. ૧૬ + ૧૬૪. વિ
- ગાંધીજીની પ્રસ્તાવના.
- (સં.) - ગ્રામભજનમંડળી. અમદાવાદ, નવજીવન, ૨ આના, ૧ આ. ૧૯૩૮, પૃ. ૮ + ૯૪; ૨ મુ. ૧૯૪૦. વિ
- દેસાઝી, વાલજી ગો. - ઓશુ ચરિત. ગોંઢક, ત્રીકુભાબી વાલાચંદ વેનાળી, સવા આનો, ૧૯૩૨, પૃ. ૭૨. વિ
- શુવ, આરંદશંકર વાપુભાઝી - આપણો ધર્મ. અમદાવાદ, મ. રા. જાગુટે, ૧ આ. ૧૯૨૦; નવી સંવર્ધિત આવૃત્તિ, પ્ર. લોહાવતી લાલભાઝી, સં. રા. વિ. પાઠક, ૧૯૪૨, પૃ. ૫૬ + ૮૫૬, રૂ. ૬-૦-૦. વિ
- હિન્દુ ધર્મની વાલ્કપોથી. વઢોદરા, લક્ષ્મી ઝિલેક્ટ્રિક પ્રિ. પ્રેસ, ૯ આના, ૧૯૨૦, પૃ. ૧૫૧. વિ
- મહાત્મા ગાંધીજીનું એક પ્રિય પુસ્તક. નવજીવન (પ્ર.) - ઓશુનું વલિદાન. અમદાવાદ, ૬ આના, ૧૯૨૨, પૃ. ૮ + ૮૭. વિ

નાનકદેવ, સોલ આદ્ય ગુરુ (અનુ: મ. પ્ર. દેસાઝી) - જપજી (ગુજરાતી અનુવાદ). અમદાવાદ, નવજીવન, ૯ આના, ૧૯૩૮, પૃ. ૭૨ + ૪૮. વિ

ગાંધોજીના 'આદિવચન' સાથે.

પટેલ, ગોપાલદાસ જી. - શ્રીમદ્નો જીવન-યાત્રા. અમદાવાદ, જૈન સાહિત્ય પ્રકાશન સમિતિ, રૂ. ૧-૦-૦, ૧ આ. ૧૯૩૬, પૃ. ૨૬૨. વિ

૨ આવૃત્તિ. ૧૯૪૬, રૂ. ૩-૮-૦, પૃ. ૧૨ + ૩૪૪. વિ

બીજી આવૃત્તિ 'શ્રી રાજચંદ્ર : જીવન-યાત્રા તથા વિચારરત્નો' એનામથી પ્રસિદ્ધ કરવામાં આવી છે; અને તેમાં શ્રીમદ્ના વિચારોનો પણ સમાવેશ કરવામાં આવ્યો છે.

મશરૂવાળા, કિશોરલાલ ઘ. - ગીતાધ્વનિ [ગીતાનો સમશ્લોકી અનુવાદ]. અમદાવાદ, નવજીવન, ૧ આ. ૧૯૩૪, ૩ આ. ૧૯૪૬, ૬ આના, પૃ. ૨૦ + ૧૦૮. વિ

- ગીતામંથન. અમદાવાદ, પ્રસ્થાન, ૧ આ. ૧૯૩૫; ૨ આ. નવજીવન, ૧૯૪૦, રૂ. ૧-૪-૦, પૃ. ૮ + ૩૬૬. વિ

- સંસાર અને ધર્મ. અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૨-૦-૦, ૧૯૪૮, પૃ. ૨૦ + ૨૫૭. વિ

પૂર્તિરૂપે શ્રી નાયજીના ત્રણ લેખો આપવામાં આવ્યા છે.

રમણ મહર્ષિ, ગાંધોજી તથા મશરૂવાળા - શ્રીગીતાસંકલન. અમદાવાદ, સસ્તું સાહિત્ય, ૩ આના, ૧ આ: સં. ૨૦૦૧, પૃ. ૪૫. વિ

રાજચંદ્ર, શ્રીમદ્ (સં. મનસુખ ર. મહેતા) - શ્રીમદ્ રાજચંદ્ર (શ્રીમદ્ રાયચંદ રવજીભાઝીના પત્રો અને લેખોનો સંગ્રહ). ૧ આ. સં. ૧૯૬૧; ૬ આ. મુંબઈ, હેમચંદ દોકરશી મહેતા, સં. ૧૯૯૭, રૂ. ૩-૪-૦, પૃ. ૨૬ + ૫૯૪. વિ

- (સં. ગોપાલદાસ પટેલ) - શ્રીમદ્ રાજચંદ્રનાં વિચારરત્નો. અમદાવાદ, જૈન

સાથિય પ્રકાશન સંસ્થા ૧૨ આના,
૧ આ ૧૯૩૬, પૃ ૨૦૮ વિ

- મા પુસ્તક ભે જી પોત કુલ
'ધર્મદર્શી જીવનયાત્રા' ભાગ બેઠો
રેશર્મા મનુ છે. મુદ્રા મુખે ૫૫ ભે. જી
સાપ્તાહિક સર્વપત્રો (અનુ ચ પ્ર ગુણ)
- ધર્મોત્તુ મિત્ર મુદ્રા, મરભે મિયા
મુદ્રા, રૂ. ૫-૦-૦ વિ
- હિન્દુ જીવનદર્શન મરભે મુદ્રા, મરભે મિયા
૧૦ આના, ૧ આ ૧૯૪૨, પૃ ૮ + ૧૩૬ વિ

સને ગુણ (અનુ ન મ ૬૩) - ગોપા-
દ્વય મરભે મુદ્રા, મરભે મિયા
રૂ ૧-૪ ૦, ૧૯૪૫, પૃ ૪ + ૧૨૩ વિ
ભે મિત્રોત્તુ મિત્ર મુદ્રા મરભે મિયા
૧૯૫૧ મને ગુણે મે મુદ્રા મરભે મિયા
કોષી મુદ્રા

મુદ્રા, પૃથિ (અનુ જીવનદર્શી મુદ્રા)
- હરભે મરભે મુદ્રા મરભે મિયા
મરભે મુદ્રા, રૂ. ૨-૦-૦, ૧૯૪૫
પૃ ૮ + ૧૫૨ વિ

૪. સમાજ વિષયક-સામાન્ય

- કાનેલમર, દનાપ્રેષ ૪ - માવની કાલના
મરભે મુદ્રા મરભે મિયા
- ગમદામાં મરભે મુદ્રા મરભે મિયા
મરભે મુદ્રા
- જાવનસંસ્કૃતિ (સામાજિક અને મરભે મુદ્રા
મરભે મિયા). મરભે મુદ્રા, મરભે મિયા,
૧ આ ૧૯૩૯, ૨ આ ૧૯૪૬,
રૂ. ૫ ૦-૦ પૃ ૧૬ + ૫૧૦ વિ
- જીવનદર્શન (ગમદામાં મરભે મુદ્રા મરભે મિયા
મરભે મિયા અને મરભે મિયા). મરભે મુદ્રા, મરભે મિયા,
૧૨ આના ૧૯૩૫, પૃ ૩૩૦ વિ
કોષી મરભે મુદ્રા મરભે મિયા મરભે મિયા,
મરભે મુદ્રા મરભે મિયા - ગમદામાં મરભે મુદ્રા મરભે મિયા,
મરભે મુદ્રા મરભે મિયા, ૧ આના ૧ આ
૧૯૪૨ પૃ ૮ + ૧૦૮ વિ
કોષી, મરભે મુદ્રા મરભે મિયા (અનુ જીવનદર્શી મુદ્રા)
- મરભે મુદ્રા મરભે મિયા, મરભે મિયા,
૧ આના ૧૯૪૬, પૃ ૪૬ વિ
કોષી મરભે મુદ્રા (અનુ ન મ ૬૩ પૃથિ)
- મરભે મુદ્રા મરભે મિયા, મરભે મિયા,
૧૯૩૫ રૂ ૧-૪-૦ પૃ ૪૪ + ૪૦૫ વિ
ગાંધી મરભે મુદ્રા મરભે મિયા - ગમદામાં મરભે મુદ્રા મરભે મિયા,
મરભે મુદ્રા મરભે મિયા, ૧ આ ૧૯૩૧,
૨ આ ૧૯૩૯ ૨ આના, પૃ ૯૮ વિ
મરભે મુદ્રા મરભે મિયા મરભે મિયા

- જાવનસંસ્કૃતિ અને મરભે મુદ્રા (મરભે મુદ્રા
મરભે મિયા મરભે મિયા). મરભે મુદ્રા,
મરભે મિયા, ૧ આ ૧૯૩૨, ૪ આ
૧૯૩૮, ૧૨ આના, પૃ. ૧૨ + ૪૨૯
મરભે મિયા વિ
- મરભે મુદ્રા મરભે મિયા મરભે મિયા, મરભે મિયા,
૧ આ ૧૯૩૮, ૧ મરભે મિયા ૧૯૪૬,
૧ આના પૃ. ૪ + ૧૦૮ વિ
- મરભે મુદ્રા મરભે મિયા (મરભે મુદ્રા મરભે મિયા
મરભે મિયા). મરભે મુદ્રા, મરભે મિયા મરભે મિયા,
૪ આના, ૧૯૨૨, પૃ ૫૪ વિ
મરભે મુદ્રા મરભે મિયા 'મરભે મુદ્રા મરભે મિયા'
મરભે મુદ્રા મરભે મિયા
- મરભે મુદ્રા મરભે મિયા સામાજિક મરભે મુદ્રા, મરભે મિયા,
મરભે મુદ્રા મરભે મિયા મરભે મિયા મરભે મિયા
મરભે મુદ્રા મરભે મિયા મરભે મિયા મરભે મિયા,
૫ આના પૃ ૪ + ૧૨૬ વિ
- મરભે મુદ્રા મરભે મિયા મરભે મિયા મરભે મિયા
મરભે મુદ્રા મરભે મિયા મરભે મિયા, ૧ આ
૧૯૪૧ ૪ આ ૧૯૪૬, ૧ આના, પૃ
૪૪ વિ
મરભે મુદ્રા મરભે મિયા મરભે મિયા મરભે મિયા
મરભે મુદ્રા મરભે મિયા મરભે મિયા મરભે મિયા
- મરભે મુદ્રા મરભે મિયા મરભે મિયા, મરભે મિયા, ૧
આ ૧૯૩૪, ૨ આ ૧૯૪૫, ૧૨ આના,

- ક્ર. ૨૪ + ૧૫૦, સચિ. વિ
- સમાજમાં છોમોનું સ્થાન (ગાંધીજીના શબ્દોમાં). ૭૫મી જયંતીના સ્ત્રી-દિન નિમિત્તે પ્રકાશન. અમદાવાદ, મજૂર મહાજન સંઘ, ૧૯૪૪, પૃ. ૨૭. વિ
- (સં. દેસાઈ, મગનભાઈ પ્ર.) - સંપૂર્ણ દારુનિપેઢ. (ગાંધીજીના લેખોનો સંગ્રહ) અમદાવાદ, ગુર્જર ગ્રંથરત્ન, ૮ આના, ૧ આ. ૧૯૩૦, પૃ. ૮ + ૧૮૩, સચિ. વિ
- (સં. નગોનદાસ અમુલ્લખાય) - સ્ત્રી સ્વાતંત્ર્ય (મહાત્માજીના જ શબ્દોમાં). ગાંધીશિક્ષણ - ૫. મુંબઈ, નગોનદાસ અમુલ્લખાય, ૪ આના, ૧૯૨૩, પૃ. ૧૬ + ૪૪. વિ
- હિંદુ સ્વરાજ. જુઓ 'રાજકારણ' વિભાગમાં.
- મૂજરાત વિદ્યાપીઠ - ગ્રામસંગઠન [નિવંધો અને ચર્ચા]. અમદાવાદ, ગુજરાત વિદ્યાપીઠ, ૬ આના, ૧૯૩૧, પૃ. ૮ + ૮૮. વિ
- ૧૯૩૧ના એપ્રિલમાં વિદ્યાપીઠમાં મરાયેલા ગ્રામસેવા સંમેલનમાં ગામડાના જીવનના વિવિધ પ્રશ્નોને અંગે અપાયેલાં માપગો, વંચાયેલા નિવંધો તથા ચર્ચાનો નોંધોનો સંગ્રહ
- ગ્રામસેવા સમિતિ - ગુજરાતનાં માંગતાં ગામડાંમાં [ગ્રામસેવાના પ્રથમ વર્ષનાં મંથનો અને અનુભવો] : ગ્રામસેવા સમિતિનું સને ૧૯૩૫નું વાર્ષિક નિવેદન. વારડોલી, ગ્રામસેવા સમિતિ, ૧૯૩૬, પૃ. ૧૬ + ૬૮. વિ
- ગાંધીજીના 'જંગમ વિદ્યાપીઠ' પરનાં પ્રવચન તથા કાકાસાહેબના 'ગ્રામસેવાનો કાર્યપદ્ધતિ' નામના લેખ સહિત
- જેક્સ, એલ. પી. (અનુ : ચં. પ્રા. શુક્લ)
- ચંત્રો સામે ઘઘ્લવો. (એલ. પી. જેક્સનાં ૧૯૩૩ નાં ફીર્ટ વ્યાખ્યાનો). અમદાવાદ, નવજીવન, ૧૦ આના, ૧૯૪૮, પૃ. ૮ + ૬૨. વિ
- (અનુ : ગો. જી. પટેલ) - સર્વોદયનો જીવનકલા. (રચનાત્મક નાગરિક ધર્મ).

- અમદાવાદ, જૈન સાહિત્ય પ્રકાશન સમિતિ, રૂ. ૨-૦-૦, ૧૯૪૨, પૃ. ૨૮ + ૩૪૦. વિ
- ટૉલ્સ્ટૉય, લીઓ (અનુ : ન. દા. પરીક્ષ તથા પાં. વિ. વલ્લભે) - ત્યારે કરીશું શું? સાવરમતી, દ. વા. કાલેલકર, પૂર્વાર્ધ : ૧૨ આના, ૧૯૨૫, પૃ. ૨૪૩; અુતાર્ધ : રૂ. ૧-૦-૦, ૧૯૨૬, પૃ. ૨૬૭. વિ
- ત્યારે કરીશું શું? અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૧-૦-૦, ૧૯૩૫, પૃ. ૪૩૧. વિ
- શુપરના વત્રે માગો પરથી પોંડોક સંક્ષેપ કરીને તૈયાર કરેલી નવી આવૃત્તિ.
- (અનુ : વિ. મ. મટ્ટે) - સ્ત્રી અને પુરુષ. અમદાવાદ, પ્રસ્થાન, રૂ. ૧-૦-૦, ૧૯૩૩, પૃ. ૧૬૬. વિ
- ઠાકુર, રવીન્દ્રનાથ (અનુ : ન. ના. પારેખ)
- પૂર્વ અને પશ્ચિમ. મુંબઈ, મહાગુજરાત પબ્લિશિંગ કંપનો, રૂ. ૧-૧૨-૦, ૧૯૪૨, પૃ. ૨૬૮. વિ
- સ્વદેશી સમાજ. અમદાવાદ, નવજીવન, ૮ આના, ૧૯૩૪; પૃ. ૧૨૫. વિ
- ટિકિન્સન, લૉવેક્સ (અનુ : ચં. પ્રા. શુક્લ)
- ચીનનો અવાજ. અમદાવાદ, નવજીવન, ૮ આના, સં. ૧૯૮૩, પૃ. ૧૦૨. વિ
- 'પૂર્વ અને પશ્ચિમ' આનો જ સંક્ષેપ છે.
- (સારાનુ : ગાંધી, મો. ક.) - પૂર્વ અને પશ્ચિમ. જુઓ શુપર ગાંધીજીનાં પુસ્તકોમાં.
- દત્રે, જુગતરામ - હલ્લપતિ - મુક્તિ [ઇલ્લો પ્રથા અને મુક્તિદાનની હિલચાલ]. અમદાવાદ, ૬ આના, ૧૯૪૬, પૃ. ૫૬. વિ
- દારુનિપેઢ પ્રચારલાતું - દારુનિપેઢ દ્વા માટે? મુંબઈ, એસોશિએટેડ એડવાર્ડિશિસ અને પ્રિન્ટર્સ, ૧૯૩૯, પૃ. ૩૨. વિ
- મુંબઈ સરકારના દારુનિપેઢ પ્રચાર લાતા તરફથી વહાર પહેલું છે.
- દેસાઈ, મગનભાઈ પ્ર. - દારુનિપેઢ અને સ્વરાજ. અમદાવાદ, પ્રસ્થાન, ૪ આના, ૧૯૩૦, પૃ. ૭૯. વિ

દેસાઝો, ડ્રમગલાલ ધ - પ્રામોદપ્રતિ
કુરમી, આર આર દેવગી કપતો, ૧૯૮૦,
પૃ ૧૬ + ૨૧૦. વિ

પતીલ, મરહુમ દ્વા - યત્રની મર્યાદા
અમદાવાદ, ગુજરાત વિદ્યાલય, ૧ આ
૧૯૪૦, ૨ આ ૧૯૪૭, પૃ ૧૬૧ + ૬૦ વિ
યત્રોને અને ગાંધીજીના વિચારો એક
મળા વિભાગના તારથી આવ્યા છે

- સામ્યવાદ અને સર્વોદય તથા ધીજા
હેલ્થે અમદાવાદ, પ્રસ્થાન, ૨૬ આના,
૧૯૩૫, પૃ ૨૦૭ વિ

મદારૂપાલા, કિ ધ - સમૂહી ક્રાન્તિ
અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૧-૮-૦, ૧૯૪૮,
પૃ ૮ + ૧૬૪ વિ

- દાનુપ્રમર્યાદા અમદાવાદ, ૧ આ.
પ્રસ્થાન, ૧૯૩૭; ૩ આ. નવજીવન,
૧૯૪૫, ૧૨ આના, પૃ ૧૬ + ૧૩૬ વિ

મોદતા, અલભાગ્રી - માટે ગામદું

અમદાવાદ, ગુજરાત વિદ્યાલય, ૧ આ.
૧૯૩૯, ૨ આ ૧૯૪૧, ૧૦ આના,
પૃ ૧૪ + ૧૭૫ વિ

મોદતા, મનમુખલાલ ૧. - ગાંધીજીની
પ્રતિષ્ઠા રાજકોટ, ૧૯૨૧

મુદરગી, એચ સી - કોંગ્રેસની કેટલોક
અજાણકોષ મિલિટીઓ દુરામી, હયાત
દિ-દુસ્તાન, ૮ આના, ૧૯૪૬, પૃ.
૪ + ૨૪ વિ

રાજેન્દ્રપ્રભાદ, શાવુ - રચનામય કાર્યક્રમ
- કેટલોક સૂચનાઓ અમદાવાદ, નવ-
જીવન, ૩ આના, ૧૯૪૩ પૃ ૩૫. વિ

રાધાકૃષ્ણન, સર્વેપલ્લી (અનુ ન ના વરેસ)
- કન્ઝી અથવા મસ્તુતિનું માણિ -
અમદાવાદ ગુજરાત વિદ્યાલય, ૧૦ આના,
૧૯૩૯, પૃ ૩૩ + ૧૨૭ વિ

મ્યામ, રવિરત્ન (મહારાજ) - પ્રામરચના.
અમદાવાદ, હસ્તુ માલિક, રૂ ૧-૪-૦,
૧૯૪૭, પૃ ૭૬૫ વિ

૪ અ. સમાજ વિષયક

અસ્પૃશ્યતાનિવારણ

કોઠારા, કચ્છભાગી (મ) - હરપૂત
દરિદ્રાન રાજપુર, ૧૯૩૩

ગાંધી, મોહનદાસ ક. (અનુ: ન મ ગુજી)
- ધર્મસંસ્થાપન (અનુગત મપાદ
૧૪ીના ગાંધીજીના લેખો) દુરામી, પ્રાન્તિક
કોર્ડ અલ્લહ મરત અસ્પૃશ્યતાનિવારણ
સપ, ૩ આના, ૧૯૩૨, પૃ ૮ + ૮૮. વિ

- મહાત્માજીની સોમ તપશ્ચર્યા
અમદાવાદ, નવજીવન શુ કોડીવળા, દોઢ
આનો ૧૯૩૨, પૃ ૭૨

ગાંધીજીના અસ્પૃશ્યતાનિવારણ થતા
લેખો, દોર અને પ્રિન્સિપલ વડા પ્રધાન
માયેના પત્રો, મિલ્યાદિ

- (અનુ - મિન્દુપ્રભાદ મદુ તથા મલિલા
ઝકર, - દરિદ્રાન ભાગવત કાદ ૧ હો

(મદાત્મા ગાંધીના અસ્પૃશ્યતાનિવારણ
એના કુરોડીની પ્રદા) અમદાવાદ,
અસ્પૃશ્યતાનિવારણ સમિતિ, ૧૨ આના,
૧૯૩૨, પૃ ૨૨૮ વિ

પુસ્તકના મત્તરમા ધન દોષો છે
- હિન્દુ આચાર [દરિદ્રાનીય - હિન્દુધર્મ
કથા આવરના કથા નિવનો પાઠના યોગ્ય
તે વિવેનો મદરના ગાંધીજીએ લદી આપેલી
કાળો] સારમગી, દરિદ્રાન આગમ, ૧
૧૧ી, પૃ ૮.

- હિન્દુ ધર્મની કસાંટી [અસ્પૃશ્યતા
નિવારણ વિશે મદાના ગાંધીજીના લેખો]
કન્ઝ - કોટલા, કોવરામ કસ્યાળ કોઠારી,
૬ આના, સં ૧૯૮૧, પૃ. ૪ + ૧૪૪ વિ
ગુજરાત હિન્દુ સેવક સપ - સંધના

વાર્ષિક અહેવાલો, સાવરમતી, હરિજન
આશ્રમ, ૧૯૩૩-૩૪ ના પહેલા વર્ષના
અહેવાલથી ૧૯૪૬-૪૭ ના વર્ષ સુધી પંદર
વર્ષના અહેવાલો પ્રસિદ્ધ થયા છે

ઠાકર, માણિલાલ અને મટ્ટ, અિન્દુપ્રસાદ
- ગાંધીજીનો અગ્નિપ્રવેશ. અમદાવાદ,
૧૯૩૨

ઠાકર, માણિલાલ અને મટ્ટ, અિન્દુપ્રસાદ
(સં.) - હરિજન સંતો. અમદાવાદ

વેસાઓ, મહાદેવભાઈ - અન્યજ સાધુ નંદ
[દ્રાવિડ દેશના બેઠ સંતનો કથા]. અમદા-
વાદ, નવજીવન, અર્ધો આનો, સં. ૧૯૮૧,
પૃ. ૩૦.

ગાંધીજીની પ્રસ્તાવના. ૫

પઢિયાર, અમૃતલાલ સુંદરજી - અન્યજ
સ્તોત્ર. કન્ટ - કોટડા, જીવરામ કોઠારો,
૬ પામી, ૧૯૨૫, પૃ. ૪૪. વિ

ગાંધીજીની પ્રસ્તાવના

વધેકા, ગિજુભાઈ - આમદછેટનું મૂત.
- આપણે પાપે. અમદાવાદ, ૧૯૩૩

ગુચ, પુરાતન - ભગવાનનાં છોર [હરિ-
જનોના જીવનપ્રસંગોનો હૂવહૂ ચિતાર].
અમદાવાદ, સસ્તું સાહિત્ય, ૧૦ આના,
૧૯૪૬, પૃ. ૧૨૮. વિ

શુકલ, ચન્દ્રશંકર પ્રા. - મન્દિરપ્રવેશ
અને શાસ્ત્રો. અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ.
૩-૦-૦, ૧૯૪૭, પૃ. ૨૪ + ૩૫૧. વિ

૪ આ: સમાજ વિષયક

કોમી એકતા (મુખ્યત્વે હિન્દુ-મુસ્લિમ)

અમૃતલાલ અલાદીનભાઈ - હિન્દુ-મુસ્લિમ
એકદિલી સ્થાપવાની ચરી રાહ.
અમદાવાદ, ૧૯૨૫

ગાંધી, મોહનદાસ ક. - હિન્દુ-મુસલમાન.
અમદાવાદ, નવજીવન, ૧ આનો, ૧૯૨૪,
પૃ. ૮ + ૪૦. વિ

દરગાહવાળા, અિમામુદ્દીન એસ. (અનુ.)
- હિન્દના ઇતિહાસમાં હિન્દુ-મુસ્લિમ
એકતા. નવસારી, ઓ. એસ. દરગાહવાળા,
૮ આના, ૧૯૩૩, પૃ. ૧૬ + ૯૬. વિ
મહેતા, અશોક અને પટવર્ધન, અચ્યુત -
હિન્દનો કોમી ત્રિકોણ. અમદાવાદ,
નવજીવન, રૂ. ૩-૦-૦, ૧૯૪૫, પૃ.

૧૨ + ૪૧૮. વિ

અનુવાદની સાથે ગાંધી-જિના મુલાકાત
અને તેને અંગેના કેટલાક દસ્તાવેજો પરિ-
શિષ્ટમાં આપ્યા છે.

મેઘાણી, ક્ષેત્રેચંદ - અકબરની યાદમાં.
રાણપુર, સ્વાધીન મુદ્રણાલય, ૮ આના,
૧૯૪૨, પૃ. ૮૨. વિ

ભત્તી, ડૉ. સૈયદ અબ્દુલ-હિન્દનું મુસ્લિમ
રાજકારણ. વાંટવા, યુસુફ માંડવિયા, રૂ.
૧-૦-૦, ૧૯૪૦, પૃ. ૩૨ + ૪૭૯. વિ

- (અનુ: જાન મુહમ્મદ દાબૂદ) - હિન્દનો
મુસ્લિમ પ્રશ્ન. વાંટવા, ૫ આના, ૧૯૪૦,
પૃ. ૧૬ + ૬૪. વિ

૫. રાજકારણ

કાઠિયાવાડ રાજકોય પરિપદ - ચોથો
કાઠિયાવાડ રાજકોય પરિપદના સ્વાગત
મંડળનો તથા તેના કાર્યવાહક મંડળનો
અહેવાલ અને હિસાબ, રાજકોટના સ્વાસ
અધિવેશનનો અહેવાલ અને ભાવનગરની
પરિપદમાં ગાંધીજીએ આપેલું ભાષણ.

વઢવાળ શહેર, મુખ્ય મંત્રીઓ, કા. રા. પ.,
રૂ. ૨-૦-૦, સં. ૧૯૮૧, પૃ. ૮૬ + ૮૦
+ ૧૮. વિ

ગનો, યુસુફ અબ્દુલ - હિન્દનું ભાવિ
વંધારણ. વાંટવા, યુ. અ. ગની માંડવિયા,
૮ આના, ૧૯૪૧, પૃ. ૧૨ + ૧૮૫. વિ

ગાંધી. મો. ક. અને 'સરકાર-અગ્નિ
પરોક્ષાની પૂર્વ મૂલિકા [ગાંધીજીનો
શિરસ્થાનોની માંડીને આજ દુષ્કાળો દિવસો
સરકાર તથા લોકો દિવસિયો સાથેનો
તેનનો બૈનિકાસિક પચરેવાર] અમદાવાદ,
મકાનુ પ્રેસ, ૪ જાના, ૧૯૪૨, પ
૪૦ વિ

ગાંધીજીના દુષ્કાળની નવનીતન તર
જીવી પ્રસિદ્ધ ગ્રંથના 'ગાંધીજીના સરકાર
મકાનુ પચરેવાર'માં આ પત્રો આવી આવ
છે. લુભો આગળ 'ગાંધીજીના સરકાર પચરેવાર'
- (સં. પ્રિન્ટિંગ સાઈક) - અસહકાર :

મકાનુ ગાંધીજીના લેખો અને આગળ,
અમદાવાદ, ગુજરાત કાર્યાલય, ૨-૮-૦,
સ. ૧૯૭૯, પ. ૫૪ + ૮૧૪ વિ

- અસહકાર, મકાનુ ગાંધીજીના મકા
તથા લોકો. અમદાવાદ, રાષ્ટ્રીય સારિત્ય
મકાનુ, સં ૧૯૭૨, પ ૪ + ૧૩૨. વિ

- અસહકાર માગ ૧ થી ૩ (ગાંધીજીના જ
જીવોનાં ગાંધીજીના મકાનુ માગ ૧૦
થી ૧૨) મુલકી, નવોનકાશ અમુઅરવ,
૧૨ જાના, ૧૯૨૨, પ ૧૬ + ૧૬૪,
૨-૦-૦, ૧૯૨૨, પ ૧૬ + ૧૯૩;
૧૨ જાના, ૧૯૨૨, પ ૧૬ + ૧૬૪ વિ

- (સ નવરત્ન મા. રવે) - આસરી
કેસનો માગ ૧લો: પૂર્વ સૈયારી

[દુજ ગાંધીજીના બિન્દિત્ત્વ અને
કુમીનિયન કટ્ટુ કુપર પ્રકાશ કેસ, તર
ગોદી મકાનુમાંના મકાનુથી કુલ પટા તર
લેખોનો સમગ્ર] અમદાવાદ, ગુજરાત પ્રવરતન,
૮ જાના, ૧૯૩૦, પ ૮ + ૧૫૮ વિ

- આસરી કેસનો માગ ૨ લો: મકા
બિનિત્ત્વમાં [૫૦ ગાંધીજીને સ્વતંત્ર
કુલ આર્મી ત્યારથી કુલ કરી કરવકા
બનિરમાં ગયા ત્યાં મુખીનો આલો
મકાનુની કટ્ટુ મકાનુમાં આગળ, લેખો
ગોદીનો સમગ્ર]. અમદાવાદ, ગુજરાત પ્રવરતન,

૧૨ જાના, ૧૯૩૦, પ. ૮ + ૧૫૯ થી
૧૯૪ વિ

ગાંધીજીના લેખો કુપર કુપરને કર
તથા ગાંધીજીની કારકરને અને લોક
લેખકોના લેખો પા આમાં છે

- આસરી કેસનો માગ ૩લો [મિ સ્લોકોને
ગાંધીજીનો કારકર લેખો મુલકાન લીધી
ત્યારથી ગાંધીજી ગોચરેલીમાં કારકી
કારકા ગયા ત્યાં મુખીના ગાંધીજીના લેખો,
મકાનુ તથા લોકો લેખકોનો કટ્ટુ વિલે
અમુઅરવનો સમગ્ર]. અમદાવાદ, ગુજરાત પ્રવરતન,
૨-૩-૦-૦ ૧૯૩૨ પ ૮ + ૫૮૪ + ૨. વિ

- આસરી કેસનો માગ ૪લો. 'મોલમેલો-
માં ગાંધીજી' નવમી પ્રસિદ્ધ [ગાંધીજીને
ગોચરેલી પચરેવાર આલેખો અને, વિલ
કનનો મુલકી, ના. કારકરોવ મકાનુ
પચરેવાર, કારકાસિક સનિતિના કારકો
છેલ્લે કારકો મકાનુની લીધી પચરે
અમદાવાદ, ગુજરાત પ્રવરતન, ૧૨ જાના,
૧૯૩૨, પ ૮ + ૨૧૮ વિ

- ગાંધીજીનો આસરી કારકલ [ક.
૮૮ ૫૪ ને લોક મકાનુમાં સનિતિ અમુઅ
આલેખ મકાનુ] અમદાવાદ, નવનીતન,
૧ જાના, ૧૯૪૨, પ ૩૧. વિ

- ગાંધીજીના સરકાર સાથેનો પચરેવાર (ગાંધી-
જીના કુપર કુપરને દિવસો સરકાર કર
પાલેલો) મુલકી, લોકો અને કનનો, ૧
જાના, ૧૯૪૩, પ ૩૨ વિ

આ પચરેવાર નવનીતન પ્રસિદ્ધ
'ગાંધીજીનો સરકાર સાથેનો પચરેવાર'
માં આવી આવ છે

- ગાંધીજીનો સરકાર સાથેનો પચરે-
વાર, ૧૯૪૨-૪૪ અમદાવાદ, નવનીતન,
૨-૩-૦-૦, ૧૯૪૫, પ ૨૮ + ૨૪૫-
૫ વિ

- (સં. અમુઅરવ સાઈક) - આલ્યા
આવ પચરેવાર, નવનીતન સાઈક, ૮ જાના,

૧૯૪૨, પૃ. ૧૨ + ૧૦૪.

-દેશો-રાજ્યોનો પ્રશ્ન. અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૧-૮-૦, ૧આ. ૧૯૪૧, પૃ. ૮ + ૪૭૪. વિ

-(સં. નગીનદાસ અમુલ્લખરાય) - પ્રજાવંધારણ (ગાંધીજીના જ શબ્દોમાં. ગાંધી-શિક્ષણ માગ ૮ મો) સુવંશી, નગીનદાસ અમુલ્લખરાય, રૂ. ૧-૪-૦, ૧૯૨૩, પૃ. ૧૬ + ૨૪૮. વિ
-પ્રાણપ્રતિષ્ઠા. અમદાવાદ, નવજીવન, ૧૯૨૩.

અસહકારની હલત અંગેની ગાંધીજીનાં માપગો તથા લેલોનો સંગ્રહ

-(અનુ: શામશ્વરદાસ ગાંધી) - બુલંદ વચાવનામું. રાજકોટ, નવયુગ પુસ્તક મંદાર, રૂ. ૨-૮-૦, ૧૯૪૪, પૃ. ૮ + ૧૭૬.

ગાંધીજીના સરકાર સાથેના (૧૯૪૨-૪૪) પત્રવહેવારનો અનુવાદ. અનુવાદ સંપૂર્ણ નથી, તેમ જ તેમાં ચોક્કસાથી નથી. નવજીવન દ્વારા પ્રગટ થયેલ અનુવાદ સંપૂર્ણ અને પ્રમાણમૂત છે.

-વેલગામ મહાસભા (બી. સ. ૧૯૨૪) ના પ્રમુખ તરીકે આપેલું માપગ. અમદાવાદ, નવજીવન, ૧૯૨૫

-મહાત્મા ગાંધીજીના પંજાવના પત્રો. કમલવજ, હરિલાલ માળેકલાલ દેસાઈ, ૮ આના, ૧૯૨૦, પૃ. ૯૬. વિ

તા. ૨-૧૧-૧૯૧૯ થી ૨૯-૨-૨૦ સુધીના નવજીવનમાં પ્રસિદ્ધ થયેલા પત્રો.

-(સં. નગીનદાસ અમુલ્લખરાય) - રાજગીતિ (ગાંધીજીના જ શબ્દોમાં. ગાંધી-શિક્ષણ માગ નં. ૯). સુવંશી, નગીનદાસ અમુલ્લખરાય, રૂ. ૧-૪-૦, ૧૯૨૩, પૃ. ૧૬ + ૨૬૮. વિ

-રૉલેટ બિલ વિષે સમજૂતી. (સત્યાગ્રહ લેખમાળા નં. ૨). સુવંશી, સત્યાગ્રહ સમા, ૧૯૧૯, પૃ. ૧૬

-હિન્દ સ્વરાજ. (ગાંધીજીના પોતાના

હસ્તાક્ષરમાં) અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૧-૧૨-૦, ૨-૮-૦, સં. ૧૯૭૯, પૃ. ૬ + ૫ + ૨૬૯. વિ

-હિન્દ સ્વરાજ (સાદી આવૃત્તિ). ૪ આના, પૃ. ૩૨ + ૧૪૪. વિ

-હિન્દ સ્વરાજ, એક સત્યવોરની કથા અને સર્વોદય. અમદાવાદ, રાષ્ટ્રીય સાહિત્ય મંદલ, ૧આ. ૧૯૨૧, પૃ. ૪ + ૧૬૭. વિ

-(સં. વામન પાં. કઠાવી) હિન્દ સ્વરાજનો દાવો [સપ્ટેમ્બર ૧૯૩૧થી જાનેવારી ૧૯૩૨ સુધીમાં ગાંધીજીએ ઇંગ્લેન્ડમાં અને હિન્દમાં આપેલાં માપગો, લખેલા લેખો અને મિત્રો તેમ જ પત્રકારોને આપેલી મુલાકાતો તેમ જ ગાંધી-વિનિગડન વચ્ચેનો સંપૂર્ણ પત્રવહેવાર]. સુવંશી, યેશાનંદની કાંતની, રૂ. ૧-૮-૦, ૧૯૩૨, પૃ. ૨૦૫, સચિત્ર. વિ

અલ્ખારિયા દવનું પ્રકાશન. જાહેર-લેખો વધુ જ લખેલે એવી રીતે મુકાયેલો છે.

ચૂટણી જંગ ચેલનાર, એક-કાર્યકર્તાઓ અને મતદારોને સુપચાગો. સુવંશી, હમારા હિન્દુસ્તાન, રૂ. ૧-૦-૦, ૧૯૪૬, પૃ. ૪ + ૮૦. વિ

ગોશી, પૂરનચંદ-કોંગ્રેસ અને કમ્યુનિસ્ટો. સુવંશી, લોકપ્રકાશન ગૃહ, ૬ આના, ૧૯૪૫, પૃ. ૨ + ૩૮. વિ

-દેશની આજાદી માટે (ગાંધી-જિના) ફરી મલ્લો. સુવંશી, લોકપ્રકાશન, ૮ આના, ૧૯૪૫, પૃ. ૨ + ૫૦. વિ

તઢાજાવાઢા, હ. જા. -મહાત્માજીનું આલ્હો યુદ્ધ. માર્ગ. ૧-૨. રાણપુર, હ. જા. તઢાજાવાઢા, રૂ. ૧-૮-૦ ૧૯૩૦ પૃ. ૮ + ૧૩૬; ૮ + ૧૬૮. વિ

શ્રી વલ્લભમાધીના મરુચ જિલ્લાનાં માપગોથી માંડીને ઢાંઢી કૂચમાં સાંધિયેરમાં કરેલી ૩૧મી મંડીલ સુધીનો લલ્લતનો અહેવાલ આમાં આવેલો છે.

દેસામી, વાલજી મો - રાજકપા. અમદાવાદ,
નવગોળ, ૩ બાના, ૧૯૩૧, પૃ. ૫૬ વિ
ગાંધીજીની પ્રસાવના

મહામંદિ - અસફર યુવર માયન
છાપુટ, ૧૯૨૨

મેઝમાતવાન, સામ મી. (અનુ ચન્દ્રકાન્ત
મોદા) આમ કનતાના સર્વસંબંધનું
પ્રદર્શન મુશ્મી, હનરા કિન્દુરનાન, ૬
બાના, ૧૯૪૬, પૃ. ૪ + ૨૦ વિ

નેદત, અવાદરનાન - હિન્દુ ક્યે રસ્તે ?
દાહોદ, ક મ પળા, ૨ બાના, ૧૯૩૪,
૫ ૪૫ વિ

પેટલ, વલ્લભમામી - દેશો રામપોલી હટત.
(સરદાર વલ્લભાચીની પ્રાથમિક ભષણો).
રાજકોટ, મગિરોન ૪ પોન્, ૧ બાનો,
૧૯૩૮ પૃ ૩૬ વિ

પરોલ, નરહરિ દ્વા. - પ્રામપચાયતનો
કાપડો અને તે કાપડાને લગતા નિયમો
અમદાવાદ, નવગોળ, ૮ બાના, ૧૯૪૦-
૪૧, પૃ ૨૦ + ૫૧ + ૨૨. વિ

પ્રસાવનાર્ના પ્રામપચાયતનો મિત્રિદિસ
અને વિવેચન છે

મટ્ટ, પુનોઝાલ યે. - ત્રિદિશ રામ્યનંત્ર
અને આપગો મહાસમા. અમદાવાદ,
ગૂઝાલ વિન્નઈ, ૧૦ બાના, ૧૯૨૩,
૫ ૧૮૮. વિ

મારે, વિનોદા (અનુ પા મ રેગપદિ)
- સ્વરામ્યશાહ અમદાવાદ, ગૂઝાલ

વિવિઈ, ૬ બાના, ૧૯૪૨, પૃ ૧૦ +
૬૧ વિ

મહિનક સરખમનો રચના
રમિદનાઠ - ગાંધીજીના અગિયાર મુદ્રા:
હામિયારદંધીનો કાપડો તથા હટકો
સર્વ અને હટકર. અમદાવાદ, ૧૯૨૦

હાજરનરાય, છાન્દા - હાન્દાજીનું રાજકીય
સવજ્ઞાન મુશ્મી, કર્પનાન ઝેન્દ સ્મિ,
૧૨ બાના, ૧૯૨૪, પૃ ૧૬. વિ

શાહ, મુસાલ સહકમી ('પોલિટીકમ')
- મહામા ગાંધાજીનો ૧૧ સરલો.
અમદાવાદ, ગૂઝાલ વિન્નઈ ૪ બાના,
૧૯૩૧, પૃ ૮ + ૧૩૬ વિ

ગાંધીજીએ રજૂ કરેલા સરખના કાર-
કપ ૧૧ મુદ્રા કાલત વિવરણ કરતી 'વંધે
કૌનિક'માં આદેશી ક્યેમાલનો ગૂઝાલો
અનુવાદ

શાહ, વપુમામી - સ્વરાજ આમ્યુ ? કોતર-
નગર, હસકાર સાલિય મરિર, ૧૦ બાના,
૧૯૪૦, પૃ ૪ + ૫૮ વિ

શાહ, શાંતિ અને સિદ્ધા, મોન્દ્ર - ગાંધીજી-
નો સ્વરાજપાપના મુશ્મી, છી.
શાંતિનંદની કમ્પી, રૂ ૧-૮-૦,
૧૯૪૪, પૃ. ૧૨ + ૨૧૨. વિ

હરિજનવત્સુ કાર્યાલય (પ્ર) - મહાસમાનો
આદેશ [મહાપ્રમિનિનો ઠગ અને ગાંધી-
જીનાં જગ ભષણ] પૂના, ૧૯૪૦, પૃ ૪૦.
'હરિજનવત્સુ'માંથી પુનર્મુદ્રિત

૬. અર્પકારણ

અમદાઠ, ધીમજારાયન (અનુ: ૪ પ્રા
દુક્ક) - ગાંધીવાદી આર્થિક યોજના
મુશ્મી, એલ એમ ટકર, રૂ. ૧-૪-૦,
૧૯૪૫, પૃ ૧૧૨ વિ

ગાંધીજીની પ્રસાવના
ઑટિયા, એફ. પી (અનુ મટ્ટ અને ટાકર)
- સરદાર અમદાવાદ, નવયુગ પુસ્તક
મહર, ૯ બાના, ૧૯૩૧, પૃ ૧૪૪ વિ

આલુવનાં યે મી કુનાપ્પાએ
ગાંધીજીના મીઠાના કાપડા વિષેના વિષયો
કારતો આપ્યા છે

કાહેલકર, દ વા - સ્વદેશી ધર્મ સારમતો,
મર્યાદાદ આત્રમ - સ્વમી અનંદ, ૪ બાના,
૧૯૨૦, પૃ ૩૧ ગાંધીજીની પ્રસાવના વિ
કુમારપ્પા જે સી - માનર સાલુકાનો
આર્થિક સમામ અમદાવાદ, ગૂઝાલ

- વિદ્યાપીઠ, ૮ આના, ૧૯૩૬, પૃ. ૧૦ + ૧૧૭. વિ
- રાજ્ય આવક વેરો અને આપણો દરિ-
દ્રતા. અમદાવાદ, નવયુગ પુસ્તક મંદાર, ૫
આના, પૃ. ૧૨ + ૮૦. વિ
ગાંધીજીનો પ્રસ્તાવના.
- (અનુ : નગિમાઓ દેતાઓ) - હિન્દ-
વિદ્યનનો નાણાવહેવાર. અમદાવાદ,
નવજીવન, ૧૦ આના, ૧૯૪૭, પૃ.
૮ + ૪૬. વિ
- કોઠારી, વિટ્ઠલદાસ મ. - હિન્દુનું પ્રજાકીય
અર્થશાસ્ત્ર. અમદાવાદ, ગુજરાત વિદ્યાપીઠ,
રૂ. ૧-૮-૦, ૧૯૪૫, પૃ. ૧૪ + ૧૭૩. વિ
- કોઠારી, વિ. મ. અને પટેલ, ક્ષ. પુ.
- ગ્રેથાનો આર્થિક તપાસ. વારહોલી,
ગ્રામસેવા સમિતિ, ૪ આના, ૧૯૩૭,
પૃ. ૪૨. વિ
- કોઠારી, વિ. મ. અને ગ્રેઠ, નગોનમાઓ
સો. - હેઠૂતપોથી. અમદાવાદ, ગુજરાત
વિદ્યાપીઠ, રૂ. ૨-૪-૦, ૧૯૪૮, પૃ.
૧૨ + ૨૦૮. વિ
- સેતીવાડી, સેઠુતને અનેના કાયદા,
ઘોર બુટ્ટર અને ગૃહબુદ્ધોગોનો પ્રમાણભૂત
માહિતી આમાં આપી છે
- ગાંધી, મોહનદાસ ક. - ગોસેવા. અમદાવાદ,
નવજીવન, ૧ આ ૧૯૩૪; ૨ આ. ૧૯૪૦,
૫ આના, પૃ. ૧૨ + ૧૮૩. વિ
- (સં. નગીનદાસ અમુલ્લખરાય) - સંપત્તિ-
શાસ્ત્ર (મહાત્માજીના જ શબ્દોમાં - ગાંધીશિક્ષણ
- ૬). સુંવથી, નગીનદાસ અમુલ્લખરાય,
૬ આના, ૧૯૨૩, પૃ. ૧૬ + ૭૮. વિ
- સર્વોદય (સ્કિનના 'અન્ટ પિસ લાસ્ટ'
ને આધારે). અમદાવાદ, નવજીવન, ૧ આ.
૧૯૨૨; ૨ આ. ૩ આના, ૧૯૪૪, પૃ.
૪૪. વિ
- સાચો મજૂર ચલ્લચલનાં મૂલ તત્ત્વો.
અમદાવાદ, સત્તું સાહિત્ય, ૨ આના,
૧૯૪૫, પૃ. ૩૦. વિ.

- સાચો. શ્રમજીવો. સુંવથી, કેશવલાલ
નગાનદાસ શાહ, ૨ આના, ૧૯૩૭, પૃ.
૪૦. વિ
- સો ટકા સ્વદેશી. અમદાવાદ, નવજીવન,
રૂ. ૧-૪-૦, ૧૯૪૧, પૃ. ૮ + ૩૬૮. વિ
ગાંધીજી કુપરાંત વીજા લેલકોના પગ
થોડાક લેલો આમાં લેવામાં આવ્યા છે.
- (સં. નગીનદાસ અમુલ્લખરાય) - સ્વદેશી.
(મહાત્માજીના જ શબ્દોમાં - ગાંધી શિક્ષણ
- ૭). સુંવથી, નગીનદાસ અમુલ્લખરાય,
૧૨ આના, ૧૯૨૩, પૃ. ૧૬ + ૧૫૦. વિ
- સ્વદેશીનાં સૂત્રો.
- વિદેશી કાપડ વહિષ્કાર (ગાંધીજીના
વિચારો). અમદાવાદ, વિદેશી કાપડ
વહિષ્કાર સમિતિ, ૧ આનો, ૧ આ. ૧૯૩૦,
પૃ. ૪૮. વિ
- ગોસેવા સંમેલન - પ્રથમ ગુજરાત કાઠિ-
યાવાડ ગોસેવા સંમેલન, સાવરમતી,
પ્રમુલ શ્રી-સ્વામી આનંદનું ભાષણ તથા
અહેવાલ. સાવરમતી, ન. દ્વા. પરીલ, ૨ આના,
૧૯૪૦, પૃ. ૪૩. વિ
- જયપ્રકાશ નારાયણ - સમાજવાદ શા
માટે? અમદાવાદ, નવી દુનિયા, રૂ.
૧-૦-૦, ૧૯૩૬, પૃ. ૧૭૪. વિ
- જોષી, છાનલાલ ન. - આપણો આર્થિક
પ્રશ્ન (એક સમાલોચના). અમદાવાદ,
નવજીવન, રૂ. ૧-૦-૦, ૧૯૩૮, પૃ. ૨૨
+ ૨૭૧. વિ
- કિંગ્લી, વિલિયમ (અનુ : ગો. જી. પટેલ)
- આવાદ હિન્દુસ્તાન. અમદાવાદ, ગુજરાત
વિદ્યાપીઠ, રૂ. ૧-૦-૦, ૧૯૩૭, પૃ. ૨૪૫.
વિ
- ગાંધીજીએ કિંગ્લી, દત્ત અને દાદાભાઈ-
ના હિન્દના અર્થશાસ્ત્ર વિષયક પુસ્તકોને
હિન્દી અર્થશાસ્ત્રના પાયારૂપ ગણાવેલા છે.
- દત્ત, રમેશચન્દ્ર - બ્રિટિશ હિન્દનો આર્થિક
ઇતિહાસ : ભાગ ૧-૨. અમદાવાદ,

ગુજરાત બનાવનુજ સોશાયટી, દેરબની રૂ.
૧-૦-૦, ૧૯૦૧ વિ
દેસામી, જાનકીમામી મો. - ગોરશા-
કતતદ્ અમદાવાદ, નવલીવન, માગવાર
આના, ૧૯૨૮, પૃ ૧૨૮ વિ

ગાંધીજીની પ્રભાવના

નવજીવન પ્રકાશન મન્દિર (પ) - સ્વદેશીનો
પેરો [વિરેણી કાપડ સામેની ચોરીનું
સફા] અમદાવાદ, સાઠવાર આના,
૧૯૨૨, પૃ ૮+૬૭ વિ

ગાંધીજી, કાલકુદેશ, વસ્ત્રમમથી
બોરેન્ડ એજેનો સમર. 'અર્ધા ચોરીદાર'
(અમ્મમ તેવજી)ની પ્રભાવના સાથે
નવજીવન, સાદામામી (સ) અને અનુ.
મો ઓ ફેન્સ) - હિન્દુસ્તાનનો મોરી
વામી અમદાવાદ, ગુજરાત વિવરિત,
૧૪ આના, ૧૯૩૮, પૃ ૮+૨૦૧ વિ
પત્ત, રાવજીમામી મ. - બાલકોનો
પોશાર અમદાવાદ નવલીવન, ૮ આના,
મ ૧૯૦૦ પૃ ૨૪+૧૬૦, વિ

ગી નારદરિ પરીખની પ્રભાવના
ચીચ, નારદરિ દ્વા - બારદોબીનો સેદૂત
ચારદોબી, ૧૯૨૭
- માનવ અર્થશાસ્ત્ર અમદાવાદ, નવલીવન,
રૂ. ૬-૦-૦, ૧૯૪૫, પૃ ૧૬+૬૮૪
વિ
- (મ) - હિન્દ પાપમાત્ર કેમ થયુ ?
અમદાવાદ, ૧૯૨૩

- વંચની મર્યાદા. જુઓટિયાળ ૪ અમમ્મ-
અનુ, મેઝર વામનદાસ (અનુ મો ઓ
ફેન્સ) - હિન્દુસ્તાનના પેવાર મુખોમનો
માના. અમદાવાદ, ગુજરાત પ્રવાસ, ૮
આના, ૧૯૩૦, પૃ ૨૬૪. વિ

મદારુવાલ્કા, કિ. ઘ - મુજગનો માપા-
અમદાવાદ, નવજીવન, ૧ આનો, ૧૯૩૫
પૃ. ૩૫. વિ

વાલિયા, પ્રો પી. એ અને રાવ, લો કે.
આર લો. - આપના આધિક પ્રમો-
માવનગર, રાધિનામૂર્તિ, ૫ આના, ૧૯૩૨,
પૃ ૬૮ વિ

મુજમીની સ્વદેશી લીમીટેડની ૧૯૩૦ની
લગ્ન દરમ્યાન પ્રાન્ધિ પદેની પ્રતિકાઓનો
અનુવાદ

સપટ, ગુજરાતી ધ - દુદિયામગ (આનાની
ના ૧૧ મુદા). અમદાવાદ, ૧૯૩૦

શાહ, કેશવલાલ મ - મોઠારેરો વાને
હિન્દનો પાપમાત્રીની કથના કયા.
અમદાવાદ, કેમ. એ ગાઠ, ૪ આના,
૧૯૩૦, પૃ ૫૨. વિ

સલ્દુ સાહિત્ય વ કાર્યાન્ય (પ) - હિન્દનો
આર્થિક વિકાસનો યોજના. અમદાવાદ,
૮ આના, ૧૯૪૪, પૃ ૧૦૮ વિ

સર પ્રમોટમદાસ ઠાનુરામ બોરે
મુખોમનોની યોજનાની અનુવાદ ઓ
મનુ ધવેદારની પ્રભાવના (૧ ૩૧ ૧૯)
કુન્નેલનીય:ટે

૬ અ. અર્થશાસ્ત્ર : સ્વાદી

અઢાલજા, સારાવંદ પો - હાપવગાટ
સદ ૧-૨ ચલોદય, લા પો અઢાલજા
સદ ૧ : વગસવો કતામન, ૧૯૨૨,
રૂ. ૧-૮-૦, પૃ. ૧૨+૧૮૮, સદ ૨ :
સુરપોથી કાપડ, ૧૯૨૩, રૂ. ૩-૮-૦,
પૃ ૧૬+૪૨૬. વિ
અલિલ ભારત ધરમા સધ (પ) - મગન

રેરિયો. અમદાવાદ, અ મા ધ. સ્થ,
૧૯૪૦, પૃ ૧૨+૧૭, ૮ વિરો વિ
આમર, લડમીદાસ પુ - ધરવદા વક
ધારવામાનો રીત અને કાંતવાનો સમજૂતી.
નારોલી, ૧૯૩૦. વિ

ગાંધી, મગનલાલ મુ (મ) - સ્વાદી સમાવદ
પત્રિકા ધારમતી, ૧૯૨૩-૨૪

—વળાટશાસ્ત્ર—ભાગ ૧ લો. સાવરમતી, સત્યાગ્રહાશ્રમ, ૧૦ આના, ૧૯૨૨, પૃ. ૮ + ૧૭૪ + ૨. વિ

ગાંધી, મનમોહન પુ. —પરદેશી કાપડ સામે હરીફાઈ કેમ કરવી? અમદાવાદ, પ્રસ્થાન, ૮ આના, ૧૯૩૨, પૃ. ૧૨૦. વિ
ગાંધીજીની આમુખ સાથે. અંગ્રેજી પરથી અનુવાદિત.

ગુજરાત લાદી પ્રચાર મંડળ —ગુજરાત લાદી પ્રચાર મંડળનો પ્રથમ વર્ષનો અહેવાલ સં. ૧૯૭૮-૭૯. અમદાવાદ, ગુ. લા. પ્ર. મંડળ, ૧૯૨૪, પૃ. ૧૩૪. ગ્રેગ, રિચર્ડ વી. (અનુ. જે. જી. ગાંધી અને ન. ના. પોરેલ) —લાદીનું વ્યાપક અર્થશાસ્ત્ર. અમદાવાદ, નવજીવન, ૧૨ આના, સં. ૧૯૮૭, પૃ. ૩૨ + ૨૭૮. વિ
કાકાસાહેબના શુપોદ્ધાત સાથે.

જેરાજાણી, વિઠ્ઠલદાસ વ. —કાંતવાની કળા. મુંબઈ વિ. વ. જેરાજાણી, ૧ આનો, ૧૯૨૧, પૃ. ૩૧.

જોશી, ચિ. ગો. (અનુ: વિ. ના. અમ્યંકર) —લાદી, સ્વદેશી અને ગ્રામોદ્ધાર વિષયક સંવાદ. દારકા, વિ. ના. અમ્યંકર, ૧ આનો, પૃ. ૪૦. વિ

ડીવાનજી, દિલ્લુશા વ. —કાંતણ પ્રવેશિકા. વિલેપારલે, લાદીમંદિર, ૨ આના, ૧૯૪૧, પૃ. ૪ + ૪૪. વિ

દેસાઈ, મણિભાઈ પ્રાગલી —લાદીનો પ્રસાદો. ૪ આના, ૧૯૨૪, પૃ. ૧૮૪.

દેસાઈ, લાલજી ગોવિન્દજી —દ્રૌપદીનાં

૬ આ. અર્થશાસ્ત્ર : ગ્રામલુદ્ધોગ

કુમારપ્પા, જે. સી. —ગ્રામઆન્દોલન શા માટે? વર્ષા, અ. મા. ગ્રા. શુ. સંઘ, ૭ આના, ૧ આ. ૧૯૩૮, પૃ. ૮ + ૧૦ વિ
—(અનુ: ન. ના. પોરેલ) —ગ્રામલુદ્ધોગ-પ્રવૃત્તિ. અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૨-૦-૦, ૧૯૪૫, પૃ. ૧૨ + ૧૭૧. વિ

કુમારપ્પા, ભારતન —ગ્રામલુદ્ધોગ અને

ચીર [ગાંધીજી કૃત પ્રસ્તાવના સહિત]. અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૦-૩-૬, સં. ૧૯૮૭, પૃ. ૮ + ૧૦૩. વિ

લાદી વિષેની ઘણી ઐતિહાસિક માહિતી આમાં મળી રહે છે.

પટેલ, નંદલાલ નથુભાઈ —કાંતણપોથી (જાતે કાંતનારાઓને માટે). અમદાવાદ, રાષ્ટ્રીય સંરંજામ કાર્યાલય, ૨ પૈસા, ૧૯૩૦, પૃ. ૩૨. વિ

પુણતાંવેકર, શ્રી. વિ. અને વરદાચારો (અનુ. છ. ન. જોષી) —લાદી નિવંધ. સાવરમતી, દ. વા. કાલેલકર, રૂ. ૧-૦-૦, ૧૯૨૩, પૃ. ૧૦ + ૨૬૦. મહાત્મા ગાંધીજીની પ્રસ્તાવના સાથે. વિ

અંગ્રેજો હિન્દમાં આવ્યા તે અગામીનો અર્હીનો હાથવળાટ અને કંતામણનો ઐતિહાસ, તે શુદ્ધોગનો નાશ, તેની મિલશુદ્ધોગ સાથે સરલામણી, તથા રેટિયા દ્વારા પરદેશી કાપડનો બહિષ્કાર કેમ કરી શકાય એની આ પુસ્તકમાં ચર્ચા કરેલી છે.

પ્રભુદાસ —લાદી પહેરશો? કલોલ, ૧૯૨૯
બુચ, પુરાતન —કાંતણપોથી. અમદાવાદ, લાલગોવિન્દ કુવેરદાસની કંપની, ૧૦ આના, ૧૯૪૭, પૃ. ૬ + ૬૬. શ્રી મોરારજી દેસાઈની પ્રસ્તાવના. વિ

મથુરાદાસ પુરુષોત્તમ —મધ્યમ પીંજણ. સાવરમતી, ગુજરાત પ્રાન્તીય લાદી વિભાગ, ૩ આના, ૧ આ. ૧૯૩૧, પૃ. ૨૮ + ૧૪૦. આકૃતિઓ સાથે. વિ

ગ્રામપુનર્રચના. વર્ષા, અ. મા. ગ્રા. શુ. સંઘ, ૩ આના, ૧૯૩૮, પૃ. ૩૬. વિ
દાસગુપ્ત, સતીશચન્દ્ર —લામલા કેલ્લ-વાની ક્રમ:પદ્ધતિ —ગૃહશુદ્ધોગ તરીકે. વર્ષા, અ. મા. ગ્રા. શુ. સંઘ, ૧૯૩૮, પૃ. ૧૦ + ૩૬. વિ

પટેલ, હાવેરભાઈ પુ. —તેલઘાણી. વર્ષા

મ મા પ્રા મુ ઈષ ૧૯૩૮, ૮ બાના,
૫ ૮ + ૩૮, ૧૦ ચિત્રો સંવ વિ
-તેલકાળોની પૂર્વિ વર્ષો, મ મા

પ્રા મુ મધ, ૫ બાના, ૧૯૩૮ ૬
૪ + ૩૬ મધિય વિ

૭. કેલ્ચરો

અમલી છાત્રાલય મદદ (મ) - છાત્રાલય
સહિતા અમલી ૨ બાના, ૧૯૨૮,
૫ ૨૨ વિ

કાલેલકર, ૬ મા - જીવનવિકાસ (કલ્પ
વર્ગી વિષયક બોનો સપ્ત) અમદાવાદ
નવજીવન રૂ ૨-૮-૦, ૧૯૩૬, ૫
૮૦૦ ચિત્ર વિ

કુપ્તગાની, આચાર્ય જીવનરામ (અનુ
ગો બો પેલ) - માર્ગદર્શની કેલ્ચરો
(વધા-સોજના અમદાવાદ મુલરાત
વિનાપોઠ રૂ ૧ ૪-૦, ૧૯૪૦, ૫
૮ + ૧૪૮ વિ

કોટારા, વિ મ - હિન્દી સરકારની શિક્ષણ
યોજના (સાર્વજનિક રિપોર્ટ) અમદાવાદ,
નવજીવન ૬ બાના, ૧૯૪૫, ૫ ૪૬ વિ
કોર્મલી, મર્નેસ્ટ (અનુ પા વિ વલ્લભે)
- ટૅન્કર્ટોચ અને શિક્ષણ સારવણી,
૬ મા કાલેલકર, સત્યાપ્રદાશ્રમ, ૧ મુ
૧૯૨૫, ૨ મુદ્રણ ૧૯૪૧, ૮ બાના,
૫ ૧૨૨ વિ

ગાંધી, મા ક - કેલ્ચરોનો કોયલા
અમદાવાદ નવજીવન રૂ ૧-૪-૦,
૧૯૩૮, ૫ ૨૦ + ૪૮૦ ચિત્રવિતિ વિ
કાકાપ્રાણની પ્રસ્તાવના 'પ્રવૃત્તિનો
નિષેધ' અમદાવાદ, રાષ્ટ્રીય શિક્ષણી વર્ષો
કેલ્ચરો સુધીના આગળ દેશની કેલ્ચરો
વિષેના લેખોનો સમગ્ર સર્વો કેલ્ચરોનો
પૂરક પ્રય

- સર્વો કેલ્ચરો અમદાવાદ, નવજીવન,
૧૦ બાના, ૧૯૩૮, ૫ ૧૪ + ૪૫૮,
ચિત્ર વિ

કેલ્ચરોના શિક્ષણોની વર્ષો મુલ્યવત
માર્ગ કલ્પના બાની છે.

- (મ નગીનરામ અમુલ્યરાય) - ગાંધી -
શિક્ષણ (મહારાજીના સ્મૃતિ) માય
૧-૧૨ મુલ્ય, નગીનરામ અમુલ્યરાય,
૧૯૨૩ મગ ૧ સત્યાપ્રદાશ્રમ, મગ ૧
ધર્મ, માગ ૩ આરામ્ય, મગ ૪
કેલ્ચરો, ૭ બાના, ૧૯૨૩, ૫
૨૬ + ૧૫૫ માગ ૫ સ્ત્રીસ્વાત્મ્ય,
માગ ૬ મધ્યસ્થિ શાસ્ત્ર, માગ ૭ સ્વદેશી,
માગ ૮ પ્રજાવેદ્યાર્ણ, માગ ૯ રાજનર્મ,
માગ ૧૦-૧૨ અસહકાર (રિમગ ૧-૨),
માગ ૨૩ અંગત વિચાર

કેલ્ચરોના મગ (માગ ૪ થી) સિવા
યના સીમા અગી તે તે વિમર્યાની વિગત
સાથ નોંધ્યા છે

- રાષ્ટ્રમાયા વિર વિચાર અમદાવાદ,
નવજીવન ૧૨ બાના, ૧૯૪૫, ૫ ૮ +
૨૩૬ વિ

- (મ નગીનરામ અમુલ્યરાય) - રાષ્ટ્રોપ
વાચનમાળા (ગાંધી ગાંધીના કેલ્ચરો
માધી સ્મૃતિ) મુલ્ય, નગીનરામ
અમુલ્યરાય રૂ. ૧૦૦, ૧૯૨૩, ૫
૧૨ + ૨૩૬, ૧૨ ચિત્રો અને કાલકોર
સાથ વિ

- વિદ્યાર્થી આલમને લેખો અને માલનો
અમદાવાદ, પ્રજાસીય સાહિત્ય મંદિર, ૬
બાના, ૧૯૨૨, ૫ ૫૫ વિ

- સત્યાપ્રદાશ્રમનો અતિદાસ અમદા
વાદ નવજીવન, રૂ. ૧-૦-૦, ૧૯૪૮, ૫
૧૬ + ૧૬ વિ

કલ્પકલ્પનો પ્રસ્તાવના (અનિસમ,)
અને ટિપ્પણ સાથે

- સાચી કેલ્ચરો અમદાવાદ, સર્વ
સાહિત્ય, ૪ બાના, ૧૯૪૫, ૫ ૪૨ વિ .

‘હારો કેલ્વણો’, ‘કેલ્વણોનો કોયદો’, ‘વર્ધા શિક્ષણ યોજના’ વગેરેમાંથી જુતારા.

ગુજરાત કેલ્વણી પરિપદ્ - ધીજો ગુજરાત કેલ્વણી પરિપદ્, ઓક્ટોબર ૧૯૧૭. મરુચ, પરિપદના મંત્રી દ. જી. અમીન, રૂ. ૧-૦-૦, ૧૯૧૮, પૃ. ૧૬૪ + ૧૨૬. વિ

ગુજરાત મહાસમા સેવાદલ - સેવાદલ પુસ્તિકાઓ અને પત્રિકાઓ : ૧. સેવાદલનું વંધારણ; ૨. પ્રાથમિક શિક્ષણ ક્રમ; ૩. સૈનિક અભ્યાસક્રમ; ૪. સ્વયંસૈનિક કવાયત - ૧. અમદાવાદ, વ્યવસ્થાપક, ગુ. મ. સેવાદલ, ૧૨ આના, ૧૯૩૮-૩૯, પૃ. ૭ + ૮ + ૧૬ + ૩૨. વિ

ગુજરાત વિદ્યાપીઠ - શાદીવિદ્યાપ્રવેશિકા (ગુ. વિ ગ્રંથાવાલિ પુ. ૧૨). અમદાવાદ, નવજીવન, ૧ આ. ૧૯૩૯; ૩ આ. ૧૯૪૮, રૂ. ૧-૪-૦, પૃ. ૮ + ૧૮૬. વિ - હિસ્સાકોશ (જોટણી માટે). અમદાવાદ, નવજીવન, ૧ આ. ૧૯૪૦; ૨ આ. ૧૯૪૧, ૮ આના, પૃ. ૧૬ + ૨૬૮. વિ

- ગુજરાત વિદ્યાપીઠ વિજ્ઞાપક સં. ૧૯૮૦-૧૯૮૧. અમદાવાદ, ગુજરાત વિદ્યાપીઠ, રૂ. ૧-૮-૦, ૧૯૨૫, પૃ. ૨૨૧. વિ

- ગુજરાત વિદ્યાપીઠના મહામાત્રે કૅરેલાં વાર્ષિક નિવેદનો. ૧૯૨૩-૨૪ થી ૧૯૪૪-૪૫ સુધીનાં.

- ગુજરાતી જોડણીકોશ. ગાંધીજીની પ્રેરણાથી તૈયાર થયો. જુઓ ‘સાર્થ ગુજરાતી જોડણીકોશ.’

- શિક્ષણ વ્યાખ્યાનમાળા, અમદાવાદ, ગુજરાત વિદ્યાપીઠ, ૧૦ આના, ૧૯૨૬, પૃ. ૨૧૫. વિ

- સાર્થ ગુજરાતી જોડણીકોશ. અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૪-૦-૦, ૩ આ. ૧૯૩૭, પૃ. ૨૪ + ૬૧૮. વિ

પહેલી આવૃત્તિ ૧૯૨૯માં ‘ગુજરાતી જોડણી કોશ’ નામથી પ્રસિદ્ધ થઈ હતી. તેમાં શબ્દોની કેવલ જોડણી જ આપવામાં આવી હતી. પછીની આવૃત્તિમાં અર્થ, વ્યુત્પત્તિ બિંદ્યાદિ શુભેરવામાં આવ્યાં છે. ત્રીજી આવૃત્તિ હપાય છે.

જ્ઞાકિરહુસેન કમિટી - વર્ષા શિક્ષણ યોજના. [“Basic National Education” ના નામથી પ્રસિદ્ધ થયેલા જ્ઞાકિરહુસેન સમિતિનાં અહેવાલ તથા અભ્યાસક્રમનો અનુવાદ]. અમદાવાદ, નવજીવન, ૧ આ. ૧૯૩૯; ૨ આ. ૨ જુનું મુ. ૧૯૪૫, રૂ. ૧-૦-૦, પૃ. ૪ + ૧૦૮ વિ ગાંધીજીનું આમુલ

દવે, જુગતરામ - આત્મરચના અથવા આશ્રમની કેલ્વણી. અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૪-૮-૦, ૧૯૪૬, પૃ. ૨૪ + ૪૪૮ વિ કાકાસાહેબનો પ્રસ્તાવના માથે.

દવે, જુગતરામ અને પરીલ, નરહરિ - લોકપોથી પહેલી. અમદાવાદ, નવજીવન, ૧ આનો, ૧૯૩૯, પૃ. ૫૨. વિ

પ્રૌઢશિક્ષણનું પ્રથમ પાઠ્યપુસ્તક દેસાઈ, મગનભાઈ પ્ર. - રાષ્ટ્રીય મહાસમા અને વિદ્યાર્થી પ્રવૃત્તિ. અમદાવાદ, નવજીવન, ૬ આના, ૧૯૪૫, પૃ. ૮ + ૫૪. વિ

સરદાર શ્રી વલ્લભભાઈ પટેલની પ્રસ્તાવના.

- વિદ્યાર્થી ગ્રીપ્સ પ્રવૃત્તિ [તેના શુદ્ધ અને વર્ગો માટે યોજના] અમદાવાદ, નવજીવન, ૬ આના, ૧૯૪૬, પૃ. ૨ + ૪૬ વિ

પરીલ, નરહરિ દ્વા. - આટલું તો જાણજો - ૧. અમદાવાદ, રાષ્ટ્રીય સાહિત્ય કાર્યાલય, ૬ આના, ૧૯૨૨, પૃ. ૯૯. વિ

- તારુણ્યમાં પ્રવેશતી કન્યાને પત્રો. અમદાવાદ, ૧ આ. પ્રસ્થાન કાર્યાલય, ૧૯૩૭; ૫મી આવૃત્તિ, ૧૯૪૭, અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૧-૦-૦, પૃ. ૪ + ૧૧૬. વિ આ આવૃત્તિમાં મહાદેવભાઈના ૪

- પત્રો, ગંધોડોનો એક વન અને ઐતિહાસિક
આવડા સ્થાપના વિષયો અને કાકા-
સંસ્થાની પુસ્તકો છે.
- કર્ષી કેળવણીનો પ્રયોગ અમદાવાદ,
નવસારી, ૬ જાના, ૧૯૧૯, પૃ.
૨૪ + ૧૦૭. વિ
- કામળા કામળાજીનો પ્રથમ ત્રૈમાસિક
મેગેઝિન, અમદાવાદ તથા અંકુશ
યોજના સ્થાપના માટે છે
- પાંચ, માંદનદાસ મા અને હૈન, હંસ-
રાવજી - હિંદુસ્તાની વ્યાખ્યાન પ્રવેશ
(ગુરુપત્ર વિષયો પ્રવાહિ) અમદાવાદ,
નવસારી, ૬ જાના, ૧૯૪૭, પૃ ૪ + ૫૯. વિ
- મદ, નર્મિદમદાદ કા કુર્ષી માનામાઓ
-કેળવણીનો પગદબો. [કેળવણી વિષયક
રેલોને સંપદ] અંકુશ, અમદાવાદ-
નવસારી, ૬ જાના, ૧૯૪૬, પૃ.
૧૬ + ૨૯૭. વિ
- મરાઠવાડા, કિશોરલાલ ઘ - કેળવણીના
પાયા [કેળવણી વિષયક નિબંધો], અમ-
દાવાદ, નવસારી, ૧ જા. ૧૯૨૬, ૪
જા ૧૯૪૬, ૬ જા. ૧-૮-૦, ૫
૨૪ + ૨૩૬. વિ
- કેળવણીનો વિષયક નિબંધ અમદાવાદ,

મુળોત્પાદન દેશી, અનિશ્ચિત,
૧૯૨૧, પૃ ૨ + ૨૨. વિ
આ નિબંધ વાંચ્યો કેળવણીના
સ્થાપો છે.

મદેના, સ્થાપના - મીંઠગ્રામી સોફ-
દિશ્વળ. સ્થાપના, પુસ્તકાલય ૪
૬૮૭, ૬ જા. ૧-૮-૦, ૧૯૪૪, ૬
૨૪ + ૧૮૮. વિ

રાધાકૃષ્ણન, સર્વપલ્લો (અનુ: ૪
કુલ) - મારતની વારસો. સ્થાપના,
રાવનુરા કુલ કોપી, ૬ જા. ૧-૮-૦, ૧૯૪૬,
૫ ૨૧૮. વિ

મોરારજીકાળના 'એલ્યુમેન્ટ', સર્વ-
દિશ્વળ કુલ કોપી નો અનુવાદ.
-મુલાનોની સંસ્કારસાધના. કુર્ષી
મેન. મેન કુલ અને કાળી, ૬ જા. ૧-૮-૦,
૧૯૪૬, ૫ ૧૫૨ વિ

મોરારજીકાળના 'પ્રીત્ત અને સ્થાપ-
નો અનુવાદ

શાહ, રમણલાલ - આપની વિદ્યાર્થી
દિલ્લાલ [મો મોરારજી કુલની
પ્રવેશક સ્થાપના] અમદાવાદ, સંસ્કૃત સ્થાપના
મંદિર, ૬ જા. ૨-૦-૦, ૧૯૪૬, ૫ ૧૫૨.
વિ

૯. આરોગ્ય

૧૯૪૪, ૫ ૧૬ + ૨૪૪. વિ

ગંધોડો અને સ્થાપના સ્થાપના
આરોગ્ય ૫. ૨૪-૨૬; ગંધોડો સ્થાપના
સ્થાપના સ્થાપના ૫ ૧૬૨-૧૯૫
પેટેલ, સ્થાપના પુ. - આરોગ્ય સ્થાપના
પોષક. અમદાવાદ, ગુજરાત વિદ્યાલય
૮ જાના, ૧૯૪૫, ૫ ૮ + ૬૪ વિ

ગંધોડોના 'કે લોક' અને કો
કુમરપત્રનો પ્રસારના સ્થાપના.

પેટેલ, રાવજીમામી પ્રગિભામી - આરોગ્ય
પોષક. કુર્ષી અંકુશ વિષય.
સર્વેસ, પેરી (અનુ: કાકાસારી કાકાસારી)

- ગંધો, માંદનદાસક (મ ન્યોનદાસ અનુ-
સ્થાપના) - આરોગ્ય (અમદાવાદના ૪
સ્થાપના ગંધોડોના માગ ૧) સુખી,
ન્યોનદાસ અનુસ્થાપના, ૭ જાના, ૧૯૨૩,
૫ ૧૬ + ૧૧૭. વિ
- આરોગ્ય વિષે સામાન્ય જ્ઞાન. અમદા-
વાદ, સમુ માર્ગ, ૮ જાના, ૬ જા
૧૯૪૪, ૫ ૧૧૬. વિ
- અની મૂલ પોને અર્થ દિનિષ્ઠ-
નતાઓ પ્રવેશ અની રંગ.
- આરોગ્ય સનુ સનુ, અને દેશુ.
અમદાવાદ, સર્વ લિમિટેડ, ૬ જા. ૧-૪-૦,

અને ફિ. ધ. મણ્ડલાલા) - માનવી
 સ્વંદિયેરો (એક રક્તપિત્તોનો આત્મકથા).
 અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૨-૮-૦,
 ૧૯૪૬, પૃ. ૨૪ + ૩૨૮. વિ

મથુરાદાસ ત્રિકમજી - મરુકુંજ (રાજરોગનું
 નિવારણ). અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ.
 ૧-૦-૦, ૩ આ ૧૯૪૬, પૃ. ૧૨ + ૧૨૮.
 વિ

૧૦. સાહિત્ય

આશ્રમનો શુલ્ક - કાંગડાની નજરે (હિન્દવી
 પરથી અનુવાદ). અમદાવાદ, નવજીવન,
 ૧ આના, ૧૯૪૭, પૃ. ૪ + ૬૮. વિ
 ઈન્ટરનેશનલ પ્રિન્ટિંગ પ્રેસ - નીતિનાં
 કાવ્ય. પીનિકલ (નાતાલ), પૃ. ૪૬
 કવિ, નાનાલાલ દ. - સંવોધન. અમદાવાદ,
 ના. દ. કવિ, રૂ. ૨-૦-૦, ૧૯૩૦, પૃ.
 ૧૨ + ૧૯૦. વિ

‘હિંસક અહિંસા’ પૃ. ૬૨ થી ૭૯.

- સંસાર મંથન. અમદાવાદ, કવિ, ના.
 , દ., રૂ. ૧-૮-૦, ૧૯૨૭, પૃ. ૨૧૮ વિ
 વીજી કાઠિયાવાડ અન્યજ પરિપદનું
 માપણ, પૃ. ૭૭-૯૫.

કામદાર, કેશવલાલ હિં. - સ્વાધ્યાય : સંઘ
 ૨જો. સુંવશી, આર. આર. શેઠની કંપની,
 રૂ. ૩-૦-૦, ૧૯૪૦, પૃ. ૧૬ + ૪૭૦. વિ
 પૃ. ૧૫૬ થી ૧૭૪ ગાંધીજીના કાર્ય-
 ક્ષેત્રનું અને અનન્ય આગેવાનોનું સમા-
 લોચન.

કાલેલકર, દ. ડા. - કાલેલકરના લેખો.
 અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૩-૦-૦,
 ૧૯૨૩, પૃ. ૭૪૭. વિ

જેલમાં જવા સુધીના લેખોનો સંપૂર્ણ
 વર્ગીકૃત સંગ્રહ.

- કાલેલકરના લેખો : ભાગ ૨ જો.
 અમદાવાદ, નવજીવન, ૧૨ આના, ૧૯૨૫,
 પૃ. ૨૮૮. વિ

- જીવનભારતી (સાહિત્ય વિષયક લેખો).
 અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૨-૮-૦,
 ૧૯૩૮, પૃ. ૨૦ + ૭૯૯. વિ

- જીવનનો આનંદ [કલા અને કુદરત

વિષયક લેખો]. અમદાવાદ, નવજીવન,
 ૧ આ. ૧૯૩૬, ૨ આ. ૨ મુ. ૧૯૪૪,
 રૂ. ૩-૦-૦, પૃ. ૧૬ + ૫૪૪. વિ

- શ્રી નેત્રમણિમાઓને (લખેલા અંગત
 પત્રોનો સંગ્રહ). અમદાવાદ, નવજીવન, ૧૪
 આના, ૧૯૪૭, પૃ. ૮ + ૧૦૧. વિ

કૃપલાની, આચાર્ય જીવતરામ (સં.
 મગનભાઈ દેસાઈ) - આચાર્ય કૃપલાનીના
 લેખો. અમદાવાદ, જે. જી. ગાંધી, રૂ.
 ૨-૦-૦, ૧૯૩૭, પૃ. ૧૨ + ૪૦૪. વિ
 ગાંધીજીની પ્રસ્તાવના સાથે.

હરે, પંડિત નારાયણ મો. (સં. ગાંધી,
 પુ. ના.) - ગુજરાતમાં સંગીતનું પુનરુ-
 જ્જીવન. અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ.
 ૧-૪-૦, ૧૯૩૯, પૃ. ૨૦ + ૫૦૯. વિ

ગાંધી, મોહનદાસ ક. - અંગત વિચાર.
 (ગાંધીજીના જ શબ્દોમાં. ગાંધી શિક્ષણ-
 ૧૩.) સુંવશી, નગીનદાસ, અમુલ્લખરાય, ૫
 આના, ૧૯૨૩, પૃ. ૧૬ + ૬૦. વિ

- (સં. આપામાઓ મો. પટેલ) - ગાંધી
 ગિરામૃત. ઓઢ, નર્મદાશંકર ગો. જોશી
 અને મૂ. પુ. પટેલ, રૂ. ૧-૪-૦, ૧આ.
 સં. ૧૮૭૯, પૃ. ૮ + ૨૩૮. વિ

- ગાંધીજીનાં વચનામૃત. અમદાવાદ,
 સાકરલાલ બુલાહીદાસ બુકસેલર, ૨ આના,
 ૧આ. ૧૯૨૧, પૃ. ૪૦. વિ

- ગાંધીજીનાં વિચારરત્નો. ગોંઢ

- ગાંધીજીની દિવ્ય વાણી [મહાત્મા
 ગાંધીજીના જુદા જુદા લેખો, માપણો,
 પુસ્તકો અને પ્રવચનોમાંથી ચૂંટી કાઢેલાં
 સિદ્ધાન્ત જેવાં નાનકડાં વાક્યોનો સંગ્રહ].

- સુરત, ગાંધી સાહિત્યમંદિર, ૧ આ ૪
૧૯૮૦, પ ૨૧ વિ
- ગાંધીજીની વિચાર પુણ્યમાળા. ૧
૫ ૨૬
- જીવનદોષો પીનિષ્ઠ (નાટ્ય), અમર-
નેશનલ પ્રિ પ્રેસ, ૫ આના, ૧૯૨૧
- ટૅલ્ટૅલોની શાંતિનો અનુવાદ
- તપસ્યોનાં શાંતી સીર [મશામમાં
પૂર્વ સ્વાત્મ્યની ઠાવ પદી સરકારની
નીતિ કુષ્ઠી પાઠ્યા પૂ ગાંધીજીના સ્વેચ્છ
સ્વેચ્છોની સમજ] અમદાવાદ, પ્રવાન,
દોષ આનો, ૧ આ ૧૯૨૦, પ. ૪૮. વિ
- મહાત્મા ગાંધીજીના પત્રો- અમદાવાદ,
સેવક કાર્યાલય, ૬ આના, ૧ આ ૧૯૨૨,
૫ ૪ + ૧૦૦ વિ
- મહાત્માજીના લેખના પુલ્કી મંડિટાલ,
રામદાસ, દેવદાસ તથા શીશામી કુલ
કોના અગત ૮૨ પત્રોનો સમજ
- (મ મેટ્રા, ઘનદયા નવરસાય) -
મહાત્મા ગાંધીજીનું નનોમન્દિર. કચોલ,
૫ ન મેટ્રા, ૧૦ આના, ૧ આ
૧૯૨૧, ૫ ૬ + ૭૮ વિ
- ગાંધીજીના જુરા જુરા વિષયોને કો
વિચાર દર્શાવનારા શબ્દો ઇ માગમાં
વર્ગીકરણ કરીને આમાં જ પ્યા છે
- મૂલસરાજ, શાંતિચંદ્રાદેવ અને એક
મન્યવારનો કળ, સુરત, ગાંધી, ૮ આના,
૧૯૨૨ વિ
- નિવંદ્યાલની શોધ અથવા સત્ય વિના
પોતુ કરું નથી. સુરત, ગાંધી, દોષ
આનો, ૧૯૨૧, ૫ ૨૨ વિ
- ગુજરાતી સાહિત્ય સંમેલનનું ચારનું અધિ
વેશન (૧૯૨૬) - એકાલ અમદાવાદ,
૧૯૨૭
- સ્વેચ્છના પ્રમુખ મહાત્મા ગાંધી હતા
- છત્રુ અધિવેશન અમદાવાદ ૧૯૨૦.

અમદાવાદ, મનીમો, ગુજરાતી સાહિત્ય
પરિષદ, રૂ. ૩-૦-૦, ૧૯૨૧, ૫ ૭૧૫-
વિ

'અન સમાચરો દર્શિએ સાહિત્યની
વિચાર' એ ગાંધીજીના મન્યનો સપ
આમાં છે (૫ ૨૦ થી ૨૧)

ગુજરાત સાહિત્ય પરિષદ - પરિષદ પ્રમુ-
શોનાં માન્યો [ગુજરાતી સાહિત્ય સંમેલનના
પોલેસી તેર અધિવેશનોના પ્રમુશોનાં મન્યો-
નો મન્ય] અંબેરી (સુરતી), ગુજરાત સાહિત્ય
પરિષદ, રૂ. ૪-૦-૦, ૧૯૪૧, ૫ ૮ +
૫૫૮. વિ

શરમા અધિવેશનના પ્રમુખ ગાંધીજી

હતા

જોષી, જુમારાંશર - વિશ્વશાંતિ (એક રૂઢ
કાવ્ય), અમદાવાદ, નવજીવન, ૨ આના,
૧૯૨૧, ૫ ૫૨ કાકાસદેવની પ્રત્યક્ષ
માયે વિ

ટૅલ્ટૅલો, છીમ્મો (અનુ મન્યમર્મી પ્ર. રેખા)
- કચ્છા બેટલે છુ ? અમદાવાદ, ગુજરાત
વિશ્વવિદ્યાલય, રૂ. ૩-૮-૦, ૧૯૪૫, ૫ ૪૮ +
૨૪૦. વિ

ગાંધીજીના કટ-વિષયક વિચારો જુરા
તરતીને આપનામાં આપ્યા છે

- (અનુ ચ પ્રા કુલ) - જૂન મહિ રો-
વાપ (ટૅલ્ટૅલોના નિશ્ચીનો અનુવદ) -
અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૨-૦-૦, ૧૯૪૫,
૫ ૨ + ૨૩૮ વિ

આમાં ટૅલ્ટૅલો ગાંધીજીનો પરાવરણ
(૫ ૧૯-૨૦૫) જા આપનામાં આપ્યો છે

- (અનુ ન દા. પરીષ્ઠ) - છાતે મમૂરી
કરનારાઓને અમદાવાદ, નવજીવન, ૩
આના, ૧૯૨૪, ૫ ૫૧. વિ

ચિત્રેદી, નંદલાલ દા - મોહનમાળા
(ગોધીનો સમજ), અમદાવાદ, ડો. ના. ફેર,
સુવા આનો, ૫. ૧૮. વિ

દવે, જુગતરામ - આંધળાનું ગાઝું. અમદાવાદ,
નવજીવન, ૧ આનો, ૩ આ. ૧૯૩૯,
પૃ. ૪૦. વિ

- સેહતનો શિકારી અને મધ્યમસરની
ચાલ. અમદાવાદ, નવજીવન, ૪ આના,
૧૯૪૨, પૃ. ૫૬. વિ

- ગ્રામભજનમંડળી. અમદાવાદ, નવજીવન,
૬ આના, ૧૯૩૮, પૃ. ૮ + ૯૪. વિ

- પ્રહલાદ નાટક તથા સહનવીરનાં ગીતો.
અમદાવાદ, નવજીવન, ૧૦ આના, ૧૯૪૮,
પૃ. ૬ + ૭૮. વિ

દવે, સી. એચ. અને કંપની (પ્ર.) - વારડોલી
ગીતસંગ્રહ. આણંદ, ૧૯૨૮

દેસાઈ, ફીળાભાઈ અને જોશી, ઝુમાશંકર
(સં.) - ગાંધી કાવ્યસંગ્રહ. વીલેપારલે,
વિદ્યાર્થી પંચાયત - ગોકળીવાળી હાઈસ્કૂલ,
૧૨ આના, ૧ આ. સ. ૧૯૯૩, પૃ.
૧૨ + ૧૧૯. વિ

દેસાઈ, મહાદેવ હ. - મહાદેવભાઈનાં
વિચારરત્નો. ભાવનગર, સંસ્કાર સાહિત્ય-
મંદિર, ૬ આના, ૧૯૪૫, ૪૮. વિ

દેસાઈ, રમણલાલ વ. - જીવન અને
સાહિત્ય - ભાગ ૧. મુંબઈ, આર. આર.
એઠની કંપની, રૂ. ૨-૮-૦, ૧૯૩૮, પૃ.
૩૫૪. વિ

ગુજરાતી સાહિત્યમાં ગાંધીયુગ, ગાંધોજી
સાહિત્યકાર ધરા? હિન્દુ-મુસ્લિમ ઐક્ય, એ
પ્રશ્ન પ્રકરણો પ્રત્યુત છે.

દેસાઈ, વાલજીભાઈ ગો. - કથાકુસુ-
માંજલિ. અમદાવાદ, નવજીવન, ૫ આના,
૧૯૩૦, પૃ. ૧૫૦. વિ

નવજીવન પ્ર. મંદિર (પ્ર.) - મધપૂઠો.
અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ. ૧-૦-૦,
૧ આ. ૧૯૨૬, પૃ. ૨૦૦; ૩ આ.
૧૯૪૮. વિ

નારીગરા, મહાવજી સાજન - હરિપરં.
મુંબઈ, વિ. વ. જેરાજાળી, ૧૯૨૯,
પૃ. ૬૭. વિ

લાદી પ્રચારાથે લેખેલી વાર્તા.
પુરાણી, અંબાલાલ વા. - પથિકનાં પુષ્પો,
ગુચ્છ ૨જો. આણંદ, શ્રીચરવિંદ કાર્યાલય,
રૂ. ૧-૮-૦, ૧૯૩૭, પૃ. ૮ + ૨૯૬. વિ
ગાંધીયુગ અને પૂર્વયુગની સરસામણી, પૃ.
૧ થી ૪૪

ચારોટ, ચૂ. પુ. (સંકલનકાર) - સત્યાગ્રહી
ગૌરીસન. અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ.
૧-૦-૦, સં. ૧૯૯૧, પૃ. ૮ + ૩૨૫.
વિ

મદ્દ, ચિમનલાલ પ્રા. (સં) - મહાસભાનાં
ગીતો. અમદાવાદ, નવજીવન, દોઢ આનો,
૩ આ. ૧૯૪૦, પૃ. ૮ + ૯૩. વિ

માવસાર, સોમાભાઈ - ગાંધી વાલગીતો.
અમદાવાદ, સંદેશ લિમિટેડ, અઢી આના,
૧૯૪૩, પૃ. ૪૦. વિ

૧૯ કાવ્યોનો સંગ્રહ.

માવે, વિનોબા - મધુકર. અમદાવાદ,
નવજીવન, ૧ આ. ૧૯૪૧; ૨ આ. ૧૯૪૫,
રૂ. ૨-૦-૦, પૃ. ૮ + ૩૪૨. વિ

મરાઠી 'મધુકર' અને હિન્દી 'વિનો-
બાકે વિચાર' પરથી અનુવાદિત.

મહેતા, કલ્યાણજી વિ. (સં) - સ્વરાજ્યનાં
ગીતો. અમદાવાદ, ૧૦ આના, ૧૯૩૧,
પૃ. ૧૭૨. વિ

માળેક, કરસનદાસ, - આજ્ઞાદીની યજ્ઞ-
લાલા. મુંબઈ - અમદાવાદ, મારતી-
સાહિત્યસંઘ, ૮ આના, ૧૯૪૨, પૃ. ૬૦. વિ
મૂળ પુસ્તક સાથે ધનવંત ઓજાની
એક પુસ્તિકા શા માટે જોડો દેવામાં
આવી છે તે સમજાતું નથી.

મુનશી, ક. મા. - ગુજરાતની અસ્મિતા.
મુંબઈ, ગુજરાત સાહિત્ય પરિષદ, ૪ આના,
૧૯૩૯, પૃ. ૧૮૯. ખાસ્ત આવૃત્તિ, રૂ.
૧-૦-૦. વિ

- ગુજરાત, એક સાંસ્કારિક વ્યક્તિ અને
આદિવ્રતનો. મુંબઈ, આર. આર. શેઠ,
રૂ. ૨-૮-૦, ૧૯૩૩, પૃ. ૮ + ૨૪૨. વિ

-મારઠીય સંસ્કૃતિ અને સોના હેતુ
અમદાવાદ, છાત્ર સંસ્થા, ૧૨ ખાના,
૧૯૪૬, પૃ ૧૨૪ વિ
મંથાની, ઘરઘર - બાપુનાં પાઠાં.
રાણપુર, રાજાના મુદ્રાગ્રંથ, ૧૦ ખાના,
૧૯૪૬, પૃ ૭૨ વિ
રાજગોરાડાવારિષ, વચ્ચેનાં (અનુ. જે.
કો ગોષા) - બોધશૈલિ અને સોનો
સાતો. અમદાવાદ, પ્રજા, ૬ ખાના,
૧૯૩૫, પૃ ૫૦. વિ
રાષ્ટ્રીય સાહિત્ય મંડળ (૫) - રાષ્ટ્રીય
અમદાવાદ, ડા. ડા. મંડળ, ૮ ખાના,
૧૯૨૨, પૃ ૧૫૨ વિ
આવ, મળિયાલ પ્રા. મ) - ચિંત્રીય સાહિત્ય
મોરારી, પુસ્તકાલય સ. સ. મંડળ, ક.
૨-૪-૦, ૧૯૪૭, પૃ ૧૧+૧૮૦. વિ

૧૧. આધુનિક ઇતિહાસ

આચાર્ય, ગુણવંતરાય - નેતાની શ્રી સુમાય
ષ્ટ્ર સોસ અમદાવાદ, ગુર્જર પ્રજા,
કુ ૨-૮-૦, ૨ ખા ૧૯૪૫, પૃ
૮+૨૦૭ વિ
ગોધર, જીવ (અનુ. વ. કા. મટ) - એશિયાના
મોતરારા અમદાવાદ, ગુણવંત કાર્યાલય,
કુ ૨-૦-૦, ૧૯૪૦, પૃ. ૨૨૦ વિ
અનુવાદકના રા. પૂરણી શ્રુતિ પ્રજા
શોષણ અનુવાદ (જાકે મે મણિય છે)
પ્રમાણભૂત ગાંધી પ્રજા નર્મી
ગાંધી, મોહનદાસ - ઈ. ઈ. સનો મુદ્રાગ્રંથ
અથવા મુસ્લિમ કામેલ પાસાંબું જોવન
સરિય તથા શીખા લેલો: ૧. દેમા
જેલનો હોય (સાર્તા), ૨. આરિકાનો
મન્યામદ, ૩ જોવનશીલી (સાર્તા) મુજબ,
ગાંધી સાહિત્ય મંદિર, ૬ ખાના, ૧૯૨૨,
પૃ ૬+૧૬ વિ
-મહાત્મા ગાંધીજીના પત્રો અમદાવાદ,
માલકાલ મુસ્લિમીશ્વર શુભેન્દ્રે, ૬ ખાના,
૧૯૨૨, પૃ ૬+૧૬૭ વિ

શીખા અનેક લેખકોની સાથે
ગાંધીજીના કેટલાક મજા લેલો આર્થ
સંપ્રદાય છે.
સાર્તા, મહામહોરાષ્ટ્રાથ હરમ્યાદ -
વાર્તાકિનો હાથ અમદાવાદ, મહાદેવ,
૬ ખાના, ૨ ખા. ૧૯૪૧, પૃ. ૧૦+૧૨.
વિ
સંતશાસ્ત્ર કુટુંબ સૌમાયસંદર્ભો - પ્રમોદી
અને પ્રામણિક (સત્યમ ચાપુરનાર)
અમદાવાદ, મહાદેવ સાહિત્ય મંદિર
મંદિર, ક. ૧-૨-૦, ૧૯૪૨, પૃ.
૧૨+૨૪ વિ
મોનો, રમણલાલ - આમાદીનાં રાષ્ટ્રીયો
મોહના. ક. ૧-૦-૦, ૧૯૪૦, પૃ
૧૨. વિ

દિગ્ગજ વિશિષ્ટ રાજકીય સ્થિતિ,
સરકારને તથા શીખાઓને મુરદીને ગાંધીજીને
મહાદેવનાં લેલો: ૩૨ મુસ્લિમ જીવ
તા. ૧૧-૬-૧૯૫૦ ૪-૧૨-૧૯.
-મહાત્મા મોહનદેવી વારામો. મુરદી, દિગ્ગ
સંવદ સમાજ તરફથી જોડી મળે, કિ.
૮ ખાના, ૧૯૨૫, પૃ ૪+૨૬ વિ
ગાંધીજીને ૧૯૨૬માં મોહનદેવીને પ્રજા
પુણ્યસિધિ નિર્નિયે મળિનો-સુનાય વરિકમ
લેનેને લેલ તેમના જ હરમ્યાદનાં ઉપેલો છે
-૧૪. મહાત્મા મોહનદેવીનો જોવન સંદર્ભ
(જીવનમય તથા સેવમય સાથે). મુરદી,
મળિનોમય, ૩ ખાના, ૧૯૨૨, પૃ.
૪૦ વિ
ગાંધીજીને 'મિલિયન બોલીમિલનનાં,
'મહાદેવનાં' તથા મોહનદેવીનાં મળિનોના
મુજબની અનુવાદની પ્રજાવનરુને લેલો
લેલોનો સમ્ર
ગાંધી, રાધિકા મ. અત્યાદિ - વીરાંગના
- મોનો મોર હાક અમદાવાદ, ૧૯૩૧.

गांधी, सुभद्रा (अनुवाद) - स्वामीराव (सरदार पृथ्वीसिंहનો जीवनकथा). भावनगर, कृष्णलाल मणिलाल ठक्कर, रु. ४-०-०, १९४५, पृ. ४+२७२. वि गोखले, गोपाळ कृष्ण (अनु: महादेव देसायी) - गोपाळ कृष्ण गोखलेनां व्याख्याનો पु. १. मुंबयी, ओल इंडिया होमरू लो, १० आना, १९१८, पृ. ८२. वि

-(अनु: नरहरि परीख) भाषणो पु. २. (परदेशमां वसवाट संवंधी). १० आना, १९१९, पृ. १४२. वि

गांधीजीनी प्रस्तावना साथे छावडेकर, शंकर दत्तात्रेय (अनु: पांडुरंग देशपांडे) - आधुनिक भारत. अमदावाद, गुजरात विद्यापीठ, रु. ६-०-०, १९४६, पृ. ८+६०८. वि

पेशवाजीना अंतर्धी महासभाये १९३७-मां प्रधानपदां स्वीकार्यां त्यां सुधी हिन्दुनी अतिहास-धार्मिक, सामाजिक, राजकीय तथा आर्थिक वळोनां मूल्यांकन साथे.

जोशी, प्राणशंकर सोमेश्वर - दक्षिण आफ्रिकानी रंगभूमि [थेक पत्रकारनां विचारो अने स्मरणो]. जोहानिसबर्ग, प्राणशंकर सो. जोशी, रु. ३-८-०, १९४४, पृ. ३२८. वि

-रंगद्वेषनो दुर्ग. अमदावाद, गुर्जर, पूर्वाध, १९३७, रु. २-०-०, पृ. २४+१३५; अन्तरार्ध. १९३७, रु. ३-०-०. पृ. ४+१३७ थी ५६०. वि

अन्तरार्धमांनां वे प्रकरणो 'दक्षिण आफ्रिकामां गांधीजी' अने 'स्मट्स-गांधी समाधान' खास अुपयोगी छे.

दवे, जुगतराम - भारतसेवक गोखले. अमदावाद, नवजीवन, रु. १-८-०, १९४०, पृ. २४+२२८. वि

काकासाहेबनी प्रस्तावना साथे देसायी, महादेव ह. - वे खुदाओ

खिदमतगार (खान बंधुओनो परिचय). अमदावाद, नवजीवन, १ आ. १९३६; २ आ. १९४२, ९ आना, पृ. ४+११२. वि - (अनु: चं. प्रा. शुक्ल) मौलाना अबुल कलाम आझाद. मुंबयी, वीरा अने कंपनी, रु. २-८-०, १९४६, पृ. १७२. वि नवजीवन प्र. संदिर (प्र.) - आश्रमनो प्राण (स्व. मगनलाल गांधी) अमदावाद, ४ आना, सं. १९८५, पृ. ११८. वि - लोकमान्यने श्रद्धांजलि. अमदावाद, ५ आना, १९२२, पृ. १०२. वि

नेहरु, पंडित जवाहरलाल (अनु: मणिभायी भ. देसायी) - जगतना अतिहासनुं रेखादर्शन. (जेलमांथी पीतानी पुत्रीने लखेला वधु पत्नी - जेमां तरुणोने माटे अतिहासनुं रसळ्नुं व्यान आवे छे). खंड १, २. अमदावाद, नवजीवन, खंड १-रु. ५-०-०, १९४५, पृ. १२+६७६; खंड २-रु. ६-०-०, १९४५, पृ. ८+६७७ थी १५२७. सचि. वि खंड २जो विशेष प्रस्तुत छे.

-(सं. अभ्यासी) - जवाहर अने विश्वयुद्ध. बडोदरा, कसोदी कार्यालय, रु. १-०-०, १९४३, पृ. ९६. वि

-(अनु: चं. प्रा. शुक्ल) - भारतनी अेकता. मुंबयी, वीरा अने कंपनी, रु. २-८-०, १९४६, पृ. १७६. वि

-(अनु: महादेव देसायी), - मारी जीवन-कथा. अमदावाद, नवजीवन, १९३६, पृ. ३४+९८०. ३ आ. रु. ६-०-० वि

- युवानोना बोज. मुंबयी, हमारा हिन्दुस्तान, २ आना, १९४४, पृ. २० वि

अनुवादकनी विस्तृत प्रस्तावना साथे पटेल, नागरदास अी. - आपणी महासभा खंड १, २. मलाड, बालविनोद कार्यालय, खंड १: ६ आना, १९३९, पृ. ८०; खंड २: ६ आना, १९४०, पृ. १०५. वि पटेल, रावजीभायी म. - जीवननां क्षरणां.

• મુંબઈ, ભારતીય વિધાનમંડળ તરફથી આર.
આર. શેઠ, રૂ. ૫-૮-૦, ૧૯૪૫, પૃ.
૮+૪૨૬. વિ

ગાંધી મુનશી પબ્લિકેશન, પૃ. ૪૧૯-૪૨૬.
-સીધાં ચંદાણ. અમદાવાદ, ગુજરાત, રૂ. ૩-૦-૦,
૧૯૪૩, પૃ. ૮+૧૮૬. વિ

મેઘાણી, કવિચંદ - માણસાઓના દીવા.
અમદાવાદ, કાઠિયાવાડ લિમિટેડ, રૂ.
૨-૮-૦, ૧૯૪૫, પૃ. ૨૦+૨૩૩. વિ

મેઘાણી, કવિચંદ અને સતીકુમાર (સં.)
-આપણું ઘર. રાણપુર, ૮ આના, ૧૯૪૨,
પૃ. ૮૮. વિ

‘આપના ઘરનો (કાર/ગૃહનો) સાચો
નિવાસી’માં ગાંધીજીનું જીવન પૃ. ૫૮-૭૦
રાંદેરિયા, મધુકર-મહાસમાના મહારથીઓ.
જુઓ વિભાગ ૧ લો

રાજપતરાય, લાલા (અનુ: જગજીવન ક.
પોઠકિયા) - તરુણ ભારત. અમદાવાદ,
ગુજરાત, રૂ. ૧-૧૨-૦, ૧૯૩૨,
પૃ. ૨૩૬. વિ

-(અનુ: ગુણવંતરાય વ્યાસ તથા રમણ દલાલ)
-દુઃખી હિન્દ. અમદાવાદ, વ્યાસ અને
દલાલ, રૂ. ૪-૮-૦, ૧૯૩૦, પૃ. ૪૯૯. વિ

મિસ મેયોના આશ્રિપોના જવાબમાં
લખાયેલું પુસ્તક.

વર્મા, જયમુખ ના. અને બાનુચંદ્ર - હિન્દી
રાષ્ટ્રીય કોંગ્રેસનો ઇતિહાસ ગ્રંથ ૨જો.
વડોદરા, હુદાણામિત્ર ગ્રંથ પ્રિન્ટિંગ પ્રેસ, રૂ.
૩-૦-૦, ૧૯૨૩, પૃ. ૧૨+૨૪૮. વિ

૧૯૧૫ની મુંબઈમાં ભગયેલી મહા-
સમાનો ૩૦મી વેઠકથી ગ્રામમાં ભગયેલી
સાદગીસમી વેઠક સુધીનો ઇતિહાસ આમાં છે.

વર્મા, નિરંજન અને પરમાર, જયમલ્લ
-કાઠિયાવાડના ઘડવૈયા: મોતીભાગી,
ફૂલચંદ અને ચિમનભાગી. અમદાવાદ,
ભારતીય સાહિત્ય સં. રૂ. ૨-૮-૦, ૧૯૪૩,
પૃ. ૧૯૦. વિ

૨ આ. ‘જોવન શિલ્પીઓ’ નામથી પ્રસિદ્ધ.
શાહ, કાન્તિલાલ મ. - કવિવર રવીન્દ્રનાથ
ટાકુર - જીવન અને કવન. મુંબઈ-
અમદાવાદ, ભારતીય સાહિત્ય સંઘ. રૂ. ૨-૮-૦,
૧ આ. ૧૯૪૧, પૃ. ૨૧૬. વિ

દાગોર અને ગાંધોજી પૃ ૧૯૦-૧૯૮.
શાહ, ચંદ્રકાન્ત - ગુજરાતના સેવકો
(આજના ગુજરાતને ઘડનારા ચાર મૂક-
સેવકોનો જીવનકથાઓ). અમદાવાદ,
સત્ય સાહિત્ય, ૧૦ આના, ૧૯૪૬, પૃ.
૧૦૯. વિ

ઠાકર વાપા, રવિશંકર મહારાજ,
છોટુભાઈ પુરાણો અને દસ્તગર ગોપાલદાસ.

શાહ, રમણિકલાલ - આપણી કોંગ્રેસ
(કોંગ્રેસ અને રાષ્ટ્રીય શુભાનુની ટૂંકી
રૂપરેખા). મુંબઈ, પદ્મ પ્રકાશન, રૂ.
૨-૮-૦, ૧૯૪૫, પૃ. ૮+૧૪૦. વિ

શાહ, વજુભાઈ - ભૂલત આવે તો? [શ્રી
મોરારજી દેસાઈના આમુલ સાથે].
માવનગર, કાન્તિલાલ મણિલાલ શાહ,
રૂ. ૧-૦-૦, ૧૯૪૬, પૃ. ૧૦૪. વિ

શેઠ, લીલાવતી. જુઓ મુનશી, લીલાવતી.
સંસ્કાર સાહિત્ય મંદિર (મ) - ‘સર્વે શુભોપમા
યોગ્ય’ મહાદેવભાગી. માવનગર, રૂ.
૨-૮-૦, ૧૯૪૫, પૃ. ૧૦+૨૨૪. વિ

સરસ્વતીચંદ્ર, સ્વામી - જાગૃત ભારત.
રાજકોટ, સ્વામી સરસ્વતીચંદ્ર, ૮ આના,
૧૯૪૨, પૃ. ૧૬+૨૦૦. વિ

સોતારામચ્ચા, ડૉ. પદ્મામી - મહાસમાનો
ઇતિહાસ. અમદાવાદ, નવજીવન, રૂ.
૨-૦-૦, ૧૯૩૫, પૃ. ૮૭૬. વિ

રાષ્ટ્રીય મહાસમાના સુવર્ણ મહોત્સવના
અવસર પર પ્રસિદ્ધ થયેલા આ પુસ્તકમાં એ
સંસ્થાનો પચાસ વરસનો અને તેનો સાથે જ
રાષ્ટ્રીય શુભાનુનો ઇતિહાસ આવી જાય છે.
સુંદરલાલ, પંડિત (અનુ: ભાસ્કરરાવ
વિદ્યાસ) - ભારતમાં અંગ્રેજી રાજ.

પુ ૧, ૨. મોરિયા ચતુર્થન વિદ્યુદ્ધામ
અનામો, ૧ મ ૧૯૩૮-૩૯, ૨ મા.
૧૯૪૭, રૂ ૨૮-૦-૦, પૂ ૨૦૨+૧૨
૨૧+૧૨ વિ

પ્રથમી વિશ્વત્ર પ્રસ્થાવનાની સ્મૃતિ
દિનુમુલ્કિય પ્રદાના મુદ્રા છાવટ કરી છે
માલાના, યુમર (પ્ર) - ઓલિમ્પિક યાત્રા
કમિટીની પત્રાવ મર-કમિટીએ નામલ
પવનો પત્રાવમાં થયેલા રમણાણોનો
તપાસનો ઓલાલ મુબની, ૧૦ માના,

૧ મા. સ. ૧૯૭૬, પૂ ૪+૧૦૫ વિ.
પરિન મળીય, મીંગાલ મેર,
મંત્રીશ્રી, ચિત્તરત્ન દામ, અલ સ દેવચી,
૬ ગ્રયર અને મળુનમ એવના સ્મી
દશ કોલેજનો ગુરુત્રી અનુવદ મરદે
રેમલીએ કાનો છે મંત્રીશ્રી ગુરુત્રી
અનુવદને ગુન પ્રસ્થાવના છે
હાદોલ, મારાપમ મુખ્યારાવ - ભારતીય
રાષ્ટ્રવજ્ર અમરાવદ, સ. મા મિનારદાર
૩ માના, ૨ મા ૧૯૩૯, પૂ ૪૬ વિ

૧૨. સામયિકો અને સંગ્રહો

મિશિયન આરોનિયન (અમેરી, હિન્દી,
ગુરુત્રી અને હામિલ માવમં વાલુ
સાપ્તાહિક) - સ મનમુલ્યન નંદર
કૌનિક (નાના), વર્ષિક છવાલ
નાગરમાં ૧૨ા ડિગ્રી, અને વહાર ૧૭
વિ. રૂ ૧૯૦૩ મા

શ્રી મંદરતુ નામ પ્રોહ મરદ
છાલ કોલેર વંદતુ હોરમ છપનો વપો
અવાવદારી મંત્રીશ્રીને જ હતી નાગર
૧૯૦૬માં ગુરુત્રી ગયા છાવની સ્થપના
વમી દારવી મંત્રીશ્રી માર્કિલ છોરી
હિન્દ આન્દા હાં મુખી છપને અમે
મંત્રીશ્રીએ જ વપી અવાવદારી કદા કરી
હતી (૧૯૦૬માં ૧૯૨૪).

હામિલ અને હિન્દી વિમાન શુ
લોકનામ્ય વરા નહિ તેવો વાલ્લવી કમી
કરવામાં આવ્યા મા છાવ દાર અવવન
છાલકિયન વિના દશિગ આમિકમો
સવામ્ય અમ્ય જ વાલ, એમ મંત્રીશ્રીએ
પોને કાલ્યુ છે.

કોલિયુ (માનિક) - સ નાનામંત્રી મર
માવજ (માવજ), માર્કિયનમર
પ્રકાશન મંદિર, વર્ષિક છવાલ રૂ.
૩-૦-૦, ૧૯૪૫ મા મોલત્રી શરૂ વિ
કોલેસ પત્રિકા (ગુરુત્રી પ્રાંતિક સમિતિ

મવાલિ) - અમરાવદ, ગુરુત્રી પ્રા. મિનિ
કા ન ક. ૨-૦-૦, રૂ ૧૯૦૩
૧૦૪૭વી. વિ

આદી સમાચાર પત્રિકા - સ વરમનો, હાલ-
મરમન, સદી સમાચાર વિમાન ૧૯૨૩
માં શરૂ.

મંત્રીશ્રીને નવગોવન - અમરાવદ, નવગોવન,
પુસ્તક ૨યો ૨૧, રૂ. ૧૦-૮-૦,
૧૯૨૩-૨૪, પૂ સમ્યા ૩૦૫૫.

મંત્રીશ્રીએ નવગોવન શરૂ કર્યું દારવી
તેમને ૬ વપનો વેદનો સવા વમી અને
તેઓ વેલ્મમાં ગયા હાં મુખીને તેમના
છાવનો છાવનો કાલકમાનુસાર અમી
અપેલા છે. મા પુસ્તકો ૪ સમીના
અવેલો મટે છે

છાલ ૧ (પુ ૧-૫) નવગોવનની
શરૂઆતનો કાલકમા કોલેસ મુખી ૧૯૨૩,
પૂ ૨+૪૮૪, રૂ ૨-૧૦-૦ વિ

છાલ ૨ (પુ ૧-૨૨) કાલકમા કોલેસની
વેદવાદા કર્વકમા અન મુખી ૧૦૨૩,
પૂ ૨+૪૮૫ મી ૧૨૧૬, રૂ ૨-૧૦-૦ વિ

છાલ ૩ (પુ ૧૩-૧૮) વેદવાદા
કાર્વકમા અમી અમરાવદનો મરમમની
વેલ્ક (૧૯૨૧) મુખી ૧૯૨૩, રૂ
૩-૨-૦, પૂ ૨+૧૨૧૭ મી ૧૦૧૬ વિ

સંદ ૪ (પુ. ૧૯-૨૧). અમદાવાદનો મહા-
સભાથી ગાંધીજીની હિન્દની પ્રથમ જેલયાત્રા
(૧૯૨૨) સુધી. ૧૯૨૪, રૂ. ૧-૧૦-૦,
પૃ. ૨ + ૧૭૧૭ થી ૨૦૫૫. વિ

સૂચિ તથા હાંતિયામાં નોંધો માથે

નવજીવન (સાપ્તાહિક) - તંત્રી : મોહનદાસ
ક. ગાંધો. અમદાવાદ, વાર્ષિક લવાજમ
રૂ. ૩-૮-૦, આગ્રહ જતાં રૂ. ૪-૦-૦.
શરૂ તા. ૭-૯-૧૯૧૯થી. પહેલો અંક
'ગુજરાતી પંચ' ના તા. ૯-૯-'૧૯ ના
વધારા તરીકે વહાર પડેલો. જાનેવારી ૧૪,
૧૯૩૨ સુધી ચાલ્યા પછી વંધ પડ્યું.

ગાંધીજીના જેલનિવાસ દરમ્યાન સ્વામી
આનંદ, રામદાસ ગાંધી (વસ્તુતઃ કાંકાસાહેવ
કાલેલકર), મહાદેવ દેસાઈ વગેરેએ તંત્રી
તરીકે કામ કર્યું હતું.

નવજીવન અને સત્ય (માસિક) - સં.
બિન્દુલાલ ક. યાજ્ઞિક. વ્યવસ્થાપક ક.
મા. મુનશો અને બિ. ક. યાજ્ઞિક મુંબઈ ને
પાછળથી અમદાવાદથી પ્રસિદ્ધ વર્ષ. ૧થી ૪,
સન ૧૯૧૫-૧૬ થી ૧૯૧૮-૧૯. વાર્ષિક
લવાજમ રૂ. ૨-૦-૦, વાર્ષિક પૃ. સં.
આશરે ૮૭૬.

ગાંધીજી, કિશોરલાલ મશરૂવાઝા,
મહાદેવ દેસાઈ, શંકરલાલ વૈંકર વગેરેનાં
લખાણો આ માસિકમાં પ્રગટ થયાં છે.
૫ મા વર્ષનો ૧ અંક વહાર પડ્યો હતો.
સપ્ટેમ્બર ૧૯૧૯માં આનું જ રૂપાંતર નવ-
જીવનમાં થયું અને તેનું સંપાદન ગાંધીજી-
એ માથે લીધું.

ધ્યાના ઘાસુ (માસિક) - સં. નવીન ગાંધો,
મુંબઈ - વિલેપારલે, મોતીલાલ તુલસીદાસ
ગાંધી સ્મારક તરફથી ધીરેન ગાંધી. વા.
લવાજમ રૂ. ૬-૦-૦, ફેબ્રુઆરી ૧૯૪૮થી
શરૂ, માસિક પાનાં આશરે ૨૦

ગાંધીજી વિષેનાં સંસ્મરણો, તેમના
વિચારોમાંથી ચૂંટેલાં મોતી, આશ્રમવાસીઓ

પર લેખેલા તેમના પત્રો વિ. આ માસિક
દ્વારા આપવાની શરૂઆત થઈ છે

પ્રસ્થાન (માસિક) - સં. રામનારાયણ વિ.
પાઠક અમદાવાદ, ગુજરાત સાહિત્ય મંદિર,
વાર્ષિક લવાજમ રૂ. ૫-૦-૦, શરૂ કારતક
સ. ૧૯૮૨. માસિક પૃ. સં. ૭૨ની
આસપાસ.

સંપાદનના કાર્યમાં પાછળથી રસિકલાલ
પરીખ જોડાયો અને પ્રકાશન પ્રસ્થાન
કાર્યાલય તરફથી શરૂ થયું. લગભગ ૧૨
વરસ સુધી ચોક્કસ ધોરણ મુજબ આ માસિકે
વ્યવસ્થિત કામ કર્યું. ઝેટલા સમયના અંકો
જ ગાંધો સાહિત્યનો દૃષ્ટિથી અપયોગો ગણાય.

પ્રવૃદ્ધ જૈન (પાશ્વિક) - સં. માળેકલાલ
મોકમચંદ શાહ. મુંબઈ, જૈન યુવક સંઘ,
૧૯૩૯થી શરૂ. વાર્ષિક લવાજમ રૂ.
૨-૦-૦, શરૂ ૧ મે ૧૯૩૯થી.

પાશ્વિક સાંપ્રદાયિક તો સર્વ જ. પણ
એને અનેક ગાંધીવાદીઓનો સહકાર મળ્યો
હોવાથી ગાંધો સાહિત્યની દૃષ્ટિએ તેના
અંકો અપયોગો સામગ્રી ગણાય.

વારડોલી સત્યાગ્રહ પત્રિકા - સં. જુગતરામ
દેવે. વારડોલી, સ્વરાજ્ય આશ્રમ.

વારડોલી સત્યાગ્રહને અંગે ૧૮૫ સ્વર-
પત્રો અને ૫૨ પત્રિકાઓ નીકળેલી. તે
પછી આ પત્રિકાને કામચી સાપ્તાહિક સ્વરૂપ
આપવામાં આવ્યું. નિયમિત સાપ્તાહિકરૂપે
શરૂઆત ૨૬ જાનેવારી ૧૯૨૯. વાર્ષિક
લવાજમ રૂ. ૨-૦-૦. ૧૯૩૦ની લઘુત્તમાં
આ પત્રિકાના વધારા નિયમિત વહાર
પડતા હતા.

યુગધર્મ (માસિક) - સં. બિન્દુલાલ ક.
યાજ્ઞિક. અમદાવાદ અને મુંબઈ, યુગધર્મ
કાર્યાલય, વા. લવાજમ રૂ. ૬-૦-૦, પૃ.
સંખ્યા માસિક આશરે ૭૨. શરૂ અશ્વિન
૧૯૭૮ (સં.).

કિશોરનાથ મહાશ્વર, કાકમહેર
કલેશ્વર વગેરે ગાંધીજીના છપોબોના
લેખો આ માસિકના માતા પ્રનામનાં ચોરા
મટે છે. આમાં ૧ વરસ માસિક ચાલુ
ગંધી સંશિસ્તો દરિયો મિત્રેશ મુલચેતી.
મધુદેવો (સરનાથ અશ્વમની જાડનું હનુ-
લિલિલ સમાધિક) - મ. વિશિષ્ટી કૃત્તાનો
અને શીર. મારામની અશ્વમનો ગુજરાતી
જાજના વિવાર્ધીનો વર્ષ ૧૫૦ ૫.

માત્રગ અને સાહિત્ય (માસિક) - મ.
મગનમજી પ્ર દેહામી અમદાવાદ,
નવજીવન, વાર્ષિક સ્વાગત ૨-૦-૦,
પાછલો ૪-૦-૦, ટુક ૧૯૧૯ના
બેંકોર મામણી, માસિક પૂ. મ. ૪૦

કેલકામે અને શોધા માસિક વિશ્વની
સર્વોચ્ચનો દરિયે ચર્ચા કરતુ માસિક
સર્વોદય (માસિક) - અમદાવાદ, મજૂર મહા-

અન ૧૯૧૧ના ટુક. હાલ માસિક રેર છે.
સાવામનો (દેનાનિક) - અમદાવાદ, ગુજરાત
માસિકાલ્યનું વિદ્યો માસિક. આ સ્વાગત
૨-૦-૦. ટુ. ૧૯૦૮ની વર્ષનો ટુક
૧૯૮૫ના ગિરિર મુખી છાતેના સ્વર્ણ
ચાલુ. ૧૮૮૫ની દરિયલિલ સસ્વર્ણ
કેલકાક મજી વાર પદેશ.

આની સાથે 'વિદ્યોદ' અને સ્વાગત
વિમાન' પાછલો બોધવાનાં અભ્યા રજા
હરિગ્રનંધુ (માસિક) - મ. ચન્દ્રશેખર
ગુજરાતી, વાર્ષિક મુલ્ય પ્રેસ. વાર્ષિક સ્વા-
ગત, ૪-૦-૦, ૧૯૧૨થી ૧૯૪૦,
પુલક ૧૫૦ ૮ વર્ષ ૧૫, અમદાવાદ, નવ
જીવન, ૧૯૪૨, ટુ. મહેશ દેહાની
બેંક ૧૯૪૨ની સ્વત ટુક વર્ષ ૧૫.
પરી ૧૯૪૫થી સ્વાગતના સર્વોચ્ચ
દેલક ટુક. હાલ શી માસિકાલ્ય તરીકે છે.

मराठी पुस्तके

१. गांधी-चरित्र

आपटे (गुरुजी), पां. श्री - महात्मा गांधींचे ओझरतें दर्शन. येवळें, प्रभाकर दशरथ गुप्ते, २॥ आणे, १९४२, पृ. २४.
- पुढारी व अनुयायी. धुळे, भारत प्रकाशन, १० आणे, पृ. ६ + ४९.

शुपासक, दत्ताराम हंगनाथ - वापूजी अर्थात् मुलांचे महात्मा गांधी. १ आ. पुणे, लक्ष्मीबायी द. शुपासक, दीड आणा, १९३१, पृ. १६; २ आ. मुंबयी, दत्ताराज प्रकाशन, १९४८, ६ आणे, पृ. २४. वि नव्या पुस्तकांत जुन्या आवृत्तीचा सुरलेख सुद्धा नाही !

- भगवान दरिद्रनारायण. पुणे, लक्ष्मीबायी द. शुपासक, सवा आणा, १९३३, पृ. २०.
गांधीजींचे व्यक्तित्व व कार्य.

केळकर, माधव सदाशिव - महात्मा गांधी (केशव ग्रंथमाला). पुणे, के. स. केळकर, ५ आणे, १९३१, पृ. ४८. वि

गांधी, मो. क. (अनु: शं. द. देव)
- महात्मा गांधी यांचा कारागृहवास. पुणे, शंकर हरि मुळे, ८ आणे, शके १८४३, पृ. ४ + ७९.

- (अनु: ग. ना. कानिटकर) - महात्मा गांधी यांचे आत्मवृत्त - भाग १ ला. पुणे, व्यं. व. हरीजीकर, ८ आणे, पृ. ४ + ९६.

- (अनु: ताल्या नेमिनाथ पांगळ) - महात्मा गांधी यांनी लिहिलेला 'स्वतः चा कारागृहवास.' मुंबयी, सरस वाङ्मय रत्नमाला, १० आणे, १९१७, पृ. १२ + ८७.

श्री न. वि. केळकर यांची प्रस्तावना.
- (अनु: सीताराम पु. पटवर्धन) - महात्मा गांधींचे सत्याचे प्रयोग अथवा आत्मकथा. धुळे, राष्ट्रीय ग्रंथमाला, भाग १, रु. १-८-०, १ आ. १९२८; भाग २, रु. ०-१२-०, १ आ. १९३१, पृ. १० + ४०२, व. १६ + ३२६. वि

भाग २ यात कि. घ. मशस्वाळा यांची प्रस्तावना आहे.

नंतरच्या आवृत्त्या पुणे येथून सुलभ राष्ट्रीय ग्रंथमालेने प्रसिद्ध केल्या आहेत. भाग १, आ. ३, १९३३, रु. १-०-०, पृ. १२ + ३१६; भाग २, आ. २, १९३३, रु. १-०-०, पृ. १२ + ३०७. वि

गांवकर, गो. ठ. - महात्मा. (महात्मा गांधींचे चित्रमय चरित्र). मुंबयी, अहल्याबायी गांवकर, ६ आणे, १९४८, पृ. ३२. वि
प्रसंग बरे निवडले आहेत, परंतु चित्रे अगदीच गच्चाळ आहेत.

गोखले, अवन्तिकाबायी - महात्मा गांधी यांचे चरित्र, विशेष परिचय, लेख व व्याख्याने. मुंबयी, अवन्तिकाबायी गोखले, रु. १-०-०, १ आ. १९१८, पृ. ९६ + ४८ + १६० सचित्र. वि

लो. टिळक यांची प्रस्तावना.

जयन्तकुमार, भीष्म - कर्मवीर महात्मा गांधी यांचा पोवाडा. यवतमाल, जयन्त-कुमार भीष्म, चार आणे, पृ. १३.

जावडेकर, शंकर दत्तात्रेय - लोकमान्य टिळक व महात्मा गांधी. पुणे, राजहंस

महान्न-हनु २ ० ० १९४६,
 ५ ६+१२२ वि
 दिन्दु, वांदुग धावर-महात्मा गांधी
 मुम्बई १ भा दिन्दु ६ भा १९४८,
 ५ ३२ वि

काठ खड्ड ज्ञानक (अनु तुक एन गिअ
 ठगु)-दक्षिण आशियान् कसारा
 दामाजी महेन्द्रदास धरमन्द गांधी वांवे
 धारप्र पुं तु वि ठगु, ६ १ ४-०
 १ भा ठग १८३५, ५ ३०+१८३ वि

दर सुप्रसन्न (अनु अन्नेकर, क. भा)
 -अवतार अकरावा महात्मा गांधी
 मुम्बई, दिन्दु भा २०३८, ३ भा
 १९३०, ५ २+०२.

बालकृष्ण गांधीवे मन्त्र
 - (अनु अन्नेकर अन्नेकर) - गांधीजी पुं
 विवर्ण १ भा १९३०, ५ ६+९४
 २ भा ८ भाग वि

बालकृष्ण गांधीवे मन्त्र, पुनः
 मराठी भाषा विवर्ण १९३०वे पुनः पुनः
 भा

मुम्बई नया अन्नेकर पुनः
 नवीन मन्त्र अन्नेकर अन्नेकर अन्नेकर
 वा मराठी अन्नेकर अन्नेकर अन्नेकर नवी
 दामाजी, सोनाराम के -महात्मा गांधी
 (चरित्र अन्नेकर विवर्ण) मुम्बई,
 अन्नेकर अन्नेकर, ६ ३-८-०, १ भा
 १९३४, ५ ६+५२० वि

दिवाण, प्रभाकर-गांधीजींच्या सान्निध्यार्त
 मुम्बई, पत्र प्रकाशन ४ ४ ०-०, १ भा
 १९३६ ५ १६+१५३ वि

काठखड्ड काठखड्ड गांधी प्रकाशन
 देसाय, पुनः पुनः पुनः-गांधीजींच्या
 काठखड्ड मुम्बई मन्त्र अन्नेकर
 ४ ३-८-०, १९४४ ५ ४+८३ वि
 'अन्नेकर' मासिकीक लेखक
 पुनः पुनः

दामाजी, विनायक अन्नेकर-महात्मा
 गांधीवे मन्त्र मुम्बई, मन्त्र अन्नेकर,
 ३ १-८-० १९४५, ५ ३६ वि

दामाजी महात्मा (अनु अन्नेकर अन्नेकर)
 -महात्माजींचो विनायक वांवा
 मुम्बई मन्त्र अन्नेकर ६ ८ भा १९४५,
 ५ ८३ वि

धर्माधिकारी, दादा-गांधीजी (अन्नेकर अन्नेकर)
 नया गांधी प्रकाशन, ४ भा, १९४६,
 ५ २+१८ वि

अन्नेकर अन्नेकर अन्नेकर

परीक्ष, वनमाळा व मन्त्र, मुम्बई (अनु
 भा १ भा ३०६) - दामाजी वा (१०३०
 अन्नेकर-अन्नेकर) अन्नेकर, अन्नेकर
 ३ २ ० ०, १९४६ ५ ८+२३३ वि

मन्त्र गांधीजी प्रकाशन
 पारीक्ष, दामाजी रामचन्द्र-गांधीजी
 वा २३ मुम्बई

पन्थ, प्रभाकर-प्रकाशनीक व्यक्ति पुं,
 कॅटिनेट प्रकाशन ३ १-८-० १९४७,
 ५ १०+१२८ वि

गांधीवे अन्नेकर अन्नेकर ५ १३३३
 प्रमु अन्नेकर -आधुनिक भारताचे निर्माण
 व त्यांचो पार्श्वभूमी मुम्बई, अन्नेकर
 प्रकाशन सन्ध्या, ४ ३-८-०, १९४४
 काठखड्ड, हरि गोप-महात्मा गांधी पुं,
 अन्नेकर अन्नेकर ८ भा, १ भा
 १९३९, ५ १६+१०६ वि

किशोर मुम्बई (अनु अन्नेकर अन्नेकर)
 -गांधीजींच्या सहवासांत अन्नेकर
 काठखड्ड मुम्बई पॅन्थर अन्नेकर
 ४ ३-०-०, ५ ६+१००.

बाबा अन्नेकर भाषा-सन्ध्याचे
 पुजारी अन्नेकर, क भा अन्नेकर, ४ भा,
 १९३० ५ ६+५४ वि

अन्नेकर गांधी अन्नेकर अन्नेकर
 अन्नेकर अन्नेकर मुम्बई

विडला, घनश्यामदास (अनु: जोशी व
तारकुडे) - वापू. पुणे, सुलभं राष्ट्रीय
ग्रंथमाला, रु. १-८-०, १ आ. १९४३,
पृ. १४४ वि

श्री महादेव देसायी यांचा प्रस्तावना.
भस्ते, प्रभाकर श्री. (प्र.) - पुण्यश्लोक
गांधीजी. मुंबई, भारतगौरव ग्रंथमाला,
रु. १-०-०, १-८-०, १९२२, पृ
८ + २१५. सचित्र. वि

महात्मा गांधी यांच्या चरित्रांचे व
कार्यांचे मूल्यांकन व गौरव करणारे
देशोविदेशी विद्वानांचे व वृत्तपत्रांचे २८
लेख यांत आहेत. अनुक्रमणिका नाही !
भावे, चिनोवा - तेरा दिवस. नालवाडी
(वर्धा), ग्रामसेवा मंडळ, १९४८, पृ. ४८.

राधाकृष्णन्, सर सर्वपल्ली (सं.) (अनु:
ना. ग. गौर) - गांधीजींचे विविध दर्शन.
पुणे, सुलभ राष्ट्रीय ग्रंथमाला, रु १-८-०
१ आ. १९४०, पृ १८ + १८४. वि

गांधीजींच्या ७० व्या जन्मदिवशी
त्यांना अर्पण केलेल्या सर राधाकृष्णन्
संपादित अभिनंदनर ग्रिग्रजी ग्रंथांतील
निवडक लेखांचा मराठी अनुवाद.

रानडे, दा. पां. - कस्तुरबा (जीवनकथा)
पुणे, चित्रशाळा प्रेस, ६ आणे, १९४५,
पृ. २ + ४६. वि

रायकर, गजानन काशीनाथ - सत्याग्रही
अर्थात् जगद्गुरु महात्मा गांधी. मुंबई,
तुकाराम पुं. शेट्ये, ४ आणे, १९३१,
पृ. ४ + ४८. वि

गांधीजींचे चरित्र, पृ. १ ते ३३ व
राष्ट्रीय पत्रे, पृ. ३४ ते ४८.

राष्ट्रसेवक, अेक - महात्मा गांधी. (जन्म-
पंत्रिका, कामगिरी, सुपसंहार, विचार-
मंजूषा, पत्रे, दिनचर्या वगैरेंसह).
खानापूर, द. गो. सडेकर, ८ आणे,
१९२४, पृ. ८ + ९२ + २४.

वाङ्मय विशारद - महात्मा गांधी यांचे
जीवनवृत्त. पुणे, सदाशिव के. भावे,
४ आणे, १९२४, पृ. ४३.

वैद्य, अेस्. व्ही. - जगद्गुरु महात्मा:
चरित्रात्मक निवध महाड, अेस्. व्ही.
वैद्य, २ आणे, १९३०, पृ. २६.

शिखरे, दा. न. - गांधी जीवनकथा खंड
१ला : सुमारे ५ पन्नास ओपल्यांनीं
लिहिलेल्या महात्माजींच्या आठवणी. पुणे,
दा. न. शिखरे, रु ३-०-०, १९४४,
पृ. १६ + २४४. वि

विविध क्षेत्रांत वावरणाऱ्या लोकांच्या
गांधीजीविषयींच्या आठवणींचा संग्रह.
- महात्मा गांधी यांचे चरित्र. पुणे, सकाळ
छापखाना, रु. ८ ०-०, १९४४, पृ.
१८ + ५९२. सचि. वि

- राष्ट्रमाता कस्तुरबा. पुणे, महाराष्ट्र प्रांतिक
कस्तुरबा स्मारक समिति, २ आणे,
१९४४, पृ. ११. वि

सत्याग्रही - ग्रह आणि तारे. पुणे, देशमुख
आणि कपनी, रु. ४-८-०, १९४३,
पृ. १९८.

खेर, मुनशी, गांधी, वल्लभभाओ
भित्यादि १२ लोकनायकांचीं चरित्रे यांत
आहेत. गांधीजींचे चरित्र पृ. ५९ ते ८४

सरस वाङ्मय ग्रंथ प्रसारक मंडळी (प्र.)
- १. माझा कारागृहवास; २. सैतानी
चक्र; ३. जर्मनीचे डावपेंच. पुणे सरस
वा. ग्रंथमाला-रत्न १७ पैकीं पहिलें
पुस्तक गांधीजी-लिखित आहे. रु. २-१०-०,
१९१७, पृ. १२ + ८७; २५१; १३३.

सरस्वती-नंदन - वॅरिस्टर गांधी यांचे
चरित्र. पुणे, नारायण वळवंत चव्हाण,
४ आणे, १९१४, पृ. ४ + ६०.

साने गुरुजी, पां. स. - गोष्टीरूप. गांधीजी.
मुंबई, कर्नाटक पब्लिशिंग हाउस, रु.
१-८-०, १ आ. १९४४, पृ. ४ + ११८. वि

जीवन-प्रकाशन - पुन १ छे कोनारू,
महाराष्ट्र प्रभमंडर, ३ भागे १ भा
रुके १८५९, पृ १ + २२
वांग महाराजींच्या ओगनातील लेख
प्रग (पृ १ ते ७) मुम्बई सोप्या
मार्गे दिशे अहेत

२. सन्याग्रह, अहिंसा, गांधीवाद प्रि.

मेकवॉग, पु गो. - अहिंसायुक्ती पुत्रे,
भारत प्रकाशन, २२ भागे, १९४५, पृ
५२ वि
बुलकगी, गोवाल रा - गांधीवादावरील
आप्ले व त्यांची सुतरे मुरभा, महाराष्ट्र
प्रभ मांडर रु १-८-०, १ भा. १९४४,
पृ १०७ वि
कृष्णानी, आचार्य (अनु गुणे व निगुर)
- गांधीदर्शन पुत्रे, देशमुख भांगि
कानी, रु ४-०-०, १९४७, पृ २+२०४.
मिथली 'गांधीयन वे' चा अनुवाद
कोसंबी, धर्मोन्नद - हिन्दी संस्कृति आणि
अहिंसा. मुम्बई, धर्मोन्नद बोम्बो, रु
१-८-०, १९३५, पृ. ८+२१२. वि
गांधी, मोहनदास क (अनु रु. द. देव)
- असहकार योग [महारा गांधींच्या
लेखाचा मराठी अनुवाद] पुत्रे, लोकशिक्षण,
१९२१, पृ १६+१२०
- अहिंसादर्शन (अहिंसेवरील निवडक लेख).
मुम्बई, महाराष्ट्र प्रभ मांडर, रु १-८-०,
१९४३, पृ १०८ वि
- (अनु बा गो माणे) - गांधीनीति
अथवा विषाच्या शतकातील कृष्णानुन
सवाद पुत्रे, आनंद मुद्रालय, ५ भागे,
१९१९, पृ ४+९६.
- महात्माजींची सुतर गीता (गांधीनीतेचा
दुसरा भाग) पुत्रे, आनंद मुद्रालय,
८ भाग १९००, पृ. ६+९५+१६
गोमटे, नारायण कृष्ण भ) - स्वराज्यतपस्या
अथवा सत्याग्रह पुत्रे, भा कृ. गोमटे,

'सोनाकान्त' - महात्मा गांधी. मुम्बई,
मे. जे. अचटे, २ भागे, १९२२, पृ १६.
- महात्मा गांधी. मुम्बई, 'गोमट मरदेर
भांगि बरली, रु ३-४-०, १ भा
१९२४, पृ २ + ३५२. वि
३ अचटर गांधी प्रभावना

२ भागे, १९२२, पृ ४+२५+२.

चोतपटे, वामन कृ (वि) - अहिंसेची साधना
मुम्बई, महाराष्ट्र प्रभ मांडर, रु १-८-०,
१९४५, पृ १०८.

वा संप्रदाय प्रेग दांच्या 'हिजिलेन
पॅर नॉन-व्हायोन्स' वा पुल्सिन्स स्पून
अनुवाद अणुन विनोद, काकसहेर,
महाराष्ट्र व दादा धर्माधिकारी बांधे
काही लेख अहेत

बायडेकर, दादर द - गांधीवाद (सुविबेन
मळ) पुत्रे, व गो. थोरी, रु १-४-०,
१९४१, पृ. ४+१५५. वि

बोगटेकर, बी बी. - गांधीसमचे अंतिम
स्वरूप देवरी (रत्नागिरी), बी बी.
बोगटेकर, ४ भागे, १ भा. १९३८, पृ १६.
नांगर व राहट टाकून देभून त्यांच्या
भेराजी कुदळ व तळीच्या प्रविडेची
मभाष्यता वांग सांगितली अहे

तळवडकर, गोरोनाथ - महात्मा अथवा
सुलभ गांधीवाद पुत्रे, देशमुख भांगि
कानी, रु ३-८-०, १९४६, पृ १९० वि
दिवाकर, रंगनाथ - सत्याग्रह मुम्बई, एव
प्रकाशन भी कि व महाराष्ट्र बांधी
प्रमत्त बना

देव. शंकर द - स्वराज्य सोपान पुत्रे,
शे द. देर, १ भाग १९२०, पृ ४+२२.

असहकारिता विषयक लेख
देवगिरीकर, ज्येष्ठ १ - गांधीचा अहिंसावाद.
पुत्रे, विषयक, रु २-८-०, १९४२,
पृ १०+२४५ वि

नेरुरकर, विष्णु कृष्ण - टॉलस्टॉयचे तत्त्व-
ज्ञान. मालवण, वि. कृ. नेरुरकर, ५
आणे, १९२४, पृ. २ + ३०. वि

‘महात्मा गांधींच्या परंपरेचा अुगम
दाखवणारे पुस्तक’

पटवर्धन, सोताराम पु. अर्क अप्पासाहेब
- सत्याग्रह व स्वराज्य. नालवाडी
(वर्षी), ग्रामसेवा मंटल, रु. ३-०-०,
१९४७, पृ. १८ + २४८ + ४. वि

गांधीजींचे पुरस्कारात्मक ‘दोन शब्द’

व काकासाहेब कालेलकर यांची प्रस्तावना
‘राष्ट्रीय जिवनांतील अहिंसा’ यांसह.

मशरुवाळा, किशोरलाल घ. (अनु: भायू
धर्माधिकारी) - गांधी विचारदोहन
(गांधीजींच्या संमत्तिसह). पुणे, मुलभ रा.
ग्रंथमाला, रु. १-४-०, १ आ. १९४०,
पृ. १६ + २१८ + २. वि

गांधीजींचे विविध विषयांवरील विचार
यांत १३ विभागांत वर्गीकरण करून दिलेले
आहेत, संदर्भग्रंथ म्हणून अति उपयुक्त.

राजदरेकर, गं. द. - गांधीझम. अमरावती,
गं. द. राजदरेकर, ८ आणे, १९३४,
पृ. १२ + ८९. वि

गांधींचा संप्रदाय व त्यांचे तत्त्वज्ञान.
वामन गोपाळ (वीर वामनराव) जोशी
यांची प्रस्तावना.

‘रामनाथ’ सुमन (अनु: शशिशेखर के.
वेदक) - गांधी तत्त्वज्ञान [मूल ग्रंथांत

१९४७ पर्यंतची भर घालून अद्ययावत
केलेला]. मुंबयी, महाराष्ट्र ग्रंथ भाण्डार,
रु. ५-०-०, १९४७, पृ. ८ + २०९. वि

गांधीजींच्या लिखाणांतून विषयवार
निवडलेल्या वेच्यांचा संग्रह.

लोटलीकर, सोताराम शिवराम (नीताकान्त)
- मार्ग व मार्गदर्शन (स्वराज्य गीता).
दापोली, रत्नागिरी, सी. शि. लोटलीकर,
रु. १-४-०, १९२१, पृ. ४ + १७२.

अँड्र्यूजचा लेख व गांधीजींचे विविध
प्रश्नांवावटचे विचार, विशेषतः ‘असहकारिता
व तिची तत्त्वमीमांसा’ व ‘स्वराज्य
संपादनाचे मार्ग.’

शिखरे, दा. न. - गांधी रणगीता. ऑथ,
ऑथ पब्लिशिंग ट्रस्ट, रु. १-०-०,
१९४८, पृ. ४ + ३२. सचिव. वि

गांधीजींच्या सत्याग्रहाच्या लढ्यांचो
हक्केत सांगून लढण्याच्या पद्धतींत
गांधीजींनीं घडवून आणलेल्या क्रान्तीचा
पुरस्कार यांत लेखकांनीं केला आहे.
मुलांसाठीं उपयुक्त.

सीतारामय्या, डॉ. पट्टाभी (अनु: ग. भा.
निरंतर) - गांधी आणि गांधीवाद. पुणे,
देशमुख आणि कंपनी, रु. ४-०-०,
१९४६, पृ. १८३.

‘गांधी अँड गांधीझम’ या द्विखंडात्मक
बिग्रजी ग्रंथाचा संक्षिप्त अनुवाद.

२अ. सत्याग्रह लढ्यांचे इतिहास

कौजलगी, गणेश विष्णु - बारडोलीची
शिकवण अर्थात् बारडोलीचा यशस्वी
सत्याग्रह. बिसलामपुर, ग. वि. कौजलगी,
८ आणे, १९२९, पृ. २ + ११४. वि
गांधी, मो. क. (अनु: वा. ल. मेहता)
- सॉकर्टीसचे अमर जीवन. धुळे, भारत
प्रकाशन, ६ आणे, १९४५, पृ. ३४. वि

‘अेक सत्यवीरनी कथा’चे भाषांतर.
देसाजी, महादेव ह. (अनु: पांडुरंग गणेश
देशपांडे) - अेक धर्मयुद्ध [अमदावाद
येथील गिरणी कामगारांच्या लढ्याचा
इतिहास]. अमदावाद, नवजीवन, १४
आणे, १ आ. १९४५, पृ. ८ + ९८. वि
- (अनु: छोटालाल श्रॉफ) - बारडोली

सत्याग्रह इतिहास पुणे, विवशाखा रु.
१-८-० १ भा १९३१ पृ १२+३७५ वि
महाराष्ट्र कायमग मंडळ - महाराष्ट्रांतोळ
कायमगचा इतिहास (१९३०-३१).
पुणे विवशाखा, ६ भाग, १९३१, पृ
४+१५८

‘स्पष्टवक्ता’ - मिरज सत्यानांतीळ सारा
वाढ आणि रयतांचा सत्याग्रह पुणे,
आर्यभूषण प्रेम, रु १-०-०, १९२९,
पृ १२+१६+२३९+४ वि
ग वि केतकांचा सुतोखात व
ग र अभ्युत्थांचो प्रस्तावन

३. धर्मनीति

करदीछर धनार्दन स - हिन्दुधर्माद (वाद
विवचन माळी). पुणे य गो जोशी रु
२-०-० १९४१, पृ ८+२५५ वि
हिंसा व अहिंसा यांचे त त्विक स्वरूप
पृ १३४ ते १४५. ‘अहिंसाचा प्रयोग’स
स्थान नाहीं असे ठेवूंक प्रतिपादन
करतत !

कालचक्र द बा (अनु भाष्यनामिकांती) -
जिवत मतोन्मव पुणे सुमरा प्रकाशना
रु १ १२ ० १ भा १९४०, पृ १२+
२९२ २ भा १९४८ वि

गांधी मो क (अनु वि प्र निम्णे)
- अनासक्तियोग [क्षीपद भावदर्शनेचा
अनुभाष्य-मूळ संस्कृत कोक्षांत] जीव
स्वाध्याय मंडळ, ४ भागे १९३० पृ
४+२६०

- (अनु भा र धुरावर) - नीताशोध मुम्भी
मल्लचंद्र रावजी धुरावर, ८ भाग, १९३१,
पृ ६+७३

- (न व अनु यदुनाय पते) - गांधीजींची
धर्मनीति मुम्भी, मद्रास प्रथ मंडळ,
रु १-८ ०, १९४५, पृ ४+८४ वि

- (अनु अप्पापाइव पदवृत्त) - गांधीजींची
पत्रे (अ प्रमवासीणे प्रथे ये मण्डळ)
वया प्रामनेका मंडळ, १० भाग, १९४७,
पृ १६+१०४ वि

ककावाइव क केकर यांची प्रस्तावना

- (अनु सधर्मी) - गांधीजींची पत्रे [मगळ
प्रकाशना व ‘आत्मवासीणे प्रथे’ या

गुजराती पुस्तकांचे भाषांतर] मुम्भी,
मणाराम मकर पण्डित ४ भागे, १
भा १९३३ पृ स ८+१०४, ८+१५२ वि

- (अनु वि म मुखपनकर) - नीतिधर्म
मुम्भी क मि ठवडे, ४ भाग, १९३२,
पृ ३६

- (अनु वि न बरवे) - नीतिधर्मांतीळ
धेष्ट मते (आनृतिमाला पुराक २०) पुढे
विनायक नरहर बरवे, २ भाग १९३१
पृ ८+३९

‘व्रत विचार’ मगळे व ‘मगळ प्रकाशना’
चा अनुवाद

- (अनु शिवराम भिमाजी पळकर) - मगळ
प्रकाशना वमजी, शि मि पळकर, १
भाग, १९३२ पृ ६+२२

‘व्रतविचार’ चे च नगर ‘मगळप्रकाशना’
हे नांव ठेवण्यात आले

(अनु सधर्मी) - मगळ प्रकाशना वर
प्रामनेका मंडळ ४ भागे, १९४६, पृ
११२ वि

ज्यॉर्ज हेस् के (अनु राकर विनायक ठकार)
- खिस्तधर्मीयांस गांधींचे आह्वान
नदुरावर खानदेश भीष्मसा मंडळ रु.
३ ०-०, १ भा १९४७ पृ ६+३६
+ ५० वि

या प्रकाशना विनोबा, काकामदेव
जिवार्दीया मेकरर छडा प्रस्तावनाचे
स्मरण अनुवाशकाने नीळा केले आहे !

ड्यूरंट, विल (अनु : ना. सो. फडके)
- आधुनिक गोता. मुंबई, रामकृष्ण
बुक डोपो, रु. १-४-०, २ आ. १९४३,
पृ. ४+९२. वि

‘ऑन दि मीनिंग ऑफ लाइफ’
मधील कांहीं पत्रांचे भाषांतर. यांत ड्यूरंट
यांनी विचारलेल्या प्रश्नांचे गांधीजींनी
दिलेले उत्तर-पत्र आहे.

वरवे, विनायक न. - आचार धर्म. पुणे,
त्रि. न. वरवे, १ आणा, शेके १८५२,
पृ. ६+२६. वि

भावे, विनोबा - अमंग व्रतें. नालवाडी,
ग्रामसेवा मंडळ, ६ आणे, १९४५, पृ.
२+२५५. वि

- ओशावास्य-वृत्ति. वर्धा, ग्रामसेवा मंडळ, रु.
१-८-०, १९४७, पृ. १०+१००. वि

‘ओशावास्य-वोध’ नांवाच्या हिन्दी
प्रवचनासह.

- ओशावास्योपनिषद् (सार्थ व सटिप्पण).
नालवाडी, ग्रामसेवा मंडळ, ४ आणे, १ आ.
१९४४, पृ. २+२०+३. वि

- उपनिषदांचा अभ्यास [प्रस्तावना खण्ड].

वर्धा, ग्रामसेवा मंडळ, रु. २-०-०, १९४६,
पृ. ४+१५५. वि

‘महाराष्ट्रधर्म’ मासिकांतील लेखांचा
संग्रह.

- गोताओ [भगवद्गोता मराठीत]. वर्धा,
जमनालाल वजाज, १ आणा, ५ आ.
१९३५, पृ. ४+९८. वि

- गोताप्रवचनें नालवाडी, ग्रामसेवा मंडळ,

रु. २-८-०, १९४५, पृ. ४+२४६+२. वि

- स्थितप्रज्ञदर्शन. नालवाडी, ग्रामसेवा मंडळ,

रु. १-८-०, १ आ. १९४६, पृ. २०+

२३९. वि

सुरंगांत असतांना दिलेली प्रवचनें.

राधाकृष्णन्, डॉ. सर्वपल्ली (अनु : बाळुभाभी
महेता) - हिन्दुधर्माची मूलतत्वे आणि
पुनर्घटना. पुणे, सुलभ रा. ग्रंथमाला, रु.
२-८-०, २ आ. १९४७, पृ. १३०.

साने गुरुजी - गोताहृदय. पुणे, सुलभ रा.
ग्रंथमाला, १२ आणे, ३ आ. १९४६,
पृ. ७८. वि

श्री विनोबा भावे यांच्या ‘गोता
प्रवचनें’चा साने गुरुजींनी आपल्या
शब्दांत सांगितलेला सारांश.

४. समाजविषयक : सामान्य

अतीतकर, वा. वि. (सं.) - खेडेगांव
विषयक व्याख्यानें. पुणे, टिळक विद्यापीठ,
रु. १-०-०, १९३०, पृ. ४ + १४१. वि
अग्रवाल, श्रीमन्नारायण (अनु : गोपीनाथ
तळवळकर) - विद्यार्थ्यांसाठी विधायक
कार्यक्रम. पुणे, देशमुख आणि कंपनी,
रु. १-०-०, पृ. ५४.

कंटक, प्रेमा - हिन्दी स्त्रियांचे जीवन.
(महाराष्ट्र काँग्रेस प्रकाशन ६). पुणे, चित्रशाला,
६ आणे, १९४५, पृ. २८. वि

कानिटकर, ग. ना. - स्वावलम्बी ग्राम-
संघटना. पुणे, १९३१.

कालेलकर, द. वा. - जीवनसंस्कृति.
कोल्हापुर, महाराष्ट्र ग्रंथमण्डार, रु. १-२-०,
१९४३, पृ. ८ + ८६. वि

- हिंडलगाचा प्रसाद. पुणे, सुलभ रा.
ग्रंथमाला, ९ आणे, १९३४, पृ. १६ +
२७७. वि

गांधीप्रणीत ग्रामपुनर्रचना कशा
प्रकारे व्हावी या विषयावर सांगोपांग चर्चा
करणारे दिशासूचक पुस्तक.

- हिन्दूंचे समाजकारण. पुणे, सुलभ रा.
ग्रंथमाला, रु. २-४-०, १९४६, पृ.
१२ + १४४. वि

कुमारपा, भारत (अनु भाषा बना
धिकारी) - पुष्पाबाद, समाजवाद की
प्रतिवाद कीदूर, महाराष्ट्र प्रपचार,
क ५-०० १९४८, पृ ८+१८०

म गरीबी बन्नी प्रस्तावना

अमृतकौर, राजकुमारी (अनु दा न
रिख - भगिनीबा मेवामत्र पुने
महाराष्ट्र कस्तुरबा स्मरण विवि विनिधात
निति, ४ भाग १९४६, पृ २+३४
वि

गांधी माहनदास क (अनु गने गुरुजी)

- गेदपान आशुत काय करगार?
महाराष्ट्रिणी बापोवि विख जुबमी
बा पो व, २ भाग, १९३३ पृ ९६

-(अनु ल ग देगारि) - भाषा बना
धिकारी) - गांधीजीवे छिपासी इति
गुज (प्रतिद ल्पानेन व भाषाभाषन
निवहानी गरी) कोनपूर, महाराष्ट्र
प्रपचार १ भा १९४४ २ भा १९४६
प्र स ज समधिकारी, कीदूर पृ १६
+ १७८, क २-८-० वि

(अनु रमकान्त बन्ने) - तेजस्वी लक्ष्मी
पुने दगमुन बाणि क, क ४-०-०,
१९४६, पृ ६+१८६ वि

-(अनु मणिक, गजानन बावत) - दापन्यावे
महर्षी सांगी गाय विष्णु पत्राजे,
१९३१, पृ २+१४

- रचनात्मक कार्यक्रम पुने पहरा
रचनारमक सनिति, २ भाग १९४२
पृ १+२५

(अनु दा ग देगारि) - विधायक
कार्यक्रम त्यावे रहस्य व स्थान
अमृतकौर नवनेवन ६ भाग, १९४२
पृ ४० वि

१८ कन्नी रचनारमक कार्यक्रमाना
अमृतकौर अमृति कुरुरा पुस्तकालया
संविन

(अनु मादेव दू दगावन्कर) - संयम की
स्वैराचार भाग १ हा, पुने, दुनम
राष्ट्रीय प्रपचार, ८ भाग, १९३२ पृ
६+१३० वि

-(अनु भाषा पानिबिकारी) - संयम की
स्वैराचार - पद १ हा पुने, दुनमरा
प्रपचार क १ १२-०, १९४५, पृ
४+१३८ वि

-(अनु दगपेन वि तन्नाकर) - हिंद
स्वराज्य पुने, २ वि तन्नाकर
प्रवाह कर्णिक, क १-०-०, १९३२,
पृ ८+९६ वि

मिमात्रा मन्नापनस्न कन्ने बन्ना

-(अनु दा ग देगारि) हिन्दु-स्वराज्य
अनराधन, नवराजन, २२ भाग, १९४६,
पृ २४+१०८ वि

मूक गुरुजीरास्न कन्ने भाषा
महाराष्ट्रभाषीया रिलुत प्रपचारन

पत्रार्थन, सीताराम पु (अपरासादेव)

- मेवाधम कोनपूर, महाराष्ट्र प्र
महार, क २-०-०, १९४९ पृ
१६+१०६ वि

की कि व मन्नापन कन्नी
प्रस्तावना 'मन्नापन कन्नी' मन्ना

मोदी, बाबुभाभा ल. - राष्ट्र सर्वधर्म
कार्यक्रम (गरीबीहृत विधायक कार्यक्रम
व एनेन्द्रबावत कारी ध्वना दानद)
पुने भारत प्रकाशन क १-०-०,
१९४२, पृ १९+१४९+३८+१२ वि

राधाटणन सर्वपल्ली (अनु लने गुरुजी)

- संस्कृतीवे भवितव्य पुने मुम्न रा
प्रपचार क १ ०-० १९४१, पृ
८४ वि

सात, पा स (गुरुजी) - भारतीय
संस्कृति पुने, दुनम रा प्रपचार,
१ भा १९३९, ४ भा १९४६, पृ
८+२६३ वि

४ अ. अस्पृश्यतानिवारण

अभ्यंकर, व्ही. व्ही - वंडखोर महात्मा
(महात्म्याच्या वंडाचा अतिहास). पुणे,
व्ही. व्ही. अभ्यंकर, १९३३, १ आणा,
पृ. ११.

अस्पृश्यतानिवारणाविषयी गांधीजींचे
विचार.

गांधी, मो. क. (अनु. गंगाधर भा. निरंतर)
- हिन्दुधर्मावरील कलंक (महात्मा गांधी
यांचे अस्पृश्यताविषयक विचार). मुंबयी,
भारतगौरव ग्रंथमाला, रु. १-१२-०,
१९३४, पृ. १२ + २२१. वि

गुजराथी, कांतिलाल (अनुवाद) - हरिजन
संत (शिरीषमाला-पृष्ठ ९ वें). पुणे, चित्र-
नाळा, ८ आणे, १९४६, पृ. ४ + ४४. वि

यांतील पांच कथांपैकी नंदाची कथा
महादेवभाभी देसायी यांनी व कनकदासाची
कथा कालेलकरांनी लिहिलेली असून नंदाच्या
कसेस गांधीजींची प्रस्तावना आहे.

दलित सेवक (मासिक) - सं. वासुदेव न.
वै. पाहा सामायिकांचा विभाग.

दिवेकर, महादेवशास्त्री - अस्पृश्योद्धार-
विचार. वाणी, प्राज्ञ पाठशाला, १० आणे,
१९२३, पृ. ८ + ४४. वि

देवघर, गोपाल कृष्ण - महात्मा गांधी
यांची पत्रके. पुणे, १९३२

पटवर्धन, सीताराम पु. (अप्पासाहेब)
- अस्पृश्यतानिवारण (महाराष्ट्र काँग्रेस

प्रकाशन, नं. १). पुणे, चित्रनाळा, ६
आणे, १९४५, पृ. २२. वि

पाठक, श्रीधरशास्त्री (शंकरानंद भारती)
- अस्पृश्यतेचा शास्त्रार्थ. धुळे, वि. ग.
जावडेकर, रु. १-०-०, शेके १८५५,
पृ. ४ + १० + २५४.

पुरंदरे, नाथ हरि - अस्पृश्यता व देवालय-
प्रवेश. पुणे, गो. कृ. देवघर, १२ आणे,
१९३३, पृ. १३८.

वागल, माधव खं. - स्वराज्याचा शात्रु.
कोल्हापूर, मा. खं. वागल, ६ आणे,
१९३४, पृ. ८ + ८०. वि

माटे, श्रीपाद म. - अस्पृश्यविचार. पुणे,
वाढमय विहार मंडळ, १० आणे, १ आ.
१९२२, पृ. ४ + ६२. वि

- अस्पृष्टांचा प्रश्न. पुणे, शं. रा. दाते, रु.
२-०-०, १९३४, पृ. २३ + ४६४ + १४४.

रानडे, विष्णु रघुनाथ (अनु.) - महात्मा
गांधींची भीष्म प्रतिज्ञा. पुणे, चित्रशाळा,
०-२-०, १९३२, पृ. २ + १३.

शिंदे, विठ्ठल रामजी - भारतीय अस्पृश्यतेचा
प्रश्न. नागपूर, नवभारत ग्रंथमाला, रु.
१-८-०, १९३३, पृ. २८८. संदर्भग्रंथांची
यादी व सूचि. वि

हरिजनसेवक संघ (महाराष्ट्र शाखा) - वार्षिक
अहवाल. धुळे, म. प्रां. हरिजन सेवक
संघ, १९३३-३४ पासून सुरू.

४ ब. जातीय अक्य (मुख्यत्वे हिन्दु-मुसलमान).

करंदीकर, शि. ल. - पाकिस्तानचे संकट.
पुणे, शिवराम लक्ष्मण करंदीकर, रु.

२-०-०, १९४१, पृ. १२ + २४०. वि
मांजो, महात्मा; नेहरू, जवाहरलाल; वि.

- अखंड भारत [गांधी, नेहरू, आझाद
जिन्हांचे स्फूर्तिदायक विचार]. मुंबयी,

महाराष्ट्र ग्रंथ. भांडार, रु. १-८-०,
१९४३, पृ. ९१. वि

जावडेकर, शंकर दत्तात्रेय - हिन्दु-
मुसलमान अक्य. पुणे, सुलभ राष्ट्रीय
ग्रंथमाला, रु. ३-०-०, १९४५, पृ.
६ + १९२. वि

सम्राज्ञी, गणेश वामन - पाटिम्नान परापूर्
 म व जोडी २ १-० ०, १९४२,
 प ८+१०६ वि
 दामोदर, माधव काशीनाथ (अनु) - गांधी-
 जिनो पत्रव्यवहार पुणे निवृत्ता प्रेम,
 ८ भाग १९४४, प ८+५१
 राजेन्द्रप्रसाद बाबू अनु ना ग गर)

५. राजनीति

वतकर, डॉ धोंडर ध्व - निराशांघे
 राजकारण पुणे ओ व्य वतकर, ८
 भाग, १९२९, प ६+१६४. वि
 केळकर, नरसिंह चिंतामण - राजकारण
 (मध्य कळकर वाढवण संघ ४ वा) पुणे
 मनोहर नंददेव कळकर, १२ नवारी दिवस
 २ ६०-०-० १९३८, प ८+१०११
 - कलहकारिता स्वतः (मध्य कळकर वाढवण
 संघ ५ वा) १९३८, प ८+१२४०
 चित्रशाळा प्रेम (प्र) - हिन्दी स्वातंत्र्याच्या
 योजना पुणे, १२ भागे
 किंभू घोडनरायण स्वतः विवा
 धनच्या सर्व योजनांचा स्वरूप अनुवाद
 व्यापक, दांडर ६ - आधुनिक राज्य
 मोर्मासा स्वतः, १, २ पुणे, गणेश ग
 जावेकर, लोकशिक्षण, खंड १ महापुरुष
 पूर्व स्वतः २ १-०-०, १९४० प
 ८+१३४, खंड २ महापुरुषोत्तर स्वतः
 २ १-०-०, १९४१, प ६+१४६ वि
 - लोकशाही (वारविचन माला) पुणे,
 यशवि गांधी जोशी, २ १-०-०, १९४०
 प ४+१०३ वि
 - समाजीक सहकारी स्वराज्य पुणे दा
 न शिखरे ४ भाग १९४१ प २०. वि
 देवगिरीकर, ज्ये २ - अत्यंतस्थाक पुणे,
 निवृत्ता, २ २-८-०, १९४०, प
 ८+१३८ वि
 पुस्तकां हिन्दु-मुसलमान प्रभावीक
 वर्गां मुख्यत्वे आहे

- दिग्वि हिन्दुस्थान जोर, बरे
 प्रकाशन ट्रस्ट, २ ११-०-०, १९४१,
 प १६+१०४+१२ वि
 निंदे, बाळाजी रामजी - हिन्दु मुसलमान
 बरोडे, प्रगति प्रकाशन, १२ भाग,
 १९०५, प १६+११६. वि

- घटना परिपद पुणे क मेव गुल, २
 २-० ०, १९४३, प १२० वि
 पालोडिकार (अनु वि व जोडी) - महात्मा
 गांधीच्या ११ मासिका. मुंबई वि
 व आले, ४ भागे, १९३१, प ४१
 राष्ट्रीय मद्रासमध्य लहोर अधिपत्य
 नगर कावदेव्य मुक्त काय पूर्वी स्वातंत्र्य
 या गांधी किंवा सर स्वतः या मासिका
 गांधीजींनी लिहिले सरकारी पुणे मोठ्या
 होरा
 बागल, माधव स्व - सत्याग्रहाचा
 मिथारा अथवा मध्या पिडीचे राज
 कारण. पुणे, म. धी. सिंद, ९ भागे,
 १९३१, प ८+९४+१
 भार, दिनेश - स्वराज्यशास्त्र मासिका
 वर्ग, ग्रामसत्ता मंडळ, ६ भागे, २ भा
 १९४२, प ८+८० वि
 भावरकर, रं वि दा - गांधीगोष्ठ
 मुंबई, महापुरुष प्रकाशन स्था, २
 १-०-०, १९४१, प ४+१०२. वि
 गांधीच्या विचारमंतीची विहृत
 मंडणी करून टीका, विरोध, मुक्त ४
 बागलार्थ वैयक्तिक इत्या
 मुळम राष्ट्रीय ग्रंथमाला (५) - महात्मा
 गांधी व हिन्दुस्थान सरकार यात्रामधील
 समय पत्रव्यवहार पुणे, मुळम, ४
 भाग, १९४३, प ४८. वि
 १९४३ मधल मुसलमानांच्या वेडी
 प्राविद सांकेतिक अनुवादक ग जावेकर.

६. अर्थशास्त्र

अग्रवाल, श्रीमन्नारायण - गांधीप्रणोत
अर्थयोजना. वडोद्रे, पञ्जजा प्रकाशन, रु.
३-१२-०, १९४६, पृ. ६ + १९८ + २.

म. गांधींची प्रस्तावना
कानिटकर, ग. ना. - दरिद्रनारायणाचे
चरणीं - भाग १ ला. पुणे, ग. ना.
कानिटकर. ८ आणे, १९३१, पृ. ९६.
कुमारप्पा, जे. सी. व महेता, वै. ल.
- अहिंसेचे अर्थशास्त्र. मुंबई, महाराष्ट्र
ग्रंथ भाण्डार, रु. १-०-०, १९४६,
पृ. २ + ४०. वि

दोन निवृत्तींचा मूळ विग्रजीवरून
अनुवाद.

गांधी, मोहनदास क. (अनु. माधू धर्मा-
धिकारी) - संपूर्ण स्वदेशी. पुणे, सुलभ
रा. ग्रंथमाला, रु. २-४-०, १९४७,
पृ. ८ + १४४. वि

फाटक, हरि गणेश - स्वदेशीची मीमांसा.
पुणे, स. वि. वापट, १९२७, ४ आणे,

पृ. ८ + १३० + ४.

वागल, माधव खंडेराव - वेकारी, व
तीवर अुपाय. कोल्हापूर, मा. खं. वागल,
रु. १-०-०, १९३४, पृ. १२ + २४७. वि
मसानी, मिनू (अनु. अनंत काणेकर)
- समाजवादाचा फेरविचार. मुंबई,
पद्म प्रकाशन, १९४५, पृ. ५८.

महेता, बाळुभाजी - वैभवशाली हिन्दु-
स्तान. धुळे, बाळुभाजी महेता, ६ आणे,
१९३०, पृ. ४ + ८६. वि

रत्किन, जॉन (अनु. रं. द. जावडेकर)
- अर्थशास्त्र कीं अनर्थशास्त्र ? पुणे, सुलभ
रा. ग्रंथमाला, रु. १-४-०, १९४१,
पृ. ४४ + १०६. वि

अनुवादकाच्या विस्तृत प्रस्तावनेसह.
राष्ट्रीय मिलमजदूर संघ - औद्योगिक
हितसंबंध कायद्याविषयी आमचा
दृष्टिकोन. मुंबई, राष्ट्रीय मि. म. संघ,
६ आणे, १९४७, पृ. २ + ६२ + १९. वि

६ अ. अर्थशास्त्र : खादी

गांधी, कृष्णदास छगनलाल (सं.) - महा-
राष्ट्र खादी पत्रिकेंताल १९३३ ते
१९३८ पर्यंतच्या निवडक लेखांचा
संग्रह. मूळ, मध्यप्रांत महाराष्ट्र चरखा संघ,
रु. १-०-०, १९३९, पृ. १२ + १८४
+ २७ + ६. वि

यांत हिन्दी व मराठी दोन्ही भाषांतील
लेख संग्रहीत केले आहेत.

गांधी, मगनलाल खु. (अनु. करंदीकर)
- खादीशास्त्र. वेळगांव

जैनी, भोगीलाल - खादी : भारताचा
जीवनमंत्र. पुणे, भोगीलाल जैनी, ४ आणे,
१९३९, पृ. २ + १५७ वि

दवण, जगन्नाथ गणपत - सावली कीं
माशुली ? [महाराष्ट्र चरखा संघाच्या

सावलीच्या खादीकिंद्रांत पाहिलेलीं कांहीं
दृश्ये]. वर्षा, जमनालाल वजाज, ३ आणे,
१९३४, पृ. ८ + ११२. वि

देवधर, केशव - खादी : इतिहास व कार्य
(महाराष्ट्र काँग्रेस प्रकाशन, ४). पुणे,
चित्रशाळा, ६ आणे, १९४५, पृ. २८. वि
- वस्त्रस्वावलंबन मार्गदर्शिका. सासवड,
के. ग. देवधर - प्रान्तिक रचनात्मक कार्य
समिति, ३ आणे, १९४१, पृ. ४१. वि

आचार्य भागवत यांची प्रस्तावना
- सरंजाम-परिचय. मूळ, महाराष्ट्र चरखासंघ,
८ आणे, १९४१, पृ. ४ + १०२. वि
- सावली चरखा. सेवाग्राम, अखिल भारत
चरखा संघ, दीड आणा, १९४५, पृ.
२ + १४. वि

-मुम्बई वेल्थ मॅगॅझिन, कलिंग भारत
 सार्वभौम, ३ भागे, १९८५, पृ. ४ + १९. वि
 देशसेवक (५) - स्वदेशी व महामा
 गोपीचा चरारा नवगूर दीड भागा,
 पृ. २ + २९

दागड, माधव स्वदेराव - महाभारतीची
 कामपेनु कोडपूर, माधव स्वदेराव वगड,
 २ भागे, १९३२, पृ. ४ + ३४ वि
 गंधता, बाळुभाभा - अहिंसक समाजाचे
 प्रतीक खादा मुंबई, प्रांतिक संघेन

कलिंग, ८ भागे, १९४५, पृ. २२ वि
 - सादीमीमा. पुणे, मुम्बई राष्ट्रीय ग्रंथ
 मार्ग, ६ १-८-०, मुम्बई वडोदा
 २ री व पुणे १९३९, पृ. १२ + ३४. वि
 आशारपुन प्रपंचा अन्व वरिषय व
 स्वाधीन दारी व मुनि १ वी अन्व
 पुणे संकेत २८ + २
 वेचनेकर, नारायण वि - सादीमा
 मोमा. १९८७, भा. वि. वेचनेकर,
 ४ भागे १९३३, पृ. ४ + ५९ वि

६ आ. अर्थशास्त्र : ग्रामोद्योग

अनिल भा घा मु मव (५) - सादूळ
 वडा म. घा मु मव, १२ भाग
 १९४३, पृ. ६ + ६० वि
 कुमारप्या, अग्नीशचंद्र - ग्रामोद्योगाचे
 अर्थशास्त्र पुणे, गुडन व धनन्य,
 ४ १-४ ०, १९४० पृ. १४ + १४. वि
 कुमारप्या, भारतद (अनु माने गुरुजी)
 - ग्रामोद्योग व ग्राममज्जीन पुणे, एच-
 १२ प्रांतिक संघेन, १९३९ पृ. ३० वि

केंद्रेड मुम्बईमहोत्सव वरिषय मजत
 दामगुप्त, सतीशचंद्र (अनु वा. र. देगड)
 - स्वध्यावरिता कानडे कामावप्याची
 काम पद्धति वग, म. भा. घा मु मव,
 १९३८ पृ. ३ + २६. वि
 पारनेरकर, व म - गौड्य गात्रोचे संवर्धन-
 गोपुरी - वग, मजता रूप, ८ भागे,
 १९४३, पृ. ३४. = वि. २.

७. शिक्षण

अमराव, श्रीमन्नारायण (अनु गोरोनव
 गडगडर) - विद्यार्थ्यांसाठी विद्यार्थक
 कार्यक्रम पुणे, देशमुख भागि क,
 १ भाग १९४०, पृ. ५४
 अष्टुके, डॉ रा ना - विद्यार्थी १
 मजतारक कोयल. पुणे, महाराष्ट्र प्रांतिक
 विद्यार्थी कोषेनु, १ भागे, १९४०, पृ.
 १६ + १९६ वि
 कांडेलकर, दत्तात्रेय बाळकृष्ण - टिळक
 महाराष्ट्र विद्यार्थक प्रगोदा वार्षिक
 सदस्योदान समारंभ प्रवर्गां केडेले
 भाग. पुणे टिळक विद्यार्थक, १९३४,
 १ २२ वि
 - सभादी महाराष्ट्र राष्ट्रीय शिक्षण वरिषद

(तळेगांव), अभ्युत्थीय भागव अरुनदा-
 वा, वा ग. देगड, १९३०, पृ. ३२. वि
 गांधी, मो क (अनु मन्मथजीकरी)
 - गांधीजीचे विद्यार्थ्यांसाठी दितगुप्त (प्रनिड
 नेवांमपुन व मजतापुन निरुडेले रती)
 (तळक विदम मपुमर मजता-पुण १ ते)
 कोरापूर, महाराष्ट्र मजतापुण, ४ १-०-०,
 १९३४, पृ. ८ + ११२ वि
 - (म व अनु घ. ना कोरुकर व ६
 वा. देगड) - पौखमदीय अरुन
 महाराष्ट्र गोपी वाका मजतापुण वरिषय
 मजता. अमरावडी, अनुमान व्यापाम मज-
 रक मजता, ८ भागे, संकेत १८४०, पृ.
 ६ + ९२. वि

टिक्क महाराष्ट्र विद्यापीठ - वार्षिक वृत्तान्त व पदवोदान प्रसंगी झालेली भाषणे. पुणे, कार्यवाह, टिक्क विद्यापीठ. दिवाण, कुंदर बलवन्त - वस्त्रपूणी. सेवाग्राम, हिन्दुस्तानी तालीमी संघ, रु. १-०-०, १९४०, पृ. २४ + ३००. ९६ चित्रे. वि

[शिक्षणाच्या दृष्टीने तकलीचा विचार व कार्यक्रम].

दिवेकर, दि. वा. - राष्ट्रीय शिक्षण. पुणे, सरस वाढमय प्रचारक मंडळी, रु. १-९-०, १९२३, पृ. ४ + १३६. वि राष्ट्रीय शिक्षणाविषयीची गांधीजींचे विचार पृ. १२७-१३०, वर त्यांच्या स्वतःच्या लेखांच्या रुपाने देवून नंतर लेखक असहकारिनेवर आग पाखडतात ! परोख, नरहरि द्वा. (अनु. पां. ग. देशपांडे) - वयांत येणाऱ्या मुलीस अमदावाद, नवजीवन, रु. १-४-०, १९४७, पृ. ४ + १२५. वि

मनदेव देसायी यांची ४ पत्रे, गांधीजींचे पत्र व विचार व काकासाहेब काळेकर यांची पुरवणी यांसहित भागवत, आचार्य स. ज. (सं.) - जीवन शिक्षण अर्थात् वर्धाशिक्षण-योजना. पुणे, रा. ज. देशमुख, रु. ४-४-०, १९४५, पृ. २८८. वि. - वर्धा शिक्षण (मासिक) - पाहा मासिकांच्या विभाग.

९. आरोग्य, स्वच्छता अि.

गांधी, मोहनदास क. (अनु. रामचंद्र वा. गोपटे) - स्वास्थ्यसंरक्षण. मुंबई, का. र. मित्र - मनोत्जन, ८ आणि, १९१५, पृ. १२ + १२०.

दिवाण, मनोहर व. - महारोग. वर्षा, महारोगी सेवा मंडळ, १२ आणि, १९४०, पृ. १६ + १२४. वि

भावे, विनोबा - मूल बुध्दोग - फांतणे [पाठ्यक्रमाचे शिक्षकासाठी केलेले स्पष्टीकरण]. सेवाग्राम (वर्षा), हिन्दुस्तानी तालीमी संघ, ६ आणि, १९३९, पृ. ४ + ६२. वि

भित्ते, शंकर रामकृष्ण व हरिश्चन्द्र गो. पाटील - शेती शिक्षण - भाग १ला [अखिल भारतीय शिक्षण संघाने वर्षा शिक्षण योजनेप्रमाणे तयार करविलेले]. सेवाग्राम, हिन्दुस्तानी तालीमी संघ, १२ आणि, १९३९, पृ. ४ + १२५. वि

महाराष्ट्र राष्ट्रीय शिक्षण परिषद् - संमेलनांचे अहवाल व अध्यक्षी भाषणे.

मोहनी, ह. कृ. व गोखले, ज. ग. - नवीन शिक्षणाचे अंतरंग. केरळी, शं. मो. कावरे, ४ आणि, १९३८, पृ. ४ + २४. वि वॉशिंग्टन, डुकर टी. (अनु. नागेश वा. गुणाजी) - आत्माद्वार. वेळगांव, ना. वा. गुणाजी, रु. १-०-०, १९१३, पृ. ३६ + २५२. वि

- माझे व्यापक शिक्षण. वेळगांव, ना. वा. गुणाजी, रु. १-४-०, १९१६, पृ. ४७ + २८२. वि

श्री कालेकरांच्या प्रकरणशः व सामान्य प्रस्तावनेसह सहचवुद्धे, अण्णासाहेब व बागाजीतकर, सदाशिव - महाराष्ट्रांतील शिक्षण दिवारे. ऑथ, ऑथ पब्लिशिंग ट्रस्ट, रु. १-०-०, शके १८६९, पृ. ८ + ५८. वि

पेटेल क्षेवरभाजी पु. (अनु. बाळुभाजी महेता)

- आहार आणि पोषण. पुणे, भारतप्रकाशन, १२ आणि, १९४५, पृ. ४ + ६०. वि

गांधीजींची प्रस्तावना

महेता, बाळुभाजी - ग्रामसफाजी. शिवाजी-नगर-पुणे, महाराष्ट्र प्रां. समिति, ९ आणि, १९४६, पृ. २६. वि

१२ आणे, १९४७, पृ. २२ + ४७. वि
वाचार्य भागवत यांचो प्रस्तावना.
जोशी, अमृत महादेव - विभा-सुदर्शन.
नागपुर. अ. म. जोशी, १२ आणे, शंके
१८५६, १० + १०२. वि

गोटींचा संग्रह.

टॉलस्टॉय, लीओ (अनु साने गुरुजो) -
कला म्हणजे काय? मुंबओ, कर्नाटक
पब्लिशिंग हायुस. रु. ३-०-०, १९४३,
पृ. २६ + ३०७. वि

ताडपत्रोकर, श्रीनिवास ना. - गांधी-टोपो
अर्थात् आत्मशुद्धि (नाटक). पुणे,
वाडमय विहार मंडळ, रु. १-०-०, १९२२,
पृ. ४ + ९९. वि

भागवत, आचार्य स. ज. - चौफुला. पुणे,
कोरडेकर, रु. १-०-०, १९४५, पृ. ४ +
७२. वि

आधुनिक भारत, जीवनयोग, वि. चार
पुस्तकांच्या प्रस्तावनांचा संग्रह.

- जीवन आणि साहित्य (स्फुट लेखांचा
संग्रह). पुणे, सुलभ रा. ग्रंथमाला, रु.
२-०-०, १९४४, पृ. ८ + २००. वि

भावे, विनोबा - जीवनदृष्टि (लेखसंग्रह).
मुंबओ, केशव भिकाजी ढवळे रु. १-८-०,
१ आ. १९४५, पृ. ६ + १६१, संपादक:
वा. कृ. चोरघटे.

२ आ. - १९४६, वर्षा, ग्रामसेवा मंडळ,

रु. १-८-०, पृ. ४ + १७०. वि

- मधुकर. वर्षा, जमनालाल बजाज, ८ आणे,
१ आ. १९३९, पृ. ८ + २२. ३ मुद्रण,
रु. १-८-०. वि

'महाराष्ट्र धर्म' साप्ताहिकांतील निवडक
लेखांचा संग्रह. यांत गांधीजींच्या विद्वान्तांचें
व रचनात्मक कार्यक्रमाचें मुद्देस्वरूप विवेचन
आहे.

- विचारपोथी. वर्षा, ग्रामसेवा मंडळ, रु.
१-०-०, १ आ. १९४४, पृ. १५६. वि

शिल्ले, दा. न. - गांधीजींचो देशाला
देणगी. पुणे, चित्रशाळा, ६ आणे,
१९४५. पृ. २२. महाराष्ट्र काँग्रेस प्रकाशन

- २. वि

शेजवलकर, ज्योत्सव शंकर - शेजवलकरांचे
लेख - भाग १ ला. मुंबओ, ह. वि. मोटे,
न. २-० ०, १९४७, पृ. २२ + २०४ वि
मो. क. गांधी, पृ. ५८ ते ६४.

सातपुते, बाळाजी लक्ष्मण - विजयी भारत.
पुणे, वा. स. सातपुते, १२ आणे, १९२८,
पृ. ८ + ९२.

कायदेभंगार नाटक.

साने गुरुजो - गोड निबंध भाग १ ने ३.
पुणे, देशमुख आणि कानी. किमत प्रत्येकीं
म्हणे तीन.

'काँग्रेस' व 'विद्यार्थी' या सामयि-
कांतील लेखांचे संग्रह.

११. आधुनिक इतिहास

आपटे, पां. श्री. सुर्ष आपटे गुरुजो - साने
गुरुजो (ओझरते दर्शन). धुळे, भारत
प्रकाशन, १२ आणे, १९४४, पृ. ४ + ६९. वि

कंटक, प्रेमा - सत्याग्रही महाराष्ट्र. पुणे,
सुलभ रा. ग्रंथमाला, रु. ३-०-०, १९४०,
पृ. ३२ + ३९४ + २. वि

ल्यो. टिष्कांच्या नृत्यपासत पेंडपूर
काँग्रेसपर्यंतच्या महाराष्ट्राच्या राजकीय
जीवनाचें चित्रण या पुस्तकांत केलेलें आहे.

केळकर, नरसिंह चिंतामणि - गतगोष्टी
अर्थात् माझी जीवनयात्रा. पुणे, यशवंत
न. केळकर, रु. ५-०-०, १९३९, पृ.
१४ + ९९२. वि

-(सं. का. न. केळकर) - गेली पांच वर्षे
अर्थात् गेल्या पांचव्या वर्षांच्या राज-
कारणांतील स्थित्यंतराचा इतिहास. पुणे,
अनंत सखाराम गोखले, रु. ३-०-०,
१९२६, पृ. २० + ६५२ + ८. वि

-छोडमान्य रिड्ड वॉचे चरित्र सट रे हा
 पुणे न वि केडर, १ ३ ०-०,
 १९२८ १ ८+००४ वि

माहगोड, पो वा - कौम्य आणि
 महायमा शहर-मुम्बई, अविहार प्रकशन
 म्बई २ ०-० १ १२+११४

गोधा, मो. क.; अजयम मय्यवजो, मु
 रा जयहर, व पितरप्रनदास (अनु-
 वा नो. अन्व व रि म टोरे) - पत्राव
 प्रकाश अणार् कौम्य सवस्मिगने
 तयार केवना तिरा पुणे, गेडर इति
 मुम्ब, १ १४-० अम्ब १८४९, १
 ४+१३२

- (अनु वरी अन्व १४) - स्वराज्य निहाली
 [महा-मार्गें वी दोन्हाकरिपे ले भवो
 व मिडर मुम्बली, म्बई व रि] पुणे,
 मुम्बई रा प्रकाश ८ जाने १ भा
 १९२१, १ ८+१९५ वि

गोवले व लो - बायोवर्गीकृत तज्ज्ञा
 हने केवार् वी जी कुम्बई १०
 भाग १९३३ १ ११४

अन्व अन्व अन्व अन्व अन्व
 म्बई १ ननु म्बई पुणे
 चित्राव. मिदेचरदाकी - भारतीय अन्व-
 वाव चरित्रकाश पुणे, मरगवर्ग
 वरिचोड म्बई ३ २०-०-० १०४६,
 १ १४+१०० वि

हिन्दुस्थान व आपुनिक विविध
 माह्यात हा केड महात्मा म्बई म्ब
 अन्व म्बई, वेडर, मिन्दि लोकावकांवी
 चरित्रे कुम्बई व रि

अन्ववेडर, इकर द्वायेव - आपुनिक
 भारत. पुणे, मुम्बई रा प्रकाश ३
 ४ ०-०, १९१८ १ १६+९२१
 एचि वि

वा प्रकाश सन १८१८ वेडरवा
 म्बई म्बई वाडवावडा म्बई जवळ

अन्व १२५ वॉच मरदीन विविध
 विविध अन्व

- भारतीय अन्व आणि राष्ट्रीय महा-
 मना पुणे, द. न. दिवड, १२ भा,
 १९४६ १ ४+४४ वि

- महापुद आणि महापुमा पुणे, विविध,
 ३ भा, १९४५, १ ५१ वि

- महाराष्ट्र व हिन्दी राजकारण पुणे, एका
 प्रकाश प्रकाशन १ १-०-०, १९४६,
 १ ३+३० वि

- हिन्दी राजकारणाचे स्वरूप विविध
 १ १ म्बई, ८ जाने, १९२४ (१)
 १ १० वि

अन्व अन्व रा द व देवगिराकर, जे १
 - कौम्यची अन्व अन्व कौम्यी
 म्बई व हिन्दुस्थानी व राडवाव पु
 टागोवा विविध पुणे, म्बई म्बई,
 ४ भा, १९३०, १ ४+५४

इकर, इकर विनायक - मिळ साउ
 आपली गुळा महाराष्ट्र वॉचे चरित्र
 (मिळ अन्व अन्व पुनम्ब देणे) पु
 मुम्बई रा. प्रकाश, ६ जाने, १९३८,
 १ ८+५२ वि

तज्ज्ञावज्ज्ञ, गोरोनाथ - साधना मुम्बई,
 वम प्रकाशन ३ ३-०-०, १९४६, १
 ८+२०४ वि

यने, म्बईनाथ - स्वपरोचक अन्व अन्व. पुणे
 मरग प्रकाशन, ८ जाने, १९४६, १
 ४+३२ वि

द्विगिरीकर, जे १ - वामुकाका जेनी
 व म्बईवा काळ [मरगवर्ग म्बई
 द्वा वॉच राडवाव व सपत्निक मिन्दि
 वर] पुणे विविध ३ १०-०-०,
 १९४८, १ ८+१२९ वि

द्विगिरी, गोपाळ भा - कौम्य कथा पुणे
 गो वा देवगिर, १ भा १९३६, २ भा
 १९४६, १ ४+३०४, २ ४-८-०. वि

देसाजी, महादेव (अनु. प्रेमा कंटक)
- खानपेठ्याचा अल्प परिचय ('बे
खुदाभी खिदमतगार' वा गुजराती पुस्तकाचे
भाषांतर). पुणे, सुलभ रा. ग्रंथमाला, ९
आणे, १९३६, पृ. ६+९५. गांधीजींची
प्रस्तावना. वि

नेहरू, जवाहरलाल (सं. विद्यार्थी)-आह्वान.
कोल्हापूर, महाराष्ट्र ग्रंथसांडार, नं. १-०-०,
१९४२. पृ. ११२. वि

-(अनु. ना. ग. गौर)-आत्मचरित्र.
पुणे; सुलभ रा. ग्रंथमाला, १ आ. १९३८;
२ आ. १९४०, पृ. १६+६५२, रु.
१२-८-०. वि

परांजपे, वामन कृष्ण - काळकर्ते शिवरा-
मपंत परांजपे यांचे जीवन चरित्र. पुणे,
र. श्री. देशपांडे, रु. ५-०-०, १९४५,
पृ. २६+६+३२०. सचित्र. वि

गंगाधरराव देशपांडे यांची प्रस्तावना.

प्रकरण १२, १३ व १४ (पृ. २३३ ते
२९३) असहकाराच्या काळासंबंधाने आहेत.

पाटील, स. का. - काँग्रेसची पुनर्घटना.
मुंबई, सु. प्रां. काँ. कमिटी, रु. १-०-०,
१९४६, पृ. ६+७१. वि

पाध्ये, प्रभाकर व टिकेकर, श्री. रा. - आज-
कालचा महाराष्ट्र : वैचारिक प्रगति.
मुंबई, कर्नाटक पब्लिशिंग हायस, रु.
३-८-०, १९३५, पृ. १६+३६७. वि
प्रकरण १६, विभाग ४, ५, ८
अत्यादि गांधी, असहकारिता यांस अनुलक्षून
आहेत.

बागल, माधव खंडेराव - स्वराज्याचा शत्रु.
कोल्हापूर, मा. खं. बागल, ६ आणे, पृ.
८+७०. वि

बापट, सदाशिव वि. (सं.) - लोकमान्य
टिळक यांच्या आळवणी व आख्यायिका.
पुणे, स. वि. बापट, खंड १-३. प्रत्येकीं
तीन रुपये. खंड १-२ आ. १९२४, पृ.
३४+५१८+११; खंड २-१९२५, पृ.

३८+६८०; खंड ३-१९२८, पृ. ६०+
३५२+१७७+११. वि

ग्रंथाचा विषय लोकमान्य टिळक
असला तरी अनेक राष्ट्रीय कार्यकर्त्यांनी
टिळक व गांधींची तुलना व त्यांच्या अेकत्र
आठवणो दिल्या आहेत. विशेषतः अंग्र-
जींदून हा प्रकार जास्त दृष्टीस पडतो.

भसे, प्रभाकर श्रीपत (प्र.) - काशुन्ट
टॉलस्टॉय. मुंबई, भारत गौरव ग्रंथमाला,
खंड १ ते ५. नं. ५-०-०, पृ. १०००
वर. वि

भागवत, राजाराम स. - डॉ. वेझंट-चरित्र.
मुंबई, महाराष्ट्र ग्रंथ सांडार, रु. ५-०-०,
१९४७, पृ. २१२, सचित्र. वि

सनदशीर चव्चळू निष्फळ ठरली
नव्हती व गांधींच्या असहकारितेच्या
चव्चळीने देशाचे नुकसान केले असा
सिद्धान्त लेखक प्रतिपादित.

भिडे, रामकृष्ण गो. - स्वातंत्र्यदीप अथवा
जगांतील असहकारिता. पुणे, अ. स.
गोखले, १ रुपाया, १९२४ पृ. १२+
१४४. वि

असहकारिताचा वेगळाच अर्थ करून
जगांतील पांच देशांच्या स्वातंत्र्याच्या चव्च-
ळीचे वणेत दिले असून जो थडा हिन्दुस्तानाचे
गिरवावा असे म्हटले आहे. गांधीप्रणीत
असहकारिता त्याच्या म्हदली आहे.

मेहेरअल्ली, युसुफ - भारत-नेते. मुंबई, पत्र
प्रकाशन, रु. १-०-०, १९३, पृ. ४+४७.
अेकंदर ९ चरित्रे आहेत.

राष्ट्रसेवादल, मुंबई - दस-ज्योत. अंध,
अंध प्रकाशन ट्रस्ट, १९४६, पृ. ४+
५९. वि

११ लेखांचा संग्रह.

लाजपतराय लाला (सं. राम) - लाजपतराय
यांचे आत्मचरित्र व चरित्र. मुंबई,
कर्नाटक पब्लिशिंग हायस. रु. ३-४-०,
१९३१, पृ. १०+३१४. वि

साले (गुरुजी), पारुषाग मरुशिख-मामहार
 माधनदे मारत्र पुन, दिमनद गन्त
 माधनदा क १०० १२४५ पु
 ६ + १३५ + ११२ + १६ मे सोमद
 वती प्रमदन वि

हार्दीसिंग, कृष्णा धनु सने पुर्वी
- सा ना का रेडु पुं, देवता का
करी. १९२५, प. २५६.
मेरु कुटवाका जिंदगा, व
लकीर्णः स्वर्गदेव न बहुर धर्म
क्रान्ति सं प्रभाव ग मित्र

विनोदा य एवाभ्या मंडकायै सुश्रवः.

बंगाली पुस्तकें

अग्रवाल, श्रीमन्नारायण - गांधीजीर राष्ट्र-परिक्लपना. कलिकाता, पूर्वाशा लिमिटेड, रु. २-०-०.

‘गांधीयन कॉन्स्टिट्यूशन’ का अनुवाद.
- गांधीजीर पारिक्लपना. कलिकाता, पूर्वाशा लिमिटेड, रु. २-०-०.

‘गांधियन प्लैन’ का अनुवाद.
- छात्रदेर गठनमूलक कार्यक्रम. कलिकाता, पूर्वाशा लिमिटेड, १२ आने.
- शिक्षार वाहन. कलिकाता, पूर्वाशा लि०, ९ आने.

अनिल - बुनियादी शिक्षार कथा. कलिकाता, ओरिअन्टल बुक कं०, रु. २-०-०.

आशुतोष लायब्रेरी (प्र.) - स्वाधीनतार अर्क्षालि. कलिकाता, रु. २-०-०.

कॉग्रेस, अन्वयोग, सत्याग्रह, अंगस्ट १४२की क्रान्ति, अि०के विषयमें जानकारी देनेवाली बालोपयोगी पुस्तक.

काजी, अवदुल ओदुद - हिन्दु मुसलमानेर विरोध. (निजाम वक्ता, १९३५ खिस्ता-न्दे विश्वभारतीते प्रदत्त). कलिकाता, विश्वभारती ग्रंथालय, रु. १-०-०, बंगाब्द १३४२, पृ. १७ + ६२. वि

कृपालानी, आचार्य जीवतराम - अहिंसक विप्लव. कलिकाता, ओरिअन्टल बुक कंपनी, ८ आने.

कृष्णदास - महात्मा गांधीजीर संगे सात मास. कलिकाता, १९२८.

कॉग्रेस साहित्य संघ - गांधीजीवनेर घटना-पञ्जी. कलिकाता, बैंगॉल पब्लिशर्स, रु. १-०-०.

खादी प्रतिष्ठान (प्र.) - आश्रम भजनावलि. कलिकाता, ४ आने, २ आ. १९४६, पृ. ९६.

गंगोपाध्याय, विनयकुमार - मृत्युञ्जय गांधीजी. कलिकाता, आशुतोष लायब्रेरी, रु. २-०-०.

गांधी मोहनदास क. (म विनयकृष्ण सेन)
- अस्पृश्येर मुक्ति. कलिकाता, अभय आश्रम, १२ आने, १ से. १३३२ (व.), पृ. १६ + १४१. वि

अस्पृश्यतानिवारणके विषयमें गांधीजीके खिलावा और चंद्र लेखकोंके लेख भी अिस पुस्तकमें संगृहीत है।

-(अनु : सतीशचंद्र दासगुप्त) - आत्मकथा अथवा सत्येर प्रयोग खण्ड १-२. कलिकाता, खादी प्रतिष्ठान, प्रति खंड १२ आने, १९३१, पृ. २० + ४१७; १० + ४१४ सूचि. वि

- आरोग्य दिग्दर्शन. कलिकाता, ओरिअन्टल अेजन्तो, रु. १-१२-०.

मूल गुजरातीसे अनुवादित
-(अनु : नरेन्द्र दे) - गान्धी गवर्मेन्ट पत्रालाप - १९४२-४५. कलिकाता, प बुक हाउस, रु. ३-१२-०, १९४७, पृ. २६ + ४०६. वि

-(अनु : प्रभात वसु) - गांधीजीर वाणो. कलिकाता, अिडियन अँसोसियेशन पब्लिशिंग कंपनी, ८ आने, १९४५, पृ. ४ + २८. वि

-(अनु : प्रफुल्लचंद्र घोष तथा कुमारचंद्र जाना) - गोताबोध. (श्रीमद् भगवद् गीतार तात्पर्य). कलिकाता, ओरिअन्टल बुक कंपनी, १२ आने, १९४७, पृ. ११०. वि

-(अनु : सतीशचंद्र दासगुप्त) - जीवनव्रत वा गान्धीवाद. कलिकाता, खादी प्रतिष्ठान, १ आ. १९३१; २ आ. १९४७, रु. १-०-०, पृ. ८२. वि

- 'गण्ड प्रभत' भवता प्रविवार,
'नौविषय' और 'उपदेश' का अनुवाद.
(अनु: सतीशचंद्र दामगुप्त) - दक्षिण
आफ्रिका सत्याग्रह प्रतिष्ठान कल्कि-
कता, खारी प्रतिष्ठान, ४ १-०-०,
१९३१, पृ. ४० वि
- नीतिधर्म का गांधीजीय उपदेश कल्कि-
कता, सरस्वती लाइब्रेरी
- (अनु हनुमंतदास राव) - शिक्षा भारते
दासी कल्किता, खारी प्रतिष्ठान, ८
बाने, १९३१, पृ. १५२ वि
- (अनु अन. वनाथ बसु) - महात्मा गांधी
काराकाहिनी कल्किता, १९३३
हिन्दी भाषासे अनुवादित
- (अनु सतीशचंद्र दामगुप्त) - योराडा जेल
अभिज्ञता कल्किता, खारी प्रतिष्ठान,
८ बाने, १९३१, पृ. ५८ + १४४ वि
- 'गांधीजीर जीवनकथा' ३९ पृष्ठों
परिवर्षक तीरार विन पुस्तकान अनुवादक
महाशयने दी है।
- (अनु स च दामगुप्त) - शिक्षा का
मेवा. कल्किता, खारी प्रतिष्ठान, ८ बाने
१ भा १९३१, पृ. ८ + ११६
- 'गांधी शिक्षण माला' (गुजराती)
क शिक्षण विषयक मंगलेने पुने दुधे
छोटे और गुजराती 'गांधीजी
संग' का अनुवाद
- सत्याग्रह ओपाजाफकहिनी कल्किता,
सरस्वती लाइब्रेरी.
- (अनु. हेमन्तदास राव) सयम वनाथ
स्वेच्छाचार. कल्किता, खारी प्रतिष्ठान,
८ बाने १ भा १९३१, पृ. ८ + ११५
- (अनु स च दामगुप्त) - स्वराज संगठन:
गठनमूलक कर्मपद्धतिर अर्थ ओ स्थान
कल्किता, खारी प्रतिष्ठान, १ भा १९४१,
२ भा. १९४१, १ बाने, पृ. ३९.
- स्वास्थ्य सुपाय कल्किता, सरस्वती
लाइब्रेरी.

- (अनु: स. च. दामगुप्त) - स्वास्थ्याज्ञा.
कल्किता, खारीप्रतिष्ठान, ८ बाने, १९३१,
पृ. १४९.
- (अनु. स. च दामगुप्त) - हिन्दुस्वराज्य.
कल्किता, खारी प्रतिष्ठान, १ भा. १
१३३७ वि
- २ भा १२ बाने, १९४७, पृ. ८९.
- (अनु. स च दामगुप्त) - हिन्दुधर्म को
अस्पृश्यता कल्किता, खारी प्रतिष्ठान,
५ बाने, १ भा १९३९, पृ. १० + १०७
गांधी, मो. क और दामगुप्त, सतीश
चन्द्र - धीमद भगवद्गीता गांधीभाष्य
(दामगुप्त मन्त्रिष्ठ) कल्किता, खारी
प्रतिष्ठान, १ भा १९३०; वि
- ५ भा. १९४६, ४ २-०-०, पृ. ४२०
- पुस्तकके दो विभाग हैं। एक
विभागमें मन्त्रों कावने गानके विधानोंकी
समन्वयना की है। दूसरेमें गीतके मूल
संस्कृत श्लोक देकर सुमंते नीचे गांधी-
जीके अनामस्तिवोगका संस्कृत अनुवाद
दिया है। इसके अन्वयका भाषांतर और
गीतक ओझोंकी अकारादि अमते रचित
भी दी है।
- गुप्त, मोहाररजन - विद्रोहो भारत. कल्कि-
कता, अनुपम लाइब्रेरी, ४ ३-८-०,
पृ. १७०
- गुह, अण्णचंद्र - कमिसपय कल्किता,
सरस्वती लाइब्रेरी, ४ १-८-०, पृ. ९४
- घोष, अनुपम - मोआवालीते गांधीजी
कल्किता भिदिवन बेंगोलिफेट पब्लिशर्स.
- हिमा ओ गांधी कल्किता, भिदिवन
बेंगोलिफेशन पब्लिशिंग क., ४ २-०-०,
पृ. १०८.
- चक्रवर्ती, जितेन्द्रकुमार - सूत्रविज्ञान.
कल्किता निराल मरल चक्रवर्त,
४ बाने पृ. २४.
- चक्रवर्ती, भक्तितोय सुमेश - कलिर द्वाविधि.
४ १-०-०.

चटोपाध्याय कालीपद - अंतिम गांधीजी.
कलिकाता, अशुतोष लायब्रेरी, रु. १-४-०.
चटोपाध्याय, हरपद - गांधीजीके जानते
हुले. कलिकाता, अशुतोष लायब्रेरी,
रु. १-८-०.

गांधी - मतविषयक कुछ लेख और
शुनकी जीवनी.

चौधुरी, मणोन्द्रभूषण - महात्मा गांधो.
कलिकाता, सरस्वती लायब्रेरी.

ठाकुर, रवीन्द्रनाथ - महात्मा गांधी. कलि-
काता, विश्वभारती, रु. १-०-०, १९४८,
पृ. ८ + ५८. वि

नशातनाजिक विषयमें श्री रवीन्द्रनाथके
लिखे हुये काव्य, प्रबंध और भाषणोंका
संग्रह.

- शिक्षा कलिकाता, मिडियन पब्लिकेशन
हायुस, ८ आने, पृ. १४२. वि

- सम्यक्तार संकट [आशि वत्सर वयस पूर्ण
होवा भुपलजे जन्मोत्तवे अभिभाषण].
कलिकाता, विश्वभारती ग्रंथमाला, ४ आना,
१ आ. १३४८ (व.), पृ. ११. वि

- समाज. गिडाशवाद, मिडियन प्रेस, १४
आने, २ आ. १९१८, पृ. १३२ वि

- स्वदेश. कलिकाता, वि. प. हायुस, ८
आने, पृ. ११९. वि

तुलसीदास (अनु: स. चं. दासगुप्त) -
तुलसीदासेर रामायण. कलिकाता, खादी
प्रतिष्ठान, १ आ. १९३४; २ आ. १९४६,
रु. ६-०-०, पृ. ६२२.

दत्त, कार्तिकचन्द्र - स्वराज्यसाधना.
कलिकाता

दत्त, नगेन्द्रनाथ - विप्लवेर पथे काँग्रेस.
कलिकाता, मरस्वती लायब्रेरी, रु. १-८-०.

दत्त, मणोन्द्रनाथ - गांधीजीर अग्निप्ररोध.
कलिकाता, मित्र अन्ट घोष, रु. २-४-०.

अमीय चक्रवर्तीर प्रस्तावना सहित.

दत्त, सत्येन्द्रनाथ - गांधी-कीर्तन (काव्य).
कलिकाता, १३३९. (व.)

दांतवाला, मोहनलाल - गांधीवादेर पुनर्वि-
चार. कलिकाता, ओरिअन्टल बुक कंपनी,
१२ आने.

दास, अमोयकुमार - भारतेर राजकीय
क्राण. गुराहादी, १९३३.

दासगुप्त, विजयभूषण - महामानव महात्मा.
कलिकाता, भे. गृकर्जी अण्ड कं., रु. २-८-०.

जीवन आलोचना. सचित्र.

दासगुप्त, सतीशचन्द्र - कार्पासशिल्प.
कलिकाता, खादी प्रतिष्ठान, १२ आने,
१ आ. १३३२ (व.), पृ. ८ + १६० + ८.

सचि. वि

‘कॉटन’ नामकी ग्रथकर्ताकी अंग्रेजी
पुस्तकका यह अनुवाद है ।

- चरकार व्यवहार. कलिकाता, खादी प्रतिष्ठान,
४ आने, पृ. ३२. आकृतियोंके सहित. वि

- चरका ओ मिल. कलिकाता, खादी प्रतिष्ठान,
२ आने, १ आ. १९२८, पृ. ३२.

- वस्तिर गल्प. कलिकाता, खादी प्रतिष्ठान,
रु. १-०-०, १९३२, पृ. १३०.

- घाँसेर चरखा. कलिकाता, खादी प्रतिष्ठान,
रु. १-०-०, ३ आ. १९४७, पृ. ४६.

- भारतेर सभ्यता. कलिकाता, खादी
प्रतिष्ठान, ८ आने, १९३१, पृ. १२७.

- भारतेर साम्यवाद. कलिकाता, खादी
प्रतिष्ठान, १ आ. १९२९; २ आ. १९३०,
८ आना, पृ. ६ + १२६.

- (सं.) - राष्ट्रवाणी (साप्ताहिक)

देसाजी, महादेव (अनु: हेमेल्लाल राय)
- विहाते गांधीजी. कलिकाता, खादी
प्रतिष्ठान, १२ आने, १९३१, पृ. ३०१.

- (अनु: स. चं. दासगुप्त) - चारडोली
सत्याग्रह. कलिकाता, खादी प्रतिष्ठान,
रु. १-०-०, १९३०, पृ. ३५१

- (अनु: स. चं. दासगुप्त) - सिंहले गांधीजी.
कलिकाता, खादी प्रतिष्ठान, १० आने,
१९३१, पृ. २०४.

धर, चरित्रनाथ - स्वाधीनता सप्ताह
कलिकाता साप्ताहिक १५-००
नहर, अश्वमेधनाथ - पंडित अश्वमेधनाथ
नहर अश्वमेधनाथ कलिकाता साप्ताहिक
१५-००

पाद अश्वमेधनाथ - भारत मुक्तिपथ -
प्रथम खंड कलिकाता साप्ताहिक
१५-००

१८९० ई. १९०० ई. अश्वमेधनाथ
कलिकाता साप्ताहिक १५-००

फिरोज, लुभा (भु) विमल वसु मा
रथोपनाथ (भु) - गांधीजी साहित्य
श्रेष्ठ समाज कलिकाता साप्ताहिक
१५-००

-महाजिनाया कलिकाता साप्ताहिक
१५-००

बंगीय प्रादेशिक साप्ताहिक (१) - अश्वमेधनाथ
कलिकाता साप्ताहिक १५-००

चन्द्रोपाध्याय कलिकाता और मुद्रा - महा
मानव महाभा गांधी १५-००

जीवन-आय
वसु अश्वमेधनाथ - अश्वमेधनाथ साप्ताहिक
कलिकाता साप्ताहिक १५-००

विमलवती ८ भागे
-गांधीजी २ भा १२ भागे

वसु निर्मलकुमार - गांधीजी की ज्ञान
कलिकाता साहित्यिक, १५-००

१९४९ पृ २ + ८० वि

-स्वराज्य और गांधीवाद कलिकाता,
भागी २ भा १२ भागे, १५-००

वसु प्रभात - गांधीजी साप्ताहिक १५-००

वसु रवींद्रकुमार - अश्वमेधनाथ साप्ताहिक
कलिकाता साहित्यिक १५-००

बागल धर्मराज - अश्वमेधनाथ साहित्यिक
कलिकाता साहित्यिक १५-००

१९४९ पृ २ + ८० वि

दश विदेशी १२ मधुसूदन के चरित्र
-भारतवर्ष स्वाधीनता और अन्याय

प्रभात (चरित्र) कलिकाता, साप्ताहिक
१५-००

विभात, दिनेशकुमार - भारतवर्ष
सम्यक्ता और साप्ताहिक समाज
१५-००

योग मुद्रावर्द्ध - भारतवर्ष, कलिकाता,
१५-००

१९४९ पृ २ + ८० वि

महाजिनाया - वर्तमान भारते महाभा
भावशरी कलिकाता, १० भागे ० १

१९४९ (१), पृ. १० + १९८.

भट्टाचार्य विजयविहारी - गांधीजी जीवन-
प्रभात कलिकाता, अश्वमेधनाथ १५-००

१९४९ पृ २ + ८० वि

गांधीजी साहित्यिक १५-००

मैमिक, गांधी - भारत मुक्तिपथ
कलिकाता, १५-००

१९४९ पृ २ + ८० वि

महमदार, प्रकाशचंद्र - महाभागावर्द्ध
प्रस्ताव कलिकाता, अश्वमेधनाथ १५-००

महमदार, मधुसूदन - गांधीजी साहित्यिक
कलिकाता, १५-००

मित्र सांगद - महाभा गांधी कलिकाता,
अश्वमेधनाथ १५-००

मित्र, सुधीरकुमार - अश्वमेधनाथ साप्ताहिक
कलिकाता, १५-००

मुद्रा, अ. अ. अ. (१) - ऐतिहासिक
साहित्यिक कलिकाता १५-००

-गांधीजी (भजन और गीत) कलिकाता,
१० भागे

-हाम महाभा (विषय वस्तु) -
कलिकाता, १० भागे

-सागर संधाने (महाभागावर्द्ध) -
चित्र सप्ताह कलिकाता, १५-००

मुद्रा, अ. अ. अ. (१) - ऐतिहासिक
साहित्यिक कलिकाता, १५-००

रु. ५-०-०, २ आ. १३३४ (बं); पृ. ३९ + ८५१ ग्रंथपत्री ओ निघंटु. वि

-भारते जातोय आन्दोलन वा जातीय अभिव्यक्ति [काँग्रेस, स्वदेशी आंदोलन, अस्तश्रम, विप्लववाद, खिलाफत ओ प्रवासी भारतवासीर अतिहास]. कलिकाता, वरदा भेजन्सी, रु. २-८-०, १९२५, पृ. २० + २९९. ग्रंथपत्री वांगला ओ भिंगराजी. वि
सुखोपाध्याय, योगेशचन्द्र-महात्मा गांधी. कलिकाता, १९१८ पृ. १४ + १५६ + १७०, १२ चित्र. वि

सुखोपाध्याय, विभूतिभूषण - कलिकाता-नयाखाली-विहार. कलिकाता, जनरल प्रिन्स अँड पब्लिशर्स, रु. २-०-०.

सुखोपाध्याय, वैद्यनाथ - महात्मा गांधी. कलिकाता, १९२५.

राजेन्द्रप्रसाद, वाचू (अनु: स. चं. दामगुप्त)

-चम्पारन सत्याग्रह. कलिकाता, खादी प्रतिष्ठान, ८ आने, १९३०, पृ. १३३. वि

-खण्डित भारत. कलिकाता, श्री गौरांग प्रेम, रु. १०-०-०.

राय, गोपालचन्द्र - महात्मा गांधीर शांति अभियान. कलिकाता, वांगवासी कार्यालय, रु. १-०-०

नयाखाली, विहार, कलिकाता, और दिल्लीकी शांतियात्राका वर्णन. सचित्र.

राय, दिलीपकुमार - तीर्थर [रोलॉ, गांधी, रसेल, खोन्द्रनाथ ओ श्री अरविन्देर सहित दिलीपेर संवाद]. कलिकाता, काल्वार पब्लिशर्स, रु. २-१२-०, १ आ. १३४६, (बं), पृ. ४०२. वि

दूमरा संशोधित संस्करण प्रसिद्ध हो चुका है।

राय, सुबोधकुमार - महात्मा गांधी (नाटक). कलिकाता, मेन ऑफ लेटर्स, रु. १-४-०.

राय, हेमेशचन्द्र - रिक्त भारत. कलिकाता, खादी प्रतिष्ठान, ८ आने, १९३१, पृ. १६२.

रायचौधुरी, नलिनीमोहन - महात्मा

गांधी. कलिकाता, राय अँड रायचौधुरी, ६ आने, व. १३३०, पृ. ८ + १०३. वि

अमर पुस्तकमें स्वदेशी विदेशी नाना व्यवहारोंकी नाना समयपर महात्माजीके विषयमें व्यक्त की हुओ संमतियाँ संगृहीत की हुयी है।

रक्षाशुल करोम - जातियतार पथे. रु. २-०-०.

-नया भारतेर भित्ति. रु. १-४-०.

-पाकिस्तानेर विचार. रु. १-४-०.

-मनोपी आबुल कलाम आझाद. रु. १-०-०.

रोलां, रोमे (अनु: ऋषिदास) - महात्मा गांधी. कलिकाता, ओरिअन्टल बुक भेजन्सी, रु. २-८-०, १९४७. पृ. १३३.

शान्तादेवी - भारत मुक्तिसाधक रामानन्द चट्टोपाध्याय ओ अर्धशताब्दीर वांगला. कलिकाता, प्रवासी कार्यालय, रु. ६-०-०.

सरकार हेमन्तकुमार - वन्द्री डायरो. (डिसेंबर १९२१-जून १९२२) कलिकाता, अडियन बुक क्लब, रु. १-०-०, १९२२, पृ. १३४.

सरस्वती लाओवेरो (प्र.) - खेलाफ् प्रसंग. कलिकाता.

सेन, अनाथगोपाल - जागतिक परिवेश ओ गांधीजीर अर्थनीति (काँग्रेस साहित्य संघ संकलित) कलिकाता, अडियन अँडोशिअेटेड पब्लिशिंग कंपनी, रु. १-८-०, पृ. ११०.

सेन, सत्यरंजन - कार्पास. कलिकाता, निखिलभारत चरकासघ, ३ आने, पृ. २२.

स्टैंडर्ड बुक कंपनी (प्र.) - नेताजीर पथ ओ गांधीजीर मत. कलिकाता, रु. ३-०-०.

हरिजन पत्रिका (गांधीजीर 'हरिजन' ओर वांगला संस्करण) - सं. रतनमणि चट्टोपाध्याय. कलिकाता, अजितकुमार वसु, शक्ति प्रेस, सालाना चंद्रा रु. ६-०-०. वि

सेवासंघ (सं.) - गांधीकथा (संक्षिप्त आत्मकथा). कलिकाता, ओरिअन्टल बुक कं. २ आ. रु. १-१२-०.

अर्द्ध पुस्तकें

अजयप्रसाद साहू, मङ्गलम् - सुधाश्रे
मदारत, अनील, अनिता मिश्रा
बिष्णुनिया, ४ भागे, १९२१, पृ २३
वि.

अमृतल हर्लाम, मौलवी - गांधीजीको
बातें बम्बई, मकनबा मुल्तानी, १
१-१२-०, पृ १२ + १७९, वि

अमृतकीर - औरतोंसे, कबीर, पञ्च
ग्रन्थेवानक बुक हाउस, १ भागे,
१९४६, पृ ४० वि

आज्ञाद, मौलाना अबुल कलाम - सुधाश्रे
मदारत, रामगढ़ अधिप्रेषण (मिशनर
पब्लि), पिन्हावाड मिडियम प्रेस, १
भागे, १९४०, पृ ४०.

-महात्मा अबुल कलाम आज्ञाद, देहली,
हिन्दुस्तानी पब्लिशिंग हाउस, हिन्दू १,
क. ४-०-०, १९४४, पृ ३५८, हिन्दू
२, क. ४-०-०, १९४४, पृ ३६६ वि

-मुसलमान और कांग्रेस कबीर, मकनबा
मुल्तानी १-०-०, पृ ८०, वि

-सुधाश्रे आज्ञाद, कबीर, मकनबा मुल्तानी,
क. ३-०-० ० भा १९४४, पृ.
३५६ वि

सुधाश्रे, पदित रामचन्द्र - क्या हिन्दु
आदि महात्मा गांधीके सान्ने अपना
हाथ रेंगेगी? बिकनौर, १९२३

अर्द्धपुस्तक, सी. अफ. - क्याभातें महात्मा
गांधी (जिनमें मुनको तहरीराले मुसलि
कन भी शामिल हैं), बम्बई, रिफा
सिधारखान, दिल्ली १ १ २-४-०, १
भा पृ ८ + २४८, हिन्दा २, क. २-४-०,
१ भा पृ ८ + २४९ मे ५१२ वि

ऑल इण्डिया कांग्रेस कमेटी (४) -
दरुने अमासी [जुल १९२०से अक्टू
मिण्डिया कौन्सेल कमेटीके रिजल्टमें:
लामीन किया गया] बिन्हावाड, बाराक
मेन्टरी, ० भागे, १९३०, पृ २६

गणपतराय - हम्पूरवा गांधी, कबीर,
साज्जनराय देवद मम्पु, क. २-४-०,
१९४६, पृ १९८

गांधी कृष्णदाम - कनारीका हिसाब-
दिस्या १. रीब्राम, हिन्दुस्तानी लाम्पनी
मप, ८ भागे, १९४०, पृ. १५ + १२८ वि

गांधी, मोहनदाम क - आज्ञाद हिन्दू
कबीर, पञ्च ग्रन्थेवानक मकनबा

-(अनु हम्पु कुंशी) - आपसीती, कबीर,
किाविमनेमुद्द, क. २-८-०, पृ २७२ वि

-असुने जलन या अनीतिको राहपर,
कबीर, लाम्पनीय अन्तरमन, क. १-८-०,
पृ १०० वि

-(स ही राजगोपालकर और जे लो-
कुमरप, अनु. डॉ. मैथिल आदिद मुसेन)

-जौमको आवाज [महात्मा गांधीजीकी
गहरों जो सुनने लगेने अन्तरमनमें
दीपी वे और मुनके सन्तानके हज्जत]
देहली मकनबा अमिया मिश्रा, क. १-८-०,
१९३३, पृ ४ + ३५५, वि

-शुक्रा और मिहल पर में लाम्पनीय
लाम्पनी, लाम्पनीय दत्त सङ्गल देवद मम्पु,
१२ भागे, पृ १७६

-(अनु डॉ. मैथिल आदिद मुसेन) - जलने
नपम और नपसपरहती, देहली, मकनबा
अमिया, क. १-०-०, २ भा १९३४,
पृ ४ + १५८ वि

-(अनु: सैय्यद आबिद हुसेन) - तलाशे
हक़ [महात्मा गांधीकी आपबीती].
देहली, मकतवा जामिया, जिल्द १. रु.
१-०-०, २ आ. १९३८, पृ. ३६६. वि;
जिल्द २. रु. १-०-०, १ आ. १९३०,
पृ. ३००. वि

-तामीरे ज़िंदगी. लाहोर, प्रेमचंद - प्रेमसदन,
रु. १-१२-०, पृ. १४४. वि

बिसमें ज़वतकी जरूरत वताबी गयी है।

-तामीरी प्रोग्राम. लाहोर, पंजाब ग्राम-
सेवक मंडल.

-ग्रहचर्य [महात्मा गांधीके तजर्वात].
लाहोर, मेसर्स मादन दत्त सहगल अँन्ड
सन्स, रु. ०-६-०, पृ. ९६. वि

-मंगलप्रभात. लाहोर, पंजाब ग्रामसेवक मंडल.

-(अनु. प्रो. रामसरूप कोशल) - शाहुरा-
अ-तन्दुरस्ती [आरोग्य दिग्दर्शनका शुर्द
तरजुमा]. लाहोर, लाजपतराय अँन्ड सन्स,
रु. १-८-०, पृ. १६०. वि

गुरुदाससिंघजी, बाबा - गांधीझम्. अमृत-
सर, बिपीरियल बुक स्टॉल, रु. १-८-०,
पृ. ३१५. वि

टॉलस्टॉय (अनु: महात्मा गांधी) - तोक्र
व जंजीर [मूखराज, तोक्र व जंजीर
और शमा अे ज़िंदगी]. लाहोर, पंजाब
पब्लिशर्स, रु. १-८-०, पृ. १३६. वि

दिवाण, कुंदर - तक्रली. सेवाग्राम, हिन्दु-
स्तानी तालीमी संघ, पृ. ३१६. वि

नेहरू, पंडित जवाहरलाल - अठारा महीने
हिन्दुस्तानमें. , दिल्ली, शुर्द मरक़्त,
१९४५, पृ. २४३. वि

-आज़ादीकी मंज़िल तक. लाहोर, हिन्दु-
स्तानी किताबघर, रु. २-०-०, पृ.
१७६. वि

-खुतबाअे सदारत, फ़ैज़पुर, १९३६.
(कॉंग्रेसका ५० वाँ बिजलास).
बिलाहाबाद, बिडियन प्रेस, २ आना,
१९३६, पृ. २७. वि

-जगवीती. देहली, मकतवा जामिया.

-मेरी कहानी. देहली, मकतवा जामिया.
हिस्सा १, रु. ४-८-०, १९४६, पृ.
४६८; हिस्सा २, रु. ४-८-०, ३ आ.
१९४६, पृ. ५४८. वि

नबी तालीम (हिन्दुस्तानी तालीमी संघका
मासिक परचा) - देहली, जामिया मिलिया.
सं. सलामतुल्ला, १९३९ जानेवारीसे शुरू.
सालाना चंदा डेढ़ रुपया.

बोस, सुभाषचंद्र - खुतबाअे सदारत
(कॉंग्रेसके ५१वें सालाना बिजलासमें भाषण,
१९३८). हरिपुरा, २ आना, १९३८,
पृ. ५५. वि

मकतवा जामिया (ग्र) - बुनियादी क़ौमी
तालीम [ज़ाकिर हुसेन कमेटीकी रिपोर्ट].
देहली, रु. १-०-०, १ आ. १९३९,
पृ. २४०. वि

महम्मद रफ़ीक़ (ख़ावर) - गान्धीनामा
हिस्सा-१. जालंदर, रायज़ादा हंसराज,
पृ. १९३. वि

मितल, गोपाल - गान्धी. लाहोर, मकतवा
शुर्द, ६ आने, १९४१, पृ. ६६. वि

राजगोपालाचार्य, चक्रवर्ती - दुःखी दुनिया
(कॉंग्रेसके तामीरी प्रोग्राम पर चंद सबक
आमीज़ कहानियाँ). लाहोर, पंजाब ग्राम-
सेवा मंडल, १२ आने, २आ. पृ.
११२. वि

सत्यन् - बुनियादी दस्तकारियाँ - ओटना
व धूनना. देहली, दफ़्तर, नबी तालीम,
६ आना, १ आ. १९४०, पृ. ८४. वि

समू, डॉ. सर तेजवहादुर - हमारी क़ौमी
ज़बान. देहली, अन्जुमन-बी-तारक़ी शुर्द,
८ आने, १९४१, पृ. ८+९५. वि

सलामतुल्ला (सं.) - नबी तालीम. जामिया-
नगर. देखो अप्पर 'नबी तालीम'

सुन्दरलाल, पं. - गीता और क़ुरान.
बिलाहाबाद, हिन्दुस्तानी क़त्वर सोसायटी,
रु. २-८-०, १९४६, पृ. ६+२७२. वि

- पंजाब हमें क्या सिखाता है बिठूरबाद हिन्दुस्तानी कब्र तोमापदी, ४ जाने, १९४७, पृ ५४ वि
- इज़ात मुहम्मद और मिसलाम बिला इबाद, विश्ववर्षी कर्पाव्य, ६ १-८-०, पृ १२४ वि
- हिन्दु मुस्लिम मेकता (रियासत गार्जियरमे दिने दुमे चार केक्टर) बिलाबाद, हिन्दुस्तानी कब्र तोमापदी, १२ जाने १९४७ पृ ९६ वि
- मुलेमान नदरी-खिलाफत और हिन्दुस्तान काउन्सिल, दास्त मुसव्वीन, ८ जाने १९२२, पृ ८९ वि
- दुनिया के मिसलाम और मस्जे

- खिलाफत बम्बो, खिज़्मत मेड, ८ जाने, १९२२, पृ ५० वि
- सैय्यद, मुकैल अहमद-मुसलमानोंका रोशन मुसलमनिल बराव, धरुमे निहारी मेड, न. ५-०-०, ४ जाने १९४३, पृ २६+३१२ वि
- हलीदे अदिब-अन्दरुनी हिन्द रोली. अम्जुमे तरबो दुर्द, ६ ६-०-०.
- हरिजन (महादिक)-दुर्द भावित कर्पार, ग्रामसेवक मङ्गल्यो ओरसे प्रसिद्ध होती थी।
- हरिजनसेवक (महादिक)-अहमदाबाद, नव जीवन प्रकाशन मन्दिरसे हरिजनको हिन्दुस्तानी भावति बागती और दुर्द लिनेमे प्रसिद्ध होती है।

कन्नड़ पुस्तकें

अंगडी, ऐस्. ऐन्. - राजकीय विचारतरंग.
वेळगांव, राववहादूर ऐस्. ऐन्. अंगडी,
रु. १-०-०, १९३६, पृ. ८०

करगुप्पीकर, कृ. नि. - असहकारद मीमांसे.
कर्नाटक शिक्षण समिति (प्र) - मङ्गळ गांधी.
हुब्बळि.

-(प्र.) - वर्धा शिक्षण योजने. धारवाड, आर.
ऐस्. हुक्केरीकर, ८ आने, १९३८, पृ. ५९.

कर्मवीर (साप्ताहिक) - सं. इ. रा. पुरोहित.
हुब्बळि, लोकशिक्षण ट्रस्ट.

गांधीजीके 'हरिजन' पत्रमेंसे करीब
सभी महत्त्वके लेख बिस साप्ताहिकमें दिये
जाते हैं ।

कुलकर्णी, के. ऐच्. - काँग्रेसिन संक्षिप्त
इतिहास. धारवाड, के. ऐच्. कुलकर्णी,
५ आने, १९३१, पृ. ११८.

कृष्णयंगार, डी. - गांधीजिय हास्यप्रकृति.
वेंगडूर, स्ट्याण्डर्ड बुकडीपो.

- रैतरप्रपंच.

कृष्णशर्मा, सी. - निर्भाग्य बारे गौडा.

- पर्णकुटी.

- वर्धायात्रे.

गांधी, मो. क. (अनु: पाटील, कल्लन-
गौडा) - अस्पृश्यते याके अखियवेकु?
हुब्बळि, लिंगनगौडा पाटील, १ आना,
१९३४, पृ. ३१.

-(अनु: पाटील, कल्लन गौडा) - अस्पृश्यतेय
कलंक. धारवाड, ऐस्. ऐन्., देसायी, ८
आने, १९३४, पृ. ८२.

-(अनु: कृष्णशर्मा, सिद्धवन हळ्ळी) - गांधी
साहित्य भाग १, २. धारवाड, साधना
प्रिंटिंग प्रेस, रु. १-४-०, १९४१, पृ.
१४४; रु. १-४-०, १९४१, पृ. १०४.

महात्मा गांधीने सावरमती आश्रमके
ऐक कार्यकर्ताको लिखे हुये पत्रोंमेंसे चुने
हुये पत्रोंका अनुवाद.

- महात्तर पत्रगळु भाग, २. शिरसी,
वामन अनंत होदके, पृ. २ + ५३

-(अनु: द. कृ. भारद्वाज) - महात्मा
गांधीयर अनासक्तियोग. वेंगडूर, द.
कृ. भारद्वाज.

- गांधीजियवर आत्मकथे (खंड १-५).
वेंगडूर, सत्यशोधन प्रकटनालय.

-(अनु: कृष्णराव, अ. ऐस्. वि.) - दक्षिण
आफ्रिकदलि सत्याग्रह.

- नीतिधर्म. धारवाड, विनायकराव जोशी.
- ब्रह्मचर्य वो कामसाधने. वेंगडूर, द. कृ.
भारद्वाज.

-(अनु: रा. वें. वडवी) - मंगलप्रभात.
हुब्बळि, कर्नाटक शिक्षणसमिति, ५ आने,
१९४२, पृ. ५४.

-(आय्केगाररु: प्रभु; राव.) - महात्तर
मनोरंग. हुब्बळि, अध्यात्म कार्यालय,
१९४७.

रंगराव दिवाकर कृत अनुवाद. प्रस्ता-
वना श्री राधाकृष्णन लिखित.

-(अनु: पाटील, कल्लनगौडा) - सत्याग्रह.
दावनगेरी, कसल श्रीनिवास शेटी, ४
आने, १९३८, पृ. ८८.

- हिन्दुस्वराज्य. वेंगडूर, द. कृ. भारद्वाज.
गोवर्धनराव, ऐम्. - गांधीयवर चरित्रे.
धारवाड, आर. ऐस्. हुक्केरीकर, १ आने,
१९३१, पृ. १६.

घाणेकर, मालचंद्र वेंकटेश - रैतर भाग्यो-
दय. धारवाड, भा. वें. घाणेकर, २ आने,
१९३१, पृ. ३१.

छेड़लों के स्वाग्रह की विवशता मुनका
 भाग्योदय बतानेवाला नाटक
 चिह्नोनी, आ आ - साहित्य, अर्थशास्त्र
 समर्थनी, कमलाचारी - वर्षा योजना मनु
 री शिक्षण दुर्ध्वजि, मनुक्त कर्नाटक मेन,
 ३ भागे, १९४२, पृ. २६
 जोशी, गुरुनाथ - कर्नाटक बलिदान,
 दिवाकर, रंगनाथ - - प्रान्तभाषे राष्ट्रभाषे
 - राष्ट्रीय शिक्षण
 - सत्याग्रह (निनिहाम मनु तत्र)
 - इच्छितार केपिटि
 देशपांडे, बाळकृष्ण यमाजी - कर्तर सना-
 तनी गळिगे केळु प्रभोगळु वेळ्याव,
 बा. व. देशपांडे, केळ पैठा, १९३३ पृ. ८.
 नारायणराव, बी. जेम् - गांधीवाद
 वेङ्कट, विचार माहित निमित्त,
 २ १-८-०
 नारायण दामा - मकळ महात्मा गांधी
 चारवाडे, कर्नाटक शिक्षण समिति, ४
 भागे, १९३८, पृ. ५०.
 राजर्षिक जिये चरित्र
 नेहरू, जवाहरलाल (मनु नाबोक, वेङ्कट-
 राव) - भारतवर्ष अस्त सगिरे? बन्धी,
 कर्त्रेय लोखिवालिष्ट व डाकुस, ३
 भागे, १९३६, पृ. ३६
 'दिर मिहिया' का अनुवाद
 पाटील, कल्लनगौडा - मामोयोगी मादोल्ल
 लक्ष इसमरी (परवाह वि), पटीम
 कल्लनगौडा - लोकनेता स्व, २ भागे,
 १९३७, पृ. ६७
 बिडुला, घनश्यामदास (मनु: रंगनाथ
 दिवाकर) - भारू दुर्ध्वजि, अष्टावन
 काव्योदय, २ १-८-०.
 बुनि, विन्दुमाधव - भारतीय स्वातंत्र्य
 हेतुगण्ड
 भारद्वाज, द. क. - स्वार्थ संग्राम.
 मत्तम्पळा, वि. घ (मनु गुलनाथ जोशी)

- गांधीविचार दोहन. दुर्ध्वजि, कर्नाटक
 शिक्षण समिति, २. १-०-०, १९३६,
 पृ. २९५.
 मळिये, गोवर्धनराम - सायबवाद वे अजे.
 लोकनाथ, जेम् अजे - अर्द्धसाधर्म
 परमावधि
 वदरी, रा. वे - वदर भाग्य.
 वदरी, भारू. बी - सादो दर्शन दुर्ध्वजि,
 म भा. चरखा मय कर्नाटक शले - के जे.
 वेङ्करामप्पा, ६ भागा, १९८७, पृ. ९८
 सादो और मुनकी बनावट पर पुस्तक
 वाटोकर, जी के (म) - मद्यपान
 दुष्परिणामगळु भारवाद, दिव्यिष्ट
 मोडिनीशन कमिटी, १ भागा, १९३८,
 पृ. ५०.
 शमुलिंग, शिवाचार्य - गोतर्ज्ञे. विजयूर,
 नवा राजार, जेम् भारू विजि, १९३७,
 पृ. २८.
 शारराव, त. सु. - वर्षा शिक्षण समि-
 तिय यदि
 समाज पुस्तकालय (म.) - गांधीदर्शन.
 चारवाद, २ १-४-०.
 स्वातंत्र्यप्रिय - भारतद राजनीतिय समस्ये
 इडेकर, मनेप्पा - आदिजनमुधारणे.
 मनेर्गट्ट (वि. विजयूर), मनेप्पा इडेकर,
 २ भागे, १९३४, पृ. ३१ + ६७
 अस्त्रयोदहारका समर्थन
 - सादीशाख.
 हुकेरीकर, भारू जेम् (म.) - कर्मिस्त
 मुनावणेय खाहिर पत्रिका. चारवाद,
 भारू. जेम् हुकेरीकर, १९३६, पृ. १२.
 - (म) - मन्त्रीपदद सोडकु- चारवाद,
 कर्नाटक मां कौ. कमिटी, १ भागा,
 १९३७, पृ. ७२
 हुचपवर, करिमप्पा - कर्मिस्त भारत.
 भागटी (चारवाद), दुधपवर करिमप्पा,
 २ भागे, १९३८, पृ. ३४.

संस्कृत पुस्तकें

अमिद्र - अहिंसायोग अथवा श्रीमोहनगीता
(सुरेन्द्रदेवीकृत आंगलानुवाद सहित). लाहोर,
मिनर्वा बुक डोपो, रु. ३-०-०, १९४४,
पृ. ८+१६८. वि

गांधी, मो. क. - गीता पदार्थकोष
(गीतानां पदोनो सार्थ स्थलनिर्देश).
अहमदाबाद, नवजीवन, ४ आने, १ आ.
१९३६, पृ. १६+२५७. वि

गांधीजीनी 'वांचनाराने विनंति' अने
कालेलकरना 'वे शब्दो' साथे,
- (अनु. श्री भगवदाचार्य) - व्रतविचार
(कुमारो सुभद्रा स्मारक पु. १). भरुच,
नरोत्तम जयन्तीलाल ध्यानी, १९३१, पृ.
४+५४. वि

चारुदेवशास्त्री - श्रीगान्धेचरितम् । लवपुरी,
रावी मुद्रणालय, रु. २-४-०, १ आ.
१९३१, पृ. १+१९६. वि

असि पुस्तकमें शुरूसे १९३०में
करोड़ोंसे नमक सत्याग्रहके समय गिरफ्तारी
हुअी अुस समय तकका गांधीजीचा चरित्र
संस्कृत गद्यमें दिया है ।

दीपचन्द्राचार्य (सं.) - वर्णव्यवस्था । काशी,
दीपचन्द्राचार्य, रु. १-८-०, १ आ.
१९३३, पृ. १६+२१९+६. वि

न्यायविजयजी, मुनि - विश्वभूति-स्वर्गारोहः
(श्री गांधीगुणगीताञ्जलि). पाटण, मुनिश्री
न्यायविजयजी, १९४८, पृ. १९. वि

भगवदाचार्य, स्वामीश्री - भारत पारि-
जातम् । बड़ोदा, स्वामी श्रीभगवदाचार्य,

रु. ३-८-०, १ आ. १९३८, पृ. ३८+
५३२. वि

छन्वीस सर्गात्मक काव्यमें गांधीजीका
१९३७ तकका महासभाने प्रधानपद
स्वीकारको संमति दी अुस समय तकका
चरित्र दिया है ।

२ आवृत्ति. बड़ोदा, महन्त श्रीरामदास,
रु. ५-०-०, १९४४, पृ. १४+३२०.
वि

- पारिजातापहार । बड़ोदा, महन्तश्री
रामदास, रु. ५-०-०, सं. २०००, पृ.
२५६ वि

- मोहनपञ्चाध्यायी, बड़ोदा, रामानन्द साहि-
त्य प्रचारक मण्डल, १९३१, पृ. ३६. वि
महाभिधु - गांधी प्रवहणम् (तदन्तर्गत
मेडकवहनंच) । राजकोट, ब्रह्मक्षत्री
डाह्यालाल आणंदजी पडिया, २ आने,
१९३३, पृ. ३२, गुजराती अनुवाद सहित ।

- ४१ श्लोक. वि
राव, श्रीमती क्षमा. - सत्याग्रहगीता
(संस्कृत पाठ). Paris, Libreria de
Amerique et d' Orient, रु.
१-८-०, १९३२, पृ. १३३+३. वि

शर्मा, डी. एस. - गांधीसूत्राणि. मद्रास,
जी. एस. प्रेस, रु. १-८-०, १९३८,
पृ. १५+१५२. वि

संस्कृतमें १८० सूत्र देकर अुनके
संबंधमें गांधीजीके लेखोंमेंसे अवतरण
(अंग्रेजीमें) दिये गये है ।

सिंधी पुस्तकें

गांधी, मोहनदास क (बनु आनंद
 दिगोराणी) - आध्यात्मवासी कण्ची, आनंद
 दिगोराणी, ५ अने, १९३८, पृ १९८ वि
 - (बनु आनंद दिगोराणी) - ओषर आहे !
 डा. आहे । कण्ची, आनंद दिगोराणी,
 १ पृ, १९३५, पृ १९ + १ वि

-(बनु आनंद * दिगोराणी) - गोताघोष.
 देवाचंद (पिब), आनंद दिगोराणी, ५ अने
 १९३४, पृ २९४ वि
 - (बनु आनंद दिगोराणी) - सरवदा मन्दिर
 मान. कण्ची, आनंद दिगोराणी, ४ अने,
 १९३५, पृ १६० वि

ENGLISH BOOKS

1. BIOGRAPHY

AIYER, H. R. - Mahatma Gandhi, Baroda.

AKKAD, B. J. - Mahatma Gandhi. (A Short Life of Gandhiji). Bombay, Vora and Co., Re. 1/8, 1946, pp. vi+91. V

ALVA, JOACHIN - Leaders of India (Rampart Library No. 2). Bombay, Thacker and Co., Re. 1/8, 1943, pp. 86. V

Life-sketch of Gandhiji, pp. 7-37. Reprinted from 'Men and Supermen of India'.

- Men and Supermen of India. Bombay, Thacker, Rs. 11/-, 1943, pp. x+403. V

Life-sketch of Gandhiji, pp. 107 to 138.

AMBEDKAR, B. R. - Ranade, Gandhi and Jinnah. Bombay, Thacker, Rs. 3/12, 1943, pp. viii+85. V

ANDLEY, C. B. - Gandhi the Saviour. Delhi, Andley Brothers, Rs. 5/-, 1933, pp. viii+102. V

ANDREWS, C. F. (Ed.) - Mahatma Gandhi: His Own Story. London, George Allen and Unwin Ltd., 12/6,

1930, pp. 350. Index, bibliography and illustrations. V

This is Mahatma Gandhi's 'Autobiography' rewritten and abridged by Shri Andrews. A chapter 'Conclusion' has been added by the editor.

- Mahatma Gandhi at Work: His Own Story Continued. London, George Allen, 12/6, 1931, pp. 407. Index, illustrations and bibliography. V

ANIRUDDHA - Children's Gandhiji. Lucknow, Universal Publishers, Re. 1/4, 1948, pp. 18. Illustrated. V

ATHLYE, D. V. - The Life of Mahatma Gandhi. Poona, Swadeshi Publishing Co., Rs. 3/8, 1923, pp. vii+311. V

BANNERJI, N. C. - Prophets and Patriots. Calcutta.

BAROS, JAN (Ed.) - Mahatma Gandhi [Pictorial History of a Great Life]. Calcutta, J. Baros—Czechoslovak Society, Rs. 15/-, 1948, pp. viii+233 photographs+xxviii.

The book contains the Pictorial History of Gandhiji and an essay on his life and work. Both English and

Hindi descriptions are given below the photographs

BERNAYS, ROBERT - The Naked Fakir London, Victor Gollancz, 10/6, 1932, pp 351

BOLTON, GLORNEY - The Tragedy of Gandhi London, George Allen, 10/6, 1934, pp 326 Index V

BOOKWALA (R. P) And Co (Pub) - Gandhi's Fast, Diary Lahore, 8 as
- Gandhi's Great Fast. Lahore, Rs. 1/-

- Mahatma Gandhi (A Short Biography) Lahore, 6 as.

BOODHUN, R. K. - The Spiritual Triumph of Gandhi Maharaj [Being Reflections on the Spiritual and National Significance of the Life and Doctrines of the Mahatma]. Port Louis (Mauritius), R. K. Boodhun, 1943, pp. xiv+114.

BRIGHT, J. S. - Gandhi Is India Lahore, Indian Printing Works, Rs 5/8, 1947, pp 312

- The Woman behind Gandhi: Lahore, Paramount Publications, Rs 3/-, 1944, pp vii+160

Life of Kasturba Gandhi
Gandhi's thoughts on problems relating to women are given in an appendix, 'Gandhi Faces the Fair Sex'

BRIJNATH - See Sharga, P
Brijnath

BROWN, ERMINE A. (Ed.)
- Eminent Indians Calcutta, Shanti Mitra, Rs 5/-, 1916, pp viii+214 V

Sketches of twenty eminent Indians Gandhi's sketch pp 1-16 Portrait and bibliography

BRYANT, JOHN FORBES - Gandhi and the Indianization of the Empire Cambridge, J Hall and Son, 1924
Contains the history of the years 1919-1924

CARNEGIE, DALE - Little-Known Facts about Well-Known People Bombay, Vora and Co, Ind ed 1917, Rs 4/12, pp 235 V
Mahatma Gandhi, pp. 67-71

CASELL and Co (Pub)
- Great Contemporaries. Essays by Various Hands. London, 8/6, 1935, pp 464 V
Essay on Mahatma Gandhi by George Slocombo, pp 136-150

CATLIN, GEORGE - In the Path of Mahatma Gandhi London, McDonald and Co. 15/-, 1948, pp. 332 Illustrated V

CAXTON PRESS (Pub)
- Mahatma Gandhi as Viewed by Eminent Men With Mahatma Gandhi's views on Prayer Bangalore, 2 as, 1932, pp 42 V

CHAKRAVARTY, AMIYA - Mahatma Gandhi and the Modern World. Calcutta, The Book House, 12 as., 1945, pp. 13. V

CHATTERJEE, B. C. - Gandhi or Aurobindo. Calcutta, The Sarswati Library, 12 as., 2 ed. 1921, pp. vi+78. V

CHATTERJEE, BIJOY LALL - Gandhi: Champion of the Proletariat. Calcutta, Prakashani, Re. 1/8, 1944, pp. 72.

CHATTERJEE, LALIT MOHAN - Representative Indians. Calcutta, A. C. Dhar, The Popular Agency, Rs. 2/-, 1931, pp. vi+245. Illustrated. V

Gandhiji's life-sketch, pp. 146-184.

CHITAMBER, J. R. - Mahatma Gandhi: His Life, Work and Influence. Philadelphia, 1933.

CONSUL, GOVIND DASS - Mahatma Gandhi the Greatest Rogue of India. (Garcon Series.) Delhi, National Publishers, Rs. 2/-, 1939, pp. 161.

DANGE, S. A. - Gandhi versus Lenin. Bombay, 1921.

DARA, G. S. (Pub.) - Mahatma Gandhi. Oxford.

DAS FRIEDA S. - Gandhi: A Portrait from Life. New York, 1931.

DESAI, KANU and ELVIN,

VERRIER-Mahatma Gandhi: Sketches in Pen and Pencil by Kanu Desai and an Essay by V. Elvin. Bombay, D. B. Taraporewala, Rs. 3/-, 1932, pp. 29, 13 illustrations. V

DESAI, MAHADEV - Gandhiji in Indian Villages. Madras, S. Ganesan, Rs. 3/-, 1927, pp. vii+349. V

- How Does Mahatma Gandhi Live at Sevagram? Shrirangam, 1940.

Reprint of articles published in the Illustrated Weekly of the Times of India, Bombay.

- With Gandhiji in Ceylon. A Journal of the Tour with Authorized Version of All Important Speeches. Madras, S. Ganesan, Re. 1/8, 1928, pp. vii+159 with illustrations. V

DEWAN'S PUBLICATIONS (Pub.)-Portraits and Personalities. Lahore, Rs. 5/-, 1945. V

Contains twelve biographies including one of Gandhiji, covering 16 pages. Each biography also sold separately at 6 as.

DHANAPALA, D. B. - Eminent Indians. Bombay, Nalanda Publications, Rs. 7/4, 1947, pp. vi+180. 12 illus. V

Contains sketches of 16 Indians and one Ceylonese. Gandhi, pp. 1-19.

DHANACHANDRA MISS
- Kasturba Gandhi. Lahore
Free India Publications
12 as 1945 pp iv+44

DOKE JOSEPH J - Mr
Gandhi An Indian Patriot
in South Africa Madras
G A Natesan and Co Rs
1 Ind ed 1919 pp vii+
103 V

Introduction by Lord
Amphill Brings the story
of Gandhiji's life upto
October 1908

DURANT WILL - The Case
for India New York Simon
and Schuster \$ 2.00 1930
pp xi+232 (Cheap Indian
edition Rs 1/) V

Gandhiji's character sket
ch and estimate in chap. 2
pp 57 to 118

FISCHER LOUIS - Gandhi
and Stalin Two Signs at the
Crossroads Delhi Rajkamal
Publications Rs 6/8 1947
pp iv+147 V

- I Lived with Gandhi
Bombay International Book
House Rs 1/8 1948 pp 9 V

A reprint of an article of
Fischer in Look Magazine

- A Week with Gandhi
London George Allen & S.
1948 pp iv+122 Introduc
tion by Carl Heath V

Indian edition by Interna
tional Book House Bombay
Rs 3/-

FISHER, FREDERICK B - The
Strange Little Brown Man,
Gandhi New York Long
and Smith 1932

FRIENDS and FOES - M. K.
Gandhi The Man of the
Moment (Swaraj Series
No 5) Calcutta Saraswati
Library 12 as. 1941 pp
120 V

On front page wrapper
the title of the book is given
as M. K. Gandhi the
Greatest Man of the Age

FULLOP-MILLER RENE -
Gandhi the Holy Man.
London G. P. Putnam's
Sons Popular ed 36.
1931 pp 191 Bibliography V

This is a reprint of the
part dealing with Gandhi
from the author's 'Lenin and
Gandhi

- Lenin and Gandhi London
and New York G. P. Put
nam's Sons 21/ (?) 1927.
pp xiv+343 Bibliographies

GANDHI, DHIREN and
VENKATACHALAM G -
Prayer and other Sketches
of Mahatma Gandhi and
the Moods of the Mahatma
Bombay Nalanda Publica
tions Rs 3/ , 1946 pp 4
and 6 plates. V

GANDHI M. K. (Tr Mahadev
Desai) - An Autobiography
or the Story of My Experi
ments with Truth. Ahmed

abad, Navajivan Publishing House, 1 ed. 2 vols; Rs. 5/8 each., Vol I, 1927, pp. xii+602; Vol II, 1929, pp. xii+608. 2 ed. two volumes in one, 1940, pp. xvi+636, 10 illus., and index. 3rd impr., 1947, Rs. 6/-. V

-(Ed. Mahadev Desai) - My Early Life. Bombay, Oxford University Press, Re. 1/-, 1932, pp. xii+161. V

-(Ed. M. S. Kohli) - Mahatma Gandhi's Confessions. Lahore, Associated Publications, Rs. 2/-, 1943, pp. 116. V

Gleanings from Gandhiji's Writings.

- My Jail Experiences. Madras, Tagore and Co., 1920.

GANĒSH and Co. (Pub.)

- Heroes of the Hour: Mahatma Gandhi, Tilak Maharaj, and Subramania Iyer. Madras, Rs. 3/-, 1918, pp. xxvi+284+ii. V

- The Indian Nation Builders Pt. III. Madras, Re. 1/8, 4 ed. pp. vii+466. V

. Sketch of Gandhiji, pp. 33 to 83.

- Mahatma Gandhi: His Life, Writings and Speeches. Madras, 1 ed. 1917; 3 ed. 1921, Rs. 2/-, pp. xiv+444. Foreword by Sarojini Naidu. V

GANESAN, S. (Ed.) - Gandhi Diamond Jubilee Number.

Madras, 1929, pp. 255 to 307.

GANPATRAI, LALA - Gandhi and Kasturba: The Story of Their Life. Lahore, Kasturba Memorial Publications, Rs. 5/-, 1944, pp. 156.

-(Ed) - Mahatma Gandhi: Builder and Liberator. Lahore, National Publishers and Stationers, Rs. 4/4, pp. iv+189. V

Foreword by Gopichand Bhargava. A collection of 29 articles by various hands on different aspects of Gandhiji's life.

GAUBA, KANAIYALAL - Famous and Historical Trials. Lahore, Lion Press, Rs. 6/-, 1946, pp. iv+423. V

The Trial of Gandhiji (1922), pp. 23 to 42.

GEORGE, P. V. - The Unique Christ and the Mystic Gandhi. Tiruvalla, The Malabar Christian Office, Rs. 2/8, 1933, pp. 240. V

GOSWAMI, T. - The Psychology of Gandhi. London.

GRAY, R. M. and PAREKH, M. C. - Mahatma Gandhi: An Essay in Appreciation. (Builders of Modern India Series). Calcutta, Association Press, Rs. 2/4, 2nd ed. 3rd impr., 1931, pp. vi+140. Bibliography and index. V

GUHA, S. C. (Ed.) - Gandhi. Mahatmya Vol. I. An Antho-

logy of Appreciations from All
Quarters of the Globe
Calcutta Bharat Grantha
Bhandar Re 1 1922 pp
ii+233 Foreword by Upen
dranath Basu V

GUPTA J P (Ed) - He Follo
wed Christ (Unity Series
No 3) Bombay Hamara
Hindustan 8 as 1942 pp
x+39 V

Forewords by the Lord
Bishop of Calcutta and Dr
Radhakrishnan The booklet
contains a few of Gandhiji's
utterances and two short
essays on Gandhiji by John
Gunther and Prof H C
Mukerjee

GUPTA NAGENDRANATH
Gandhi and Gandhism
(Sidelights on the National
Movement in India No 1)
Bombay Hind Kitabs Rs
3 1945 pp iv+125 V

HADLEY EDWARD S (Pub)
The Trial of Mahatma
Gandhi the Santly Leader
of India's National Aspira
tions London 1922

HALL JOSEPH W (UPTON
CLOSE) Eminent Asians
London and New York
Appleton & Co 1929 21/

HART Lt COL E J
Gandhi and the Indian
Problem London Hutchin
son & Co Rs 2/ 1940
pp 155 V

HEATH CARL - Gandhi On
slow Gulsford Carl Hesth.
63 1st ed 1932 pp 30 V
- Gandhi London George Allen.
2/ 1914 pp 30 (demi) V
Indian edition published
by Agarwal & Co Agra, Re
1/8 1946 pp 55

HENDERSON ARCHIBALD
- Contemporary Immortals
London and New York D
Appleton & Co 10 6

Contains biographical
sketches of thirteen well
known figures including
Gandhiji

HERO PUBLICATIONS (Pub)
Gandhi in Arms Lahore
12 as 1912 pp 48 V

HINDUSTAN TIMES (Pub)
- Memories of Bapu New
Delhi Rs 5/ 1918 pp 96

The book consists of
illustrations of Gandhiji on
art paper with explanatory
notes below

HOGG DOROTHY - The Moral
Challenge of Gandhi
Allahabad Kitab Mahal 8 as.
1st Ind ed 1946 pp 38

Gandhi depicted as the
saviour of humanity He
alone abides while others
perish

HOLMES JOHN HAYNES
- THE Christ of Today
Madras Tagore & Co 1922
- Gandhi before Pilate New
York The Community Church

- Pulpit series No. 17, 1930.
 - I Meet Gandhi. New York,
 The Community Church, 1932.
 - Who Is the Greatest Man
 in the World Today? New
 York.
 - What Gandhi Might Do
 For America.

HOLMES, JOHN HAYNES AND
 HERRINGTON, DONALD
 - Mahatma Gandhi. (Memo-
 rial service). New York, The
 Community Church.

HOSSAIN, SYED - Gandhi:
 The Saint as Statesman.
 Los Angeles, Suttonhouse
 Ltd., \$ 2.00, 1937, pp. 68.
 Cheap ed. Rs. 1/12. V

HUNTER, A. A. - Three Trum-
 pets Sound: Kagawa,
 Gandhi and Schweitzer.
 New York, 1939.

IQBAL ALI SHAH, SARDAR
 - The Controlling Minds of
 Asia. London, Herbert
 Jenkins, 1st ed. 1937, pp. 311.
 Illustrations.

Gandhi pp. 49-84. The
 account of Gandhi hardly
 does justice to the subject,
 being prejudiced and contain-
 ing distortions of facts.

ILAMI MARKAZ (Pub.) - What
 Gandhi Has Done for India:
 Being a Collection of Articles
 on Gandhiji's Life and Work.
 Lahore, Ilami Markaz, Y. M.
 C. A., Rs. 3/4, 1946, pp. vi
 +184. V

'INDIA ON THE BRINK',
 AUTHOR OF - A Searchlight
 on Gandhi. London, P. S.
 King & Son, 6/-, 1931, pp.
 139+xxiii. V

INDIAN OPINION - Golden
 Number of 'Indian
 Opinion'. Souvenir of the
 Passive Resistance Movement
 in South Africa, 1906-1914.
 Phoenix (Natal), Indian Opi-
 nion Office, Rs. 1/4, 1914,
 pp. 30+24+vi. V

Profusely illustrated. Con-
 tains Articles in English,
 Gujarati and Tamil.

JAISINGHANI, A. H. (Ed.)
 - Mahatma Gandhi: A
 study. (Akbar Ashram Tract
 No. 7). Karachi, Akbar
 Ashram, 2 as, 1931, pp. ii+
 27. V

JAMES, EDWARD HOLTON
 - Gandhi or Cæsar? Boston,
 Citizens' Gandhi Committee,
 25 Cents 1930, pp. 32.

- Gandhi the Internationalist.
 Boston, 1930.

JANMABHUMI - Gandhi Dia-
 mond Jubilee Number.
 Madras, Janmabhumi, 1929.

JAPETH, M. D. - The Truth
 about Gandhi. Bombay,
 Mody's Diamond Printing
 Works, Re. 1/8, 1st ed. 1940,
 pp. iv+87. V

KAILA, HARIS CHANDRA -
 Mahatma Gandhi - A Study.
 (Being a study of what he

- is and what he loves and preaches) New Delhi: A N Anand & Co 10 as pp vi +62
- KANETKAR M J - Tilak and Gandhi (a comparative character sketch) Nagpur M J Kanetkar 12 as 1935 pp viii+74
- KARAKA D F - Out of Dust Bombay Thaker Rs 5 8 1ed 1940 pp xii+iii+301 V
- KHANNA R. N (Ed) - Gandhi Through Foreign Eyes Lahore Allied Indian Publishers 6 as
- Gandhi Through Indian Eyes Lahore Allied Indian Pub 6 as 1944 pp 18 V
- Kasturba Gandhi's Last Hours Lahore Kasturba Memorial Publications 6 as 1944 pp 17
- KING P S and Son Ltd (Pub.) - India on the Brink London
- KRIPALANI K R. - Tagore Gandhi and Nehru Bombay Hind Kitabs Re 1/8 1947 pp iv+104 V
- KRISHNA DAS - Seven Months With Mahatma Gandhi Being an Inside View of the Non Co-operation Movement (1921-22) Vol I Madras S Ganesan Rs 3/ 1928 pp xi+449 V
- Vol II Dighwara (Bihar) Rambhadracharya Sinha Rs 3/ 1928 pp xi+471+18+ix Index V
- KRISHNAMURTI Y G - Salute the Mahatma Madras Gandhi Era Publications Re 1/ 1946 pp 27 V
- Foreword by S Radha krishnan
- KUMARAPPA BHARATAN - On Tour with Gandhi (Nov 30 1945 to Feb 4 1946) Aundh Aundh Publishing Trust Re 1/ 1947 pp 48 V
- KURUP, T C K. - Gandhi and Indian Regeneration Madras New Herald Office
- Contrasts Gandhi's policy with that of the moderates
- LAHIRI P C - In Search of Truth [A Picture Album depicting a few eventful landmarks from the Life of Mahatma Gandhi] Calcutta A Mukherjee Rs 3/ 1947 pp 95 V
- LESTER MURIEL - Entertaining Gandhi London Ivor Nicholson and Watson 5/ 1932 pp vi+246 V
- Gandhi World Citizen Allahabad Kitab Mahal Rs 5/8 1945 pp 201 V
- My Host the Hindu London Williams and Morgate 1931
- LOKAPRAKASHANA Co Ltd (Pub.) - Gandhi after Release An album of selected pictures and photographs Ahmedabad 1945

MEHERALLY, YUSUF - Leaders of India, Pt. II. Bombay, Padma Publications, Re. 1/-, 1946, pp. 79. V

Sketch of Gandhiji, pp. 9-20.

METHA, P. J. - M. K. Gandhi and the South African Indian Problem. Madras.

MENON, K. P. KESHAV (Ed.)

- The Great Trial of Mahatma Gandhi and Mr. Shankerlal Banker. Madras, Ganesh & Co., 6 as, 1922, pp. xii+71. Foreword by Sarojini Naidu. V

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING, GOVERNMENT OF INDIA.

- Homage to Gandhi. Delhi, Re. 1/-, 1948, pp. 69. V

A booklet containing tributes and messages received from the U. K., U. S. A., China and other countries, following Gandhiji's assassination.

- Tributes to Gandhiji [A. I. R. Homage to Mahatma Gandhi]. Delhi, Re. 1/8, 1948, pp. 112. 15 photographs and illustrations. V

Contains some of the tributes broadcast to the memory of Mahatma Gandhi.

MORA, E. S. - Pictorial Life Sketch of Gandhiji, the Living Saint of India. Bombay, Vakil and Sons.

Preface by K. M. Munshi 'କି ଗାନ୍ଧି କିଏ ତ ?' (Who is this Gandhi?)

MUNSHI, K. M. - Gandhiji the Master (Gandhi Academy Series). Bombay, Popular Book Depot, 6 as, 1944, pp. 14. V

- Gandhi the Master. Delhi, Rajkamal Publications, Rs. 4/8, 1948, pp. 96. V

Collection of articles including 'Gandhi the Master' listed above.

- I follow the Mahatma. Bombay, Allied Publishers, Rs. 2/8, 1940, pp. viii+200, index. V

A narrative of the author's personal reactions to Gandhiji and his activities, containing an estimate of his work and his views.

MUZUMDAR, HARIDAS T. - Gandhi the Apostle. Chicago, Universal Press, 1923.

- Gandhi Triumphant: The Inside Story of the Historic Fast. New York, Universal Publishing Co., \$ 1.00, 1939, pp. 103.

- Gandhi versus the Empire. New York, Universal Publishing Co., \$ 3.50, 1932, pp. 352 (royal), illustrated. Foreword by Will Durant.

NAIR, SIR. SANKARAN - Gandhi and Anarchy.

Madras, Tagore & Co Rs 2 8
2 ed 1972 pp. xiv+262 V
NATARAJAN K. - Mahatma
Gandhi Bombay Indian
Social Reformer 8 as

A brief sketch of Gandhi's
life and public activities with
special reference to Non
Co operation

NATESAN G A & Co (Pub)
Mahatma Gandhi - The
Man and His Mission Madras
Re 1/ 1st ed 1910 10th ed
1943 Rs 2 pp xvi+330 V

An enlarged and upto-date
edition of his life and teachings
with an account of his acti-
vities and appreciations
by Shastri Polak etc The
life sketch was originally
written by Mr Henry S L
Polak in 1910 The publishers
have made it upto-date with
the issue of every subsequent
edition

NATIONAL LITERATURE
PUBLISHING Co (Pub)
- Mahatma Gandhi (The
World's Greatest Man) With
an appreciation by Jaypatrai
Bombay N L P Co Rs
1 1929 pp vi+133 V

Contains tributes from
various quarters

NEHRU Pt JAWAHARLAL
- Nehru on Gandhi New
York John Day \$2 00 1948
pp 160

OXFORD UNIV PRESS (Pub)

- M K Gandhi (Leaders
of Modern India Series for
Juvenciles) Bombay, 4 as
1940 pp 48 V

PAGE KIRBY - Is Mahatma
Gandhi the Greatest Man
of the Age? New York City
Kirby Page 15 Cents 1922
pp ii+64 V

A biographical interpreta-
tion and an analysis of the
political situation in India
- Mahatma Gandhi and His
Significance

PAREKH M C and GRAY.
R M See Gray & Parekh
PAUL, (B G) and Co (Pub)
- Gandhi in England and
the Proceedings of the Second
Round Table Conference.
Madras Re 1/8 1932 pp
viii+240

PIDDINGTON A B - Bapu
Gandhi London 1970 (?)

POLAK HENRY, S. L. - Maha-
tma Gandhi Madras 1930
- Mahatma Gandhi's Arrest
and the Event's Leading up to
It London Indian Concilia-
tion Group 6 d 1932 pp
37 Foreword by the Dean
of Canterbury V

POLAK, Mrs MILLIE
GRAHAM - Mr Gandhi
The Man London George
Allen 3/6 1931 pp 186
Foreword by C F Andrews
V

PRABHU R. K. (Ed) - Sat

- Kasturba. Bombay, Hind Kitabs, Re. 1/4, 1944, pp. 87. V
- PYARELAL - The Santiniketan Pilgrimage (Dec. 1945). Santiniketan, Santiniketan Press, 10 as., 1946, pp. 16. V
- Pages 33 to 48 of Vishva-bharati News, Feb. 1946.
- RADHAKRISHNAN, S. (Ed.) - Mahatma Gandhi : Essays and Reflections on His Life and Work. Presented to Him on his Seventieth Birthday, October 2, 1939. London, George Allen, 7/6, 1939, pp. 382. V
- Contributions by well-known figures in different walks of life. Also a few extracts from Gandhiji's writings and speeches.
- Indian ed. Kitabistan, Allahabad, Rs. 9/-, 1944.
- RAMACHANDRA, G. - A Sheaf of Gandhi Anecdotes. Bombay, Hind Kitabs, Re. 1/4, 1 ed. 1945, pp. viii+56. V
- The Man Gandhi. Madras Gandhi Era Publications, Re. 1/4, 1947, pp. 79. Introduction by Radhakrishnan.
- RAMACHANDRA RAO, P. R. - The Tribunes of the People. Bombay, New Book Co., Rs. 3/14.
- RAMAN, T. A. - What Does Gandhi Want? Toronto, 1943.
- "A collection of garbled extracts from the 'Harijan'." British anti-Indian propaganda during the war indulging in mud-slinging at Gandhiji.
- RAMANATHAN, S. - Gandhi and the Youth. Madras, S. Ramanathan, Re. 1/8, 2 ed. 1947, pp. viii+112. V
- A bitter critique of Gandhiji and his teachings and activities.
- RAM MOHANLAL (Pub.) - Gandhi - The Greatest Man of the World. Vols. 1-3. Allahabad, Re. 1/-, each, 1931.
- Gandhi - Album. Parts 1-3. Allahabad, 9 as. each, 1931.
- M. K. Gandhi : A Collection of Opinions of Famous Westerners.
- RAMULU, (M. S.) and Co. (Pub.) - Mahatma Gandhi (Ramulu Pamphlet series) Madras, 2 as. pp. 46. V
- RAWLINSON, H. G. - The Makers of India. Bombay, Oxford Univ. Press, 15 as. 1942, pp. 78. V
- Mahatma Gandhi, pp. 60-78.
- RAY, SATYENDRA - Mr. Gandhi (in the World To-morrow No. 1922)
- REYNOLDS, REGINALD - India, Gandhi and World Peace. London, Friends of India, 6 as. 1931, pp. 26. V

REZA - UL - KARIM - Mother
Kasturba Gandhi Calcutta
Chuckervertty Chatterjee &
Co Rs 1/8 1944 pp iv +
64 V

Most of these lines have
been adapted from different
authors says the author in
his preface Quite true!

ROLLAND ROMAIN - Maha
tma Gandhi The Man Who
Became One with the
Universal Being London
Swarthmore Press 3 6 V

Indian edition translated
by L. V. Ramaswami Aiyer
under the title Mahatma
Gandhi A Study in Indian
Nationalism Madras S
Ganesan Rs 1.8 1925 pp
vi + 140 with bibliography V

ROWE J G - Gandhi The
Mahatma London Epsworth
Press 9 6 1931 pp 120

ROY DILIP KUMAR - Among
the Great Conversations
with Rolland Gandhi Russell
Tagore and Aurobindo
Bombay Nalanda Publica
tions Rs 10/ 1945 pp
xx + 330 V

The second edition con
tains an introduction by S
Radhakrishnan

SARMA D S - Studies in the
Renaissance of Hinduism
in the Nineteenth and
Twentieth Centuries Bena
res Benares Hindu University

Rs 15/ , 1944 pp xii + 656
Bibliographies and Index. V
Ch X Mahatma Gandhi
Satyagraha in South Africa
Ch. XI Satyagraha in India.
pp 402 to 694

SASTRI The Rt HON V S
SHRINIWAS (Ed T N
Jagadisan) - THUMBNAIL
SKETCHES A Collection from
the Writings and Speeches of
Sastri Madras S Viswasa
than Rs 4/ 1946 pp. vi
+ 253

19 sketches of eminent
Indians etc including one
of Mahatma Gandhi (pp
213 to 231)

SAUNDERS KENNETH - The
Heritage of Asia. London
Students Christian Movement
Press 3/6 1932 pp. 224 V
Mahatma Gandhi pp 129
143

- Whither Asia. A study of
three Leaders — Gandhi Hu
Shih and Kagawa. New York.
McMillan 8 6 1933 pp.
vi + 331 V

Mahatma Gandhi and
the Indian Ideal of Saint
hood , pp 31 to 66

SEN ELA - Gandhi A Biogra
phical Study Calcutta
Sushil Gupta Rs 4/8 1945
pp viii + 187 V

- Testament of India London
George Allen 7/6 1939 pp.
296 V

- Contains life sketches of eminent Indians and chapters on some national problems. Sketch of Gandhi, pp. 17 to 34.
- **Wives of Famous Men** (Rampart Library 15). Bombay, Thacker & Co., Re. 1/8, 1943, pp. 104. Foreword by Arthur Moore.
- Kasturba Gandhi, pp. 20-28.
- SENGUPTA, B. and CHOWDHURY, R.** - Mahatma Gandhi and India's Struggle for Swaraj. Calcutta, Modern Book Agency, Rs. 2/8, pp. xvi + 254 + 112.
- SENGUPTA, Mrs. PADMANI** - Some Indian Leaders. Allahabad, Ram Narain Lal, Re. 1/-, 1945, pp. iv + 130. Gandhi, pp. 55 to 66.
- SETH, H. L.** - Gandhi Nationalist or Internationalist. Lahore, Indian Printing Works, Rs. 2/8, 1944, pp. 136.
- SEVENTEEN CONTRIBUTORS** (Ed. C. P. Shukla) - Gandhi as We Know Him. Bombay, Vora and Co., Rs. 3/4, 1945, pp. 145. V
- SHARGA, P. BHRIJNATH** - Gandhi. Vols. I & II (Rebels or Redeemers Series). Lucknow, The Upper India Publishing House, Rs. 3/-, Vol. I, 1932; Vol. II, 1933, pp. viii + 436 + ii. Bibliography. V
- SHESHADRI and SONS (Pub.)** - Gandhi and Tagore. Madras, 1922.
- SHIKHARE, D. N.** - Gandhi Greetings. Poona, D. N. Shikhare, 8 as, 1944.
- SHRIDHARANI, KRISHNALAL** - The Mahatma and the World. Bombay, Thacker & Co., Rs. 3/-, 1st Ind. Cheap ed. 1946, pp. viii + 207. V American Ed., New York, Duell, Sloan and Pearce.
- SULTAN AHMAD, SYED** - Two Lectures on Mahatma Gandhi, Re. 1/—.
- SUNDAY TIMES (Pub.)** - Gandhiji in the Battlefield (My motherland series). Madras.
- Mahatma Gandhi, Superman of the Age (My motherland series). Madras.
- THOMAS, HENRY** - The Story of the Human Race: A Biographical Outline of History. Garden City (New York), Garden City Publishing Co., \$ 1.95, 1937, pp. xvi + 560. "Written with a bias against oppression and in favour of peace." Gandhi, pp. 515-528.
- THOMAS, K. P.** - Kasturba Gandhi: A Biographical Study (The Great Little Woman of India). Calcutta, The Orient Illustrated Weekly, Rs. 2/-, 1944, pp. 96. With a short memoir by Mrs. V. L. Pandit.

TIMES of INDIA (Pub) - One Hundred Great Lives (Home Library Club) Bombay 1939 Rs 7/8 pp viii + 760 V

Life of Gandhiji pp 314 to 302

TODD ARTHUR J - Three Wise Men of the East and Other Lectures Minneapolis The University of Minnesota Press \$2 50 1927 pp x+240

Sketches of Gandhiji Tagore and J C Bose pp 1 to 47
The author pronounces judgement in favour of Tagore as against Gandhiji

VEILLIER JULIETTA Mahatma Gandhi (His Trial - An Idealistic Policy in the Twentieth Century) Madras Ganesh & Co Re 1/4 1928 pp ii+53 V

An address delivered in French at the opening of the Conference des Advocates on Dec 5 1926

V V M - Gandhi is India Bombay C Shantilal and Co Re 1/12 1943 pp 78 V

WADIA P A - Mahatma Gandhi (A Dialogue in Understanding) Bombay New Book Co 2 ed 1939 Re 1/8 pp iv+73+iii index V

WALKER ROY - Sword of

Gold A Life of M K Gandhi London Indian Independence Union 76 1945 pp 200 V

WATSON MISS BLANCHE (Compiler) - Gandhi and Non violent Resistance. See Section II

WEBER J A - Gandhi (How They Did It - Life Stories Series) London Pallas Publishing Co 1/ 1939 pp 126 illustrated V

WILLIAMS L F RUSHBROOK (Ed) - Great Men of India. (Home Library Club) Bombay Times of India Rs 5 8 1939 pp 640 V

Biographical Sketch of Gandhiji by H S L and M G Polak pp 314 337, besides many other sketches of importance which touch Gandhiji's life philosophy and activities

YAGNIK INDULAL - Mr Gandhi as I Know Him [A book containing a detailed review and criticism of the principles and activities of Mr Gandhi from 1914 to 1922] Bombay Advocate of India Press Re 1/8 1933 pp 234

- Gandhi as I Know Him Part II (1923 1939) Re 1/8 pp iv+157

II. SATYAGRAHA, NON-VIOLENCE, PACIFISM ETC.

ADHIKARI, G. - Gandhism: A Review. Bombay, 1940.

AGARWALA, A. N. - Gandhism: A Socialist Approach. Allahabad, Kitab Mahal, 12 as.

ALLEN, D. (Ed.) - Pacifism in the Modern World. New York, Doubleday, Doran & Co., 1929.

Contains among other things an essay 'Does Non-Cooperation Work?' by Fenner Brockway.

ANDREWS, C. F. - Mahatma Gandhi's Ideas. Including Selections from His Writings. London, George Allen, 12/6, 1929, pp. 382, index and bibliography. V

-The Meaning of Non-Cooperation. Madras, Tagore & Co., 12 as, 1922, pp. 48. V

-Non-Cooperation and Other Writings. Madras, Ganesh and Co., 8 as, 1922, pp. 49. V

ANGELL, SIR NORMAN.- The Intelligent Man's Way to Prevent War. London, 1933.

ARYAN PATH - Special Hind Swaraj Number, Sept. 1931. Bombay, Theosophy Co., 12 as, 1938, pp. 421 to 476. V

ASAF ALI - Constructive Non-Cooperation. Madras, Ganesh & Co., 8 as, 1921, pp. vi+73. V

AUSTIN, H. W. - Moral Re-armament: The Battle for Peace. London, William Heinemann, 6d, 1939, pp. 64. V

BANDOPADHYAYA, NRIPENDRA C. - Gandhism in Theory and Practice. Madras, Ganesh & Co., Re. 1/-, 1923, pp. x+175. V

This book is a sequel to the author's 'Ideal of Swaraj'.

BASU, NIRMAL KUMAR - Studies in Gandhism. Calcutta, Narendranath Chatterjee, 1st ed. 1940, Rs. 2/-, pp. vi+113; 2nd ed. 1947, Rs. 7/8, pp. viii+358, Association Publishing Co. Ltd. References and Bibliography. V

BHAGWANDAS, BABU - The Philosophy of Non-Cooperation. Madras, Tagore & Co., 1922.

BRAILSFORD, H. N. - Property or Peace? London, Victor Gollancz, 2/6, 1936, pp. 327.

BROWN, H. R. - Cutting Ice: A Brief Survey of War Resistance and the International. Middlesex, War Resisters' International, 6d, 1930. pp. 61. V

BROWN, WILLIAM - War and the Psychological Condition of Peace. London, 1942.

BUCH M A - Rise and Growth of Indian Nationalism - Non-violent Nationalism Gandhi and His School

See Section on Current History

CASE CLARENCE M - Non-Violent Coercion A study in the Methods of Social Pressure London George Allen 10/6 1923 pp viii+423 V

COMMUNIST PARTY of GREAT BRITAIN (Pub) - Is India Different? London 1927 pp 35. Foreword on the class struggle in India by C P D

Contains correspondence between Saklatwala and Gandhi

DASGUPTA, ARUNCHANDRA - Non Violence the Invisible Power Its Primordality Practicability and Precedents Calcutta Khadi Pratisthan 1 ed 1946 Rs 1/8 pp vi+130 V

DE LIGHT BART - The Conquest of Violence London George Routledge 7/6 1937, pp xi+306 Introduction by Aldous Huxley V

Desai Mahadeo - Gandhi Seva Sangh Lahore Dewan's Publications, 6 as 1943 pp 31 V

An article from the pen of M D giving the report of the Sangha's Annual Gathering held at Malikanda in Bengal in 1940 A reprint from the *Harijan*

-The Gospel of Selfless Action or the Gita according to Gandhi (Translation of the original in Gujarati with an additional introduction and commentary) Ahmedabad, Navajivan, Rs 4/, 1946 pp vi+390 Foreword by Gandhi V

DHAWAN, G N - The Political Philosophy of Mahatma Gandhi Bombay, Popular Book Depot Rs. 8/8, 1946, pp xvi+354+1 Bibliography and index. Foreword by Radhakrishnan V

DIWAKAR, R. R. - Satyagraha Its Technique and History Bombay, Hind Kitabs Rs. 5/12 1946 pp xxiv+202 Bibliography and index. Foreword by Dr Rajendra Prasad and Prefatory Observations by Shri K G Mashruwala. V

DURANT, WILL - The Meaning of Life New York, Long and Smith 1 50 \$ impr 1932 pp viii+144 V

Gandhi's answer to Durant's query, pp 83-84

ELVIN VERRIER - Christ and Satyagraha

FAULKNER, T. R. and TOWILL, E. S. - Pacifism for To-day and To-morrow. See Towill and Faulkner below.

GANDHI, M. K. - The Early History of Satyagraha (Appeared monthly in 'Current Thought' beginning with Octo. 1924). Madras, S. Ganesan, 8 as.

- (Ed. Dewan Ram Parkash).
- Gandhi's Non-Violence. Lahore, Dewan's Publications, Re. 1/-, 1944.

"A Collection of Gandhiji's Views on Non-Violence expressed mostly as replies to correspondents".

- Non-Violence in Peace and War. Ahmedabad, Navajivan, 1 ed. 1942, Rs. 4/-; 2 ed. 1944, Rs. 7/-, pp. xii+589, Index. Introduction by Mahadeo Desai. V

An authoritative and comprehensive collection on the subject.

- Rowlatt Bills and Satyagraha. Madras, Natesan, 1919.

- Satyagraha 1910-1935. (Congress Jubilee Brochures No. 1). Allahabad, A.I.C.C., 1935.

- Satyagraha (Bombay Home Rule Series No. 9). Bombay, Home Rule League, pp. 8.

Gandhi, M. K. and Maurice, M. S. - The Ethics of Passive Resistance (and

Satyagraha) See Maurice, and Gandhi below.

Gandhi SEVA SANGH: The Constitution and Bye-laws of the Gandhi Seva Sangh Wardha, R. S. Dhotre, 2 as, 1935, pp. 22. V

GREGG, RICHARD B. - A Discipline for Non-Violence. Ahmedabad, Navajivan, 6 as, 1st Ind. ed. 1941, pp. 42. V

- Gandhiji's Satyagraha or Non-Violent Resistance. Madras, S. Ganesan, Rs. 2/8, 1930, pp. xvi+354. V

- Gandhism Vs Socialism (The John Day Pamphlets, No. 17) New York, The John Day Company, 25, 1932, pp. 30.

The author maintains that "Gandhism is psychologically wiser and more effective than Socialism, not only as a new means of revolution, but also as a longtime mode of life and social organization."

- Gandhism and Socialism: A Study and Comparison. Madras, S. Ganesan, 2 as, 1931, pp. 40. V

- Pacifist Programme in Time of War, Threatened War or Fascism. Wallingford, Pendle Hill, 10

- The Power of Non-Violence. Ahmedabad, Navajivan, Rs. 2/-, 1st Ind. ed. 1938, pp. xii+398. Notes including Bib-

Biographical Reference and Index V

A brilliant exposition and a rational discussion of the principle of non violence and other elements implicit in it

- **The Power of Non-Violence** with an introduction by Rufus Jones New York Fellowship Publications New revised edition 1944 pp 253 Notes by Chapters and Index.

Some chapters from the earlier edition have been dropped on account of war economy and a few new ones have been added to this edition

- **The Psychology and Strategy of Gandhis Non-Violent Resistance** Madras S Ganesan Rs. 1/4 1929, pp viii+169 V

- **Training for Peace** A programme for Peace Workers. Philadelphia J B Lippincott Co 1937 pp iv+40

HALDAR Haridas - **Rational Life and Non Cooperation.** A Reply to Lord Ronaldshay based on the Teachings of Tolstoy Calcutta Kamala Printing Works 6 as 1921, pp 32 V

HOYLAND JOHN S - **How Christ Met Aggression.** London Peace Book Co 3 6 1939 pp 184 V

HUXLEY, ALDOUS - **An Encyclopaedia of Pacifism** London Chatto & Windus 6d 1938 pp 126 V

- **Ends and Means** London Chatto & Windus 8 6 3rd ed 1938 pp 336 V

- **Science Liberty and Peace** London, Chatto and Windus 3 6 1947 pp 63 V

'A vigorous plea for the decentralization of power property and production to avoid the prospect of universal servitude under a ruling oligarchy

- **What Are You Going to Do about It? The Case for Constructive Peace** London, The Peace Pledge Union 3d 1939 pp. 5 V

JAMES WILLIAM - **The Moral Equivalent of War** New York American Association for International Conciliation (27th Publication) 1910

JOAD C E M - **Why War?** Harmondsworth Penguin Books 6 d, 1939 pp 247 V

KELKAR, N C - **A Passing Phase of Politics** Poona S W Awari Rs 3/ 1925 pp xii+286 V

KOESTLER ARTHUR - **The Yogi and the Commissar and other Essays** London, Jonathan Cape 10 6 1945 pp 156 V

KRIPALANI, ACHARYA J. B.
- The Gandhian Way.
Bombay, Vora & Co., 1st ed.
1938; 2nd ed. 1944, Rs. 4/12,
pp. viii+179. V

- Left Wing and Right Wing.
(An Article on Gandhian
Scheme of Political and
Economic Reconstruction).
Vishwabharati Quarterly,
Aug. 1935, pp. 9. V

- Non-Violent Revolution.
Bombay, Vora & Co., 4 as,
1938, pp. 47. V

KRISHNAMURTI, Y. G. - Ref-
lections on the Gandhian
Revolution. Bombay, Vora
& Co., Re. 1/8, 1944, pp. 29. V

KURUP, T. C. K. - The Gospel
of Gandhi. Madras, Muni-
swami and Mudaliar and Sons
(Printers). Re. 1/8, 1922 (?)
pp. vi+135. V

LAJPATRAI, LALA - Ideals of
Non-Cooperation. Madras,
S. Ganesan, Re. 1/-, 1924,
pp. viii+125. V

LASKI, HAROLD - Dangers of
Obedience and Other
Essays. London, Harper and
Brothers, 7/6, 1930, pp. viii
+293. V

LESTER, MURIEL - Kill or
Cure? Nashville, Cokesburg
Press, \$ 1.00, 1937, pp. 135.

- Dare You Face Facts? New
York and London, Harper
Brothers, \$ 1.25, 1940, pp.
xiv+125.

LIGHT, BART DE - See de Light.

LINDSAY, A. D. - Pacifism as
a Principle and Pacifism as
a Dogma. (Burge Memorial
Lecture. 1939.) London, Stu-
dents' Christian Movement
Press, 6 d, 2 ed. 1939, pp. 47.
MASHRUWALA, K. G. - Prac-
tical Non-Violence (An
Ideology of Non-Violence).
Ahmedabad, Navajivan, 1 ed
1941; 2 ed. 1946, pp. 48,
12 as. V

MAURICE, M. S. and GAN-
DHI, M. K. - The Ethics of
Passive Resistance (and
Satyagraha). Madras, Ganesh
& Co., 12 as, 1921, pp. 35. V

Contains two essays : One
on the Ethics of Passive
Resistance by Maurice and
another on Satyagraha by
Gandhiji.

MEHTA ASHOKA - Socialism
and Gandhism. Bombay, the
Congress Socialist pub. Co.,
2 as, 1935, pp. iv+25.

MEHTA, GAGANVIHARI L.
- The Conscience of a
Nation or Studies in Gan-
dhism. Calcutta, 1933.

MELLOR, WILLIAM - Direct
Action. London, 1920.

MONEY, (A. S.) and Co. (Pub.)
- At the Feet of the Maha-
tma or the Joys of Renun-
ciation and Other Essays.
Madras, Re. 1/-.

- Gandhism or the Royal Road to Happiness Madras Re 1/ 1921 pp 69 1946 ed 8 as pp 48 V

- Neo Gandhism or Heaven on Earth Madras Re 1/

MOREL, E. D - Thoughts on the War Peace and Prison Westminster E. D Morel 2/ 1920 pp 123 V

- Truth and the War London National Labour Press 3/6 pp xiv+328 V

MUMFORD PHILIPS - An Introduction to Pacifism London Cassell & Co 1/6 1937 pp xvi+112 V

MURRAY GILBERT - The Cult of Violence Being an inaugural address given at the opening of the session (1933 34) at Aberystwyth London Lovat Dickson 6d 1934 pp 28 V

MURRY JOHN MIDDLETON The Necessity of Pacifism London Jonathan Cape 3/6 1937 pp 182 V

- The Pledge of Peace London Herbert Joseph 3/6 1938 pp 188 V

MUSTE A J - Non Violence in an Aggressive World New York Harper Bros

NATIONAL LITERATURE PUBLISHING Co (Pub) Non Cooperation in Congress Week (A collection of all the speeches on non co

operation and the new Congress Creed at the Nagpur Congress) With an instructive foreword by Marmaduke Pickthall Bombay 9 s^d 1922 pp 65

NAVAJIVAN PUB. HOUSE (Pub) - Satyagraha Ashram (Rules and regulations) Ahmedabad 2nd ed 1931 pp 24 V

NEW INDIA OFFICE (Pub) - Gandhian Non Cooperation or Shall India Commit Suicide? A Vade-Macum against Non Cooperation for all Indian Patriots Madras Re 1/ 1920 pp. xiv+139 V

A Collection of articles by a number of well known persons against the fatal policy of non-cooperation", with a foreword by Mrs Annie Besant

NIEBUHR REINHOLD - Moral Man and Immoral Society A Study in Ethics and Politics New York and London, Charles Scribner & Sons 1932, pp xv+284

Ch IV Preservation of Moral values in Politics. pp 231 258

NUNDI ALFRED - Revolution and Evolution Lahore 1923

PAGE KIRBY - War Its Causes Consequences and Cure London George Allen, 5/ 1924 pp 215 V

RADHAKRISHNAN, S. - Is This Peace? Bombay. Hind Kitabs. Re. 1/4, 1945, pp. ii +70. V

RADHAKRISHNAN, S. and MUIRHEAD, J. H. (ed.) - Contemporary Indian Philosophy (Library of Philosophy). London. George Allen, 16/-, 1936. pp. 375. V
Mahatma Gandhi's replies to the editor's questions on page 21.

RAMPURIA, S. C. - The Cult of Ahimsa: A Jain View Point. Calcutta, Shri Jain Shwetambara Terapanthi Mahasabha.

ROY, M. N. and Others - Satyagraha and the Potentialities of the Congress. Ajmer, Radical Democratic Party, 4'as, 1941, pp. 40. V
RUSSELL, BERTRAND - Justice in War Time. London, George Allen, 5/-, 2 ed. 1917, pp. xx+229. V

- Which Way to Peace? London, Michael Joseph Ltd., 1936, 2/6, 3 impr. 1937, pp. 224.

RUTHERFORD, V. H. - War or Peace? England and America. London, Williams and Norgate, 2/6, 1930, pp. 96. V

Ch. xvii Renunciation of India by England, pp. 56-57; xxiii India and the Labour Government, pp. 58-59; and a

Note on Indian Independence.

RUTHNASWAMY, M. - The Political Philosophy of Mr. Gandhi. Madras, Tagore & Co., Re. 1/-, 1922. V

SARMA, D. S. - The Gandhi Sutras. See Sanskrit Section.

SARMA, V. SWAMINATH - Essentials of Gandhism. Madras, Shakti Karyalaya.

SHEPPARD, DICK - We Say 'No'. London, John Murray, 3/6, 1938, pp. xv+168. V

SHELVANKAR, Dr. K. S. - Ends are Means. A Critique of Social Values. London, Lindsay Drummond, 2/6, 1 ed. 1938, pp. xviii+146. V

SHRIDHARANI, KRISHNALAL - War Without Violence: A Study of Gandhiji's Method and Its Accomplishments. London, Victor Gollancz, 9/-, 1939, pp. 288. Bibliography and Index. V

SITARAMAYYA, Dr. B. PAT-TABHI - Gandhi and Gandhism Vols. 1, 2. Allahabad, Kitabistan, Rs. 2/8. each, 1942, pp. 268, 269 to 520. V
- Socialism and Gandhism. Rajahmundry, The Hindustan Publishing Co., Re. 1/8, 1938, pp. xiv+244 (World Today Series). V

SPRATT, P. - Gandhism, an Analysis. Madras, The Huxley Press, Rs. 2/8, 1939, pp..

xii+516 Select references V
SUBEDAR MANU - Gandhism
as I Understand It Bombay
1939 Aryan Path Vol 13
March 1939 pp 6

- Gandhism or Socialism. Sanj
Vartaman Annual 1939 pp 6

SUNDAY TIMES (Pub) - The
Quintessence of Gandhism
(M3 Motherland Series)
Madras

TAGORE & Co (Pub)
- Ethics of Destruction
Madras 12 as 1922 pp 60 V
Contains articles by
Rabindranath Tagore Maha
tma Gandhi C F Andrews
and Dwijendranath Tagore

- Report of the Civil Disobe
dience Enquiry Committee
1922 Madras Re. 1/ 1922
pp 171 V

TAGORE SAUMYENDRA
NATH - With Romain
Rolland on Gandhism
Calcutta Gamayani Pub
House 4 as 1910 pp 26 V

TOWILL EDWIN S AND
FAULKNER, T E. Pacifism
Today and Tomorrow A
Handbook for Groups and
Discussion Circles London
The Peace Book Co Re 1/
1939 pp 88 V

Foreward by J Middleton
Murry,

VASWANI, T L - Creative
Revolution Madras, Ganesh
& Co Re 1/8 1922 pp
viii+166 V

- The Gospel of Freedom.
Essays on the Spirit and
Method of Non Cooperation.
Madras Ganesh & Co., 12 as
1921 pp iv+78 V

- Non Cooperation and Nati
onal Idealism (Swaraj Series
No 2) Calcutta Saraswati
Library 6 as 1921 pp V

Introduction by Shyam
Sunder Chakravarty

WATSON MISS BLANCHE
(Compiler) Gandhi and Non
violent Resistance The
Non Cooperation Movement
of India (Gleanings from the
American Press) Madras
Ganesh & Co Re 3 a 1923
pp xxiv+549 V

WELLOCK WILFRED Ahimsa
and World Peace or the
Case for Non violence Preface
by Dwijendranath Tagore
Madras S Ganesan Re 18
1923 pp xli+120 V

An Idealist presents the
case for Pacifism with an
ardent and on the whole
able advocacy

WILSON WILLIAM E. - Ato
nement and Non Resistance
London Swarthmore Press
Rs 2/ 2ed 1923 pp 61 V

II A. SATYAGRAHA STRUGGLES

- BAKHALE, R. R. - Report of What happened at Borsad. Poona, Servants of India Society, 4 as, 1931, pp. 50. V
- BENGAL PROVINCIAL CONGRESS COMMITTEE - Report of Enquiry into the Alleged Police Oppressions at Char Minar. Calcutta, B. P. C. C., 4 as, 1923, pp. 34. V
- BROCKWAY, A. FENNER - Non-Cooperation in Other Lands. Madras, Tagore & Co., Re. 1/-, 2 impr. 1921, pp. xii+106. V
- DESAI, MAHADEO - The Story of Bardoli. Being a History of the Bardoli Satyagraha of 1928 and Its Sequel. Ahmedabad, Navajivan, Rs. 2/8, 1929, pp. x+363. Index, Map, Illustrations. V
- FRY, A. RUTH - Victories Without Violence. London. 1939.
- Gandhi, M. K. (Tr. Valji Govindji Desai) - Satyagraha in South Africa. Madras, S. Ganesan, Rs. 5/-, 1928, pp. x+511+vi, Index. Foreword by M. K. Gandhi. V
- GUJARAT PROVINCIAL CONGRESS COMMITTEE - The Black Regime at Dharasana: A Brief Survey of the Dharasana Raid. Ahmedabad, 1 ed. 1930, 6 as, pp. x+107, and 8 illustrations. V
- The Case for Bardoli. Ahmedabad, 1930.
- GURUKA BAG CONGRESS INQUIRY COMMITTEE - Report of the G. B. Congress Inquiry Committee. Lahore, Rs. 2/-, 1924, pp. 352. V
- IMPERIAL CITIZENSHIP ASSOCIATION - Smuts - Gandhi Agreement of 1914. (Indians Abroad Bulletin No. 11; June 1924). Bombay, Printed at the Indian Daily Mail Press, 1924, pp. 47, Introduction by C. F. Andrews.
- Contains Extracts from Indian Opinion during the year 1914.
- INDIA LEAGUE - Condition of India: Being the Report of the Delegation sent to India by the India League in 1932. London Essential News 2/6, 1932, pp. xvi+534. V
- American edition issued in 1934 from New York.
- Preface by Bertrand Russell. The report was forbidden entry into India.
- KRISHNA RAO, G.V. - Chirala Perala Tragedy. An Episode in Voluntary Exile. Madras, Ganesh & Co., Re. 1/-, 1922, pp. viii+153. V

LODH DINESH C - Law and Order in Midnapur Calcutta 1930

MADRAS MAHAJAN SABHA - Report of the Non Official Public Inquiry on Police Excesses in Madras Madras 1930

MUZUMDAR H T Gandhi Triumphant See Section I - India's Non violent Revolution

- Peshawar Men vs Machine Guns New York 1931

PESHAWAR INQUIRY COMMITTEE Report of the Peshawar Enquiry Committee appointed by the Working Committee of the Indian National Congress Allahabad R S Pandit Secy P E Committee Re 1/ 1930 pp 306 V

Shri V J Patel was the Chairman of the Committee and the Report was banned and its copies confiscated before it could reach the people

RAJA RAO - KANTHAOUR The Story of a Satyagraha in a South Indian Village Pub. 1938

RAJENDRAPRASAD BABU Satyagraha in Champaran. Madras S Ganesan Rs 2.8 1928 pp viii+282 V

RAJGOPALACHARI C - The National Flag (The Nagpur

Flag Satyagraha Struggle) Madras Ganesh & Co 2as 1923 pp iv+39

RAO C V H - Civil Disobedience Movements in India or the Indian Struggle for Freedom Lahore, Lion Press Rs 2/ 1 ed. 1946 pp vi+100

Most of the material and facts are taken from the History of the Congress by Dr Pattabhi Sitaramayya" says the author in his preface Quite true!

SARASWATI LIBRARY (Pub.) - Non Co-operation in Egypt (Swaraj Series No 4) Calcutta 4 as 1921

Contains the history of the rebellion of 1920 the deeds of the Martial Law regime the boycott of the Milner Commission etc

SATYAGRAHA SAHAYAK MANDAL - A Case for Mulshi Peta Satyagraha Poona 4 as 1931 pp iv+53

SHIROMANI GURUDWARA PRABANDHAK COMMITTEE - The Struggle for Freedom of Religious Worship in Jaito Amritsar S. G P Committee 8 as 1924 pp viii+53 V

SIKH TRACT SOCIETY - Guru Ka Bag Amritsar Sikh Tract Society 4 as 1922 pp viii+48+iii V

III. RELIGION

ANDREWS, C. F. - Sermon on the Mount. London, George Allen, 6/-, 1942. pp. 175. Foreword by Rabindranath Tagore and Introductory Note by Agatha Harrison.

DESAI, VALJI G. - Glances at Islam. Ahmedabad, Navajivan, 3 as, 1938, pp. viii+40. V

FEDERATION OF INTERNATIONAL FELLOWSHIPS(Pub.) - Sabarmati - 1928. Being the Report of the First Annual Meeting of the Council of the Federation of International Fellowships held at the Satyagraha Ashram, Sabarmati, 13th to 15th January 1928. 6 as, 1928, pp. 40. .

. Includes speeches by P. A. Wadia, C. F. Andrews and Mahatma Gandhi.

FYZEE, A. A. A. - Islamic Culture. Bombay, International Book House, Re. 1/4, 1944, pp. iv+50. V

GANDHI, M. K. - Christian Missions and Their Place in India. Ahmedabad, Navajivan, Rs. 2/-, 1941, pp. viii+311. V

The first few initial chapters deal with the larger question of the equality of religions, thus providing a

necessary background for the ideas propounded in the book.

- Delhi Diary. (Prayer speeches from 10-9-'47 to 30-1-'48). Ahmedabad, Navajivan, Rs. 3/-, 1948, pp. xxiv+406. V

"Though covering a vast field, the speeches mainly concentrate on the establishment of peace and concord among different sections of the people, particularly the Hindus, Muslims and Sikhs."

- Ethical Religion (Niti Dharma) : Handbook of Morals. Translated from the Hindi by A. Rama Iyer with an appreciation of the Author by the Rev. J. H. Holmes. Madras, S. Ganesan, 8 as, 2 ed. 1922, pp. 64. V

The book is originally written in English by an American named Mr. Salter. Mahatma Gandhi published an abridged Gujarati rendering of it in his 'Indian Opinion'. This Gujarati version now passes as the original work of Gandhiji and has been retranslated into English and other provincial languages of India.

-(Ed. Jag Parvesh Chander). Ethics of Fasting. Lahore, Indian Printing Works, Rs. 2/8, 1944, pp. viii+123. V

(Ed Prof Abdul Majid Khan) - Fellowship of Faiths and the Unity of religions
 Madras G A Natesan & Co Rs 1 1947 pp xvi +53 Introduction by J B Kripalani and Foreword by Prof Gurusukh Nihal Singh V

(Tr Valji G Desai) - From the Yeravda Mandir Ashram Observances Ahmedabad Navajivan 1 ed 1933 3 revised ed 1947 8 as pp 6" V

Weekly letters written by Gandhiji from the Yeravda Jail in 1930 to the inmates of the Satyagraha Ashram Sabarmati on the principal Ashram Observances

-(Ed Jag Parvesh Chander) - Gita The Mother Lahore Free India Publications Rs 2 8 1917 pp 16+202 V

- God Is Karachi Anand T Hingorani 6 pies 1935 pp iv+8 V

- The Good Life Lahore Free India Publications, Rs. 2/ 1943 pp 109 V

- My Religion Lahore R. P Bookwala & Co. Rs 1 8

(Ed A T Hingorani) - Ramanama The Infallible Remedy Karachi Anand T Hingorani Rs 2 8 1917 pp viii+104 V

(Ed Jag Parvesh Chander) - The Unseen Power Lahore Free India Publications, Rs 1/ 1911 pp iv+101 V

GANDHI, M. K. AND HOYLAND, J. S. - Songs from Prison Translations from Indian Lyrics made in the Yeravda Jail in 1930 by M. K. Gandhi and adapted for the Press by John C. Hoyland London, George Allen & Co 1934 pp 160 V

GANESH & CO (Pub.) - Gandhi and the Anglican Bishops, Madras Ganesh & Co 12 as 1922 pp. vi+61 Foreword by A. Natarajan V

GEORGE, S. K. - Gandhi's Challenge to Christianity London, George Allen & Co 1 ed 1939 pp. 112. Foreword by Radhakrishnan V

Indian edition published by Navajivan Press 1947 Rs. 1 8 pp 15+80 A new additional foreword by Horace Alexander V

HOYLAND J. S. - The Cross Moves East London, 1931

JESUDASAN DR. S. - Jesus Christ and the Present Situation in India Tirupet 1931

JONES E. S. - Along the Indian Road London 1939

KUMARAPPA J. C. - Christianity - Its Economy and

Way of Life. Ahmedabad, Navajivan, Re. 1/8, 1945, pp. viii+124. V

With an appendix, 'Church and Civil Disobedience.' (pp. 81-102).

- Practice and Precepts of Jesus. Ahmedabad, Navajivan Re. 1/8, 1 ed. 1945; 2 ed. 1946, pp. xvi+112. With 'A Word' by M. K. Gandhi. V
- The Religion of Jesus. Rajahmundry, Hindustan Publishing Co., 4 as, 1937, pp. 90. V

This is included in the Author's 'Christianity: Its Economy and Way of Life', listed above.

- MUHAMMAD (Ed. Allama Sir Abdullah Suhrawardy).
- The Sayings of Muhammad with a Foreword by Mahatma Gandhi. London, John Murray, 3/6, 1941, pp. 128. V

- PAREKH, BHAI MANILAL C.
- Christian Proselytism in India (A Great and Growing Menace). Rajkot, Shri Bhagwat Dharma Mission, Rs. 7/8, 1947, pp. xiv+463. V

- RADHAKRISHNAN, SIR S.
- The Heart of Hindustan. Madras, G. A. Natesan & Co., Re 1/4, 1931, pp. 48+144. V

Collection of articles on different faiths in India contributed to various journals.

- Religion and Society. Based on Notes of Lectures Delivered at Calcutta (Kamala Lectures) and Benares in the Winter of 1942. London, George Allen, 10/6, 1947, pp. 242. V

A special chapter (lecture) is devoted to War and Non-Violence, pp. 199-238.

- RAGHAVAN, DR. V. (Compiler and Translator) - Prayers, Praises and Psalms. Selections from the Vedas, Upanishads, Epics, Gita, Puranas, Agamas, Tantras, Kavyas and the Writings of the Acharyas and Others. Madras, G. A. Natesan, Re. 1/4, 1938, pp. xxiv+512. V
- Foreword by Mahatma Gandhi.

- SARMA, D. S. - Studies in the Renaissance of Hinduism in the Nineteenth and Twentieth Centuries. (Pratap Singh Gaekwar Library of Indian Philosophy and Religion). See Section I.

- SATHE, H. V. - Suggestion No. 4 to Mahatma Gandhi (on Religious Reform). Poona, M. H. Kaduskar, 1933, pp. 26.

- SINGAM, S. THURAI RAJA - Gandhian Rambles in the Realm of the New Testament. 1927.

- SUNDAY TIMES (Pub.) —

Gandhiji on Hinduism or Varnashrama Dharma. (My Motherland Series) Madras TAGORE RABINDRANATH - The Religion of Man (Hibbert Lectures for 1930) London George Allen, 7/6 1931 pp 240 V

THOMPSON EDWARD - Ethical Ideals in India Today (Conway Memorial Lecture 1942) London Watts and Co. 2/-, 1942 pp 39

The Ethics of Gandhiji discussed from page 5 to 19 and onwards

WADIA MADAME SOPHIA

- Brotherhood of Religions Being a brief and comparative study of religions, from the standpoint of Theosophy Bombay, International Book House Rs 3/-, 1939, pp. xi + 260 Foreword by Mahatma Gandhi V

WADIA, P. A. - The Faith That Matters Bombay New Book Co., Rs. 3/-, 1947, pp. viii + 88 V

Chapter VI Law and Obedience The Significance of the Civil Disobedience Movement Chap XII Gandhiji's Birthday

III A SOCIAL ETHICS

ASSAM OPIUM ENQUIRY COMMITTEE - Assam Congress Opium Enquiry Committee Report, 1925 Cinchona Jorhat R. K. Hatibaran Rs 1/8 1925 pp 165 V

ATREYA - Towards Dry India Madras Dikshit Publishing House Rs. 1/4 1934 pp iv + 215 V

BADRUL HASSAN - The Drink and Drug Evil in India (An account of the origin and growth of these Vices with a statement of the Government's responsibility in encouraging them and of the ways and means to abolish them) Madras,

Ganesh & Co., Rs 2/-, 1922, pp vi + 161, index Foreword by Mahatma Gandhi V

BOMBAY GOVT - Report of the Administration of the Excise Department of the Government of Bombay 1937-38 Bombay, Government Central Press 5 as, 1939 pp iv + 99 V

BUREAU, PAUL - Towards Moral Bankruptcy London, Constable, 2/-, 1925, pp V

GANDHI, M. K. (Ed. Dewan Ram Parkash) - Gandhi's Birth Control Lahore Dewan's Publications, Rs 1/-, 1 ed 1944, pp 71 (Ed. R. K. Prabhu and U. R. Rao) - Conquest of Self

(Being Gleanings of His Writings and Speeches). Bombay, Thacker, Rs. 7/12, 1945, pp. viii+286. V

Also in Rampart Library edition in 2 Vols. Re. 1/8 each. 1944, pp. iv+103, iv+87.

-(Ed. Prof. T. K. Dutt)
-The Loin Cloth Laid Bare. Lahore, Messrs. Dutt and Sons, 13 as, 1947, pp. 2+91. V

-Self-Restraint Vs. Self-Indulgence. Ahmedabad, Navajivan, Pt. I, 6 ed. 1944, viii+130, Re. 1/8; Pt. II, 1 ed. 1939, Re. 1/-, pp. iv+147.

Both the parts in one volume, 2 ed. 1947, Rs. 2/-, pp. viii+232. V

A comprehensive and authoritative collection on the subject.

-(Ed. Prof. T. K. Dutt) - Sex Sermons from the Loin Cloth. Lahore, Messrs. Dutt and Sons, 15 as, 1942, pp. ii+91. V

JAGANNATHACHARI, C. - Report of the Working of Prohibition in the Salem District. Annamalainagar, Annamalai University, Re. 1/4, 1939, pp. 104. V

MUNI, A. K. - God's Lenses. (Prohibition and Spirituality). Madras, S. Ganesan, Rs.

2/-, 1931, pp. 144. V

PROHIBITION PROPAGANDA BOARD - Prohibition: The Dawn of a New Era. Bombay, Government Central Press, 2 as, 1939, pp. 85. V

This booklet was published by the Bombay Government in reply to critics regarding its policy of Total Prohibition announced to be introduced from the 1st. August 1939.

- Contains half a dozen articles of Gandhiji, and speeches and articles of Bombay ministers and replies to critics, including Shri Subhash Chandra Bose, of its Prohibition Policy.

RAJGOPALACHARI, C. - Indian Prohibition Manual. Madras, I. N. Congress Prohibition Committee, 4 as, 1931, pp. iv+60. V

THOMAS, P. G. - Economic Results of Prohibition in the Salem District. Madras, 1939.

THURSTON, WILLIAM R. - Thurston's Philosophy of Marriage. Madras, S. Ganesan, 12 as, 1928, pp. 83. V

UNWIN, J. D. - Sex and Culture. London, Oxford Univ. Press, 36/-, 1934, pp. xxiv+676. V

IV SOCIOLOGY—GENERAL

ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE - Congress Golden Jubilee Brochure Nos 1-11 Allahabad Rs 3 6 1935 pp 492 V

1 Satyagraha 2 Village Industries and Reconstruction 3 Some Aspects of Khadi 4 Rural Indebtedness in India 5 The Public Debt of India 7 The Public Services in India 9 Women in India 11 Indian Currency and Exchange

- Congress Political and Economic Studies Nos 1 11

AMBEDKAR B R - The Annihilation of Caste and a Reply to Mahatma Gandhi Bombay B R Ambedkar 8 as 2 ed 1937 pp xvi+82+23 V

Speech prepared for the 1936 Annual Conference of the Jat Pat Todak Mandal of Lahore but not delivered With two appendices the first containing three articles of Gandhiji published in the Harijan

AMRIT KAUR - A Challenge to Women Allahabad New Literature Rs 3/12 1946 pp vii+189 V

Foreword by Pt Jawahar Lal Nehru

- To Women Ahmedabad

Navajivan 6 as 1945 pp 32 V

ANDREWS C F - The Oppression of the Poor Madras Ganesh and Co pp xxxvi+136 V

CHASE STUART - Men and Machines. New York Macmillan \$ 3 00 1929 pp iv+354 V

COUSINS MARGARET E - Indian Womanhood Today Allahabad Kitabistan Rs 2/8 1941 pp 207 V

DATTA BHUPENDRA KUMAR - The Indian Revolution and the Constructive Programme Calcutta Saraswati Library Rs 2/ 1946 pp 83 V

DATTA HIRENDRANATH - Indian Culture Its Strands and Trends (A Study in Contrasts) (Hamala Lectures) Calcutta University Rs 1/10 1941 pp x+119 V

Independence Pledge and Gandhiji's article on it criticized pp 8 18

DESAI A R. - Social Background of Indian Nationalism Bombay Oxford University Press Rs 20/ 1949 pp xvi+416 V

The author in his progressive zeal pronounces

judgements rather too freely and light-heartedly on all Indian problems, especially the items of Gandhiji's constructive programme including basic education, which he calls 'unscientific and reactionary.'

GANDHI, M. K. - Constructive Programme. Its Meaning and Place. Ahmedabad, Navajivan, 1 ed. 1944; 2nd. revd. ed., 3 impr. 1948, 6 as, pp. 31. V

Two appendices are added to this impression of the 2nd revd. edition.

- HIND SWARAJ OR INDIAN HOME RULE Ahmedabad, Navajivan, Revd. new ed. 1939, 3rd impr. 1946, 8 as, pp. 80. V

Preface to the new edition by Mahadev Desai. This is the authorized English version of Gandhiji's Hind Swaraj.

- INDIAN HOME RULE. Reprinted with a New Foreword by the Author. Madras, Tagore & Co., 10 as, 1921, pp. vii+94. V

-(Tr. H. T. Muzumdar) - Sermon on the Sea. Chicago, 1924.

This is a translation of Hind Swaraj or Indian Home Rule under a different and catching name. Hind Swaraj

was written by Gandhiji while on board a steamer bound for South Africa (from England), and hence the name!

-(Ed. A. T. Hingorani) - To the Women (Gandhi Series). Karachi, Ananda T. Hingorani, Rs. 3/12, 1941, pp. xvi+247. V

- WOMEN AND SOCIAL INJUSTICE. Ahmedabad, Navajivan, 1 ed. 1942; 3rd impr. 1947, Rs. 3/-, pp. xii+216. Foreword by Amrit Kaur. V

HALDANE, J. B. S. - The Inequality of Man. Harmondsworth, Penguin Books, 6d, 2 ed. 1937, pp. xii+276. V

HOUGHTON, BERNARD - The Revolt of the East. Madras, S. Ganesan, Re. 1/-, 2 ed. 1922, pp. vii+85. V

HOWSIN, HILDA - India's Challenge to Civilization. Madras, Tagore and Co., Rs. 2/8, 1922, pp. viii+99. V

KULKARNI, G. R. ; NARAYANSWAMI, C. K. & NEKSATKHAN, SAM - The Constructive Programme: Its Perspectives and Dynamics. Bombay, B. P. C. C., Re. 1/4, 1945, pp. 72. V

KUMARAPPA, BHARATAN - Capitalism, Socialism & Villagism ? Madras, Shakti

Karyalaya Rs 5/ 1916 pp
viii+216

Foreword by Mahatma
Gandhi

KUMARAPPA J C - Peace
and Prosperity Wardha
A I V I A 8 as 1948
pp iv+37 V

- The Philosophy of Work and
other Essays. Wardha A
I V I A 12 as 1947 pp
iv+47 V

- Science and Progress
Wardha A I V I A 12 as
1948 pp iv+46 V

KUNHIKANNAN DR. K - A
Civilization at Bay India
Past Present and Future
Madras Natesan & Co Rs.
3/ 1931 pp xxiv+504+xvi
V

Ch 27 Gandhi pp 481
498 gives an account of
the personality and message
of Gandhi

MODAK CYRIL - India's
Challenge to Christians
Lucknow The Upper India
Publishing House Rs 2/
1910 pp xi+194 V

MOOKERJEE, DR. H C -
Congress and the Masses
Calcutta The Book House
Rs. 3/ 1916 pp xvi+260
V

- Some Non Political Achiev-
ements of the Congress
Bombay Hamara Hindustan
8 as 1916 pp ii+30 V

MUNSHI K M - The Run
that Britain Wrought.
Bombay. Padma Publications
for Bharatiya Vidya Bhavan,
Rs 2 4 1946 pp viii+85 V
NANAVATI, SIR MANILAL
VAKIL, C N &c. - India
Speaking (The Annals of
the American Academy of
Political and Social Science
May 1914) Philadelphia,
The Academy, \$2 00, 1914
pp viii+267 V

Ind ed. Bombay Vora &
Co 1914 Rs 8 1p 230 V
NATARAJAN S. - The
Social Problem London
Oxford Univ Press 4 as
1912 pp 32 V

O'MALLEY L S S - India's
Social Heritage Oxford,
Clarendon Press, 5/ 1931
pp. 194 V

Gandhi's contribution to
Social Reform described
among many other things

PREM NATH - Our Fault
Foreword by S. Radhakri-
shnan Lahore Hero Publica-
tions, Rs 2 4 1911 pp. 103 V

Most of the articles (on
Communal Problem Educa-
tion etc) are written by
the author in his college days
and read like class essays

PRITAMSINGH BHAI - Gan-
dhi's Constructive Pro-
gramme Lahore Paramount
Publications Rs 3/ 1914
pp. 143 V

Random Collection of articles bearing on the various items of the Constructive Programme.

RADHAKRISHNAN, S. - Kalki or the Future of Civilization (Today and Tomorrow Series). London, Kegan Paul, 2/6, 1929, pp. 96. V

RAO, R. V. - Gandhian Insti-

tutions of Wardha. Bombay, Thacker, Rs. 2/8, 1947, pp. viii+49. Illustrated. Intro. by J. C. Kumarappa. V

WADIA, SOPHIA - The Spiritual Basis of Social Service. Bombay, Social Service League, 4 as, 1936. V

Gandhi's self-reform basis of social service emphasized.

IV A. REMOVAL OF UNTOUCHABILITY

AMBEDKAR, B. R. - Annihilation of Caste with a Reply to M. Gandhi. See Sect. IV - Mr. Gandhi and the Emancipation of the Untouchables. Bombay, Thacker & Co., Rs. 2/8, 1943. V

- Untouchables and the Indian Constitution. New York, Institute of Pacific Relations, 1942.

- What Congress and Gandhi Have Done to the Untouchables. Bombay, Thacker, Rs. 14/8, 1945, pp. xii+387. xv appendices and index. V

The Author tries to make out Gandhism as the doom of the Untouchables.

DESAI, MAHADEV - The Epic of Travancore. Ahmedabad, Navajivan, Re. 1/8, 1937, pp. xii+251. Illustrated. V

DESAI, VALJI G. - The Shastras on Untouchability. Ahmedabad, Navajivan. V

DEWAN, RAM PARKASH (Ed.) - Gandhiji's Great Fast, 1932. Lahore, The Popular Publishers, Re. 1/-, 1943, pp. 66. V

Published during the Quit India Struggle period. Book not well got up, nor well edited. For the account of this fast the reader should refer to the 'Epic Fast' by Pyarelal

GANDHI, M. K. (Compiled and Edited by Suman, Shri Ramnath) - The Bleeding Wound! (Being a Most Up-to-date Collection of Gandhiji's Speeches, Writings and Statements on Untouchability). Introduction by C. Y. Chintamani and Foreword by G. D. Birla. Benares City, Shyam Lal M. A., Re. 1/8, 1932, pp. xxii+226. V

- My Soul's Agony. Ahmedabad, Navajivan, 1932. V

-(Ed. Dewan Ram Parkash) - Untouchability. Lahore,

Gandhi Publication League
Rs 1/12 1944 pp V

The Collection is far from complete. Most of the articles included in it, were written in the twenties

HARIJAN A Gandhi or Amb-
edkar Madras, Gandhi Fra
Publications 12aa, 1945
pp 46V

Foreword by Radhakrishnan
HARIJAN SEVAK SANGH
Annual Reports of the
Harijan Sevak Sangh New
Delhi H S Sangh

First Annual Report 1933

- Fifth Annual Report Octo-
ber 1936 to Sept 1937 Delhi
1938 pp 32+39+xxv V

Three years Report of the
Harijan Sevak Sangh from
Oct 1 1937 to Sept 30
1940 Delhi pp ii+60+91+
xxiii V

HARIJAN SURVEY COMMI-
TEE Report of the Com-
mittee Appointed by the
Cawnpore Harijan Sevak
Sangh in May 1933 (to make
a survey of the Social and
Religious Disabilities etc of
the Harijans of Cawnpore)
Cawnpore Harijan Sevak
Sangh Cawnpore Branch Rs
1/8 1934, pp viii+100 V

HUNT W S India's Out-
castes A New Era London
Church Missionary Society
2/6 pp vi+113 V

IYER, K. A. S (Pub) Corres-

pondence on the Temple
Entry Question Madras.

KALWANKAR, S R - An
Appeal to Gandhiji (to
desist from this anti untouch-
ability campaign) Madras,
S R Kalwankar 1934 pp 8

MAHADEVAN S - Mahatma
Gandhi's Warning and
Flashes in Harijan Tour
Madras Journalists Publi-
cising House Rs 1/4 1936,
pp vi+171 Illustrated V

MALKANI, N R. - A Critical
Note on Hindu Temple
Entry Bill Delhi 1934

PUSHPARAJ P K. - As An
Untouchable Feels Untou-
chability (The Servants of
the Untouchable Society
Tract No 1) Delhi S. O. U
Society 1933 pp 16 V

PYARELAL - The Epic Fast
Foreword by C Rajgopala
chari Ahmedabad Navajivan
Rs 1/4 pp. xii+325+ii V

Besides A Fortnight of
Agony which forms Pt. I
of the book by Sjt Pyarelal
the book contains a number
of articles and statements by
Gandhiji, the text of the
Yeravda Pact and statements
of public men on the issues
involved in the fast

RAJGOPALACHARI C
Ambedkar Refuted Bombay
Hind Ktabs Rs 1/ 1946
pp 39 V

A reply to the charges levelled by Dr. Ambedkar against Gandhiji and the Congress in his book 'What Congress and Gandhi Have Done to the Untouchables'.
 -The Impending Fast of Mahatma Gandhi (The Issues Explained). Delhi, The Servants of the Untouchables Society, 2 as, 1933, pp. ii+32.

A book containing a discussion on the Removal of Untouchability.
 -Plighted Word [Being an account of the History and Object of the Untouchability Abolition and Temple Entry Bills.] Delhi, Servants of the Untouchables Society, 2 as 1933, pp. ii+34. V

SANJANA, J. R. - Caste & Outcaste. Bombay, Thacker, Rs. 6/14, 1946, pp. xx+249. V

The author has all along been a bitter critic of Indian Nationalism and the Congress and Gandhiji in particular.

SANTHANAM, K. - Ambedkar's Attack. [A Critical Examination of Dr. Ambedkar's Book 'What Congress and Gandhi Have Done to the Untouchables']. New Delhi, The Hindustan Times, Rs. 2/-, 1946, pp. vi+114. V

TAGORE, RABINDRANATH - Mahatmaji and the

Depressed Humanity.
 Calcutta, Vishwabharati Bookshop, 12 as.

Contains correspondence of the Poet with Gandhiji and his associates at the time of the Epic Fast and some speeches by the Poet on the occasion at different places.

TEMPLE ENTRY ENQUIRY COMMITTEE-Report of The Committee, 1934. Trivendrum, Supdt., Govt. Press, 1935, pp. vi+413.

THAKKAR, A. V. - The Problem of Aborigines in India (R. R. Kale Memorial Lecture, 1941). Poona, Gokhale Institute of Politics and Economics, Re. 1/-, 1941, pp. 37. V

TONDON, LALTAPRASAD - The Rationale of Untouchability. Cawnpore, S. G. Rastogi, 4 as, 1934, pp. 42.

VENKATARAMAN, S. R. - Harijans Through the Ages. Madras, Bharata Devi Publications, 8 as, 1946, pp. 20. V

WADIA, MADAM SOPHIA - Theosophy and Untouchability. (A Lecture Delivered on 18-12-'32). Bombay, Bombay Provincial Board Servants of the Untouchables Society, 2 as, 1932, pp. 15.

IV B COMMUNAL (MAINLY HINDU MUSLIM) PROBLEM

ABBAS M H All about the Khilafat With the Views of Mahatma Gandhi together with Full Details of the Indian Khilafat Delegation in Europe Headed by Maulana Mohammed Ali Calcutta Ray & Ray Choudhary Rs 2/4 pp 368 V

Mahatma Gandhi on Khilafat pp 336 to 356
ABDUL MAJID KHAN PROF Communalism in India Its Origin and Growth Foreword by Babu Rajendra Prasad and Introduction by Kalidass Ray Lahore Paramount Publications Rs. 2/ 1944 pp ii+78

ADHIKARI G - Pakistan and National Unity

AHMED JAMILUDDIN Through Pakistan to Freedom Lahore Mohammad Ashraf No 1/8

Discussion of the C. R. Formula and Jinnah Gandhi Talks

ALIVI HATIMA A and JAI SINGHANI Hindu Muslim Unity Karachi 1930

AMBEDKAR BHIMPAO R. Thoughts on Pakistan. Bombay Thacker and 1941 Rs 10/ pp vii+380 V
Pakistan and the Partition

of India Bombay Thacker 1945 Rs 15 12 pp xxiv+481 V

This is the revised edition of Thoughts on Pakistan
ANSARI, DR SHAUKAT ULLAH - Pakistan the Problem of India Lahore Minerva Book Shop Rs. 3/2, 1944 pp vi+131 V

BAPAT NARAYAN SADA SHIV - Hindu Muslim Unity Poona N B Bapat 6 as 1939 2nd revised ed 1939 pp. iv+58 V

BARLAT ALI, MIRZA The Hindu Muslim Problem Bombay Thacker & Co.

BENI PRASAD PROF - Communal Settlement (New India Series No 1) Bombay Hind Kitabas, 14 as 1944 pp 48 V

Hindu Muslim Questions. Allahabad Kitabstan Re 1/8 1941 pp xiv+172 V

CHAKRABARTY ATULA NADA - Hindus and Muslims of India Calcutta Thacker Spink & Co Rs. 2/8 1940 pp xxiv+183 V

DALAL, SIR ARDESHIR An Alternative to Pakistan Delhi India Council of World Affairs 8 as, 1944 pp 32 V

- DURLABHSINGH (Ed.) - A Complete Record of the Unity Talks. [Rajendraprasad-Jinnah, Gandhi-Jinnah, Nehru-Jinnah, Bose-Jinnah, Sapru-Jinnah, Viceroy-Jinnah and Gandhi-Jinnah etc.] Lahore, Hero Publications, Rs. 4/8, 1945.
- DURRANI, F. K. KHAN - The Meaning of Pakistan. Lahore, Mohammad Ashraf. Rs. 3/12.
- EL. HAMZA - PAKISTAN A NATION. Lahore, Mohammad Ashraf, Rs. 3/-.
- GANDHI, M. K. - Communal Unity. Ahmedabad, Navajivan. 1948.
- (Ed. N. R. Mehta) - Gandhiji on Communal Disorders. Allahabad, India Publishers, Rs. 2/-, 1947, pp. viii+70. V
- Hindu Muslim Tension: Its Cause and Cure. Ahmedabad, Navajivan, 1 anna, 1924, pp. V
- (Ed. A. T. Hingorani) - To the Hindus and Muslims. Karachi, A. T. Hingorani, Rs. 6/8, 1942, pp. xx+504. V
- (Ed. A. T. Hingorani) - To the Protagonists of Pakistan. Karachi, A. T. Hingorani, Rs. 6/8, 1947, pp. xvi+268. V
- GAUBA, K. L. - Inside Pakistan. Delhi, Rajkamal Publications, Rs. 5/-, 1948, pp. x+279. V
- GHOSH, SACHINDRALAL (Ed.) - Gandhiji's Do or Die Mission. Calcutta, The Book Corporation, Rs. 3/-, 1947, pp. vi+93. V
- GUPTA, J. P. (Ed.) - Jinnah Sahib, "Please". Bombay, Hamara Hindustan, 8 as, 1942, pp. 103+xix. V
- HINDU NATIONALIST, A. - Gandhi - Muslim Conspiracy. Poona, R. D. Ghanekar, Rs. 2/-, 1941, pp. xx+219. V
- Wholly based on distortions of facts and passages torn out of their context and misquoted, sometimes emended too, to suit the author's favourite theme.
- HINDUSTAN TIMES (Pub.) - Gandhi-Jinnah Talks (July-October 1944). New Delhi, Hindustan Times, Re. 1/-, 1944, pp. viii+104. Preface by C. Rajgopalachariar. V
- Book contains text of correspondence, the C. R. Formula and a few relevant statements issued by the leaders at the time.
- INDIAN MUSLIM POLITICIAN, AN - Muslim Demand for Pakistan. New York, Institute of Pacific Relations, 1942.
- IQBAL, SIR MUHAMMED - Letters of Iqbal to Jinnah.

- Lahore Mohammad Ashraf, 8
22, 1943 pp 31 V
- KABIR HUMAYUN - Muslim
Politics (1906-1942) Calcu-
tta Gupta Rahman and Gupta
Rs 1/4 1944 pp 61 V
- KARAKA D F - For Every
Thinking Indian The Tragic
Story of the Bankruptcy of
Wisdom Bombay Thacker
Rs 1/ 1944 pp 23. V
- Articles on Gandhi-Jinnah
Talks and Correspondence
- KHANYA MEHERCHAND -
Pakistan A Hindu View
New York Institute of Pacific
Relations 1942
- KRISHNA K. B - The Problem
of the Minorities or Com-
munal Representation in
India. London George Allen,
15 1939 pp 359 V
- KULKARNI V B Is Paki-
stan Necessary? Bombay
Hind Kitabs Rs 3/12 1944
pp iv+109
- LATIF SYED ABDUL - The
Muslim Problem of India.
Bombay Times of India Press
12 22 1939 pp viii+50 V
- MADNI, HUSSAIN AHMED -
An Open Letter to the
Moslem League Lahore
Dewan Publications Rs. 2/4
1946 pp. 101 V
- MEHTA ASHOK AND NAIR
KUSUM - The Simla Trian-
gle A Projection of the
Communal Triangle. Bombay
Padma Publications Rs 1
1945 pp vi+82. V
- MEHTA ASHOK AND PAI
WARDHAN ACHYUT - The
Communal Triangle
India Allahabad. Kitabistan
Rs. 4/8 1943 pp. 253 a li
bibliography and index. V
- MOOKERJEE, DR. RADHA-
KUMUD - A New Approach
to the Communal Problem.
Bombay Padma Publications
Ltd 12 22 1943 pp iv+100
V
- NAGARJUNA (A. N. SINHA)
- A Guide to the Commu-
nal Problem in India. Pa-
na, Himalayan Publications
Ltd Rs 5/
- NAWAB NAZIR YAR JUNG
BAHADUR (Ed) - Pakistan
Issue Being the Correspon-
dence between Dr. S. A
Lateef Pt Nehru Maulana
Azad Rajendra Prasad Jinnah
&c Lahore Muhammad
Ashraf Rs. 3/12 1943 pp-
xxvi+159 V
- NOMAN MOHAMMAD
- Muslim India The Rise and
Growth of the All India
Muslim League Allahabad
Kitabistan Rs. 4/8 1940
pp 433 V
- PEERZADA SYED SHARIFUD-
DIN (Ed) - Leaders Corres-
pondence with Mr Jinnah.
Bombay Sh Nazir Ahmed,
Taj Office Rs. 6/ 1944 pp-

iv+225. V

A Record of the correspondence that passed between Mr. Jinnah on the one hand, and Lord Linlithgo, Gandhiji, Pt. Nehru, S. C. Bose, T.B. Sapru, Sir Roger Lumley, Mr. Fazlul Huq, The Nawab of Chhatari, Maulana Azad, Allama Mashriqui, Rajaji and Abdul Majid on the other, with reference to Hindu-Muslim Unity.

RAGHAVAN, V. - Indo-Muslim Culture. Bangalore, Vichara Sahitya Ltd.. Re. 1/8.

RAJENDRAPRASAD, BABU - India Divided. Bombay, Hind Kitabs, Rs. 10/8, 1st ed. 1946, pp. xii+396. V

2nd ed. 1947.

- Addendum to the First Edition of India Divided. 4 as, pp. 8. V

- The League Demand. (New Age Series 1). Calcutta, New Age Publishers, 12 as, 1945, pp. 24.

Collection of articles contributed to the 'Hindustan Times' in Jan-Feb. 1946 for the attention of the 'M. P.S.'

- Pakistan. Bombay, Allied Publishers. 6 as, 1940, pp. 62. V

REZA-UL-KARIM - For India and Islam. Calcutta, Re. 1/4.

A challenge to the Com-

munal Leaders of India.

- Muslims and the Congress. Being a Symposium of Addresses of Muslim Presidents of the Indian National Congress from 1885 to 1940, with an Introduction. Calcutta, Barendra Library, Rs. 2/8, pp. xxiv+270.

- Pakistan Examined. - With the Partition Scheme of Dr. Abdul Latif, Sir Sikandar Hayat Khan and Others.

SAIYID, M. H. (Pub.) - India's Problem of Her Future Constitution: All India Muslim League, Lahore Resolution Popularly Known as 'Pakistan'—an unbiased study, with a preface by M. A. Jinnah. Bombay, Re. 1/-, 1940, pp. iv+152. V

SHAH, K. T. - Why Pakistan and Why Not? Bombay, Pratibha Publications, Rs. 5/-, 1944, pp. viii+284. V

SHETH, HIRALAL - The Khaksar Movement Under Searchlight and the Life Story of Its Leader Allama Mashriqui. Lahore, Hero Publications, Re. 1/4, 1943, pp. 110. V

SMITH, W. C. - Modern Islam in India: A Social Approach. Lahore, Minerva Bookshop, Rs. 10/-, 1943, pp. viii+399. With notes, references, bibliography and index. V

Islam & Indian Nationalism pp 241 to 259 Khilafat Movement pp 204 to 240
SULERI, Z. A The Road to Peace and Pakistan Lahore Muhammad Ashraf Rs 18
TAGORE SIR PRADYOT K. Divine Music before Divine Mosques Calcutta 1926
THADANI L. V (Ed) - The Historical Trial of the Ali Brothers and Five Others Karachi R. V Thadani Rs 5 1921 pp xi+465+193 V
TYABJI, HUSSAIN BADRU DDIN - Why Musalmans

Should Oppose Pakistan Bombay Padma Publications, 8 as 1946 pp 30
VAIRANAPILLAI, M S - Are We Two Nations? Nationalities in Indian Politics A Scientific and Non Partisan Approach Lahore Herbert Milton Williams Rs 6⁴/₈ 1946 pp. xvi+316 Index appendices and bibliography V
VASWANI T L - The Spirit and Struggle of Islam Madras Ganesh & Co Rs 1/8 1921 pp xvi+179 V
WAHED HUSSEIN - Problems of Communal Settlement. Calcutta 1931

V POLITICS

AGARWAL, S N Gandhian Constitution for Free India. Allahabad, Kitabistan, Rs 3/12 1946 pp. 136 V
ALL INDIA CONGRESS COMMITTEE - All Parties Conference 1928 Report with supplement Allahabad Gen Secy A I C C, Rs 1/8 1928 pp 163+56 V
 - Bengal - Bihar Question Report of Babu Rajendra prasad together with the Resolution of the Working Committee of the Indian National Congress Allahabad Kitabistan for A I C C. 4 as, 1939 pp. 2+38 V
 - C. P Ministerial Crisis

Statements Issued by Shri S C Bose Parliamentary Sub Committee Acharya Kripalani and Mahatma Gandhi Allahabad Kitabistan for A I C C. 8 as 1938 pp 2+81 V
 - Congress Ministries at Work. (1946 April to April 1947) (Congress Economic and Political Studies No 2) Allahabad A I C C. Rs. 2 1947 pp. xv+110 V
 - Poona Statements Statement Issued by and Correspondence between Mahatma Gandhi and Pt Jawaharlal Nehru Sept 1933 Lucknow

J. Nehru, A. I. C. C., 2 as,
1933, pp. 13. V

ALL PARTIES' NATIONAL
CONVENTION - The Pro-
ceedings of All Parties'
National Convention, 1928.
Allahabad, Secy. to the
Convention, Rs. 2/-, 1928,
pp. 149. V

ASHRAF, MOHAMMAD (Com-
piler) - The Cabinet Mission
and After. Lahore, Moham-
mad Ashraf, Rs. 6/-, 1946,
pp. iv+431. V

[From Mr. Atlee's Speech
in the House of Commons
to the Formation of the
Interim Government by the
Congress].

BANERJEE, A. C. - The Making
of the Indian Constitution.
1939-1947. Vol I: Documents.
Calcutta, A. Mukherjee & Co.,
Rs. 15/-, 1948, pp. 24, 574. V

-(Ed.) - The Constituent Asse-
mbly of India. Calcutta, A.
Mukherjee & Co. 1947.

-(Ed.) - Indian Constitutional
Documents, Vol. II (1856-
1945). Calcutta, A Mukherjee
& Co., Rs. 12/-, 1946, pp.
xxxviii+532. V

BANERJEE, A. C. & BOSE D.
R. - The Cabinet Mission
in India. Calcutta, A. Mukher-
jee & Co., Rs. 6/-, 1946, pp.
xiv+386. V

"Contains all important
published documents relating

to the work done by the
Cabinet Mission in India."

BHAVE, VINOBA (Tr. Bharatan
Kumarappa) - Swaraj Shastra.
(The Principles of Non-violent
Political Order). Bombay,
Padma Publications, Re. 1/8,
1945, pp. 68. V

BOSE, SUBHAS CHANDRA -
The C. P. Ministerial Crisis.
[Statement of the President,
A. I. C. C]. Printed at the
Hitavad Press, Nagpur, 2 as,
1938, pp. 32. V

BROCKWAY, A. FENNER -
India and Its Government.
Madras, Tagore & Co., 6 as,
1922, pp. 29. V

CHAMAN LAL - British
Propaganda in America.
Allahabad, Kitab Mahal, Rs.
3/12, 1945, pp. xxiii+125. V

CHAUDHARY, MANOHAR-
LAL - The Congress in
Power. Lahore, The Lion
Press, Rs. 3/-, 1947, pp.
x+146. V

A Critical review of the
work of the Congress
ministries with a note on
Mahatma Gandhi.

CHINTAMANI, C. Y. AND
MASANI M. R. - India's
Constitution at Work.
Bombay, Allied Publishers,
Rs. 3/12, 1940, pp. viii+212.
V

CONSTITUENT ASSEMBLY
OF INDIA - India's Charter

of Freedom Containing the Objective Resolution of the C A and the Two Speeches thereon of Pt Jawaharlal Nehru. New Delhi Director of Publicity C A of India 8 as 1947 pp 33

COUPLAND REGINALD - The Constitutional Problem in India [Pt I The Indian Problem 1933 1935 Pt II Indian Politics 1936-1942 Pt III The Future of India] London Oxford Univ Press Rs 10 1944 pp 161+37+208 V

The Cripps Mission London O U P Rs 1/ 1942 pp 64 V

Ind a A Re-statement London O U P 12 6 1945 pp viii+311 V

Summary of the Report with historical background a re-statement of the main facts of Indian connection with Britain as a whole

DALAL, M N - Whither Minorities? Bombay D B Taraporewala Rs 2 8 1940 pp x+215 V

DASS ARJAN Leading Political Parties in India Lahore 1943

DEWAN RAM PARKASH Story of Simla Lahore Dewan Publications Rs 2 8 1945 pp 132

Account of Confererces regarding the Wavell Plan
DUNBAR SIR GEORGE - India at War London, H Ma. Stationery Office 1940
ELECTION CAMPAIGNER. AN - Of Use to Workers and Voters Bombay Hamara Hindustan 12 as 1946 pp. ix+70 Foreword by B G Khor V
FISCHER, LOUIS - The Great Challenge Delhi Pajamal Publications Rs 10/ Ind. ed., 1946 pp. viii+435 V
Chapters X XI and XIII are worth noting
FUNDAMENTAL RIGHTS COMMITTEE - Report of the F R. Committee Shri Prakash Convenor of the Committee 2 as 1931 pp 13
GANDHI, M K. (Ed Jag Parresh Chander) - Gandhi Against Fascism Lahore. Free India Publications Rs 2/ 1943 pp. xi+102 V
Gandhiji's Reasons for his Proposed Retirement from the Congress Delhi 1934 (Ed. Devan Ram Parkash) - Indian India Lahore Gandhi Publications League Rs 1/ 1943 pp. 63 V
The Indian States Problem Ahmedabad Navajivan Rs 4 1941 pp. xiv+687 V
- Mahatma Gandhi's Reply (With appendices) to

- "Congress Responsibility for the Disturbances 1942-43". [Gandhi-Government Correspondence Vol. II]. Typescript copy issued from Gandhiji's Camp for private circulation only. pp. 61+50. V
- (Ed. A. T. Hingorani) - To the Princes and Their People. (Gandhi Series, IV.) Karachi, Anand T. Hingorani, Rs. 6/8, 1942, pp. xviii+464. V
- GANDHI, M. K. & OTHERS
-Correspondence between Mahatma Gandhi, the Bombay Government and the Government of India 1942-43. Vol. I. pp. 119. V
Typescript copy for private circulation only, issued from Gandhiji's Camp.
- Gandhiji's Correspondence with the Government 1942-44. Ahmedabad, Navajivan, 1 ed. 1945; 2 ed. 1945, Rs. 2/8, pp. xxxi+360. V
- GOVERNMENT OF INDIA - Government of India's Despatch on the Proposals for Constitutional Reforms. Calcutta, Government of India Central Publication Branch, Re. 1/4, 1930, pp. 256. V
- Indian Politics 1921-22. Calcutta, Supdt. Government Printing, Re. 1/4, 1922, pp. 118. V
- HAMARA HINDUSTAN (Pub.)
-The Ordeal Begins (Gandhi-Viceroy Correspondence 1942-43). Bombay, 2 as, 1943, pp. 38. V
- HINDUSTAN NEWSPAPERS LTD. (Pub.) - The Congress at a Deadlock and the Way Out. Bombay, 1 anna, 1934, pp. 24.
- HINDUSTAN TIMES (Pub.)
-India Unreconciled (A Documentary History of Indian Political Events from the Crisis of August 1942 to Feb. 1944). New Delhi, Rs. 3/-, 1944, pp. 528. V
- HIS MAJESTY'S STATIONERY OFFICE - Proceedings of the Federal Structure Committee (Second Session, R. T. C.). London, 1931.
- Proceedings of the Indian Round Table Conference: Second Session, 1931. London, 1931.
- Report of the Indian Statutory Commission. Vol. I-Survey; Vol. II-Recommendations. London, 3/- each, 1930. V
- INDIAN STATUTORY COMMISSION - Report: Vol. I-Survey; Vol. II-Recommendations. Calcutta, Government of India, Central Publication Branch, Rs. 3/8, 3/6, 1930, pp. 409, 344. V

- Also issued by His Majesty's Stationery Office London See above
- INDIAN NATIONAL CONGRESS CENTRAL ELECTION BOARD** - Jay Hind Pamphlets 1 10 (Milestones of Liberty &c.) Bombay Rs 2/ 1946 V
- What Congress Fights For** (Being The Election Manifesto of the Indian National Congress 1945 46) Bombay 1946 pp 12
- INDIAN ROUND TABLE CONFERENCE** 12 Nov 1930 to 19 Jan 1931 Proceedings Rs 1/10 1931 pp 489 V
- INDRA PRAKASH** - Where We Differ The Congress and the Hindu Maha Sabha New Delhi The Hindu Mission Pustak Bhandar Rs 2 1942 pp viii+343
- KEITH ARTHUR B** A Constitutional History of India 1600-1935 London Methuen & Co 15/ 1936 pp xiv +536 V
- Letters on Imperial Relations Indian Reforms Constitutional and International Law Oxford 1935
- KRIPALANI, ACHARYA J B.** - Politics of the Charkha Bombay Vora & Co Rs 1/4 1916 pp 100 V
- LANKA SUNDARAM DR - A** Secular State for India Thoughts on India's Political Future Delhi Rajkamal Publications Rs 3/ 1944 pp iv+114+vi V
- LAWRENCE SIR HENRY -** The Indian White Paper Oxford B H Blackwell 1/ 1934 pp 63 V
- LOHIA RAM MANOHAR -** Indian Foreign Policy (Congress Political and Economic Studies No 12) Allahabad A I C C 3 as 1933 pp 19 Foreword by Pt Jawaharlal Nehru V
- Indians in Foreign Lands (Congress Political and Economic Studies, No 11) Allahabad A I C C 4 as, 1938 pp vi+37 Foreword by J B Kripalani V
- MACKENZIE DE WILT** - India's Problem Can Be Solved New York Doubledy Doran
- MANAGER OF PUBLICATIONS** (Government of India) - Congress Responsibility for the Disturbances 1942-43 Delhi 3 as 1943 pp ii+85 V
- Correspondence with Mr Gandhi (August 1942 April 1944) Delhi 12 as 2 impr 1944 pp ii+125 V
- Proposals for Indian Consti

- tutional Reform. Delhi, 4 as, 1933, pp. 119. V
- Report of the Joint Committee on Indian Constitutional Reform: Session 1933-34. Vol. I, Pt. I. Delhi, 8 as, 1935, pp. 427; Vol. I, Pt. II. Proceedings. 12 as, 1934, pp. x+655. V
- MUZUMDAR, H. T. - The Round Table Conference.
- The Story of Peace Negotiations.
- NATARAJAN S. - Indian Parties and Politics. Bombay, Oxford Univ. Press, 6 as, 1947, pp. 32. V
- NATESAN & Co. (Pub.) - The Round Table Conference. India's Demand for Dominion Status. Madras, Rs. 2/-, 1931, pp. xvi+352+ix. V
- NAYYAR, PYARELAL - Status of Indian Princes. Ahmedabad, Navajivan, 4 as, 1941, pp. iv+44. V
- NEHRU, MOTILAL (Chairman) - Report, All Parties Conference. 1928, Allahabad, A. I. C. C., Re. 1/8, 1928, pp. 155. V
- PEOPLE'S PUBLISHING HOUSE (Pub.) - Correspondence between Mahatma Gandhi and P. C. Joshi. Bombay, 8 as, 1945, pp. vi+63. V
- 'POLITICUS' - Eleven Points of Mahatma Gandhi. Being a Series of Articles Published in the Bombay Chronicle in 1930. Bombay, Bombay Chronicle Press, 6 as, 1930, pp. 40. V
- PUBLICIST, A DISTINGUISHED.—Pros and Cons of Council Controversy. Bombay, Vadhvani & Co., Rs. 2/-, 1922, pp. v+244. V
- PURKAYASTHA, K. M. - The Burden of Swaraj (Being a critical examination of certain broader issues underlying a nationalist constitution for India). Calcutta, The Book Co., Rs. 3/- 1931, pp. xvi+192.
- R. K. P. - Elements of village Administration and Law. Sevagram, A. I. S. A., Re. 1/-, 1948, pp. iv+68. V
- SAPRU COMMITTEE - Constitutional Proposals of the Sapru Committee. Moradabad, Secy. of the Committee, Rs. 7/8, 1945, pp. iv+346 + cii. V
- SARKAR, BENOY KUMAR - The Political Philosophies Since 1905. (Their Origins and Their Tendencies - An Objective and Chronological Survey). Madras, B. G. Paul & Co., Rs. 4/-, 1928, pp. xviii+377. V.

SASTRI M SATYANARA-
YANA Village Republics
(A Retrospect and a Scheme)
Berwada Kalipoetham Ra
1946 pp viii+60 Fore
word by Dr Pattabhi Sitara
mayya V

SCHUSTER SIR G AND
WINT GUY India &
Democracy London Mac
millan. 1941

SHAH VADILAL M The
Political Gita or the Philo-
sophy of Life Applied to
Politics in General and
Indian Politics in Particular
Bombay V M Shah Re.
1/4 1921 pp 216 V

SINGH ROY B P Parlia-
mentary Government in
India Calcutta Thacker
Spink and Co 1943 pp
ix+427 V

SITHARAM P R. - The Great
Challenge Being the Com-
plete Story of Mahatma
Gandhi's Fast Bombay
Arjee Publications Re. 1

1943 pp xvi+140 V
UNITED KINGDOM GOVERN-
MENT OF - Telegraphic
Correspondence Regarding
the Situation in India
Government London (Cmd
1586 1922 East India Non
Cooperation)

UPENDRA PUBLISHING
HOUSE - Nationalists Vs.
Moderates (Lajpat Rai
stri Controversy) Madras,
8 as 1921 pp. 47 V

VARMA SHANTIPRASAD
The Problem of Democracy
in India Delhi and Lahore.
Rs 7 8 1946 pp xiv+90+
459+7 appendices Foreword
by Dr Tarachand.

VYASARAO K - Foundatio-
of Indian Swaraj Madras
V Ramaswamy Sastrulu and
Sons 1925 pp x+118 V

The author tries to make
a case against the non co-ope-
ration movement The creed
of the Charkha also severely
criticized

VI ECONOMICS

AGARWAL, S N The
Gandhian Plan. Bombay
Padma Publications Rs 9 8
1944 pp vi+115 V

Foreword by Mahatma
Gandhi

- Gandhian Plan Reaffirmed
Bombay Padma Rs 9 8
1948 pp 89 V

This is in continuation
of and supplement to the
earlier book listed above
A I C C - Report of the
Economic Programme Com-
mittee Re 1/ 1948 pp
69 V
ANJARIA J J - An Essay
on Gandhian Economics

- Bombay, Vora & Co., Re. 1/4, 1945, pp. 40. V
- BANAVALIKAR, A. S. - The Textile Policy of the Madras Government. (A Study of Economic Possibilities). Delhi, Young Man and Co., Rs. 2/8, 1947, pp. viii + 64.
- BASU, MAJOR, B. D. - Ruin of Indian Trade and Industries. Calcutta, Prabasi Press, Rs. 2/-, 2ed. pp. viii + 158. V
- BRIJ NARAIN, PROF. - Char-kha Marxism and Indian Socialism. Lahore, Ramakrishna and Sons, Re. 1/8, 1941, pp. vi + 196. V
- Economic Structure of Free India. Lahore, Indian Book Depot, Rs. 7/8, 1946, pp. xvi + 168. V
- Indian Socialism. Lahore, Atma Ram and Sons, Rs. 2/-, 1937, pp. 158.
- BROOMFIELD, R. S. AND MAXWELL, R. M. - Report of the Special Enquiry into the Second Revision Settlement of the Bardoli and Chorasi Talukas. Bombay, Central Government Press, Rs. 2/7, 1929, pp. 107 + 7 maps. V
- CONGRESS SELECT COMMITTEE - Report of the Financial Obligations between Great Britain and India. Bombay, A. I. C. C., Re. 1/-, 1930, pp. 70. V
- DADABHAINAOROJI - Poverty and UnBritish Rule in India. London, Swan Sonnenschein and Co., Rs. 20/-, 1901, pp. xiv + 654. V
- DANTWALA, M. L. - Gandhism Reconsidered. Bombay, Padma Publications, 1 ed. 1944, 2 revd. ed. 1945, Re. 1/- V
- DASGUPTA, SATISH CHANDRA - The Cow in India 2 Vols. Calcutta, Khadi Pratisthan, Rs. 16/- for 2 vols, 1945. Vol. I Breeding - Dairy Industries, pp. 2 + xiii + 1264; Vol. II - The Body of the Cow - Its Diseases and Treatment, pp. xx + 700. V
- DESAI, VALJI G. - Cow Protection. Ahmedabad, Navajivan, 13 as, 1934, pp. viii + 170. V
- DIGBY, WILLIAM - Prosperous British India. London, T. Fisher Unwin, 21/-, 1901, pp. xvii + 661. V
- DUTT, ROMESH CHANDRA - The Economic History of India 2 Vols. London, Kegan Paul, Trench, Trubner & Co. Vol. I Under Early British Rule. 10/6, pp. xxiv + 436. V Vol. II In the Victorian Age. 10/6, pp. xxii + 628. V
- FEDERATION OF INDIAN CHAMBERS OF COMMERCE

- AND INDUSTRY - Mono-
graph on Common Salt
Calcutta, Rs 2 - 1920, pp
xiv+229 V
- GANDHI, M K AND OTHERS
- Swadeshi - True and False
Poona Harijan Office 1anna
1939 pp 16 V
- Haji H N - Economics of
Shipping - A Study in Appli-
ed Economics Bombay 6 S
Haji Rs 15 1924 pp
xxiv+425 V
- Indian Commercial and
Press Opinions on the Bill
for Reservation of Coastal
Traffic of India Bombay
6 S Haji Rs 3 - 1927
pp 105+147 V
- HARISARVOTTAM RAO G
- Spiritual Swadeshi and
Humanitarian Nationalism
Madras 1932
- JAYPRAKASH NARAYAN
- Why Socialism? Remarks
The 41 Congress Socialist
Party 10 as 1936 pp
viii+150 V
- KALELKAR D B - The Gospel
of Swadeshi Madras 1923 V
- KUMARAPPA J C - Blood
Money Wardha, A I V I A
12 as 1948 pp vi+42 V
- Clive to Keynes (A Survey
of the History of our Public
Debts and Credits) Ahmeda-
bad Navajivan 12 as 1917
pp 44 V
- Currency Inflation - Its Cau-
se and Cure Wardha,
A I V I A, Rs as 1943,
pp iv+26 V
- Economic Survey and
Planning Rajamundry H P
Co 2 as 1937 pp 31 V
- Economics of Permanence
(Reprinted from the Social
Welfare) Bombay 1anna
1942 pp 6 V
- The Economics of Perma-
nence A Quest for a Social
Order Based on Non violence
Pt I Man the Individual
Wardha A I V I A, Rs 2
1940 pp x+91 Foreword
by Mahatma Gandhi V
- Economics of Permanence
Pt II Man in Gregation.
Wardha, A I V I A, Rs 2
1948 pp viii+67 V
- The Gandhian Economy
and Other Essays Wardha
A I V I A, Rs 18 1948
pp vi+63 V
- An Overall Plan for Rural
Development, Wardha A I
V I A 1 ed 1946 2 ed
1948, Rs 1/8 pp viii+78 V
- A Plan for the Economic
Development of the North-
West Frontier Province
Wardha, A I V I A, Rs 1/
1940 pp viii+36 V
- Published for private cir-
culation only, with the kind
permission of the N W F
Province Government
- Planned Economy - A Gan

- dhian Approach (Reprinted from the Indian Journal of Social Work). Bombay, 2 as, 1942, pp. 14. V
- Public Finance and Our Poverty. The Contribution of Public Finance to the Present Economic State of India. Ahmedabad, Navajivan, 1 ed. 1930; 3 ed. 1945, Re. 1/8, pp. xii+110. V
Reprinted from Young India. Foreword by Mahatma Gandhi.
 - A Questionnaire for the Survey of Village Industries (along with General Information Notes on Those Industries). Wardha, A. I. V. I. A., Re. 1/8, 1947, pp. xviii+72. V
 - Report of the Industrial Survey Committee, Government of C. P. and Berar. Nagpur, Government Printing, C. P. and Berar. Vol. I. Pt. I, 1942, pp. iv+41+viii. V
Vol. I. Pt. II, 8 as, 1939, pp. iv+31+v. V
Vol. II. Pt. I, Re. 1/2, 1939, pp. vi+136. V
Vol. II. Pt. II, Re. 1/-, 1942, pp. iv+109. V
 - Sterling Securities or India in Account Current with Great Britain. Wardha, A. I. V. I. A., 4 as, 1947, pp. ii+10. V
 - Survey of the Matar Taluka. Ahmedabad, Gujarat Vidyapith, Rs. 2/-, 1931, pp. xx+179. V
 - Unemployment. Rajahmundry, The Hindustan Publishing Co., 2 as, 1938, pp. 27. V
 - War, a Factor of Production. Rajahmundry, H. P. Co., 2 as, 1938, pp. 30. V
- LAKSHMAN, P. P. - Congress and the Labour Movement in India. Allahabad, A. I. C. C., Rs. 2/8, 1947, pp. 174. V
- LINLITHGO (CHAIRMAN OF THE COMMISSION) - Report of the Royal Commission on Agriculture in India. Delhi, Manager of Publications, Rs. 5/10, 1925, pp. 755. V
- MAHARASHTRA PROVINCIAL CONGRESS COMMITTEE (Pub.) - Report of the Peasant Enquiry Committee of the M. P. C. C. Poona, M. P. C. C., Re. 1/-, 1936, pp. iv+107.
- MASANI, M. R. - Socialism Reconsidered. Bombay, Padma Publications, 1 ed. pp. 55, 1944; 2 revd. ed. 1946, Re. 1/- V
- MEHTA, ASHOK - Indian Shipping. A Case Study of the Working of Imperialism. Bombay, N. T. Shroff, Re. 1/-, 1940, pp. 110. V
- MEHTA, V. L. - Economics

- of Non violence Bombay
Hamara Hindustan 4 as
1944 pp 29 V
- MITRA K. (Ed) Economic
Freedom and Economic
Planning 1 Symposum
(Citizenship Series of Lectu-
res) With Immediate Mini-
mum Economic Programme
by Shankarrao Deo Allaha-
bad A I C C Rs 3
1947 pp 202 V
- Thirteen lectures on di-
verse subjects
- NATESAN (G A) AND Co
(Pub) The Swadeshi
Movement. Madras Rs 1/
pp 323+viu V
- OXFORD UNIV PRESS (Pub)
The Economic Back-
ground (Oxford Pamphlets
on Indian Affairs No 3)
Bombay 8 as 1947 pp 64 V
Kumarappa's article pp
93 42
- PAL, BIPIN CHANDRA - The
New Economic Menace to
India Madras Ganesh & Co
Rs 2 1920 pp vii+250 V
- RANGA PROF N G Four
Core Artisans Had the
Gandhian Plan Bombay
Hind Kitabs 8 as 1940 pp
ii+22 V
- RIJSKEN JOHN Unto this
Last London George Allen
Various editions
- SATYANARAYAN BHANU
DIPATHY Why "Socialism
(As Pt Jawaharlal Nehru
Sees It) Rajahmundry The
Hindustan Publishing Co 4
as 1939 pp vi+34 V
- SCINDHIA STEAM NAVIGA-
TION CO - Indian Shipping
Pamphlets Circulated by
Scindhia Steam Navigation
Company Bombay Rs. 28
1937-40 pp 194 V
- SHAH CHIMANLAL C.-
Socialism in India Bombay
C C Shah 4 as 1936 pp
39 V
- SHAH K. T - Annexure to
the Report on the Financial
Obligations between Great
Britain and India Bombay
Rs 1 1931 pp 111 V
- SITARAMAYYA PATTABHI
- Currency and Exchange
(Eleven Points of Mahatma
Gandhi) Masulipatan Sitar-
amayya 2 as 1930 pp 40 V
- The Economic Conquest of
India of the British Empire
Ltd Rajahmundry Hindu-
stan Publishing Co Rs 1/
1931 pp 161 V
- SUBEDAR MANU - Gandhian
Economics Bombay 1939
- SUNDAR RAM L. L. - Cow
Protection in India Madras
The South Indian Human-
itarian League Rs 4/ 1937
pp vii+20 V
- SUNDAY TIMES OFFICE
(Pub) Daridranarayana or
Gandhian Economics (My

Motherland Series.) Madras,
1 anna, pp. 16. V
U. P. P. C. C. - Agrarian
Distress in the United
Provinces. Allahabad U. P.
P. C. C., Re. 1/8, 1931, pp.

275. V
WADIA, P. A. AND MER-
CHANT, K. T. - Our Eco-
nomic Problem. Bombay.
The Book Co., Rs. 6/8, 1 ed.
1943, pp. vi+535. V

VI A. LABOUR

ANDREWS, C. F. - Christ and
Labour. Madras, Ganesh &
Co., Re. 1/-, 1922, pp.
viii+146. V

- The Oppression of the Poor.
Madras, Ganesh & Co., Rs.
2/-, 1922, pp. xxxv+136. V

ANDREWS, C. F. AND PEAR-
SON, W. W. - Indentured
Labour in Fiji. Delhi, 1916.

INDIAN NATIONAL TRADE
UNION CONGRESS - The
Indian National Trade
Union Congress Constitu-
tion. Bombay, I. N. T. U. C.,
1947, pp. 11. V

KELMAN, JANET HARVEY
- Labour in India. London,
George Allen, 10/6, 1923, pp.
281, V

OZA, DHANWANT - Gandhi
and Labour. Ranpur, Dhan-
want Oza, 4 as, 1 ed. 1936,
pp. 78. V

TEXTILE LABOUR ASSOCIA-
TION, AHMEDABAD
- Annual Reports.

- History of Wage Adjust-
ment in the Ahmedabad
Industry Vol. III (History

of the Wage Dispute of
1933-34 ending with the
Delhi Agreement). Ahmed-
abad, T. L. Association, 1935,
pp. x+581.

- Vol. IV (Proceedings of the
Arbitration Board and Awards
of Arbitrators and the Umpire
in the Wage Cut and Other
Disputes 1936-37). Ahmeda-
bad, 1937, pp. iv+221.

- Memorandum Submitted to
the Rent Inquiry Commi-
ttee in August 1938 and to
the Textile Labour Inquiry
Committee 1939, Ahmedabad,
1939, pp. 56.

- Replies to the Questionnaire
of the Textile Labour
Inquiry Committee submit-
ted by the T. L. A.,
Ahmedabad. Ahmedabad, T.
L. A., 1939, pp. 58.

WHATLEY, (Chairman of the
Commission) - Report of the
Royal Commission on
Labour in India. Calcutta,
Govt. of India Central Publi-
cation Branch, Rs. 2/10,
1930, pp. 581. V

VI B ECONOMICS - KHADI

ALL INDIA CONGRESS
KHADDAR DEPARTMENT
- Khaddar Work in India
Bombay A I C K Dep't
8 as 1922 pp ii+103 V

Appendix contains Provin-
cial Statements regarding
Khaddar (adapted from the
Report of the Civil Disobe-
dience Committee)

- Annual Report of the A
I C K. Dept 1924 Sabar-
mati

Khadi Bulletins Sabarmati
A I C K Dep pp 95 V

- A Khadi Tour Sabarmati
A I C K. Dept 1924 pp
205

ALL INDIA SPINNERS ASSO-
CIATION Annual Reports
Ahmedabad A I S A
1925-26. pp 38 1927 1926-
27 pp 56 1928 1927-28.
pp 42 1929 1928-29 pp 42
1930 1929-30 pp 44 1931
1930-31. pp. 26 1932 1931-
32. pp 22 1933 1932 33
pp 34 1934 1934 8 as.
pp. 46 1935 V

- For 1940 8 as 1941 pp 47
Wardha, A I S A.
Khadi Centres Ahmedabad
A I S A 1936 V

- Khadi Guide - 1930-31. Ahme-
dabad A I S A Re 1
1931 pp iv+136 V

ALL INDIA SPINNERS ASSO-
CIATION Bombay (Pub)

- Decentralization of Khadi
Work. Bombay 1944 pp
16 V

CHAUDHARANI, SARALA
DEVI - At the Point of the
Spindle Madras Ganesb &
Co 4 as 1921 pp 16 V

DASGUPTA, SATISH CHAN-
DRA - Khadi Manual Pts
I & II Calcutta, Khadi
Prastishan Pt. I Rs. 2
1924 pp. ii+96 Pt. II Re-
1 1924 pp 97 to 145 V

GANDHI MAGANLAL K.
- Charkha Shashtra Sabar-
mati Maganlal K. Gandhi
Re 1/ 1924 pp 102 V

GANDHI M. K. (Ed Ananda
T Hingorani) - Daridra-
Narayana (Gandhi Series
Brochures No 3) Karachi
A T Hingorani Rs 3
1946 pp. viii+110 V

- Economics of Khadi.
Ahmedabad, Navajivan Rs.
4, 1941 pp xxi+627 V

A Comprehensive collec-
tion on the subject

- Spinning and Khadi, Lahore
Gandhi Publications League
6 as 1943 pp 24 V

Contains random extracts
from about a dozen articles
and letters of Gandhiji
published at different times

-(Compiled and Edited by Kanan
Gandhi) - Swaraj Through

- Charkha. Sevagram, A. I. S. A., 4 as, 1945, pp. iv +25. Foreword by Amrit Kaur. *V
- The Wheel of Fortune. Appreciation by Dwijendra Nath Tagore. Madras, Ganesh & Co., Re. 1/-, 1922, pp. xvi +160. V
- GANDHI, M. P. -How to Compete with Foreign Cloth. Study of the Position of Hand-Spinning, Hand-Weaving & Cotton Mills in the Economics of Cloth-Production in India. Calcutta, The Book Co., Rs. 3/3, 1931, pp. xii+123. V
- GREGG, RICHARD B. -Economics of Khaddar. Madras, S. Ganesan, 1st ed. 1928; Revd. 2nd ed., published by the Navajivan Press, Ahmedabad, 1946, pp. iv+212, bibliography and index. V
- KERALA BRANCH OF THE A. I. S. A. -Nine Years of Khadi Work in Kerala. Eranhipalam, Calicut, 1944.
- A Survey of the progress of Khadi work in Kerala from 1935 to 1943.
- KHADI INFORMATION BUREAU -Khadi. Guide 1925. Sabarmati, A. I. C. K. Dept., 1925, 7 as, pp. 82. V
- KOTAK, H. M. -Khadi in Kashmir. Bombay.
- MEHROTRA, P. R. - True Takli. Cawnpore, J. P. Tandon, 2 as, pp. 1932. V
- NANDA, GULZARILAL -Some Aspects of Khadi (Congress Golden Jubilee Brochures). Allahabad, A. I. C. C, 1935.
- PUNTAMBEKAR, S. V. AND VARADACHARI, N. S. -Hand Spinning and Hand Weaving - An Essay. Introduction by M. K. Gandhi. Ahmedabad, A. I. S. A., Re. 1/8, 1926, pp. vi+235+iii and index. V
- RAJENDRAPRASAD, BABU -Economics of Khadi. Muzaffarpur, Secy. Bihar Charkha Sangh, 3 as, 1927, pp. 41. V
- RAY, ANIL BARAN -Khaddar Under Searchlight. Bombay, Advocate of India Press, 2 as, 1929, pp. 31. V
- "Articles written to disillusion my countrymen in the matter of Khaddar".
- RAY, ANIL BARAN AND YAJNIK, INDULAL K. -Futility of the Khaddar Cult. Bombay, Advocate of India Press, 3 as, 2 ed. 1932, pp. 39.
- SITARAMAYYA, B. PATTABHI -I too Have Spun. Being a Collection of Notes on Spinning. Bombay, Hind Kitabs., Re. 1/8, 1946, pp. 87. V

On Khaddar - Madras Natesan
9 as

TALCHERKAR V A - The
Charkha Yarn or The
Superiority of Handspun
Yarn etc Bombay Talcho

VI C VILLAGE INDUSTRIES

ALL INDIA VILLAGE INDUS-
TRIES ASSOCIATION An-
nual Reports for 1935 1936
1937 1938 1939 1940
Wardha A I V I A
1935 8 as 1936 pp 42
1936 8 as 1937 pp 31
1937 6 as 1938 pp 31
1938 8 as 1939 pp 49
1939 10 as 1940 pp 63
1940 8 as 1941 pp 62
All by Shri J O Kumarappa
Organizer and Secretary of
the Singh

The latest annual Report
published is for 1946 pp 28
1948

CHITRE S M - Bee-Keeping
Wardha A I V I A 1 ed
1939 3 ed 1944 Rs 1/8
pp iv+ 67+2 V

DASGUPTA KSHITISH CHAN-
DRA - The Romance of
Scientific Bee Keeping
Calcutta Khadi Pratisthan
Rs 7/ 1945 pp xvi+461 V
- Soya Bean Calcutta Khadi
Pratisthan 1 ed 1945 2 ed
1946 4 as pp 9

DASGUPTA SATISH CHAN-
DRA - Bone Meal Fertilizer

rkar 10 as 1925 pp xvi
+72 V

VARADACHARI N S AND
PUNTAMBEKAR, S V
- Hand-Spinning and Hand-
Weaving See Puntambekar
and Varadachari

Calcutta Khadi Pratisthan
2 as 1945 pp 6

- Chrome Tanning for Cott-
ages Calcutta Khadi Pratis-
than 8 as 1936 pp 36 and
plates

- Dead Animals and Tanned
Leather Calcutta Khadi
Pratisthan 12 as 1942
pp 59

- Hand-made Paper Calcutta
Khadi Pratisthan Rs 2 8
1945 pp viii+70 V

- Match Manufacture in
Cottages Calcutta Khadi
Pratisthan 4 as, 1938 pp 32

- Washing Soap and Fountain
Pen Ink Calcutta Khadi
Pratisthan 1 ed 1945 2 ed
1946 4 as pp 15

GANDHI M K. & OTHERS
- Cent Per Cent Swadeshi
or The Economics of
Village Industries Ahmeda-
bad Navajivan 1 ed 1938
3 enlarged ed 1948 Rs 2/
pp viii+132 V

GUPTA MUNSHILAL - Cot-
tage Industries and Their
Place in National Economy
Cawnpore Bureau of Econo

mic Research, Re. 1/-, 1946, pp. 23.

GUPTA, VED PRAKASH - The Ethics of Cottage Industries. Allahabad, University Commerce Dept - Business Bureau, 8 as, pp. 23. V

HUNTER, DR. DARD - Paper-making by Hand in India. New York. Pynson Printers, 1939, \$ 23.00, pp. 132.

The book contains 84 illustrations and 27 specimens of hand-made paper attached with notes on both and index. This is in a way a report on hand-made paper-making in India. The author has visited most of the paper-making centres in the country including Wardha A. I. V. I. A. Centre.

JOSHI, K. B.

- Paper Making (as a Cottage Industry), Wardha A. I. V. I. A., 1 ed. 1939; 4 ed. 1944, Rs. 4/-, pp. 16+226. V

- Soap Making (as a Cottage Industry). By the use of indigenous raw materials. Wardha, A. I. A. I. A. 12 as, 1 ed. 1939, pp. viii +74+7 Plates. V

KUMARAPPA, BHARATAN.
- Village Industries and Reconstruction. (Congress Golden Jubilee Brochures, No. 2). Allahabad, A. I. C. C., pp. iv+36. V

KUMARAPPA, J. C. (Ed. Sanivarapu Subba Rao)
- The Philosophy of the Village Movement. Being a Collection of Speeches and Articles on the Subject. Kovvur (S. India), Sanivarapu Subba Rao, 8 as, 1935, pp. x+83. Foreword by Rajendraprasad. V

- Thirty Questions on Indian Village Industries. Wardha, A. I. V. I. A.

- Why the Village Movement (A Plea for a New Economic Order in India). 1 ed. 1936, 8 as, Rajahmundry, pp. iv+91; 4 ed. 1945, Rs. 3/-, Wardha, A. I. V. I. A., pp. xiv+176+4. Reprinted 1946. Foreword by Mahatma Gandhi. V

MITRA, K. AND LAKSHMAN, P. P. - Cottage Industry and Indian Economy. Allahabad, Eco. and Pol. Research Dept., A. I. C. C., Rs. 2/-, 1947, pp. 104 and bibliography. Foreword by Shanker Rao Deo and Preface by J. C. Kumarappa. V

NAIK, GAJANAN - Palm Jaggery. Wardha, A. I. V. I. A., 2 as, 1938, pp. ii+15. V

NANAVATI, SIR MANILAL B. AND ANJARIA, J. J.
- The Indian Rural Problem. Bombay, Indian Society of Agricultural Economics, Rs. 8/-, 1944. pp. viii+422. V

PATEL JHAVERBHAI - Oil
Extraction (with the bullock
oil press) Wardha A I V
I 1 ed 1938 revd ed
1943 Rs 1/8 pp 121 V
- Supplement to Oil Extrac-
tion Wardha A I V I A
8 as 1939 pp iv+31 V
RAO R. V - Cottage Indus-

tries and Their Role in
National Economy Bombay
Vora & Co Rs 1/ 1944
pp 56 V

TATAWALA J S - Village
Industries in the United
Provinces. Allahabad The
U P Swadeshi Sangh 8 as
1935 pp ii+41

VII EDUCATION

**ABBOTT A. AND WOOD
S H** - Report on the Voca-
tional Education in India
Delhi Manager of Publications
Rs 1/4 1937 pp 138 V

AGARWAL, S N - Construc-
tive Programme for Stu-
dents Bombay Padma
Publications Rs 1/ 1945
pp 55 V

- Medium of Instruction
Allahabad Kambhistan 12 as
1942 pp 55 V

**ALL INDIA EDUCATION
BOARD (Pub)** Basic Na-
tional Education Syllabus
Prepared by the Zakir Hussain
Committee Sagar (Wardha)
Secy of the Board 6 as
1938 pp 65+207 V

ANDREWS C F To the
Students Madras S Ganesan ,
Rs 1/ 1921 pp 75 V

**ARMSTRONG SAMUEL CHAP-
MAN** - Ideas on Education
for Life Hampton Hampton
Normal and Agricultural
Institute 1/ 1926 pp 54 V

Indian Ed Ahmedabad Nava
jivan 1927, 3 as pp V

AUDHOLIA B S - Education
through the Mother Tongue
Wardha B S Audholia
Rs 2/ 1946 pp x+83 V

Introduction by Vinoba
Bhave

**AUNDH PUBLISHING TRUST
(Pub)** Education of Women
in Modern India Aundh
Rs 2 8 1946 pp vi+87 V
A Symposium Foreword
by Sarojini Naidu

BASU ANATHNATH - Educa-
tion in Modern India A
Brief Review Calcutta
Oriental Book Co 1 ed 1946
2 ed revd and enlarged
1947 Rs 4/ pp vii+164 V
Basic Education discussed
from pp 119 131

BHATIA H. R - Craft in Edu-
cation A study in Ideals
and Methods Pilani (Jaipur)
H R Bhatia Rs 5/ 1944
pp vii+222 V

- BOARD OF NATIONAL EDUCATION - National Education : A Symposium. Adyar, The Commonwealth Office, 8 as, 1918, pp. 55. V
- BOMBAY, GOVERNMENT OF - Report on the Public Instruction in the Bombay Province 1937-38, 1938-39, 1939-40 with their Supplements. Bombay, Government Central Press. V
- Report on the Vocational Training in Primary and Secondary Schools and Consequent Reorganization. Bombay, Govt. Central Press, 4 as, 1938, pp. vii+125. V
- CHATTOPADHYAY, K. P. - Our Education. Calcutta, National Council of Education, Bengal, Rs. 3/-, 1948, pp. 156.
- EXPERIENCE - Educational Reformation in India. Calcutta, J. C. Basak, Re 1/8, 1st ed. pp. xii+271.
- FERRIERE, ADOLF (Ed. and Tr. : Saiyidin, K. G.) - The Activity School. Allahabad, Kitabistan, Rs. 6/4, 1938, pp. xvi+272. V.
- GANDHI, M. K. - Constructive Programme : Its Meaning and Place. see Section on Sociology
- (Ed. A. T. Hingorani) - To the Students. Karachi, A. T. Hingorani, Rs. 4/8, 3 ed. 1941, pp. xvi+344. V
- GREGG, RICHARD B. - A Preparation for Science. Ahmedabad, Gujarat Vidya-pith, 12 as, 1928, pp. vi+141. Foreword by Kalelkar. V
- GREGG, RICHARD B. AND GANDHI, MAGANLAL K. - The Takli Teacher. Sabarmati, A. I. S. A. Technical Department, 6 as, 1926, pp. 72. V
- GUPTA, BABULAL - An Intelligent Man's Guide to the Wardha Scheme of Education (Containing Gandhiji's Latest Doctrine of Education in Correlation of Studies). Aligarh, The National Literature Publishing Society, Re. 1/12, 1939, pp. xiv+224. Illustrations. V
- HAMPTON, H. V.; SAIYIDIN, K. G.; JHA, AMARNATH & C. - The Educational System (Oxford Pamphlets on Indian Affairs). London, Oxford Univ. Press, 1943, pp. 64. V
- HARTOG, SIR PHILIP - Some Aspects of Indian Education Past and Present (Being Joseph Payne Lectures for 1935-36). London, Oxford Univ. Press for the Institute of Education, University of London, 4/-, 1939, pp. xvi+109. V

HINDUSTAN PUBLISHING HOUSE (Pub) - Indian Education Lucknow Rs 5 1939 pp. x+319 V

Contains a brief survey of Indian Education progress of education in the provinces and states of India and the full text of the Report of the Wardha Education Committee and the syllabus prescribed by it the latter items covering the major part of the book

HINDUSTANI TALIMI SANGH

- Basic National Education Syllabus recommended by the Zakir Hussain Committee Sevagram 1935 V
- Basic National Education - Revised Syllabus for Grades I to V and also Pre-Basic. Sevagram H T Sangh Re 1/ 1946 pp 56
- Educational Reconstruction Sevagram H T Sangh 2ed 1939 pp vii+296 V

Contains Gandhiji's articles Proceedings of the Wardha Education Conference Report of the Zakir Hussain Committee and the proposed syllabus

- One Step Forward The Report of the First Conference of Basic National Education Poona Octo. 1939 Sevagram H T Sangh Re 1/8 1940 pp xiv+297 V

- Third Annual Report 1940-41 Wardha H T Sangh pp ii+70

- Two Years' Work (Report of the Second Basic Education Conference Jamianagar Delhi April 1941) Sevagram Rs 3 1942 pp 291 V

- Sixth Annual Report of the Hindustani Talimi Sangh- 1939 1944 Sevagram Pe. 1/ 1944 pp 57 V

JESUDASAN DR.S - Ashrams, Ancient and Modern Their Aims and Ideals Vellore Shri Ramachandra Press, pp vii+58

Gandhiji's Satyagraha Ashram pp 20 33

KASHI VIDYAPITH (Pub. - Recommendations of the National Education Committee with a Report of II Proceedings. Benares 12 a 1923 pp 80

KRIPALANI J B The Late... Fad Basic Education Sevagram Hindustani Talimi Sangh 1 ed 1939 2 ed. 1946 Re 18 pp. vi + 102 V

Foreword by Mahatma Gandhi

- The New Education (Method and Aim) Sevagram H T Sangh 2 as 1939, pp. 24
- Inaugural Address by Shri Kripalani at the Poona Conference Octo 1939

KUMARAPPA, J. C. - Education for Life (Mass Education). Rvjahmundry, Hindustan Publishing Co., 2 as, 1937, pp. 47. V

LEGGE, J. G. - The Thinking Hand or the Practical Education in the Elementary School. London, Macmillan & Co., 7/6, 1914, pp. x+217. V

LIMAYE, P. M. - Education in India Today. Poona. D. D. Karwe, Fergusson College, Rs. 2/-, 1945, pp. vii+140.

Report of an Educational Tour 1940-41. The author is severely critical of basic education.

MACMILLAN AND Co. (Pub.) - Fundamental Education: Common Ground for All Peoples. (Report of a Special Committee to the Preparatory Commission of the United Nations Scientific and Cultural Organization Paris, 1946). New York, \$ 2.50, 1947, pp. viii+325. V

MANAGER OF PUBLICATIONS (Pub.) - Post-War Educational Development in India. (Report of the Central Advisory Board of Education). Delhi, 12 as, 1944. pp. ii+118. V

- Report of the Second Wardha Educational Committee

of the Central Advisory Board of Education 1939, together with the decision of the Board thereon. Delhi, 1940, pp. ii+43. V

MANSHARDT, DR. CLIFFORD (Chairman) - Report of the Adult Education Committee 1938. Bombay, Govt. Central Press, 3 as, 1938, pp. iv+86. V

MAYHEW, ARTHUR - The Education of India. London, Faber and Gwyer, 10/6, 1926, pp. xii+306. V

MUKERJEE, S. N. - Education in India in the XX Century. Baroda, Padmaja Publications, Rs. 2/8, 1945, pp. viii+158.

MUNSHI, K. M. - The Creative Art of Life: Studies in Education. Bombay. Padma Publications for the Bharatiya Vidya Bhavan, Rs. 2/8, 1947, pp. 4+92. V

NAG, D. S. (Ed.) - Medium of Education; A Symposium. Bombay, National Information and Publications Ltd., Re. 1/8, 1948, pp. x+57. V

Contains answers to over a dozen questions on the subject from a number of well-known educationists of India including Gandhiji; also Gandhiji's speech at the inauguration of the 'Mother-tongue-as-the-Medium-of-Instruction Conference' held

at the Wardha Sakseria
College of Commerce

NAG KALIDAS - International
University of Non violence
Principles and Planning
Calcutta Vir Sasana Sangh
1947 pp 16 V

**NATIONAL PLANNING CO
MMITTEE** General Edu
cation and Technical Edu
cation and Developmental
Research (Reports of Sub-co
mmitees) Bomlay Vora and
Co Rs 6/ 1948 pp 209 V

NIVEDITA SISTER - Hints on
National Education in India
Calcutta Udbodhan Office
Rs 1/ 1923 pp viii+181 V

PREMCHAND LAL Reconst
ruction and Education in
Rural India London George
Allen 10/ 1938 pp 262
Introduction by Rabindranath
Tagore

RADHAKRISHNAN S - Edu
cation Politics and War
Poona International Book
Service Rs 5/ 1944 pp
iv+208 V

- Freedom and Culture Ma
dras G A. Natesan Rs
1/ 1936 pp viii+168 V

RAJENDRAPRASAD BABU
Constructive Programme
Some Suggestions See Sect
on Sociology

RANGA N G Adult Edu
cation Movement howur
The Andhradesb Adult Edu

cation Committee Rs 1/
1938 pp 222+xx V

REDDY M MUNI - The
Student Movement in
India Lucknow New Age
Office Rs 5/ 1947 pp x+218
+118 V

ROY KASHITISH (Ed) Vishwa
Bharati Quarterly See V R
Quarterly below

SARASWATI LIBRARY (Pub)
- Non Cooperation and
Students (Swara) Series No
1) Calcutta 4 as 4 ed,
1931 V

Speeches and writings of
Gandhi Das etc

**SINGHA MADHAVENRA P
N (Ed)** - Challenge to
Youth (A symposium of
messages of the great persona
lities to the Indian Youth)
Allahabad Kitab Mahal Rs
2/ 1940 pp 239

Mahatma Gandhi's messa
ge pp 71 to 79

SINHA LAXMISWARA Card
board Modelling (Pt I of
Cardboard Wood and Metal
Work Series) Sevagram H
T Sangh Rs 1/ 1939 pp
109 V

**SOCIETY FOR THE PROMO
TION OF NATIONAL
EDUCATION** - Reports of
the Society Adyar

TAGORE RABINDRANATH
The Centre of Indian
Culture Adyar Theosophical

Publishing House, Re. 1/-,
1919, pp. 50. V

TAGORE, RABINDRANATH
AND OTHERS (Ed. Tandon)
- Famous Convocation
Addresses: Messages to
Indian Students. Allahabad,
Students' Friends, Rs. 2/8,
1936, pp. xxx+238. V

VARKY, C. J. - The Wardha
Scheme of Education:
Exposition and Examination.
London, Oxford Univ. Press,
Re. 1/8, 1939, pp. xviii+
175. V

VISHWABHARATI QUAR-
TERLY: Education Number.
(Vol XIII, Pts. I & II, Ed.
Kshitish Roy. Santiniketan,

Santiniketan Press, Rs. 8/-,
1948, pp. iv+215+vii. V

Contains among other things
articles on basic education and
a detailed bibliography of
the writings of Rabindranath
Tagore on education. Edu-
cation at the basic stage has
been dealt with in detail.

VORA AND Co. (Pub.).
- Educational Reconstruc-
tion. Bombay, 1 ed. 1938.

The Second and subse-
quent editions published by
the Hindustani Talimi Sangh,
Sevagram.

ZAKIR HUSSEIN COMMI-
TTEE - Basic National
Education. See All India
Education Board.

VIII. NATIONAL LANGUAGE

AHMED, Z. A. (COMPILER)
- National Language for
India (A Symposium). Allah-
abad, Kitabistan, Rs. 2/8,
1941, pp. 229. V

CHATTERJI, SUNITIKUMAR
- Indo-Aryan and Hindi.
Eight Lectures on the History
of the Aryan Speech in
India and on the Development
of Hindi. Ahmedabad, Gujarat
Vernacular Society, Rs. 3/8,
1942, pp. xiii+158. V

GANDHI, M. K. - The
National Language. Lahore,
Gandhi Publications League,
6 as, 1943, pp. 31. V

The title of the booklet
is misleading. It is simply
the translation of the presi-
dential address delivered (in
Gujarati) at the Second
Gujarat Educational Con-
ference held at Broach on
Octo. 20, 1917.

-(Ed. A. T. Hingorani)
- Our Language Problem.
(Gandhi Series-Brochure No.
2) - Karachi, A. T. Hingorani,
Re. 1/8, 1942, pp. vi+66. V

NEHRU, JAWAHARLAL - The
Question of the National
Language (Congress Political

and Economic Studies No
6) Allahabad A I C C 4
as 1937, pp 25 V
Foreword by Mahatma
Gandhi
SHARMA SWAMINATH-Lin-
gua Indiana Bombay,

Nalanda Publications Rs 1/
1947, pp iv+58 V
TARACHAND, Dr - The
Problem of Hindustani-
Allahabad Indian Periodicals
Ltd, Rs 2/8 1944, pp 134
V

IX HEALTH AND DIETETICS

ALL INDIA VILLAGE INDU-
STRIES ASSOCIATION
-Rice Wardha A I V I
A 12 as 1941 pp vi+62 V
-Table of Indian Food Va-
lues and Vitamins Wardha
A I V I A 10 as 2 ed.
1946 pp iv+27+iii V

DASGUPTA SATISH CHAN-
DRA - Cheap Remedies
Calcutta Khadi Pratisthan
1 ed 1940 3 ed 1946 Re
1/ pp 103

-Home and the Village Do-
ctor Calcutta Khadi Prati-
sthan 1 ed 1940, Rs 5/
pp xxii+1416 V

Foreword by Mahatma
Gandhi Second edition Rs 10

DASTUR H P - Diet. Wardha
A I V I A 4 as 1938 pp
ii+35 V

GANDHI M K. (Tr A
Rama Iyer) - A Guide to
Health Madras S Ganesan
12 as 1930 pp viii+133 V

Translated from the Hindi
translation of the original
Gujarati

(Abridged and edited by Dr

R. R. Pal) Guide to Health.
Allahabad Ram Mohanlal 6
as 1930 pp vi+93 V

-Key to Health Ahmedabad
Navajivan 10 as 1949 pp-
xxvi+84 V

GO-SEVA SANGH - Nakh
Ghee (Hydrogenated Oil)
Gopuri (Wardha), Go-seva
Sangh 6 as, 1947

JAGADISAN T N - The
Truth about Leprosy Mad-
ras British Empire Leprosy
Relief Association 3 as,
1945 pp 16 V

Reprinted from the Indian
Journal of Social Work Vol
IV No 2 March 1944

JUST, ADOLF - Return to
Nature New York American
Naturopathic Association
Translated from the original
German by Benedict Lust

PATEL JHAVERBHAI P
-What Shall We Eat ?
(Being a Handbook of Diet-
etics) Wardha A I V I
A Rs 3/ 1947, pp viii
+131 V

Foreword by Mahatma Gandhi.

VEGETARIAN NEWS (Quarterly Journal of the London Vegetarian Society). Mahatma Gandhi Memorial Number

Vol. xxvii No. 260. Re. 1/-, 1948, pp. 48+xvi. V

Contains Gandhiji's address in the Society on 'the Moral Basis of Vegetarianism' delivered on 20th Nov. 1931, and his views on diet.

X. LITERATURE.

A. E. (Ed. Monk Gibbon) - The Living Torch. London, McMillan & Co., 12/6, 1937, pp. xii+382. V

Appreciation and criticism of Gandhiji, pp. 169-171.

ABRAMOWITZ, ISIDORE (Ed.) - The Great Prisoners. The First Anthology of Literature Written in Prison. New York, E. P. Dutton & Co., \$ 4.95, 1946, pp. xxxviii+879. V

"The Terrible Meek: M. K. Gandhi", pp. 810-821; "The Pandit Socialist", pp. 822-834.

ANAND, MULK RAJ - Letters to Gandhi and to Others. Ambala.

ANDREWS, C. F. - Rabindranath Tagore (A Lecture). Cape Town, Cape Times Ltd., 6 d, 1914, pp. 41.

CANDLER, EDMUND - Abdication (a novel). London, Constable, 7/6.

Contains a sympathetic picture of a visit paid by Gandhi to a Punjab city.

CHATTERJEE, RAMANANDA (Ed.) - The Golden Book of

Tagore. Calcutta, The Golden Book Committee, Rs. 20/-, 1931, pp. xx+874. V

CHATTOPADHYAYA, HARINDRANATH - Freedom Come.

Bombay, Nalanda Publications, 12, as, 1947, pp. 15. V

DESAI, MAHADEO - The Eclipse of Faith. Lahore, Dewan's Publications, 6 as, 1943, pp. 31. V

Contains two articles of M. D. selected at random.

- Unworthy of Wardha. Lahore, Dewan's Publications, 12 as.

Contains seven articles from the pen of M. D., selected at random.

IQBAL SINGH AND RAJA RAO (Ed.) - Wither India? Baroda, Padmaja Publications, Rs. 6/8, 1947, pp. xii+232.

JAG PARVESH CHANDER (Ed.) - Tagore and Gandhi Argue. Lahore, Indian Printing Works, Rs. 3/-, 1945, pp. 181.

Contains articles by Gandhi, Tagore, Andrews, Mahadev Desai and Pyarelal.

- JAPETH M D Fools Paradise The Revolt of a Conscience. Bombay M D Japeth
Rs 3 1944 pp x+112
Among other articles the book contains a chapter on Gandhi and Gandhism pp 37 to 50
- KOYAL, B (Ed) India Speaks
Calcutta S K Lahiri & Co
Rs 1/4 1939 pp vii+106 V
- MEHTA GAGANVIHARI L
From Wrong Angles.
Calcutta G L Mehta Rs
18 1934 pp. iv+158 V
- MUNSHI K. M. Gujarat
and Its Literature Bombay
Longmans Green & Co Rs 6/
1935 pp xxiv+407 V
Foreword by Mahatma
Gandhi Ch IV of Pt III
Mahatma Gandhi and the
Triumph of Aryan Culture.
pp 306-323
- RAJA RAO AND IQBAL
SINGH Changing India
An Anthology of Writings
from Ram Mohan Roy to
Jawaharlal Nehru. London
George Allen, 5/ 1939 pp
271 V
- RAJGA PALACHARI C - The
Fatal Cart and Other
Stories. New Delhi The
Hindustan Times Rs. 2/
1945 pp vi+140 V
- Jail Diary Madras Swarajya
Printing and Publishing Co
Rs 1/ 1922, pp. iv+137 V
- RALLIA RAM B L & NAIR.
LAJPAT RAI (Ed) Wisdom
of Modern India (Being
Selections from the writings
and speeches of representative
Indians of the last fifty years)
Lahore Institute of Current
Affairs Rs 2.8 1945 pp.
viii+135 V
Gandhiji on Non violence
pp 45 50
- ROLLAND ROMAIN - Above
the Battle London George
Allen 36 pp 193 V
- I Will Not Rest London,
Selwyn & Blount 1937.
36 pp 370 V
- SHASTRI, Rt. Hon V S SHRI-
NIWAS (Ed T N Jagadishan)
Letters of the Rt Hon.
V S Shrinivas Shastri with
Some Letters of E. S Mon-
tague and Gandhi Shastri
Correspondence. Madras
Rochouse & Sons Rs. 6/
1944 pp x+392 V
- The Other Harmony A
Selection from the Writings
and Speeches. Madras S.
Viswanathan Rs. 2/4 1945
pp vi+147 V
- SINCLAIR UPTON - Mammon-
art \$ 200 pp vi+390 V
- SITARAMAIA DR. B PATTABHI - Feathers and Stones
My Study Windows"
Bombay Padma Publications
Rs 7/8 1946 pp vi+399 V

TAGORE, RABINDRANATH
- Letters to a Friend. London.
George Allen, 7/6, 1928, pp.
195. V

The letters are addressed
to C. F. Andrews who has
edited them.

THOMPSON, EDWARD - Atone-
ment. A Play of Modern
India in Four Acts. London,
Ernest Benn Ltd., 3/6, 1924.

Among the characters is
'The World-famous Mahatma
Ranade' described as 'The
Spinner of a Nation's Destiny'.

WILLIAMS, L. F. RUSHBROOK
- Famous Letters and Spee-
ches. Bombay, Times of
India (Home Library Club);
Rs. 4/8, 1940, pp. 640. V

Gandhiji's speech on "The
Spirit of the Congress" deli-
vered at the Second R. T. C.
on December 1, 1931, pp.
556 to 567 - "one of the
most brilliant that he ever
delivered"; Shastri's appeal to
the Br. Govt. and Mahatma
Gandhi, pp. 568 to 574. Also
a letter from Gandhiji to Gen.
Smuts, dated. 30-6-'24.

XI. CURRENT HISTORY

ABBAS, K. A. - I Write as I
Feel. Bombay, Hind Kitabs,
Rs. 4/12, 1948, pp. xii+340. V
A chronicle of events from
June 1941 to August 1947.

ABBAS, K. A. and JOG, N.
G. - A Report to Gandhiji.
Bombay, Hind Kitabs, Re.
1/8, 1944, pp. 77. V

ACHARYA, G. N. (Ed.) - They
Speak for India: Edgar
Snow, Pearl Buck &c. Bom-
bay, Hamara Hindustan, 8
as, 1943, pp. viii+58. V

**AIYAR, R. P. AND BHAN-
DARI, C. S.** - The Con-
gress Caravan 1885 to 1945.
Bombay, National Youth
Publications, Rs. 3/8.

AIYER, H. R. - The Congress
and the War. Baroda, C.

S. Raja & Co., 5 as, 1941,;
pp. 40. V

- India and the War. Baroda,
C. S. Raja, Re. 1/-, 1942,
pp. 112. V

ALEXANDER, HORACE G.
- Congress Rule in India:
A Study in Social Reform.
London, Victor Gollancz for
New Fabian Research Bureau,
6 d, 1938, pp. 31. V

- India Since Cripps. London,
Penguin Books, 1/-, 1944,
pp. 93. V

- The Indian Ferment. London,
1929.

ALI, MOHAMMED - Freedom
of Faith and Its Price:
The Case of Messrs Shaukat
Ali and Mohammed Ali. Ken-
sington, 2/-, 1919, pp. 151.

ALI MOHAMMED - Speeches
Madras Ganesh & Co 1921

-(Ed Afzal Iqbal) - My Life
A Fragment An Autobiographical Sketch of Maulana
Mohammed Ali Bombay
Shaikh Muhammad Ashraf
Rs 5/4 1912 pp xii+273 V

ALI BROTHERS For India
and Islam The Karachi
Trial Calcutta Saraswati
Library Re 1/12 1922
pp 100+120 V

ALL INDIA CONGRESS
COMMITTEE - Congress and
War Crisis Allahabad Re
1/ 1940 pp ii+179 V

- Congress Bulletin See section
on Journals

- Congress Handbook, Allaha
bad Rs 2/8 1946 pp iv+
294 V

Besides giving information
about the Indian National
Congress and its activities
the handbook gives details
about other allied institutions
like the A I S A and the
constructive activities carried
under their auspices

- The Indian National Con-
gress 1920-1923 Collections
of Resolutions of the Congress,
the A I C C and the
Working Committee Allaha
bad Rs 2/8 1924 pp 351 V

Similar Reports for the
succeeding years upto 1940

- Reports of the Annual and
Special Sessions of the
Indian National Congress.
- Reports of the General
Secretary on the Working
of the Congress From 1936
onwards

AMERY L S - India and Free
dom Bombay Oxford Univ
Press Rs 3/ 1942 pp 129 V

ANAND MULL RAJ - Letters
on India London The La-
bour Book Service 1942 pp
xii+159 V

ANDREWS C F - Akali
Struggle

- The Challenge of the North
West Frontier A Contribu-
tion to World Peace London,
George Allen 3/6 1937 pp
208 V

- The Claim for Independence
(within or without the British
Empire) Madras Ganesh &
Co 8 as pp 68 V

How India Can Be Free?
Madras Ganesh & Co 1921

- India and the Pacific London
George Allen 3/6 1937 pp
224

India and the Simon Report.
London George Allen 5/
Cheaped 3/6 1930 pp 191
Mahatma Gandhi pp 51
64 Gandhiji's Letters 167
185,

- The Indian Earthquake.
London George Allen 2/6
1934 pp 130 V

- Ch. IX Gandhi in Bihar, pp. 71-92.
- Indian Independence the Immediate Need. Madras, Ganesh & Co., 1921.
 - The Indian Problem. Madras, G. A. Natesan, Re. 1/-, 1923 pp. 128. V
 - Indians in South Africa. Madras, Ganesh & Co., 8 as, pp. 88.
 - The True India. A Plea for Understanding. London, George Allen, 3/6, 1939, pp. 251. V
 - What I Owe to Christ. London, Hodder and Stoughton 1932, pp. 311.
- ANDREWS, C.F. AND MUKERJEE, GIRIJA - The Rise and Growth of the Congress. London, George Allen, 7/6, 1938, pp. 304. V
- ANUP SINGH - Nehru the Rising Star of India. London, George Allen, 3/6.
- ARONSON, DR. ALLEN - Romain Rolland: the Story of a Conscience. Bombay, Padma Publications, Rs. 5/8, 1944, pp. iv+215. V
- ASHBY, LILLIAN LUKER (WITH WHATELY ROGER) - My India. London, Michael Joseph, 5/-, 1938, pp. 352.
- Gandhiji's visit to Jamshedpur, pp. 337-342. The authoress was Gandhiji's host.
- ASIAN RELATIONS ORGANIZATION - Asian Relations,

Being Report of the Proceedings, and Documentation of the First Asian Relations Conference, New Delhi, 1947. New Delhi, Rs. 15/, 1948, pp. viii+314. V

Mahatma Gandhi's address to the Conference, pp. 242-245.

ASSOCIATED NEWSPAPERS LTD. (Pub.) - The Indian Crisis. (The Daily Mail Blue Book). London, 1 d, 1930, pp. 48. V

Contributions by O'Dwyer, Rothermere &c. on the Indian situation — containing all kinds of distortions and lies.

ASVATHANARAYAN RAO, VADIGANAHALLI - What It Cost Me. (Leaves from a Diary). Bangalore City, Swadeshi Bhandar, Re. 1/8, 1942, pp. x+180+4. V

ATHLYE, D. V. - The Life of Lokamanya Tilak. Poona, Annasahib Chiplunkar, Rs. 3/8, 1921, pp. xiv+400. V

BAILLIE, ADRIAN & OTHERS - India from a Back Bench. London, 1943.

BANERJEE, SIR ALBION - The Indian Tangle. London, Hutchinson, 5/-, pp. 255. V

A loyalist anglicized civilian describes the tangle. Ch. VII. The Gandhi Cult and Reaction, pp. 118-133.

- What is Wrong with India
Allahabad Kitabistan Rs 3/
1944 pp 239 V

BANERJEE BEJOY - Indian
War of Independence with
special reference to I N A
Calcutta Oriental Agency
Rs 4 1946 pp viii+168 V
Congress and Gandhi pp
35 to 47

BANERJEE D N - The Resur-
rection of the Congress
Madras Tagore and Co 1920
pp- 25

BANERJEE NAKULESHWAR
A New Deal in Indian
Politics Calcutta D M Roy
Rs 1 1944 pp iv+45 V

BANERJEE NRIPENDRA C
- A Idealism and Other Essays
1930

The Ideal of Swaraj Mad-
ras Ganesh & Co Rs 1/
1921 pp xvi+69

BANERJEE SURENDRA NATH
- A Nation in the Making
London Oxford Univ Press
21 1 ed. 1925 pp xvi+
490 V

BARNES MARGARITA
- India Today and To-
morrow London George
Allen 7/6 1937 pp 304

The book deals with the
period from 1931 to 1937
especially all the R. T. C.s
With Mr Gandhi pp 75
to 89 Mr Gandhi Again pp
138 to 142

- The Indian Press. A History
of the Growth of Public
Opinion in India. London.
George Allen 21/. 1940 pp-
xvi+491 Bibliography and
index V

BASU MAJOR B D - India
Under the British Crown.
Calcutta R. Chatterjee Rs.
10/ 1 ed. 1933 pp x+573
Illustrated V

BESANT, ANNIE - For India's
Uplift Speeches and Writ-
ings on Indian Questions.
Madras, G A Natesan Rs ,
1/8 2 rev ed pp. 326.

- India Bond or Free? A
World Problem London and
New York G P Putnam's
Sons 12/6 1926 pp iv+
216 V

Gandhi's movement of
passive resistance and non
cooperation pp 189 195

- The India That Shall Be
Madras T P House Rs
1/12 1940 pp x+265 V

- Speeches and Writings of
Annie Besant. Madras,
Ganesh & Co Rs 3/ 3 ed.
pp viii+479

BEVAN EDWYN - Thoughts
on Indian Discontents
London George Allen 6/
1929 pp 178 V

BHANDARKAR D R. (Ed.)
- India Philadelphia 1934 pp
203 V

- 'Backward and Untouchable Classes' by Mahatma Gandhi, pp. 181-182.
- BHATTACHARYA, U. C. AND CHAKRAVARTY, S. S. - Pandit Motilal Nehru. His Life and Work. Calcutta, 1934.
- BHAVANIDAYAL, SANNYASI AND CHATURVEDI, BENARASI DAS - A Report on the Emigrants Repatriated to India, Under the Assisted Emigrated Scheme for South Africa &c., 15-5-31. Khargash, B. D. Sannyasi, 1931, pp. 70+48.
- BIRDWOOD, Lt. COL. C. B. - A Continent Experiments. London, Skeffington & Son, 21/-, 1945, pp. 276. Foreword by Lord Halifax. V
- BLACKHAM, ROBERT J. - Incomparable India: Tradition, Superstition, Truth. London, Sampson Low, Marston & Co., 12/6, pp. xviii+302. Illustrated profusely. Foreword by Sir William Birdwood.
- BOLTON, GLORNEY - Peasant and Prince. Modern India on the Eve of Reforms. London, George Routledge, 12/6, 1937, pp. xii+296. Index and 8 illustrations. V
- Half-naked Fakir pp. 37-52.
- BOMBAY PROVINCIAL CONGRESS COMMITTEE - March of Events. (Being the Case of the Indian National Congress vis-a-vis the Present World Crisis). Bombay, B. P. C. C., Re. 1/-, 1940, pp. iv+172.
- For Pts. II. & III see under Lele, Alva &c.
- BOSE, SUBHASH CHANDRA - The Indian Struggle 1920-1934. London, Wishart, 14/-, 1935.
- Indian ed. Calcutta, Thacker, Spink & Co., Rs. 10/-, 1948.
- Through Congress' Eyes. Allahabad, Kitabistan, Rs. 2/8, 1939, pp. viii+243. V
- BRAILSFORD, H. N. - Rebel India. London, Leonard Stein, 2/6, 1931, pp. 183. V
- Subject India. Bombay, Vora & Co., 1 Ind. ed. 1946, Rs. 4/8, pp. 260. V
- BRIGHT, J. S. - Frontier and Its Gandhi. Lahore, Allied Indian Publishers, Rs. 3/-, pp. 144.
- The Great Nehrus. Lahore Tagore Memorial Publications, Rs. 6/-, 1947.
- - (Ed.) - Important Speeches of Jawaharlal Nehru. Lahore, 1945.
- President Kripalani and His Ideas. Lahore Indian Printing Works, Rs. 4/4, 1947. pp. 218.

BROCKWAY A. FENNER
- The Indian Crisis London
Victor Gollancz 2 v 1930
pp 208 V

Mahatma Gandhi pp
91 112

BUCH M A Rise and Growth
of Indian Nationalism Non-
violent Nationalism Gandhi
and his School Baroda.
Atmaram Press Press Pa.
5 1939 pp vi+216+3
References and Select Bibli-
ography V

BUCHAN JOHN (ed) - India
(the Nations of To-day A
New History of the World
Series) Beacon and New
York Houghson Mifflin, 500
1933 pp xx+795 index.

From the Rowlett Bills
and Jallianwala Tragedy to
the imprisonment of Gandhiji
in March 1932, pp 202 to
209 An imperialist conser-
vative approach to the problem
of Indian politics and especi-
ally to non-co-operation, the
enemy of Society and Civil-
ization

BUTLER, SIR H - India In-
sistent. 1931

CADOGAN - The India We
Saw London John Murray
7 6 1933 pp viii+310

The author was a member
of the Simon Commission

CAROLE, JOSEPH An Open
Letter to Mr Gandhi.

Allahabad 1925

CARTHILL, AL - The Lost
Dominion Edinburgh Wili-
am Blackwood 15 2 May
1924 pp viii+331 V

CAVEESAR SARDUL SINGH
- India's Fight for Freedom
A Critical Survey of the Indian
National Movement & the
advent of Mahatma Gandhi
in the field of Indian Politics
Lahore The National Publi-
cations 1 & 2 14 2 ed. 1933.
pp ix+490 V

First ed published under
the title "Non violent Non-
Cooperation" Foreword by
Kalinah Ray 6 appendices
and 2 indexes

- Non violent Non-Coopera-
tion See "India's Fight for
Freedom" above

CHAKRAVARTY D AND
BHATTACHARYA, C. - Con-
gress in Evolution. Pts. I
& II Being a collection of
Congress Resolutions from
1885 to 1940 and other impor-
tant documents. Calcutta
The Book Co Rs 4/ 1940.
pp +viii+232 li+57 V

CHANDER JAG PARVESH
- India Steps Forward The
Story of The Cabinet Mission
in India in Words and Pic-
tures. Lahore The Indian Print-
ing Works Rs 6 4 1946 pp
250 Illustrated profusely V

CHATTERJEE AND MORELAND - A short History of India. Longmans, 21/-.

CHINTAMANI, C. Y - Indian Politics since the Mutiny. Waltair, Andhra University, Rs. 2/-, 1937, pp. 179+vii.

English edition, London, George Allen.

CHIROL, SIR VALENTINE - India (The Modern World: A Survey of Historical Forces. Vol. V). London, Ernest Benn, 21/-, 4 impr. 1930, pp. viii+352. V

Ch. xii. Non-cooperation Movement, pp. 200-224.

- India Old and New. London, McMillan, 10/-, 1921, pp. x+319. V

CLOSE, UPTON - The Revolt of Asia: The End of the White Man's World Dominance. New York, G. P. Putnam's Sons, 10/-, 1927, pp. xiv+325. V

CLUME, FRANK - Song of India. Bombay, Thacker, Rs. 12/8, 1 Ind. ed. pp. iv+405, bibliography and illustrations. V

Gandhi and his entry into Indian struggle for freedom, pp. 177-189; Quit India struggle, pp. 200-203.

An Australian visitor's survey of the Indian scene.

COATMAN, J. - India in 1925-26. Calcutta, Govern-

ment of India Central Publication Branch, Rs. 2/6, 1926, pp. xviii+463. V

- India in 1926-27. Rs. 2/8, 1928, pp. xvi+377. V

- India in 1927-28. Rs. 2/8, 1928, xviii+462. V

- India in 1928-29. Rs. 2/4, 1930, pp. xviii+416. V

See also under Govt. of India and Rushbrook Williams.

- India the Road to Self Government. London, George Allen, 5/-, 1941, pp. 146.

History of the Indian Swaraj Movement from the Morley-Minto Reforms to 1940.

COELHO, M. A. F. - The Question; Whither India? Bombay, Thacker, Rs. 5/14, 1946, pp. x+185.

COMMISSIONERS APPOINTED BY THE PUNJAB SUB COMMITTEE OF THE INDIAN NATIONAL CONGRESS - Report of the Commissioners Vols. I & II. Lahore, K. Santanam, Secy. to the Commission. Vol. I - Report. Rs. 2/-, 1920, pp. 160; Vol. II - Evidence. Rs. 5/-, 1920, pp. 946. V

COUPLAND, R. - Britain and India, 1600-1941. London, Longmans Green & Co., 1941.

CRADDOCK, SIR REGINALD - The Dilemma in India.

London Constable 15/
1929 pp xi+379

An imperialist bureau-
crat's estimate of Gandhi
and non cooperation pp
191 196 Professing sympathy
for the masses and bearing
bitter hatred of political
agitors

The Indian Problem 1931

CROZIER BRIG GENERAL F
P A Word to Gandhi The
Lesson of Ireland London
Williams & Norgate 4 6 1931
pp 14^o V

CUMMING SIR John (Ed).
Political India 1832 1932
A Cooperative Survey of a
Century London Oxford 3/6
1937 pp viii+324 V

Ch VI M K. Gandhi
as a Factor in Indian Politics
pp 203 205

CURIE EVE Journey among
Warriors. London William
Heinemann 15/ 1943 pp
iv+522 Index V

Ch xxv Mr Gandhi and
the Cripps Proposals pp
459-487 The author's visit
to and talk with Gandhi
pp 461 to 476

CURSONS WILLIAM E.
Joseph Doke The Mission-
ary Hearted Johannesburg
The Christian Literature
Depot 1979 pp viii+248

Life of probably the first
biographer of Gandhi

DADABHAI NAOROJI - Spee-
ches and Writings of
Dadabhai Naoroji Madras,
Natesan & Co Rs 3/ pp
686+216 V

DASGUPTA, HEMENDRA
NATH - The Indian Na-
tional Congress Vol I
Calcutta J. H. Dasgupta.
Rs 6/ 1946 pp xi+29+
282+vi Index V

DEB J M - Blood and Tears
Bombay Hind Kitabo Rs
7/8 1945 pp xi+291 V

DE MELLO F M - Indian
National Congress A
Historical Sketch Bombay
1934

DESAI BHULABHAI J Spee-
ches of Bhulabhai J Desai.
1934-38 Madras G A
Natesan Rs 3/8 1938 pp-
14+615 V

DESAI MAHADEV - Maulana
Abul Kalam Azad the
President of the Indian
National Congress London
George Allen 3 6 1941 pp-
191 V

DESAI VALJI GOVINDJI
- Haripura Congress Guide
Vithalnagar Reception Com-
mittee of the Congress 4 as
1938 pp viii+163 V

DHARAM YASH DEO - Our
Countrymen Abroad A
Brief Survey of the Problems
of Indians in Foreign Lands.

Allabad, A. I. C. C., 8 as,
1940, pp. 99. V

DHARMA TEERTHA, SWAMI
- Enemies of Indian Free-
dom and Other Essays.

Lahore, Happy Home Book
Depot, Re. 1/-, pp. iii+56. V

-The Menace of Hindu Impe-
rialism. Lahore, Happy
Home, Rs. 6/8, 2 ed. 1946,
pp. xvi+354+vi+12. V

-The Secret of Hindu Sanga-
than. Lahore, Happy Home,
Re. 1/-, 1946, pp. 50. V

A passionate protest against
the prevailing forms of Hindu
Sangathan.

DISORDERS INQUIRY COM-
MITTEE (HUNTER COM-
MITTEE) REPORT 1919-20.
Calcutta, Supdt. Govt. Prin-
ting, Re. 1/-, 1920, pp. 275. V

Report of the Hunter
Committee. Investigations of
the disturbances in Bombay,
Delhi, Ahmedabad and the
Punjab.

DUFFETT, W. E.; HICKS, A.
R.; AND PARKIN, RALEIGH

- India Today. The Back-
ground of the Indian Nationa-
list Movement. Toronto,
Canadian Institute of Inter-
national Affairs, 1941.

DUMBELL, PERCY H. - Loyal
India: A Survey of 70 years
(1858-1928). Bombay, Oxford
Univ. Press, 12/-, 1930, pp.
243.

DUNCAN, ARTHUR - India in
Crisis. London and New
York, G. P. Putnam, 1931, pp.
xii+271, bibliography and
index. V

Ch. IV is devoted to
Gandhi (pp. 108-118). "With
the tactics of Congress I have
no sympathy" says the author
in his preface.

DURAI, J. CHINNA - The
Choice Before India. London,
Jonathan Cape 8/6, 1941,
pp. 225.

The author chooses to call
himself a liberal and a mode-
rate, but is a bitter, inimical,
critic of the Indian National
Congress, Gandhi and Indian
Nationalism.

DURANT, WILL - The Case
for India. - See Section I
- The Story of Civilization-
Vol. I. Our Oriental Heri-
tage. New York, Simon and
Sehuster, \$ 4.00, 1935, pp.
xxxii+1052 V

Mahatma Gandhi, pp. 626-
632.

DUTT, R. PALME - India To-
day. London, Gollancz, 1940.

- India Today. Bombay, Peo-
ples Publishing House, Rs. 7/8
1947, pp. +532+i. V

- Modern India. Bombay, Sun-
shine Publishing House,
Rs. 2/12, 1926, pp. vi+211

EAST INDIA ASSOCIATION
- Journal of the East India

Association Vol XXXIV
New Series No 31 London
1/ 1903 pp 44

Indians in the Transvaal
Their Grievances as British
Citizens by Sir W
Wedderburn

EDIS HALIDE Inside India
London George Allen 10 6
1937 pp 377 V

ELVIN VERRIER Truth
about India Can We Get
It? London George Allen
1/ 1932 pp 106 V

What is Happening in the
North West Frontier Pro
vince? Delhi 4 as 1932 pp
18 V

ELVIN VERRIER AND WIN
SLOW JACK. The Dawn
of Indian Freedom London
1931

American edition publish
ed under the title Gandhi
the Dawn of Indian Freedom

EMERSON GERTRUDE See
Sen Gertrude Emerson

FIELDEN LIONAL Beggar
My Neighbour The Case
for India Bombay Inter
national Book House Rs
3 1944 pp 99 V

FISHER, LOUIS Empire
London Dennis Dobson Ltd
2 6 1945 pp 70 V

- Imperialism Unmasked
Bombay Hamara Hindustan
8 as 1943 pp 53 V

FRIENDS OF INDIA (Pub)

India Calling London 6 as
1931 pp 26 V

FULLER J F G - India
in Revolt London Eyre and
Spottiswoode 7/6 1931 pp
212 V

Ch VII Gandhi The In
dian Complex pp 148-157

FULLOP MILLER RENE-
Leaders Dreamers and
Rebels An Account of Great
Mass Movements of History
and of the Wish Dreams
That Inspired Them New
York The Viking Press 5 00
1935 pp 2+464

GANDHI M K (Ed A T
Hingorani) - The Dawn of
Freedom Karachi A T
Hingorani Re. 1/ 1947 pp.
32 V

A Small collection of
recent utterances addressed
to all sorts of interests in
India.

(Comp and Ed R L Khipple)
Famous Letters of
Mahatma Gandhi Lahore
The Indian Printing Press
Rs 3/8 1947 pp 148

Freedom's Battle Being a
Comprehensive Collection of
Writings and Speeches on
the Present Situation Intro
duction by C Rajagopalachari
Madras Ganesh Rs 2/8
1921 pp 21+342+iv V

- The Future of India (An
address given at the Chatham

House on Octo. 20 th, 1931).
London, Royal Institute of
International Affairs, 1931,
pp. 19. V

Reprinted from Interna-
tional Affairs, Nov. 1931.
Vol. X No. 6 (pp. 721-739).

- Gandhi's Letters on Indian
Affairs.
- Historic Correspondence.
Lahore, Gandhi Pub. League,
6 as.
- How Can India Become
Free? Lahore, R. P. Book-
wala & Co., Rs. 1/-.
- I Ask Every Briton. London,
Lindsay Drummond, 2/6, pp.
79.

Recent writings and
statements of M. K. Gandhi
including his speeches on
the eve of his arrest and his
letter to Chiang Kai Shek.

- In Round Table Conference.
Lahore, G. P. League, 6 as.
- India and the National
Congress. London, 1931.
- India on Trial. Madras.
- (Ed. Waman P. Kabadi)
- India's Case for Swaraj.
(Being Select Speeches,
Writings, Interviews etc. of
Mahatma Gandhi in England
and India (Sept. 1931 to Jan.
1932), Full text of Gandhi-
Willingdon Correspondence
and Leaves from Mahadeo,
Desai's Diary). Bombay,
Yeshananda & Co., Rs. 3/-,

2 ed. 1932, pp. xii+404.
Illustrations. V

The book is not quite well
edited and the numerous
advertisements in the body
of the book look ugly and
prove a veritable nuisance
to the reader.

- India's Claim for Home-
Rule. Madras. Ganesh & Co.
- (Ed. A. T. Hingorani) - My
Appeal to the British.
Karachi, A. T. Hingorani,
Rs. 1/8, 1942, pp. iv+84. V
This book was banned by
the British Govt. of India.
- My Appeal to the British.
London, Longmans Green &
Co., 1942.
- The National Flag. Lahore,
Gandhi Pub. League, 6 as.
- Presidential Address: 39th
Session of the Indian National
Congress, Belgaum, 1924.
Belgaum, 4 as, 1924.
- (Ed. R. K. Prabhu & U. R.
Rao) - Quit India. Bombay,
Padma Publications, 8 as,
1942, pp. x+180. V
- The Sound of Swaraj. Lahore,
Gandhi Publications League,
6 as, 1 ed. 1943, pp. 23. V
Presidential Address to
the First Gujarat Political
Conference held at Godhra
on Nov. 3, 1917.
- Swaraj in One Year. Madras,
Ganesh & Co., Rs. 2/-, 2 ed.
1921, pp. iv+121. V

GANDHI, M. K. AND M. H. DESAI (Ed. C. Rajagopalachari and J. C. Kumarappa) - *The Nation's Voice Being a Collection of Gandhiji's Speeches in England and M. D.'s Account of the Sojourn Ahmedabad Navajivan* 1 ed. 1932 2 ed 1947 Rs 3/- pp viii+256 V

GANESH & CO (Pub) - *The Pilgrims March. Their Messages* Madras Re 18 1921, pp xii+136 V

GANGULEE, DR. N. - *India What Now? A Survey of India's Urgent Problems.* 76

GANPATRAI LALA - *Congress Struggle* Lahore National Publishers and Stationers Rs 6/- 1946 pp. viii+329 Foreword by K. M. Munshi & Introduction by Sardul Singh Caveesar

Contains selections from the records of the fateful days from 1933 to the proposals put forth by the Cabinet Mission.

GARRATT, G. T. - *The Indian Commentary* London Jonathan Cape 7/6 1 ed 1928 2 impr 1930, pp 330

GHOSE, AKSHAYA K. - *Lord Chelmsford's Viceroyalty A Critical Survey* Madras Ganesh & Co Re 1/- 1921 pp iv+83 V

GHOSE, DR. PRAFULLA - *From Nagpur to Lahore. A Short History of the Congress of the Period.* Comilla, Abhay Ashram, Re. 1/-, 1931, pp xvi+133 V

GOKHALE, GOPAL KRISHNA - *Speeches of G. K. Gokhale.* Madras Natesan & Co., 1 ed. 1909 2 ed 1916, Rs. 4/-, pp viii+1236+xvii 2 appendices index and 7 illustrations. V

GOVT. MONOTYPE PRESS - *Report of The Asiatic Inquiry Committee (Union of South Africa.)* Simla, 12 as. 1921, pp 79 V

GOVT. OF INDIA - *India in 1929-30* Calcutta Govt of India Central Pub Branch Rs 2 4, 1931, pp. xiii+496 V
- *India in 1930-31* Calcutta Rs 3 14, 1932 pp xiv+752 V

- *India in 1931-32.* Delhi Manager of Publications Re 1 - 1933, pp xii+234 V

- *India in 1932-33* Delhi Re 1/4 1934, pp xiv+197 V

- *India in 1933-34* Delhi Re 1/10 pp. xvi+196 V

- *India in 1934-35* Delhi Re. 1/2, 1937 pp xiv+145 V

See also under Coatsman and Rusbbrook Williams.

GRANT, W. J. - *The Spirit of India* London B. T.

Batsford Ltd., 10/6, 1938,
pp. viii+120. V

Ch. VIII of the book is devoted to Mr. Gandhi's influence and Gandhism (pp. 87 to 92). The author's theme is that Hinduism is a denial of life and Gandhism crucifies itself to defeat Britain and (being one with Hinduism) to deny life.

GRIFFITHS, P. J. - The British in India. London. Robert Hale, 10/6, 1946, pp. 222. V

Discusses the question of Complete Independence for India. Ch. xv. Mr. Gandhi, pp. 144-158.

GUNTHER, FRANCES - Revolution in India. Allahabad, Central Book Depot, Rs. 3/8, 1946, pp. viii+152. V

Gandhi and the Spinning Wheel, pp. 77 to 91.

GUNTHER, JOHN - Inside Asia. London, Hamish Hamilton, 12/6, 2 ed. 1939, pp. 659. V

GUPTA, NAGENDRANATH - Indian Nationalism. Bombay Hind Kitabs, Rs. 2/8, 1946, pp. iv+136. V

GWYN, J. T. - Indian Politics: A Survey. London, Nisbet & Co., 12/6, 1924, pp. xii+344. V

Letters on Indian affairs from May 1922 to Dec. 1923.

HARDINGE, LORD. - Speeches of H. E. Lord Hardinge of Penhurst 1913-1916. Madras, Ganesh & Co., Rs. 3/- pp. xii+600. V

HAYES, WILL - The Indian Crisis. A Reply to the Daily Mail Blue Book. London, The Free Religious Movement, 3d, pp. 10.

It condemns the "Daily Mail Blue Book on the Indian Crisis, as the biggest penn'orth of lies on the market today".

HEARD, GERALD - These Hurrying Years. An Historical Outline 1900-1933. London, Chatto and Windus, 7/6, 1934, pp. viii+364.

Gandhi and his policy of non-cooperation evaluated and criticized, pp. 227-28.

HOARE, SIR SAMUEL - Speeches of the Rt. Hon. Sir Samuel Hoare. London, Eyre and Spottiswoode, Rs. 2/-, 1935, pp. iv+145. V

HOGG, DOROTHY - Challenge to the East. London, Society for Promoting Christian Knowledge, 3/6, 1938, pp. x+144.

Pt. III. India, pp. 113 to 144.

- India: A Plea for Understanding. Allahabad, Kitab Mahal, Rs. 3/-, 1 Ind. Ed. 1946, pp. 142

- Here an English woman looks at Gandhi the universal man and pleads with her brothers for an understanding with Indian Nationalism
- HORNIMAN B G** Amritsar and Our Duty to India London T Fisher and Unwin 6 1920 pp 196 V
- HOUGHTON BERNARD** Advance India Madras Tagore & Co 1921 pp 31 V Ch III Non violent Non cooperation
- HOWARD EDWIN** A Picture of India Singapore 1941
- HOYLAND JOHN S** The Case for India. London J M Dent, 36 1929 pp viii+173 V
- C. F. Andrews Minister of Reconciliation. London Allen & Co 1940 pp 175
- Gopal Krishna Gokhale His Life and Speeches Calcutta Y M C A Publishing House Re 18 1933 pp x+200. V
- Indian Crisis The Background London George Allen, 1943
- HULL, WILLIAM J** - India's Political Crisis Baltimore. John Hopkins Press \$ 2.90 1930, pp. xviii+190 V
- HUNTER, LORD** (Chairman) - Report of the Committee appointed by the Government of India to investigate the Disturbances in the Punjab etc London. H M Stationery Office 3 1940 pp 166 and map V
- HUNTINGDON, LORD** - Common Sense about India London William Heinemann 36 1942, pp iv+76
- Plea for winning Indian support for the war by granting real power to a National Govt now
- HUTCHINSON, LESTER** - The Empire of the Nabobs London George Allen 66 1 ed 1937 pp 277
- Socialist viewpoint Gandhi and Congress criticized for accepting the 1935 Act "A Charter of Slavery"
- HUTHEESINGH KRISHNA** - With No Regrets Bombay Padma Publications Rs. 6 4 1944 pp xviii+199 V
- HYNDMAN H M** - The Truth about India Madras S Ganeshan 12 as pp 53
- HYPES JAMES LOWELL** - Spotlights on the Culture of India Washington D C. The Daylien Co \$ 3.00 1937 pp 368
- Ch XXIV Contemporary Social Movements and Emergent Leadership in India pp 333 336
- INDIA LEAGUE DELEGATION** - Condition of India See Section II A

- INDIAN NATIONAL CONGRESS - Reports of Annual and Special Sessions, especially from the 31st session held at Lucknow in 1916, to the last session held at Meerut in 1946.
- INDIAN PRINTING WORKS (Pub.) - Plain Talks with Britain. Lahore, Rs. 2/4.
- 'Quit India' Re-examined. Lahore, Rs. 2/-.
- IQBAL, SIR MUHAMMAD (Compiler - Shamboo) - Speeches and Statements of Iqbal. Lahore, Al-manar Academy, Rs. 4/8, 1944, pp. xii+220. V
- IRVIN (HALIFAX) LORD - Indian Problems: Speeches of Lord Irvin, London, George Allen, 12/6, 1932, pp. 376. V
- IYENGAR, K. R. SRINIVASA-S. Srinivasa Iyengar: The Story of a Decade of Indian Politics. Mangalore, Basal Mission Press, Re. 1/-, 1939, pp. 91. V
- IYER, C. S. RANGA - Father India: A Reply to 'Mother India'. London, Selwyn and Blount, 6/-, 5 impr. 1927, pp. 207. V
- India in the Crucible. London, Selwyn & Blount, 7/6, 192, pp. 336. V
- IYER, S. SUBRAMANIA - Speeches and Writings of Dr. S. S. Iyer. Madras, S. R. Murthy and Co., Rs. 2/8, 1920 (?), pp. viii+xxiv+424. V
- Mrs. and Mr. Gandhi, pp. 290-91
- JAG PARVESH CHANDER - The Congress Case. Lahore, Free India Publications, Rs. 3/-, 1943, pp. xii+124. V
- JAIPRAKASH NARAYAN - Gandhiji's Leadership and the Congress Socialist Party. 1940.
- Towards Struggle. Selected Manifestoes, Speeches and Writings. Bombay, Padma Publications, Rs. 6/8, 1946, pp. 244. V
- JAIRAMDAS DOULATRAM - Revolution and Counter Revolution. Bombay, Vora & Co., 2 as, 1936, pp. 12. V
- JAPETH, M. D. - What I Owe to Congress and Gandhi. Bombay, Hamata Hindustan, 8 as, 1946, pp. ii+28. Foreword by B. G. Kher. V
- JERE, S. A. - India Drifts Away. Kolhapur, Shri Dnyaneshwar Press, pp. 146.
- JOG, N. G. - Churchill's Blind Spot: India. Bombay, The New Book Co., Rs. 5/-, 1944, pp. xvi+228. V
- Ch. xxii. Gandhi and Churchill, pp. 196-208.

JONES GEORGE E. - Tumult
in India New York Dodd
Meed and Company \$ 3 00
1918 pp X+277

Ch V The Practical
Mahatma pp. 69 91

KAILESH CHANDRA - The
Tragedy of Jinnah Lahore
Sharma Publications Rs
2 8 1941 pp xii+250 V

KAMAL-UD-DIN KHWAJA
- The House Divided
England India and Islam
Working The Islamic Review
7 6 1927 pp 149 V

- India in the Balance British
Rule and the Caliphate
Working The Islamic Review
7 6 1922 pp 176 V

KANITKAR M. J - World
Crisis Under Oriental
Searchlight Nagpur M J
K. 12 as pp viii+90 V

KARALA D F - I Have
Shed My Tears A Candid
View of Resurgent India
New York & London D
Appleton Century Co Rs
12 1947 pp vi+700 V

KAUSHIK B G The House
That Jinnah Built Bombay
Padma Publications Rs 4/8
1944 pp. vi+148 V

KELKAR N C A Passing
Phase of Politics See Sect II
- Pleasures and Privileges of
the Pen. Poona K N

Kelkar, Rs 5/, 1929 pp xii
+556 V

KEWORTHY, J M - India,
A Warning London 1931

KHAN ABDUL MAJID -
Leader by Merit A Study
of the Career and Character
of Sardar Patel Lahore
Indian Printing Works Rs.
5 8 1946 pp 312

KHANNA B N - India in
World Politics New Delhi
Amrit Books Rs 2 , 1939
pp viii+227 V

The freedom movement
under Gandhi dealt with in
Freedom of India pp. 145-
172

KHANNA, R N (Ed.) -
Gandhi Fights for Freedom.
Lahore Allied Indian Publi-
shers Rs 2 8 1944 pp 93
V

Articles by various notable
persons about the Quit
India Struggle

KHANNA, RADHAKRISHNA
- India and the New World
Order Lahore Minerva
Bookshop Rs 5/, 1942 pp-
viii+304 V

The author is apprehen-
sive of the industrial system
and large scale industries.

KINNAIRD EMILY - My
Adopted Country Luck-
now Emily Kinnaird Rs
1/8 1944 pp iv+204 V

Wardha and its activities described in chapter VIII; Friendship with Mahatma Gandhi, appendix II.

KOHN, HANS - A History of Nationalism in the East. London, George Routledge, 25/-, 1929, pp. xii+476, an exhaustive bibliography and index. V

The last two chapters of the book (Chapter XI and XII) are devoted to India. Gandhi and Indian Nationalism, pp. 398 to 429 of Chapter XII

KOTWAL, JEHangir F. - The Indian Charter. Karachi, J. F. Kotwal, Rs. 10/8, 1944, pp. xxxv+459. V

KRIPALANI, J. B. - The Indian National Congress. Bombay, Vora & Co., Re. 1/-, 1946, pp. 65. V

- Our Struggle for Freedom and Democracy. Bombay, B.P. C. C. Publications, 2 as, 1941, pp. 13. V

- Presidential Address at the 52nd Session of the I. N. Congress held at Meerut, Nov. 1946. Delhi, Delhi Printing Works, pp. 59.

KRISHNAMURTI, Y. G. - Back to Sanity: A Study in Human Possibilities. Baroda, Y. G. Krishnamurti, Rs. 5/8, pp. xvi+80.

- Gandhi Era in World Politics. Bombay, Popular Book Depot, Rs. 3/12, 1943, pp. ix+72. V

- Independent India and a New World Order. Bombay, Popular Book Depot, Rs. 10/-, 1943, pp. xxxvi+207. V

- Jawaharlal Nehru. The Man and His Ideas. Bombay, Popular Book Depot, Rs. 4/4, 1942, pp. xxx+174. V

KUMARAPPA, BHARATAN - Indian Struggle for Freedom. Musulipattam, 1938. V

KUMARAPPA J. C. - Europe Through Gandhian Eyes. Wardha, A. I. V. I. A., 8 as, 1948, pp. iv+29. V

- Nationalism. Rajahmundry, Hindustan Publishing Co., 2 as, 1937, pp. 40. V

- Stone Walls and Iron Bars. Allahabad, New Literature, 14 as, pp. ii+25. V

LAJPATRAI, LALA - Call to Young India. Madras, Ganesh & Co.

- India's Will to Freedom. Madras, Ganesh & Co., Rs. 2/-, 1921, pp. vi+188. V

- Unhappy India: A Reply to 'Mother India' Calcutta, Bana Publishing Co., Rs. 7/8, 1928, pp. xxii+536. V

LAKHANPAL, P. L. - History of the Congress Socialist Party. Lahore, National

Publishers and Stationers
Rs 3 8 1946 pp viii+159 V

LANKASUNDARAM DR
India and World Politics
A Historical Analysis and
Approach Delhi Rashtreeya
Publications Rs 10 3

LATEEF S A The Great
Leader A Comparative
Study of the Political Care-
ers of Mr Jinnah and Mr
Gandhi Lahore Lion Press
Rs 3

LAWRENCE SIR W - The
India We Served London
Cassell 1908

LEADERS CONFERENCE-Pro-
ceedings of the Leaders
Conference Convened at
Delhi Delhi Rs 1 8 1943
pp 56+vi V

LELE P R (Compiler and
Editor) - War and India's
Freedom Bombay Popular
Book Depot Rs 1 8 1940
pp ii+330 V

**LELE P R ALVA VIOLET
AND DHURANDHAR M V**
- March of Events (Being
the case of the Indian Natio-
nal Congress) Bombay B P
C C Vol II Rs 5 1945
pp vi+310 Vol III Rs 2
1946 pp iv+131 V

For Vol I see under
Bombay P C C

LINLITHGO THE MARQUESS
OF - Speeches and State
ments of the Marquess of

LINLITHGO (1936-1943) New
Delhi Bureau of Public Infor-
mation Govt of India Rs
12 9 1945 pp xxiii+467 V

LOHIA DR. RAM MANOHAR
- India's Stand Allahabad
A I C C pp 16 V

**- Mystery of Sir Stafford
Cripps** Bombay Padma
Publications 8 as 1942 pp-
iv+71 V

LOVETT SIR VERNEY-A
History of the Indian
Nationalist Movement.
London John Murray 12
3 ed 1921 pp. xiv+303 V

- India London Hodder and
Stoughton 1923

M R T - Nationalism in
Conflict in India Bombay
Home Study Circle Malbar
Hill Rs 3 1942 pp. xv
+310 V

MAHADEV RAO D - The
India Round Table Con-
ference and After London
Heath Cranton Ltd 3 6
1932 pp 94 V

The author is indignant
at Lord Irwin's gestures to
Gandhi whom he calls The
Super Viceroy and the
Congress

MAHOMED SYED - The Khu-
lafat and England Patna.
Mohammed Imtyaz, Rs 1/8
1921 pp 89+4 V

MALIARIA KNAZ JAN Three
Words How to Do India

- Free? Re. 1/8, 1935, pp. 110. V
- MARRIOTT, SIR JOHN A. R.
-The English in India: A Problem of Politics. Oxford, Clarendon Press, 12/6, 1932, pp. x+322. V
- An imperialist approach to the problem evinced throughout.
- MASANI, R. P. - Dadabhai Naoroji, The Grand Old Man of India. London, George Allen, 16/-, 1939, pp. 567. V
Foreword by Mahatma Gandhi.
- MATHEWS, BASIL AND WILSON, WINFRED - India Reveals Herself. London, Oxford, 5/-, 1937, pp. viii+192. V
- MAYO, KATHERINE - Mother India. New York, Harcourt Brace & Co., 1 ed. 1927, Rs. 10/-, pp. xiv+440. V
Mahatma Gandhi calls this 'A Drain Inspector's Report'. Full of misrepresentations and distortions to suit her sinister theme.
- MEHERALLY, YUSUF
- Leaders of India. Bombay, Allied Publishers, 6 as, 1940, pp. 59. V
Reprinted by Padma Publications as Pt. I of the Leaders of India, 8 as, 1942, pp. 59. V
- Leaders of India. Pt. II, Bombay, Padma, Re. 1/-, 1946, pp. 79. V
- MEHTA, CHITRA - I Fought for My Country. Bombay, Hamara Hindustan, 8 as, 1946, pp. 48. V
- MESTON, LORD, - Nationhood for India. London, Oxford, 5/-, 1931, pp. 112. V
- MITCHELL, KATE L. - India Without Fables: A 1942 Survey. New York, Alfred A. Knoff, \$ 2.50, 1942, pp. viii+296+xiii. (English ed. John Lane the Bodley Head, 10/6.) V
- "An uptodate analysis of the political, social and economic forces which keep India in ferment today". Includes vivid sketches of Gandhi, Nehru, Jinnah etc.
- MITCHELL, KATE AND GORHEL, KUMAR - Twentieth Century India. St. Louis, Institute of Pacific Relations and Webster Publishing Co., 35 cents, 1944, pp. ii+94. V
- Growth of Indian Nationalism under Gandhi, pp. 69 to 94.
- MITRA, K. (Ed.) - Congress Ministries at Work (April 1946-April 1947). Allahabad, A. I. C. C., Rs. 2/-, 1947, pp. xvi+110. V

MODAK CYRIL - India's Challenge to Christians Lucknow The Upper India Publishing House Rs 2/ 1941 pp xii+194 V

Marching Millions Allahabad Kitab Mahal Rs 2 8 1941 pp viii+202 V

Ramarajya and Lokarajya compared

What Price Freedom? The Epic of These Five Memorable Years Allahabad Kitab Mahal Rs 3 12 1945 pp xii+199 V

MOHAMMED ALI Maulana - The Key to Yeravda Madras Tagore & Co 8 as 1924 pp 131 V

Presidential address delivered at the Coccenada Session of the Indian National Congress 1903 See Ali Mohammed

MONTAGUE EDWIN S An Indian Diary London William Heinemann 21/ 1930 pp xvi+410 V

MONTMORENCY SIR GEOFFREY India Today and Tomorrow London The Signpost Press (d 1944 pp ii+80

Indian politics from 1919 1943 dealt with

MOON PENDERELL - The Future of India London, Pilot Press 5/

- Strangers in India London

Faber and Faber 7/8 4 impr 1945 pp 212

MORAES F R. - The Story of India Bombay, The Noble Publishing House 1942 pp xii+196+iii V

MORAES F R. AND STIMSON R. - Introduction to India Bombay Oxford Univ Press Re 1/8 1943 pp iv+170 V

MOTA H N - From Bondage to Freedom Lucknow Ganga Pustakamala Rs 2 8 1945 pp 140

MUKERJEE DHAN GOPAL - Disillusioned India 1930 - A Son of Mother India Answers New York E. P Dutton 1929 pp 110 V

Contains the full text of Gandhiji's article on Miss Mayo's Mother India (Young India Sep^r 15 1927) pp 63-80

MUKERJEE, HIRENDRANATH - Indian Struggle for Freedom A History Bombay Ketub Publishers Rs 4/ 6 8 1946 pp 233 A note on suggested reading V

MUKERJEE, RADHAKUMUD - Akhand Bharat. Bombay Hind Kitabs 8 as, 1945 pp 32 V

MUNSHI K M - Akhand Hindustan Bombay New Book Co Rs 4/ 1942 pp 273 V

- The Changing Shape of Indian Politics. Poona, Deshmukh & Co., Rs. 5/-, 2 ed. 1946, pp. vi+227. V
- The Indian Deadlock. Allahabad, Kitab Mahal, Rs. 2/-, 1 ed. 1945, pp. vi+152.
- The New Outlook. Lahore, Indian Book Co., Rs. 5/-, 1947, pp. 161.
- NAIDU, C. K. B. (Pub.) - A Nation at Bay, Bombay, Re. 1/-, 1941, pp. xvi+144. V
- NAIDU, SAROJINI - Speeches and Writings of Shrimati Sarojini Naidu. Madras, S. Ganesan, Rs. 3/-, 3 ed. 1925, pp. xxxii+448. V
- NAIK, VASANT N. - Indian Liberalism : A Study. (Silver Jubilee Volume, 1918-1943). - Bombay, Padma Publications for the National Liberal Federation of India, Rs. 5/8, 1945, pp. xii+353 +v. V
- Mr. Jinnah (A Political Study). Bombay, Saraswati Publications, Rs. 4/8, 1947, pp. 85.
- NAIR, C. GOPALAN - The Moplah Rebellion 1921. Calicut, C. Gopalan Nair, Rs. 2/-, 1923, pp. vi+127+188. V
- NARIMAN, K. F. - Whither Congress? Bombay, D. R. Dewoolkar, 12 as, 1933, pp. 160.
- 'Criticism of Congress Policy as dictated by Mr. Gandhi'.
- NATARAJAN, K. - Miss Mayo's Mother India : A Rejoinder. Madras, Natesan & Co., 12 as, 5 ed. 1930, pp. viii+135. V
- The Criticisms of Tagore, Gandhi, Besant etc., are also included.
- NATESAN (G. A.) AND CO. (Pub.) - Congress Presidential Addresses, 2 vols. Madras, Rs. 4/-, each. FIRST SERIES, 1885-1911. 1934; SECOND SERIES. 1912-1934, 1935. V
- EMINENT MUSALMANS. Rs. 3/- 1935, pp. 544. V
- Indian Christians. Rs. 3/-, 1936, pp. iv+360. V
- NATIONAL LITERATURE PUBLISHING CO. (Pub.) - What Ails India? (A Collection of Speeches and Writings of Eminent Leaders of India on the Outstanding Grievances, etc.). Bombay, Re. 1/-. 1922, pp. 112.
- 'A text-book for a student of Politics.'
- NEHRU, JAWAHARLAL - China, Spain and the War : Essays and Writings. Allahabad, Kitabistan, Rs. 2/8, 1940, pp. 269. V
- The Discovery of India: Calcutta, The Signet Press, Rs. 11/-, 1946. pp. xvi+711. V

American and English editions also available at \$ 5 00 and 25 respectively

- Eighteen Months in India Allahabad Kitabistan Rs 2 1936 pp viii+300 V

- Glimpses of World History 1 ed in 2 vols Allahabad Kitabistan 1935 1936 Second

- and further editions London Landsay Drummond 12/6 American edition John Day New York \$ 5 00 V

- Important Speeches of J Nehru 1922 1945 Lahore The Indian Printing Works Rs 6 9 1945 pp viii+243

- India and the World and Other Essays London George Allen & 1936 pp 262 V

- Jawaharlal Nehru An Autobiography London John Lane the Bodley Head Rs 7 1936 pp 618 V

American ed published by John Day New York at \$ 5 00 under the title Towards Freedom

- (Ed R Dwivedi) Life and Speeches of Pt Jawaharlal Nehru Allahabad The National Publishing House Rs 2 1929 pp 227 V

- (Ed A Student) - Nehru Flings a Challenge Bombay Hamara Hindustan Rs 1/- 1943 pp xxviii+153 V

(Compiler D R Bose) - New India Speaks Calcutta A Mukherjee and Co 'Rs 3' 1947, pp viii+184 V

Recent speeches of Pandit Nehru.

- Recent Essays and Writings Allahabad Kitabistan Rs 1,12 1934 pp vi+148 V

- Towards Freedom See above Jawaharlal Nehru An Autobiography

- The Unity of India (Collected Writings 1937 1940) London, Landsay Drummond Rs 5 1941 pp 432 V

- Where are We? Allahabad 1939

- Whither India? Allahabad Kitabistan 4 as 2nd enlarged ed 1933 pp 42 V

NENE M G AND BARDE, S M - India in Transition Barsi Nene and Barde Rs 7/8 1948 pp xii+400+xxviii V

Ch III India under Gandhiji's Leadership (1919 1939) pp 86 to 178

NORMANTON, MISS HELENA - India in England Madras S Ganesan Rs 2 1931

A Survey of the Indian Situation since the Armistice

NUNDY, ALFRED - Political Problems and Hunter Committee Disclosures. 1920

- O'DWYRE, SIR MICHAEL - India As I Knew It. (1885-1925). London, Constable, 18/-, 1925, pp. xii+464. V
- O'MALLEY, L. S. S. - (Ed.) - Modern India and the West: A Study of the Interaction of Their Civilizations. London, Oxford Univ. Press, 36/-, 1941, pp. xii+834. V
- OSBURN, ARTHUR - Must England Lose India? The Nemesis of Empire. London, Alfred A. Knoff, 7/6, 3 ed. 1930, pp. viii+280. V
- OXFORD UNIV. PRESS (Pub.) - India and the Four Freedoms (B. B. C. Pamphlet No. 1). Bombay, Re. 1/-, 1944, pp. ii+93. V
- Oxford Pamphlets on Indian Affairs.
- PAL, BIPIN CHANDRA - Presidential Address, Bengal Provincial Conference, Barisal, 1921. Calcutta, S. C. Deb, pp. 124.
- PANDIT, VIJAYALAXMI - So I Became A Minister. Allahabad. Kitabistan Re. 1/8, 1939, pp. 154. V
- PARKINS, RELEIGH - India Today: An Introduction to Indian Politics. London, Longmans; New York, John Day, \$3-75 revd. ed. 1945, pp. xiv+387. Maps, sources, bibliography and index.
- PATEL, VITTHALBHAI J. - The Indian View. London, Friends of India, 3d, 1931, pp. 32. V
- Presidential Address delivered by Mr. V. J. Patel at the Indian National Conference in Great Britain, June 1931.
- PATIL, S. K. - The Indian National Congress. A Case for Its Reorganization. Aundh, Aundh Publishing Trust, Re. 1/-, 1945, pp. iv+71. V
- PAYNE, ROBERT - The Revolt of Asia. New York, John Day, \$ 3.50, 1947, pp. viii+305.
- Rise of the Congress and Gandhi, pp. 97-109.
- PEARSON, W. W. - The Dawn of a New Age and Other Essays. Madras, S. Ganesan, Re. 1/-, 1922, pp. viii+180. V
- M. K. Gandhi - A Study pp. 55-73.
- POLAK, HENRY S. L. - The Indians of South Africa. Helots within the Empire and How They Are Treated. Pts. I-IV and Addenda. Madras, Natesan, Re. 1/-, 1909, pp. viii+96+47+15+iv. V
- POLE, DR. GRAHAM - India in Transition. London, Hogarth Press, 8/6, 1932, pp. xii+395.
- India from 1917 to 1932; mainly Gandhi, Non-Cooperation, etc.

- POWELL EDMUND (Chairman) - Report of the Select Committee on Asiatic Grievances Cape Town Cape Times Ltd Govt Printers 1909 pp xvi+121+viii.
- PRADHAN R G - India's Struggle for Swaraj Madras Natesan & Co 1930 Rs 1 , pp xi+311
- PRAVASI BHAVAN (Pub.) - Public Opinion on the Assisted Emigration Scheme under Indo South African Agreement. bhargabh (Bihar) 1921 pp 108+920 V
Opinions of distinguished publicists including Gandhiji, journalists and journals both English and Hindi are given
- RAJAGOPALACHARI C - Reconciliation Why and How? A Plea for Immediate Action Bombay Hind Kitabs 14 as 1945 pp 40 V
- The Way Out London Oxford Univ Press 8 as 1943 pp 32 V
- RAJPUT A B - The Cabinet Mission Lahore Lion Press Rs 3
- India's Struggle (Complete History of India's Freedom Struggle from 4000 B C to Date) Lahore Lion Press Rs 5
- RAMAN T A - India London 1 ed 1942 3 ed 1944 Oxford Univ Press pp 158 5
- A Report on India. London Oxford 1943
A propaganda book on behalf of the British vilifying Indian Nationalism Congress and Gandhi
- RANGA PROF N G - Outlines of A National Revolutionary Path. Bombay Hind Kitabs Rs 28 1945 pp iv+132 V
- RAO C V H - India's Case for Freedom Lahore Lion Press Rs 2
- RATCLIFFE, S K. - The Resurgence of Asia (Conway Memorial Lecture) London. Watts & Co 1/, 1946, pp x+32 V
Indian Freedom Movement and Gandhi dealt with from pp 17 to 31
- RAWLINSON H G - The British Achievement in India A Survey London William Hodge 15 1949 pp viii+248 V
Ch xlii and xiv (pp 197-230) are pertinent to our purpose
- RAY KALINATH - Gandhi's Suppressed Letter Lahore Allied Indian Publishers 12 as pp 48
- RAY ACHARYA PRAFULLA CHANDRA - Life and Experiences of a Bengali Communist - 2 Vols Calcutta Chuckeravartty Chatterjee &

- Co., Rs. 5/-, Rs. 4, 1932, 1935,
pp. x+557, viii+469. V
- RAY, PRITHWISH CHANDRA
- Life and Times of C. R.
Das. London, Oxford, Rs.
6/-, 1928, pp. xvi+313. -V-
- RECEPTION COMMITTEE OF
THE I. N. CONGRESS - The
Congress and the National
Movement. Calcutta, 1928,
pp. 100.
- "Historical sketch of the
Congress upto 1928 from a
Bengali standpoint."
- REED, SIR STANLEY AND
CADEK, P. R. - India: The
New Phase. (The West-
minster Library). 1929.
- REYNOLDS, REGINALD -
'White Sahibs' in India.
London, The Socialist Book
Centre, 1 ed. 1937; 3
ed. 1946, 10/6, pp. xvi+247. V
- ROBERTS, W. H. - Review of
the Gandhi Movement in
India. New York, Academy
of Political Science, 1923.
- RONALDSHAY, EARL OF
(Marquis of Zetland) - The
Heart of Aryavarta: A
Study of the Psychology
of Indian Unrest. London,
Constable, 14/-.
- Lands of the Thunderbolt:
Sikkim, Chumbi and Bhutan.
London, Constable, 16/-,
1923, pp. xvi+267.
- Superstitions current
about Gandhi pp. 25-31
(Buddha Gandhi analogy).

RUTHERFORD, V. H. -
Modern India: Its Problems
and Their Solution. London,
Labour Pub. Co., 1927, pp.
xvi+268.

Ch. 1 devoted to Mahatma
Gandhi (pp. 1-54). Author
sympathetic towards Indian
aspirations.

SAIYID, MATLUBUL HASAN
- Mohammed Ali Jinnah -
A Political Study. Lahore,
Mohammad Ashraf, Rs. 12/8,
1945, pp. xxii+939. V

SANDFORD, CHARLES - India,
Land of Regrets. London,
The Fenland Press Ltd.,
8/6, 1934, pp. 301. Foreword
by Robert Bernays M. P.
(author of the 'Naked Fakir').
Ch. XIII deals with Mr.
Gandhi and 'Passive Resis-
tance' (pp. 212-232.)

SARASWATI LIBRARY (Pub.)
- BEHAVE Like Men (Swa-
raj Series No. 3). Calcutta
3 as, 1921.

Some open letters of
Tagore, Lalaji, Das, etc.

SASTRI, RT. HON. V. S.
SHRINIVAS - Life of Gopal
Krishna Gokhale. Bangalore
City, The Bangalore Press,
Re. 1/4, 1937, pp. 138. V

(Ed. T. N. Jagadisan) - My
Master Gokhale (A Selec-
tion from the Speeches and
Writings of Sastri). Madras,

Model Publications Rs 5
1946 pp viii+282 V

Foreword by M K Gandhi

SATYAPAL AND PRABODH CHANDRA Sixty Years of Congress India Lost India Regained (A Detailed Record of Its Struggle for Freedom) Lahore The Lion Press Rs 15 1946 pp viii+384 V

SEN DHIRENDRA NATH Revolution by Consent Calcutta Saraswati Library Rs 10 1947 pp viii+345

SEN GERTRUDE EMERSON Voiceless India New York John Day \$ 3 00 1 ed 1930 Revd ed 1944 pp vi+458 V
Ind ed 1946 Benares Ps 78 Introductions by Pearl Buck and Rabindranath Tagore

SETALWAD SIR CHIMANLAL Recollections and Reflections In Autobiography Bombay Padma Publications Rs 19/ 1946 pp xxii+530 and 3 illustrations V

SEWELL W STUART Famous Personalities New York The New Home Library Rs 4 8 1944 pp xi+378 V

Contains short lives of 400 of the world's greatest and most famous men and women including a sketch of Gandhi

SHAFAT AHMED KHAN - The Indians in South Africa Allahabad Istab Rs 15 1946 pp xiii+596 V
SHARMA DIWAN CHAND Our Indian Heritage Bombay Blackie & Son 1 1942 pp 144 V

Chapter VII devoted to Gandhi

SHARMA SHRIPAD RAJ Our Heritage and Its Significance Bombay Istab Rs 6 8 1947 pp viii+207 V

Gandhi's views on Art, Civilization and Machinery cited and evaluated at different places.

SHELVAKAR K S - The Problem of India Harmondsworth Penguin Books 6 d 1940 pp 254 V

SHRADDHANANDA SWAMI - Inside Congress Bombay B B Dharle Rs. 4/ 1946 pp iv+203 V

SHRIDHARANI KRISHNALAL - My India My America New York Duell Sloane & Pearce Ind ed Bombay International Book House Rs 7/12 1944 pp xvi+458 V

Warning to the West New York Duell Sloane & Pearce \$ 2 50 1942 pp. xi+274 V

SHRIPRAKASH Annie Besant as Woman and as "

Leader. Adyar, Theosophical
Pub. House, Re: 1/12, 1941,
pp. xxii+255. V

SINGH, MADHAVENDRA P.
N. - Challenge to Youth
(A Symposium of Messages
of the Great Personalities to
Indian Youth). Foreword by
S. Radhakrishnan and Intro-
duction by Pt. Amarnath
Jha. Allahabad, Kitabistan,
Rs. 2/-, 1940, pp. 289. V

Mahatma Gandhi's Con-
tribution, pp. 71 to 80.

SINGH, MUBARAK - Sardar
Vallabhbhai Patel. The Man
of Few Words and Many
Triumphs. Lahore, Sikh Pu-
blishing House, Rs. 2/4,
1945, pp. iv+94. V

SINHA, DR. SACHCHIDA-
NANDA - A Selection from
the Speeches and Wri-
tings of S. Sinha. Calcutta,
Thacker, Spink & Co., Rs.
7/-, 1942, pp. xvi+911.
V

SITARAMAYYA, B. PATTABHI
- The History of the Indian
National Congress (1885-
1935). Allahabad, A. I. C. C.,
Rs. 2/-, 1935, pp. xxiv+1038
+civ. V

Reprinted as Vol. I by
Padma Publications, Bombay,
1947, Rs. 15/-.

Though merely a reprint
of the 1st edition it has

been advertised and sold as
a new revd. edition by the
publishing firm!

- Vol. II, 1935-1947. Rs. 25/-,
- 1947, pp. xvi+827+cclxxi. V
- Sixty Years of Congress.
Bombay, B. P. C. C. Publi-
cations, 8 as, 1945, pp. iv+
32. V

- Some Fundamentals of the
Indian Problem. Bombay,
Vora & Co., Re. 1/12, 1946,
pp. 104. V

- Why Vote Congress?
Bombay, Hind Kitabs, 12 as,
1945, pp. vi+81. V

SMITH, WILLIAM ROY -
Nationalism and Reform in
India. New Haven, Yale
Univ. Press, 1939.

SNOW, EDGAR - Glory and
Bondage. London, Victor
Gollancz; Ind. ed. Bombay,
Thacker & Co., Rs. 7/8, 1945,
pp. 263. V

Book I (Brown Bondage)
deals with India and Her
Struggle for Independence
and Gandhi.

SORENSEN, REGINALD - My
Impressions of India. London
Meridian Books, 10/6, 1946,
pp. 224. V

SPENDER, J. A. - A Short
History of Our Times.
London, Cassell & Co., 1934,
pp. viii+318.

Gandhi's agitation, pp
255-56.

SRIVASTAVA GOPINATH -
When Congress Ruled
Allahabad 1940

STAAL P - A Foreigner
Looks at India London
Jonathan Cape 7/6 1933
pp 252 V

Hindus vs Moslems Mar
tial Races vs Sheltered Races
Princes vs Modern Govern
ment three currents of rivalry
and the Lhyber Pass menace
emphasized by the author
who is an imperialist Gan
dhi and his politics discussed
from pp 193 to 252 Gandhi
has successfully taken the
Indian situation out of rea
lity opines the author

STOKES S E. - National Self-
Realization Madras S Gane
san Rs 3 1921 pp xx+
164+100+56 V

Pt I Essays Political and
National Pt II National Self
Realization Pt III The Fail
ure of European Civilization
National Self-Realization
A reprint of pt II from the
Above Ganesan Rs 1/8

To Awakening Asia Madras
Ganesh & Co 1922 Rs 1/8.

Foreword by Mahatma
Gandhi and an appreciation
of the author by O F An
drews

STUDENT OF PUBLIC AFFAI-
RS A. - Has Congress Failed?
A Historical Survey of the

Years 1918 1939 Bombay
Times of India 6 as 1943
pp 83 V

SUBRAHMANYAM M - Why
Cripps Failed? New Delh.
Hindustan Times Rs. 1/
1942 pp x+106 V

SUNDAY TIMES OFFICE (Pub)
- My Motherland Series
Madras The Series contains
about 50 pamphlets dealing
with subjects like Indian
Nationalism and Gandhiji's
life and activities

SUNDERLAND J T - India
America and World Bro
therhood Madras Ganesh
& Co Rs 3/ 1924 pp
xvi+295+vi

Pt II deals with India's
struggle for Swaraj and a
chapter on Gandhi and Non
Cooperation (pp 220 227)

- India in Bondage Calcutta
R Chatterjee Rs 5/ 1929
pp 563 V

SYDENHAM LORD (of Combe)
- Studies of an Imperialist
on War India and Socialism
1928

SYKES SIR FREDERICK - From
Many Angles An Autobio
graphy London George G
Harrap 25/ 1942 pp 592 V

The author was Governor
of the Bombay Presidency
from 1929 to 1933

TALEYARAHAN HOMI J H
- I Have It from Gandhiji

- Bombay, Jame Jamshed, Re. 1/-, 1944, pp. vi+29. V
- They Told Me So. Bombay, Thacker & Co., Rs. 7/14, 1947, pp. xii+222. V
- Ch. I "A Meeting with Gandhi" is a reprint from "I Have It from Gandhiji".
- TANDON, P. D. (Ed.) - Nehru Your Neighbour. Calcutta, The Signet Press, Rs. 7/8, 1946, pp. xiv+178. V
- Introduction by Mahatma Gandhi.
- TENDULKAR, DR. - Nation Betrayed. A Case against the Communists on Their Own Evidence. Bombay, B. P. C. C., 8 as, 1946, pp. iv+26. V
- THOMPSON - The Reconstruction of India. London, Faber and Faber, 1930.
- THOMPSON, EDWARD J. - Enlist India for Freedom. London, Victor Gollancz, 2/6, 1940, 3 impr. pp. 120. V
- THOMPSON, EDWARD J. AND GARRATT, G. T. - Rise and Fulfilment of British Rule in India. London, McMillan, 21/-, 2 ed. 1935, pp. xii+690. V
- TIMES PUBLISHING CO. (Pub.) - India, the Commission and the Conference. A Reprint of Leading Articles in the Times on the Indian Question from the Return of the Statutory Commission from India to the Conclusion of the R. T. C. in London. 6 d, London, 1931, pp. 71. V
- TROTTER, EDITH A. - The Problem of India's Future. New York, 1943.
- UNITED PUBLICATIONS (Pub.) - Indian Studies. Delhi, Rs. 2/8, 1947, pp. 177, index and map.
- VAKEEL, N. H. - Political Insanity of India. Bombay, Thacker & Co., Rs. 4/8, 1943, pp. xii+95. Foreword by Sir Chimanlal Setalvad.
- Author a bitter critic of Congress and Gandhi. Considers Civil Disobedience as pure 'hooliganism'
- VAN TYNE, CLAUDE M. - India in Ferment. Rs. 6/6, 1923.
- VASWANI, T. L. - Birthright. Madras, Ganesh & Co., Re. 1/-, 1922, pp. xxiii+89. V
- Builders of Tomorrow. Madras, Ganesh & Co., Re. 1/8, 1922, pp. vi+151. V
- Creative Revolution. Madras, 1922.
- The Gospel of Freedom. Madras.
- India Arisen. Madras, Ganesh & Co., Re. 1/8, 1922, pp. xii+114. V
- India in Chains. Madras, Ganesh & Co., Re. 1/8, 1922, pp. xx+144. V

- India's Adventure Madras
Ganesh & Co 1923
- Message of the Birds Madras
Ganesh & Co Re 1 1922
pp iv+78 V
The Great Souled Gandhi
pp 11 18
- My Motherland Madras
Ganesh & Co Re 1 8 1921
pp viii+168 V
- VENKATARAMANI K S
Renascent India 2 ed
Re 1/
- VENKUSWAMY N S Con
gress in Office Bom Day The
Bharat Publishing Co Re 1 8
1940 pp viii+207 V
- VIDYARTHI RAMSHARAN -
British Savagery in India
Agra Shival Agrawal & Co
Re 9 8 1946 pp x+333+
21 V
- WALKER, ERIC A. - The
British Empire Its Struc
ture and Spirit London
Oxford Univ Press 14 1947
pp vi+200 V
- WASHBURNE CARLETON
WOLSEY Remakers of
Mankind New York John
Day \$ 3 00 1932 pp 349
The book contains reports
of interviews Washburne had
in course of a world tour
with leaders in different coun
tries of the world including
Mahatma Gandhi
- WATSON SIR ALFRED - If
Britain Quit India? London

- Indo Burma Association 1914
- WELLOCK WILFRED - India's
Awakening London 1922
- WHITEHEAD BISHOP - Indi
an Problems in Religion
Education and Politics.
London Constable 1924
- WHYTE SIR FREDERICK
- India A Bird's Eye View
London Royal Institute of
International Affairs Rs 2
1944 pp 83 V
Deliberate misrepresenta
tion of Gandhiji's actions and
the Congress and an apology
for the British stranglehold
of India
- WILLIAMS RUSHBROOK L
F India in 1919 Calcutta
Supdt Government Printing
Re 1 1920 pp xiv+281 V
- India in 1921 Re 1/ 1921
pp xiv+375 V
- India in 1921-22 Re 1 8
1922 pp xvi+368 V
- India in 1924 25 Re 1/12
1925 pp xviii+433 V
See also under Costman
and Govt of India
- What about India? London
Thomas Nelson & Co 2 6
1939 pp 176 V
Ch VII The New Fra
in Politics pp 175 140
- WILLINGDON THE EARL OF
- Speeches of the Earl of
Willingdon Simla Govern
ment of India Vo I 18 4 31

to 22-3-34; Vol. II. 29-6-34
to 18-4-36.

WILSON, F. W. - The Indian
Chaos.

- Some Indian Problems.
Allahabad, Ram Mohanlal,
Re. 1/8.

WINSLOW, J. C. AND ELVIN,
V. - Gandhi, The Dawn of
Indian Freedom. See Elvin
and Winslow.

WINT, GUY - The British In
Asia. London, Faber and
Faber, 10/6, 1947, pp. 224. V

WOOD, ERNEST - An English-
man Defends Mother India:
A Complete Constructive
Reply to "Mother India".
Madras, Ganesh & Co., 21/-,
1929, pp. x+468. V

WOOLACOTT - India on Trial.
London, McMillan, 1929.

YOGANANDA, PARAMA-
HANSA - The Autobi-
ography of a Yogi. New
York, The Philosophical
Library, \$ 3.50, 1946, pp. xvi +
498. V

Ch. 44. With Mahatma
Gandhi at Wardha, pp. 434
to 453.

YUNUS, MUHAMMAD -
Frontier Speaks. Lahore,
Minerva Book Shop, Rs. 6/-,
1942, pp. xxiv+248. V

YUSUF ALI, A. - A Cultural
History of India during
the British Period. Bombay,
D. B. Taraporewala, Rs. 10/-,
1940, pp. vi+334.

ZACHARIAS, H. C. E. -
Renascent India: From
Ram Mohan Ray to Mohan-
das Gandhi. London, George
Allen, 10/6, 1933, pp. 304. V

ZETLAND, THE MARQUIS
OF - Steps Towards Indian
Home Rule. London, Hut-
chinson, 5/-, pp. 128. V

A rough sketch of the
plan of Self-Government
(1935 Act) with an account
of the process of its evolution.

ZIMAND, SAVEL - Living
India. London and New
York, Longmans, 1928, pp.
xvi+281. Illustrations and
bibliography. Introduction by
A. E. (George W. Russell). V

Ch. xi. 'The Mahatma
Comes and New India Comes
into Being', pp. 199-213.

XII. COLLECTIONS OF GANDHIJI'S WRITINGS AND SPEECHES.

GANDHI, M. K. - Behind the
Bars. Lahore, Gandhi Publi-
cations League, 6 as.

- Famous Letters and Ulti-
matums to the British

Government. Lahore, Hero
Publications, Rs. 3/14.

- (Compiler: S. R. Tikekar) -
Gandhigrams. Bombay, Hind
Kitabs, Rs 2/-, 1947, pp.

iv+92 Bibliography and index V

A collection of epigrammatical utterances collected from the writings of Gandhiji (Ed Dewan R P) - Gandhiji's Beads of Wisdom Lahore (Ed Dewan R P) - Gandhiji's Wisdom Box Lahore Dewans Publications Re 18 2 impr pp 111 V (Ed N P Gune) Gandhiji's in His Own Words Poona N P Gune 6 as 1944 pp 31 V

(Ed M J Shahani) Gems of Mahatma Gandhi's Writings Ahmedabad Ahmedabad Publishing House 4 as 1947 pp iv+27 V Great Thoughts of Mahatma Gandhi Madras Ganesh and Co Re 1 1907 pp viii+119 V

(Compiler R. K. Prabhu) India of My Dreams Bombay Hind Kutabs Rs. 2/ 1947 pp vi+129 Sources indicated Foreword by Rajendra Prasad V

- Mahatma Gandhi His Life Writings and Speeches. Ganesh & Co See Section I (Ed P R. Sen) Mahatma Gandhi's Sayings Calcutta Orient Book Co. 1 ed 1931 2 ed 1948 6 as pp. 31 V (Ed R. K. Prabhu and U. R. Rao) - The Mind of

Mahatma Gandhi. Bombay Oxford Univ Press Rs 3 1945 pp xii+191 V Sayings of Mahatma Gandhi Bombay National Youth Publications 4 as 1944 pp ii+31 V

The Sayings are given under three heads political moral and general (Ed Nirmal Kumar Bose) - Selections from Mahatma Gandhi. 1 ed Calcutta Navavidyan Publication Committee 1944 3 ed Ahmedabad Navajivan Rs 4 1948 pp viii+237 Index and bibliography V

Foreword by Gandhiji - Speeches and Writings of Mahatma Gandhi With an Introduction by C F Andrews a Tribute by Mr G V Natesan and a Biographical Sketch by Mr H S L. Polak Madras Natesan and Co 1 ed 1917 3 ed revd and enlarged 1922 Rs 3 pp. xvi+61+848+47+viu. Illustrations index appendices and appreciations by Tolstoy Gilbert Murray etc V 4 ed revd and enlarged 1934 Rs. 4 pp 1072 (Ed. Jag Parvesh Chander) - Teachings of Mahatma Gandhi. Lahore The Indian Printing Works Rs 10 1945 pp 600 V

Foreword by Babu Rajendra Prasad.

- Third Class in Indian Railways and Other Articles. Lahore, Gandhi Publications League, 6 as. 2 impr. 1943, pp. 31.

Contains six articles or extracts from articles selected at random.

- Thought Currents. Pts. I & II.

- The Voice of the Autumn Leaf. Bombay, Hamara Hindustan, 4 as, 1943, pp. 28. V

- (Ed. Mrs. Suraj Harbans Singh Thapar and Mrs. Krishna Huthéesingh) - The Weaponless Warrior. Lahore, Civil and Military Gazette, Rs. 6/8, 1946, pp. vi+68. Foreword by J. S. Hoyland. V

- (Ed. Roy Walker) - The Wisdom of Gandhi (In His Own Words). London, Andrew Dakers, 2/6, 1943, pp. 65. V

- Young India Vol. I. (1919-1922). With a Brief Sketch of the Non-Cooperation Movement by Babu Rajendra Prasad. Madras, S. Ganesan, Rs. 4/-, 1922, pp. lxiv+1199. Index and 8 appendices.

2nd enlarged edition 1924, pp. lxvi+1471. With a chronological index by Miss Elizabeth Kite. V

A de luxe edition of this book issued in two parts 1922; and a supplement 1924. Rs. 25/-, for the set.

- Young India Vol. II (1924-26). Madras, S. Ganesan, Rs. 4/-, 1927, pp. xl+1352. V

Introduction by Babu Rajendra Prasad.

- Young India Vol. III (1927-28). Madras, S. Ganesan, Rs. 4/-, 1935, pp. xviii+1104. Preface by Rajendra Prasad. V

XIII. JOURNALS AND PERIODICALS

CONGRESS BULLETIN. Issued from the Central Office of the All India Congress Committee, Allahabad.

Gives reports of the proceedings of the meetings of the Working Committee, of the sessions of the All India Congress Committee, Important Statements on topical subjects, etc.

CURRENT THOUGHT (A Mon-

thly Review). Published by S. Ganesan from Madras. Annual Sub. Rs. 5/-. Now extinct.

DHARMA (A Quarterly Journal). Edited by K. N. Dasgupta and published from New York. First volume published in 1930-31. Now extinct.

GRAMODYOGA PATRIKA (A Monthly). Organ of the All India Village Industries Asso-

ciation Wardha. Edited by Bharatan and later by J C Kumarappa Started in 1937 Annual Sub 12 as now Rs 2

HARIJAN (A Weekly) Edited by Mahadev Desai, later by Pyarelal Nayyar and now by K G Mashruwala Published from Poona Arya Mahan Press from 1933 to 1941 (from Madras for some time during this period)

From 1942 and onwards the Navajivan Press Ahmedabad has been publishing it Annual Subscription Rs 6

Though started as an organ of the Servants of the Untouchables Society it developed into a full fledged political views paper of Mahatma Gandhi after the establishment of Responsible Government in the provinces

INDIA Published by the Government of India annually to report on the moral and material progress of the dependency under the tutelage of England The first issue published was for 1919 the last was for 1934-35 Calcutta Supdt. Government Printing and later the Manager of Publications Delhi

INDIAN ANNUAL REGISTER
An Annual Digest of Public

Affairs of India recording the Nations Activities each year in matters Political Industrial, Educational Social etc Issued in two six monthly volumes. Edited by H N and later by Anpendranath Mitra First issue published in 1921 Annual Sub. Rs 12' later 15 Published by the Annual Register Office Calcutta

Almost an indispensable reference book for the student of Current Indian History

INDIAN OPINION (A Weekly in English Gujarati Hindi and Tamil Languages) Started in 1903 under the editorship of Shri Nazar and published from the Phoenix Natal (South Africa) Annual Sub 12 6

Right from the start till he left South Africa for India in 1914 it was Gandhiji who was responsible for the policy finances and the editing of the paper Gandhiji himself has said that the Satvagraha in South Africa would probably have been impossible without 'Indian Opinion'

The Tamil and the Hindi sections of the paper were soon discontinued in the interest of Truth as they

appeared to be merely a make-believe.

INDIAN RECORDER (A Quarterly Register). Published under the auspices of the Indian Journalists' Association from Calcutta. First issue (for April-June 1932) out in September 1932. Rs. 3/8, pp. vi+324. V

INDIAN REVIEW (A Monthly). Edited and published by G. A. Natesan from Madras. Started in 1900 and still running.

INDIAN YEAR BOOK AND WHO'S WHO. Published by the Times of India, Bombay, annually. Started in 1915 and still running.

MODERN REVIEW (A Monthly). Edited by Ramananda Chatterjee and by K. N. Chatterjee after the former's death. Started in 1907 from Allahabad and later taken to Calcutta and published by the Prabasi Press.

RASHTRA VANI (A Weekly). Edited by Satis Chandra Dasgupta, Sodepur (Bengal). Annual Sub. Rs. 2/-. Vol. I 1939-40; Vol. II 1940-41.

Conducted especially for the propagation of the Gandhian ideology and constructive activities.

RECONCILIATION (A Monthly

Review of the Things Which Belong to Peace). London, Fellowship of Reconciliation. **SOCIAL WELFARE** (A Weekly). Edited by K. M. Munshi and others. Bombay, Vitthal Atmaram Banavalikar. Started in 1940, now turned into the 'New Democrat'.

TOMORROW (A Monthly). Edited by A. T. Gidwani, Ahmedabad. Started in 1923, ran only a year's course and then stopped.

UNITY (A Weekly). Edited by J. H. Holmes, Chicago (U. S. A.). Unity Special India Number issued on 18-8-1930, giving information about the Civil Disobedience Movement of 1930, was banned by the Government.

VISHWA BHARATI QUARTERLY. Founder Editor, Rabindranath Tagore. Started in 1923, and is running still.

YOUNG INDIA (A Bi-Weekly published on Wednesdays and Saturdays). Edited by Jamnadas Dwarkadas Dharamsey, Bombay. Annual Sub. Rs. 8/-. New Series Vol. I No. 1 issued on May 7, 1919. Gandhiji's leading article appeared on 5th June under his signature. The last number of this bi-weekly was issued on Octo. 4, 1911.

YOUNG INDIA (Weekly)
 Edited by M. K. Gandhi
 Aluredabad Navajivan Press
 Annual Sub. Rs. 5 Pages
 annually about 400 Started in

1919 Finally closed in 1932.
 Edited by C. Rajgopala
 charan Kumarappa and
 others during Gandhiji's
 absence in jail or in England.

XIV REFERENCE AND ALLIED BOOKS

A. E. - The National Being
 London Macmillan 5 1920
 pp. 176 V

Indian ed published by
 Ganesh and Co Madras

ALEXANDER HORACE - Justice Among Nations Lon-
 don Hogarth Press 9 1927
 pp 59 V

**BEALES A. C. F. - The His-
 tory of Peace** London 1931

BORSODI RALPH - Flight
 from the City New York
 School of Living \$ 2.75
 1947

CARPENTER EDWARD
 - Civilization Its Cause
 and Cure London George
 Allen 1921 36 pp. 279 V

- The Simplification of Life
 London George Allen 2
 viii+125 V

COOMARSWAMY ANANDA
 - Art and Swadeshi

- Message of the East

DICKINSON G. LOWES - An
 Essay on the Civilization
 of India China and Japan
 London J. M. Dent, 2/
 1915 pp 86 V

- Letters of John Chinaman
 London J. M. Dent 1/9
 1909 pp 63 V

DUTT ROMESH CHANDRA
 - A History of Civilization
 in Ancient India Calcutta
 Thacker Spink and Co Vols
 I III Rs 10 each 1892-90
 pp xii+390 xiv+363 viii+
 543 V

English ed published by
 Hegner Paul in 2 vols at
 10/6 each

GARRISON WILLIAM LLOYD
 William Lloyd Garrison
 on Non Resistance New
 York 1921

William Lloyd Garrison The
 Story of His Life Told by
 His Children Vols I IV
 London T. Fisher Unwin
 42 1885-90 pp xx+522
 ii+480 xii+590 xi+495 V

JACKS L. P. - Constructive
 Citizenship London Hodder
 and Stoughton 8/6 pp. 335 V

Later editions published
 under the title The Art
 of Living Together

- Education of the Whole
 Man A Plea for a New Spirit
 in Education London Uni-
 versity of London Press 6
 1931 pp 255 V

KROPOTKIN PRINCE - Fields,

Factories and Workshops.

London, T. Nelson, 6/-. V

- Mutual Aid: A Factor of Evolution. London, William Heinemann. V

MAINE, SIR HENRY - Village Communities in the EAST AND WEST. London, John Murray, 12/6, 7 ed. 1913, pp. xii+413. V

MAUDE, AYLMER - Family Views of Tolstoy. London, George Allen, 10/6 1926, pp. 220. V

- The Life of Tolstoy - First Fifty Years. London, Constable, 12/6, 1911, pp. xiv+464. V

- The Life of Tolstoy - Later Years. London, Constable, 8/6, 1911, pp. x+712. V

Both these volumes are available in the World's Classics at 3/6 each.

MAX MULLER, F. - India: What Can It Teach Us? London, Longmans, 7/6, 1919, pp. xxiv+315. V

RADHAKRISHNAN, S. - Eastern Religions and Western Thought. London, Oxford Univ. Press, 15/-. 1939, pp. xiv+396. V

RUSKIN, JOHN - The Autobiography of John Ruskin - Praeterita. Vols. I-III. pp. xii+358, xv+362, and viii+328. V

- Fors Clavigera.

- Unto This Last.

All the three books published by George Allen, London, THOREAU, HENRY DAVID - Essay and Writings of Thoreau. Various editions available.

TOLSTOY, COUNT LEO - Childhood, Boyhood and Youth. 1930, pp. 412

- A Confession, The Gospel in Brief, and What I Believe. Revd ed. 1940, pp. 402

- The Kingdom of God Is Within You and Peace Essays. 1936, pp. 606.

- On Life and Religion. 1934, pp. 428.

- Recollections and Essays. 1937, pp. 332.

- What Is Art? and Essays on Art. 1930, pp. 360.

- What Then Must We Do? and A Letter to Engelhardt. Revd. ed. 1935, pp. 432.

All the above books have been translated by Aylmer Maude and published by the Oxford Univ. Press in the Tolstoy Centenary edition and also in the World's Classics.

-(Ed. Stephen Zweig) - The Living Thoughts of Tolstoy. London, Cassell, 2/6, 1936, pp. iv+124. V

-(Ed. G. H. Perris) - The Life and Teachings of Tolstoy. A Book of Extracts with an Introduction by G. H. Perris. London, Grant Richards, 1 ed. 1901, pp. iv+273.

पूर्ति

हिंदी पुस्तकें

'अमृत' (ठाकुर प्रमोदसिंह) - महामातव
[जनकगणकी मङ्गलिका] क. १, प्रकाश
मन्दिर, ४-८-०, १९४८, पृ
१६८ वि

कालिका, द. बा - बापूकी शक्तिप्रा.
काननराव, नववीरन, १९४८

१०१ प्रमोद विभाग

काशी विद्यापीठ (प्र) - गांधीजी
धर्मशक्तिप्रा. - १ (गांधी प्रवचना,
का. १०) ४-८-०, १९४८,
पृ १६ + १४४

भारतीय नेतृत्वकी महत्त्वपूर्ण
विमर्शने की है।

कुमारणा, जे. सी - कर्मविज्ञान और
अन्य प्रवच. ४६, अ. भा. प्रा. पु.
सं. १२ अने, १९४८, पृ ४ + ४६ वि

- प्रामोदिक सुधारकी श्रेष्ठ योजना. ४६,
अ. भा. प्रा. पु. सं. १०-०,
१९४८, पृ. २ + ३३ वि

- पीण्ड पाठने अर्थात् हिन्दुस्तान और
प्रिन्सिपल लेखन. ४६, अ. भा. प्रा.
पु. सं. ४ अने, १९४८, पृ २ + १०. वि

गंगा पुस्तकमाला (प्र.) - गांधी गौरव
छन्दसू. ४. १-८-०, १९४८ पृ
१०० वि

गांधी, मो. क. - अमेज़ीति मेरी अपील.
[हरिजनसेवक तथा अन्य सर्वोपयोगी लेखोंका
संग्रह]. नवी दिल्ली, सत्या सन्धि,
६ अने, १९४८, पृ ४ + ८८. वि

- (अनु. सुदीप नन्दर) - आरोग्यकी
कुली अन्नराव, नववीरन, १० अने,
१९४८, पृ ३८. वि

- (दीपक - बापूजीकी रेकर्ड) - प्रेम
पत्र १. अन्नराव, नववीरन, ४ अने,
१९४८, पृ ८ + ८८ वि

- (द. अन्नराव गिरीगोत्री) - राजकी विचार
(१. १०-११-४४ से १९-४-४९)
संग्रह १. विचार, अन्नराव गिरीगोत्री,
४ १०-०-०, पृ ३२५

- (अनु. रामनारायण चौधरी) - सत्यप्रद
वाचककी प्रितिष्ठा अन्नराव,
नववीरन, ४ १-४-०, १९४८, पृ
१६ + ९८. वि

तिवारी, श्रीमोलानाथ - हे बापू, हे
राष्ट्रनिता! (राष्ट्रनिताके निष्कर्षकाव्य).
छन्दसू. ४. पुस्तकमाला, ५ अने,
१९४८, पृ ३६. वि

भटनागर, श्री सत्यनाराय - बापूका
महाप्रयोग छन्दसू. ४. पुस्तकमाला,
५ अने, १९४८, पृ ३२

भारत, ज्योतिषा - अर्थोक्ति बापू
का, राष्ट्रीय प्रकाशन मंडल, ४. १-८-०,
१९४८, पृ. ११५ वि

- (य. और अनु) - धर्मशक्तिप्रा.
का, राष्ट्रीय प्रकाशन मंडल, ४. ३-०-०,
१९४८, पृ १६ + ९ से ११२. वि

रामकृष्ण - नववीरन (गांधीजीका अर्थोक्ति
संग्रह; ऐतिहासिक प्रकाशन). काशी,

- प्रकाश मन्दिर, रु. ५-०-०, १९४७,
पृ. १६ + २५०. वि
- वापूका रामराज्य. काशी, प्रकाश मन्दिर,
१२ आने, १९४८, पृ. ५२. वि
- हिन्दू-मुस्लिम-हिन्दुस्तानी (समस्याका
अक माव रचनात्मक हल). काशी,
प्रकाश मन्दिर, रु. २-०-०, १९४७,
पृ. ४ + १९६. वि
- युगांतर (ज्योतिः चित्र महाप्राण वापूके
रामराजकी नखात्मक अभिव्यक्ति). काशी,

- प्रकाश मन्दिर, रु. ३-०-०, १९४८,
पृ. १२ + १४०. वि
- वोरेन्द्रकुमार - प्रकाशकी खोजमें [गांधो-
वाद, साम्यवाद आदि गंभीर विषयोपर
विचार]. वम्बो, हिन्दू किताब्ज,
रु. ३-०-०, पृ. १६८
- शुक्ल, नरसिंहराम - महात्मा गांधीकी
नजी विचारधारायें. अलाहाबाद,
मनोरंजन पुस्तकमाला, रु. १-८-०,
स. २००३, पृ. १४८. वि

गुजराती पुस्तकें

- कोठारी, वि. म. (सं) - महासभाना
ठरावो. अमदावाद, गुजरात विद्यापीठ,
रु. ६-०-०, १९४८. वि
- खवरदार, अ. फ. - गांधी बापुनो पवाडो.
(३ भागमां). दादर (मुंबो), अ. फ.
खवरदार, रु. १-४-०, पृ. ८ + ३५
- गांधी, मो. क. - आरोग्यनी चावी.
अमदावाद, नवजीवन, १० आना,
१९४८, पृ. १६ + ६८. वि
- पहेली गुजराती राजकीय परिपदना प्रमुख
महात्मा मो० क० गांधीनुं भाषण.
गोधरा, वामन सी० मुकादम, ३ पाओ,
१९१७, पृ. १६.
- वापूना वाने पत्रो. फीनिक्स (नाताल),
बिटरनेशनल प्रि. प्रेस, अदी ट्रिल्लिंग,
१९४८, पृ. १२ + ३५.
- जावडेकर, शं. द. (अनु. पां. ग. देशपांडे)
- लोकशाही. अमदावाद, गुजरात
विद्यापीठ, १९४८. वि
- जुस्त ओडोल्ल (अनु. चमनलाल वैष्णव)
- कुदरतमय जीवन. पोरबंदर, भारतीदेय
मंडळ, १० आना, २ आ. १९३८, पृ.
१२ + २६२. वि
- ठाकुर, रवीन्द्रनाथ (अनु. वचुभाजी शुक्ल)

- महात्मा गांधी. मुंबो, विश्वभारती -
वती टागोर सोसायटी, रु. १-४-०,
१९४८, पृ. २ + ८६. वि
- देसाजी महादेव (स. न. दा. परोख)
- महादेवभाजीनी दायरी - पुस्तक
१ लुं. अमदावाद, नवजीवन, रु. ४-८-०,
१९४८, पृ. + ४१६. वि
- नेहरु, जवाहरलाल (अनु. म. भ. देसाजी)
- मांरुं हिन्दुनुं दर्शन. अमदावाद,
नवजीवन, १९४८.
- ‘डिस्कवरी ओफ अिडिया’नो अनुवाद.
(छपाय छे)
- मथुरादास त्रिकमजी - बापुनी प्रसादी.
अमदावाद, नवजीवन, रु. २-०-०,
१९४८, पृ. ८ + २३२. वि
- महेता, कपिलराय (सं.) - राष्ट्रपितानां
चरणोमां. अमदावाद, भारती साहित्य
संघ, रु. १-१२-०, १९४८, पृ. १८०. वि
- महेता, बबलभाजी - रविशंकर महाराज.
अमदावाद, कमल प्रकाशन, रु. ५-८-०,
१९४८, पृ. ८ + ४४०. वि
- लोकजीवन (पाक्षिक) अमदावाद, नवजीवन,
वा. ल. रु. ३-०-०, १९४८, १५मी
आंगस्ट्यी शरु.

मराठी पुस्तके

शिवाजी प्रिन्टिंग वर्क (प्र.) - बंगाला
आह्वान (बॅंगलूर ८ व्या 'बडे नव')

ठाकुरादेव भाग्ये) पु. १२ बने
१९४८

सांगला पुस्तके

सा. श्री शशी - बापूजी कलिकला, प्रमुक्त

लाभिलेने रु १-८ ० १९४८, १ ८२

उर्दू पुस्तके

आजकल (गंधी नगर) - म. मुताब रैना
कौर - गुरुनर नासिद गंधी पक्षि
कलस निविदल निनिरी बॅक
बिदुसमेगल बॅक बॅकलिग, १२
बने १९४८ पु ८८ वि

गांधी मो. क - मरी राय लक्ष्मी
पत्रक घामनेवा मण्ड रु. २-८-०
- रिपाम्ता दुनिया लक्ष्मी पत्रक घन
सहा मण्ड रु १-८-०

Supplement

ENGLISH BOOKS

JAYAPRAKASH NARAYAN
In the Lahore Fort Patna,
Sahityalaya Rs. 4 1948
pp. v + 199 V

JONES STANLEY Mahatma
Gandhi An Interpretation
London Hodder and Stoughton
86 1948.

MADRAS MAHAJAN SABHA
- Diamond Jubilee Souvenir
1946 Madras M M Sabha
1946 pp. viii + 64 V

MEHERALLY YUSUF - The

Price of Liberty Bombay
National Information Rs 6
1949 pp viii + 261 V

SUNDARAM G A. Guru
Ka Bag Satyagraha Madras
Swadeshmitram 12 as 1973
pp. xii + 79

THEOSOPHY CO (Pub.) Ref
lections on Gandhiji's Hind
Swara; Bombay Re. 1/
1948

Reprint of articles in the
Special Hind Swara; Number
of Aryan Path Sept 1938.

ग्रंथनाम सूचि

हिन्दी

अकालियोंका आदर्श सत्याग्रह	६	आधुनिक भारत	२१
अकाली दर्शन	२२	आरोग्यकी कुंजी	१८८
अखण्ड भारत	९	आरोग्य-दिग्दर्शन (प्रयाग)	१७
अखिल भारत चरखा संवके		आरोग्य-दिग्दर्शन (वम्बयी)	१७
वार्षिक विवरण	१२	आरोग्य-साधन	१७
अखिल भारत चरखा संव - मार्गसूचिका	१२	आश्रम भजनावलि	६
अखिल भारतीय खादी समिचाार		आश्रम संगीत	७
विभागकी पत्रिकायें, १९२३-२४	१२	अँग्लैडमें महात्माजी	२
अखिल भारतीय ग्रामोद्योग संवकी		बितना तो जानो	१६
वार्षिक रिपोर्ट १९३५-३९	१४	अीशु खिस्त	७
अगस्त क्रान्ति और प्रतिक्रान्ति	२१	अेक कदम आगे	१६
अछूतोद्धार और महात्मा गांधी	९	अेक धर्मयुद्ध	५
अंग्रेजी राजमें हमारी आर्थिक दशा	१०	अेक मात्र शुद्योग - चर्खा	१२
अंग्रेजोंसे मेरी अपील	१८८	अेक सत्यवीरकी कथा	५
अनासक्तियोग (कलकत्ता)	६	अेक-माता-व्रत	५
अनासक्तियोग (दिल्ली)	६	ओट्टना व धुनना	१६
अनीतिकी राहपर	६	कताभी गणित - प्रकरण १, २	१५
अमृतवाणी	१८	कराचीकी कांग्रेस	२२
असहयोग तथा हमारी परिस्थितिका		कर्मविज्ञान और अन्य प्रबंध	१८८
सुधार	१०	कला : अेक जीवनदर्शन	१८
अहिंसक क्रान्ति	४	कांग्रेसका अितिहास (कृष्णचन्द्र)	२०
अहिंसक स्वराज्यसाधना	११	कांग्रेसका अितिहास (सीतारामैया)	२२
अहिंसाकी शक्ति	४	कांग्रेसका सचित्र अितिहास	
अहिंसाविवेचन	५	(काशी पुस्तक भण्डार)	२२
आगाखों महलसे गांधीजीका पत्रव्यवहार	१०	कांग्रेसके प्रस्ताव	२०
आजकल	२३	काशी विद्यापीठ रजत जयन्ती	
आजाद हिंदका तिरंगा झण्डा	१९	अभिनन्दन ग्रन्थ	१६
आजादोंके रोड़े	२२	काशी विद्यापीठके पष्ठ समावर्तके	
आत्मकथा (गांधीजी)	१	अवसर पर दिया हुआ भाषण	१५
आत्मकथा (राजेन्द्रप्रसाद)	२२		

विमान चरखा	१३	गंधीजी (इव)	२
कुलित जीवन और दाम्पत्यविमर्श	६	गंधीजी (विद्यार्थी)	३
कुल्लुपुरी और दूसरी कहानियाँ	१९	गंधीजी कौन हैं ?	२
कोई	१७	गंधीजी महापुरुषों—१	१८८
क्या करें ?	११	गंधीजीका बयान या सत्यप्रदीपनी	४
क्या कांग्रेस नावान रखी है ?	९	गंधीजीकी सुरेण यात्रा	३
खण्डित भारत	९	गंधीजीके योगेन्द्र (बन्धन)	१
खुशेरी क्या	११	गंधीजीके हाथ सत दिन	२
खर दी क्यों ?	१३	गंधीजीके स्वतः	१२
खरका मालिगान	१३	गंधीजीके मरनेमें	३
खर शिक्षक	१३	गंधीजीकी मर्दावति	२
खोश और गंधीकी लड़ाई	१३	गंधी-मार्ग	४
खारी और प्रयोग प्रदर्शनी		गंधी-मीमा	५
कार्य निरूपण	१४	गंधी-बागी	१८
खारी और स्वतंत्र	१३	गंधीवाद समाजवाद	४
खारीका भयंश	१३	गंधीवाद और मर्कवावाद	५
खारीका भित्तिपत्र	१३	गंधीवादकी कपेला	३, ५
खारीका मन्त्र	१३	गंधीवादकी शक्तिशाली	५
खरक कुटुम्ब	१३	गंधी-विचार-दीप्ति	५
खारीगत	१३	गंधी-सिद्धान्त	४
खारी-व्यवस्था (मानिक)	१२, २३	गंधी सेवा-सुधवा विधान तथा निदम	४
खारीनिवास, अनन्तपुराकी रिपोर्ट	१७	गंधी सेवा-सुधके वार्षिक कार्य	
खारीनिवास धरदरशन	१४	विवरण १९३६-१९४०	४
खारीप्रदर्शक १९२३, (१९२९)	१३	गंधी सेवा-सुधके वार्षिक संस्करण	४
खारीमीमा	१३	गंधीका वार्षिक स्वात	१५
खरका बरना खरस नदी	४	गीता और पुराण	७
खेटीपिन्ध	१६	गीताप्रवचन	७
गणेश मन्त्र विद्यार्थी	२१	गीतादीप	६
गणेश काय	१६	गीतमन्त्र	७
गंधी अहिंसानन्दन प्र	२	गीतका कलत्र	११
गंधी और सत्य	५	गीतका	११
गंधी बनाम सम्यवाद	५	गीतका	१२
गंधीका भीमो राज्य	१०	ग्राम आन्दोलनकी आवश्यकता	१४
गंधीगाथा	३	ग्रामसुख	१४
गंधीगौरव (गंगा पुष्पकमण्ड)	१८८	ग्रामसेवा	१४
गंधीगौरव (गणेशका)	२	ग्रामसेवा सुधारकी एक योजना	१८८
गंधीगौरव (समा)	३	ग्रामसेवा विकासा (मार्ग)	१४, २३

घरेलू कताभीकी आम गिनतियाँ	१५	देशकी बात	२१
घरेलू कताभीकी आम बानें	१२	देशी रंगाबी व छपाबी	१५
चम्पारण्यकी जांच अर्थात् चम्पारण्य		देशी राजाओंका दर्जा	१०
कृषीय कमेटीकी रिपोर्ट	५	दो खुदाबी खिदमतगार	२१
चम्पारण्यमें महात्मा गांधी	६	धनुष तकुवा	१३
चरखा (नाटक)	१९	धर्मपथ	६
चरखाशास्त्र	१२	धर्मपालन भाग १, २	६
चरखासंघका नवसंस्करण	१२	नबी तालीम (मासिक)	१५, १६, २३
चंगेकी क्षुपयोगिता	१३	नबी तुनाबी	१३
चावल	१४	नकलो घी	१४
चीनकी आवाज	१९	नमक - कर	११
छूत अछूतकी माया	८	नया हिन्द	१७, २३
छूत और अछूत	९	नवभारत	१८८
जगमगाते हीरे	३	नियोजित अर्थव्यवस्थाका गांधीवादी मार्ग	११
जहकी बात	१९	निर्भयता	५
जब अंग्रेज आये	१२	नीतिधर्म अथवा धर्मनीति	६
जब अंग्रेज नहीं आये थे	११	नोआखालीमें (काव्य)	१८
जय हिन्द काव्य	१८	पञ्चरत्न	१८
जिन्दा वनो	२०	पण्डित जवाहरलाल नेहरू	२२
जीवनका काव्य	६, १८	पत्र और पत्रकार	१९
जीवनसाहित्य	१८	पाकिस्तान (नाटक)	१९
टॉल्टॉय और गांधी	१	पुण्य स्मृतियाँ	२०
डायरीके कुछ पन्ने	२	पूज्य बापूजीकी प्रार्थना	७
तकली	१६	पूँजीवाद, समाजवाद और ग्रामोद्योग	११
तकली-शिक्षक	१५	पूर्व और पश्चिम	१८, १९
तरुण भारत	२२	पैसेकी माया	१२
ताड़का गुड	१५	पोंड पावने अर्थात् हिन्दुस्तान और	
तीन रत्न	१८	जिगलैडकी लेनदेन	१८८
तेलघानी	१५	प्रकाशकी खोजमें	१८९
तेलघानीकी पृति	१५	प्रजाद्रोही राजा वेणु	१०
त्यागभूमि	२३	प्रवासी भारतवासी	२२
दक्षिण अफ्रीकाका सत्याग्रह	५	प्रवासीकी कहानी	२२
दक्षिण अफ्रीकाके सत्याग्रहका इतिहास	६	प्रेम	२३
दिमागी गुलामी	१९	प्रेमपंथ - १	१८८
दिल्ली - डायरी	६	फिजीमें भारतीय प्रतिष्ठाबद्ध कुलीप्रथा	२०
दुनियाका रंगमंच	२१	बच्चोंके बापू	१८८

मेरी कहानी	२१	वृषभ-सुधार	११
मेरे गुलजन	१	विचारपीथी	१९
मेरे जेलके अनुभव	१	विजयी वारडोली	६
यंग अिण्डिया	२३	विद्यार्थियोंसे	१६
यन्त्रोंकी मर्यादा	११	विद्यापीठ (त्रैमासिक)	२४
यख्खडा मन्दिरसे	७	विदेशी कपड़ेका मुकाबला कैसे	
युगधर्म	१८	किया जाय ?	१२
युगाधार गांधी	३	विनाश या अिलज ?	६
युगान्तर	१८९	विनोबा और शुनके विचार भाग १, २	१९
युद्ध और अहिंसा	४	विवाह-समस्या	७
युद्धयानामे प्रवचन	२०	विशाल भारत - गांधी अंक	
युद्धसंकट और भारत	२१	अक्टूबर १९३८	३
युरोपीय युद्ध और भारत	१०	विश्व अितिहासकी झलक भा. १-२	२२
रचनात्मक कार्यक्रम (नवजीवन)	८, १६	विश्वकी विभूतियों	१
रचनात्मक कार्यक्रम (सत्तासाहित्य)	८	विश्वसंघकी ओर	१०
राजस्व और हमारे दरिद्रता	११	वेदमें-वर्त्ता	१३
राष्ट्रभाषा	२३	शिक्षामें अहिंसक क्रान्ति (वर्षा	
राष्ट्रभाषाकी समस्या और हिन्दुस्तानी		परिषद् रिपोर्ट)	१६
आन्दोलन	१७	शिक्षामें अहिंसक क्रान्ति	
राष्ट्रभाषा हिन्दुस्तानी	१७	(तालीमी संव),	१७
राष्ट्रनाता कस्तुरबा	३	शैतानकी लकड़ी	८
राष्ट्रवाणी	२१	श्रद्धाञ्जलियाँ (सं. भार्गव)	१८८
राष्ट्रीय आन्दोलन	२२	श्रद्धास्पद मोहनदास कर्मचंद	
राष्ट्रीय गायन	१९	गांधीका जीवनचरित्र	३
राष्ट्रीय पंचायत	१०	श्री जमनालालजी	२२
राष्ट्रीय शिक्षाका अितिहास	१५	श्रीमद् राजचंद्र	७
राष्ट्रीय शिक्षाके आदर्शोंका विकास	१५	संक्षिप्त आत्मकथा	१
राष्ट्रीय साहित्य, खण्ड १-४, ५-६	१९	संघर्ष या सहयोग	८
रोजके विचार - १	१८८	सत्यके प्रयोग अथवा आत्मकथा	१
रुइखडाती दुनिया	२१	सत्याग्रह आश्रम-शुयोगमन्दिरकी	
रुदनमें लँगोयेवाला	२	विविध प्रार्थनाएँ	६
लोकजीवन	८	सत्याग्रह आश्रमका अितिहास	१८८
लेखनान्यको श्रद्धाञ्जलि	२१	सत्याग्रह आश्रमकी नियमावलि	५
वर्तमान जगत	२०	सत्याग्रह और असहयोग	४
वर्षा गोसेवा कार्यका संक्षिप्त अहवाल	१४	सत्याग्रह : क्यों, कब और कैसे ?	४
व्रतविचार	७	सत्याग्रह युद्ध	४

स्वयंप्रभो मष्टद	१८	स्वाम्य और सत्ताम्य	१२
स्वयंप्रभो नरान गंधा (हमैपठ)	१	स्वाम्य बरा और केने	१०
स्वयंप्रभो महरना गंधो (भवनीदपठ)	२	स्वाम्यार गंधीनी	१०
मन बवन्नेनक विनै	२१	स्वाम्य-भार	१०
मन नरान	७	स्वामी कटानन्द	२१
सरकी रोना	१० २४	स्वामीजीका बन्दिान और इनरा बन्ध	९
समग्र प्रमनवादी भार	८	विनोकी मनरने	१८
समग्रवाका पुनर्विचार	११	हजान मुहम्मद और ब्रिमलाम	७
ममठ केन ?	१३	इन की है ?	२२
मन्त्रो कम्पान	१६	इन केन हु ?	१३
मन्त्र नगरिक उक्त	९	इनरा भइर	१८
मन्त्रानवविषय	१३	इनरा बन्ध	८
मन्त्रैव (मन्त्रिक)	२४	इनरा मन्त्र	२०
मन्त्रेन (प्रबन्धन, बन्धन)	११	इनरो का	२
मन्त्रोप (मन्त्रा संहिता, दिल्ली)	११	इनरो राजनैतिक मनस्वये	१०
सहरीवनकी मनसा	१५	इनरो राष्ट्रीय समस्यये	२०
सुतरक मन्त्रेष्ठ पुस्त	२	इनरो किनानोंका मन्त्र	११
सुतरक चुन हुमे रान	१	इनरो मन्त्र और किपन	१४
सामनक पथ पर	२०	इमर मन्त्रा सुपर और सत्यन	१४
मन्त्रमन्त्राक्त मन्त्र मन्त्रा मन्त्र	१९	इनरो मन्त्रोकी कदनी	१४
सामन मन्त्रो	१५	इनरो मन्त्र निम्न	१, २२
सामनमन्त्रिक विनै पर बपूक विचार	७	इनरो उद्घाटि	३, २२
सोनष्ट धन्नेकी मोलनी बनानका	१५	हरिजन मन्त्र	२४
मन्त्रा	२१	हरिजन मन्त्र मन्त्र निम्निका रिने	९
सठ नमनानाउ बन्धन	१९	हरिजा अविशुद्धका अइवठ	२३
सेवप्रान	८	हथ कगत	१५
सेवधर्म	११	हथकी कतामी कुनमी	१३
सोनकी मन्त्रा	११	हिन्दु-स्वाम्य	१०
सामन भरतक जिमे मन्त्रोकी	९	हिन्दी, मुर्द और हिन्दुस्तानी	१०
सामन विषय	१८	हिन्दी मन्त्रोवन (वपटी भठ)	२४
सामनवादी और	२०	हिन्दी नवशवन (सामनिक)	२४
सामनवाक मन्त्रक १० वा	१४	हिन्दुस्तान और हिन्दुका मन्त्रिक	११
सदही और सामनोपोग	११	केन-केन	२१
सदही और बन्धन	११	हिन्दुस्तानका राष्ट्रीय सम्य	२२
सदही बन	११	हिन्दुस्तानकी कदनी	२१
सदहीका मन्त्र	११	हिन्दुस्तानकी मनस्यये (गंधी)	२१
स्वाम्य और मुन्त्रमन्त्र	९	हिन्दुस्तानकी समस्यये (नेहरू)	१०

હિન્દુસ્તાનો	૨૭	હિન્દૂ-મુસલમાનોંકા તનાજા	૯
હિન્દુસ્તાની સાથ પદાર્થોંકા આહાર-		હિન્દૂ-મુસ્લિમ બેકતા	૯
તત્ત્વ ઓર યુનસે પ્રાપ્ત જીવનતત્ત્વ	૨૪	હિન્દૂ-મુસ્લિમ બેકતાકા પ્રશ્ન	૯
હિન્દુસ્તાનીકો નીતિ	૨૭	હિન્દૂ-મુસ્લિમ સમસ્યા ઓર પાકિસ્તાન	૯
હિન્દુસ્તાનોંકે પ્રચારક ગાંધીજો	૨૭	હિન્દૂ-મુસ્લિમ, હિન્દુસ્તાની	૧૮૯
હિન્દુસ્તાનો-ગુજરાતી કોશ	૨૭	હૃદયમન્યનકે પાંચ દિન	૭
હિન્દુસ્તાનો-પ્રચાર ક્યોં ?	૨૭	હે વાપૂ, હે રાષ્ટ્રપિતા !	૧૮૮

ગુજરાતી

અક્તરનો યાદમાં	૩૭	આપણા આર્થિક પ્રશ્નો	૪૨
અલ્પદ હિન્દુસ્તાન	૫૨	આપણાં કલ્તૂરવા	૨૮
અગ્નિપરીક્ષાનો પૂર્વ ભૂમિકા	૩૮	આપણા ગાંધીજો	૨૮
અંગત વિચાર	૪૭	આપણા નેતાઓ	૨૮
અનાનકતિયોગ	૩૨	આપણી કૌશલ	૫૩
અન્યત્ર સાધુ નંદ	૩૭	આપણી મહાસમા સ્વંદ ૧-૨	૫૧
અન્તઃગતોત્ર	૩૭	આપણી વિદ્યાર્થી હિલચાલ	૪૬
અન્ય દેશોમાં અસહકાર	૩૧	આપણું ઘર	૫૩
અમારાં વા	૨૭	આપણે પાપે	૩૭
અર્વાચીન ગુજરાતનુ રેલાદર્શન, સ્વંદ ૩જો	૨૭	આપણો આર્થિક પ્રશ્ન	૪૧
અર્વાચીન હિન્દ	૫૨	આપણો ધર્મ	૩૩
અસહકાર (ગાંધી શિક્ષણ માઝા		આવાદ હિન્દુસ્તાન	૪૧
ભાગ ૧-૩)	૨૯, ૩૮	આમહલ્લેતુ ભૂત	૩૭
અસહકાર (યુગધર્મ કાર્યાલય)	૨૯, ૩૮	આમજનતાના સંકલ્પવલ્લુ પ્રદર્શન	૪૦
અસહકાર (રાષ્ટ્રીય સાહિત્ય મઢલ)	૨૯, ૩૮	આરોગ્ય	૪૬
અસહકાર છુપર ભાષણ	૩૦, ૪૦	આરોગ્ય, તનનું, મનનું અને દેશનુ	૪૬
અર્હિન	૨૯	આરોગ્ય વિષે સામાન્ય જ્ઞાન	૪૬
અર્હિસાની તાલોમ	૩૦	આરોગ્યનો ચાવી	૧૮૯
અર્હિસાનો રાહ	૩૧	આવતી કાલના પ્રશ્નો	૩૪
આ તે જીવદવા ?	૨૯	આશ્રમનો પ્રાણ	૫૧
અગ્તો ફેસલો ભાગ ૧થો ૪	૩૮	આશ્રમમજનાવલિ	૩૨
આચાર્ય કૃપલાનીના લેલો	૪૭	આશ્રમવાસી પ્રલે	૩૨
આજાદીનાં રાષ્ટ્રગીતો	૫૦	આહાર અને પોષણ	૪૬
આજાદીનો યજ્ઞચાઝા	૪૯	આધકાનું ગાડું	૪૯
આલ્લે તો જાણજો-૧	૪૫	અિન્ડિયન ઓપીનિયન	૫૪
આનકયા	૨૫	અીજિપ્તનો બુદ્ધારક અથવા મુસ્તફા	
આનરવના અથવા આશ્રમની કેઝ્વળી	૪૫	કામેલપાશાનું જીવનચરિત્ર	
આધુનિક ભારત	૫૧	તથા વીજા લેલો	૫૦

બોધુ અને ગાંધી
 બોધુચરિત્ર
 બોધુનું વહિવાર
 એક વનુદ
 એક મ્લચોરનો વધા બધા
 મોટેટીસનો વધવ
 મેળિયના મોતરમાં
 કષતુનુમંડિ
 કમ્બોર મોહનદામ ક. ગાંધી
 કલ્કી બધા મ્લચિતુ મર્ચિ
 કલ્કાગ્યત્રી
 કવિશ્વર રસોદ્ધનય ઠાનુર
 વસ્ત્રાણ
 શરૂ મેઝ નુ!
 વગદને નગરે
 કઠિયાવહના ઘટવૈયા
 કપડાની સમ થવાની પરચ
 વાંદજામો અને મતદરને
 ગુરુગોળી
 કાલેવજના લેહો
 કાલકરના લેહો મગ રચો
 કાલગોળી (નરભા)
 કાનગોળી (પુણન)
 કાલપ્રવાહિકા
 કાલગોળી કચા
 કુદરતનુ જીવન
 કાલગોળી શાવા
 કેલ્કાગોળી પાદરો
 કેલ્કાગોળી કોવરો
 કોલિતુ
 કેલ્કા અને કમ્બોરનો
 કેલ્કાનો કેલ્કાક બરભાઈય મિલિતો
 કેલ્કાપ્રિકા
 સરી કેલ્કાનો
 સરી વરસો!
 સરી, સરની અને પ્રાનોદર
 શિવદત્ત સ્વાદ

૩૬	સાદી નિવસ	૪૩
૩૭	સાદીની પ્રમત્રી	૪૩
૩૮	સાદીનું અપ્પક મધ્યકાલ	૪૩
૩૯	સાદીવિદ્યાપ્રવેશિકા	૪૫
૪૦	સાદીપ્રમાણર વર્તક	૪૨, ૫૪
૪૧	સિરસાકોળ	૪૦
૪૨	સહની રત્ન	૪૧
૪૩	વેદુતનો મિલકરી અને મધ્યમ-રનો વાજ	૪૨
૪૪	લેહુતોળી	૨૭
૪૫	ગાંધી શાપુ	૪૮૯
૪૬	ગાંધી શાપુની પગરો	૨૭
૪૭	ગાંધી મોહનદામ કરમવદ	૪૨
૪૮	ગાંધીકામ્યપ્રદ	૨૭
૪૯	ગાંધીકૂચ (આત્મન)	૪૭
૫૦	ગાંધીગિરમૃત	૨૬
૫૧	ગાંધીડી (દલે)	૨૬
૫૨	ગાંધીડી અને કોલેમ પ્રત્યે માત્ર કા	૨૬
૫૩	ગાંધીડી તમનુ જીવન અને કાર્ય	૨૬
૫૪	ગાંધીડી મધ્યે એક બઠાવિતુ	૨૭
૫૫	ગાંધીડીના અગિયાર તુળા. હથિયાલગીનો	૪૦
૫૬	કાપરો તથા હાલકી સર્વ અને હાલક	૨૭
૫૭	ગાંધીડીના કીચનપ્રમા	૪૭
૫૮	ગાંધીડીનાં કચનમૃત	૪૭
૫૯	ગાંધીડીનાં વિચારાનો	૨૯
૬૦	ગાંધીડીના સમાગમમાં	૨૮
૬૧	ગાંધીડીના મર્ચિષ્માં	૩૮
૬૨	ગાંધીડીનો અછરી કાલ	૩૦
૬૩	ગાંધીડીની ગુરાનો	૪૭
૬૪	ગાંધીડીની દિવ્ય રાત્રી	૨૮, ૩૬
૬૫	ગાંધીડીની પ્રતિષ્ઠા	૨૯
૬૬	ગાંધીડીની ગુરોમ્પા	૨૬
૬૭	ગાંધીડીની હાલવ	૪૮
૬૮	ગાંધીડીની વિચારપ્રમાણ	૨૭
૬૯	ગાંધીડીની સાળના	૪૦
૭૦	ગાંધીડીની સ્વામ્યજીવના	૫૪
૭૧	ગાંધીડીનું મલકીવન મદ ૧ થી ૪	૨૮
૭૨	ગાંધીડીની કાગલના	

ગાંધીજીનો અગ્નિપ્રવેશ	૩૭	ગુફાનું કમઠ	૨૬
ગાંધીજીનો સરકાર સાથેનો પત્રવહેવાર	૩૮	ગૂજરાત વિદ્યાપીઠના મહામાત્રે કરેલાં	
ગાંધી-વાઘ્મીતી	૪૯	વાર્ષિક નિવેદનો	૪૫
ગાંધી-મળિમંદીરોત્સવ અંક	૨૭	ગૂજરાત વિદ્યાપીઠ વિજ્ઞાપક	૪૫
ગાંધી-વામિસરૌચ પત્રવહેવાર	૩૮	ગોપાલ કૃષ્ણ ગોખલેનાં વ્યાખ્યાનો	૫
ગાંધીવાદી આર્થિક યોજના	૪૦	ગૌરક્ષાકલ્પતરુ	૪૨
ગાંધીવિચારદોહન	૩૦	ગોસેવા	૪૧
ગાંધી-શિક્ષણ ભાગ ૧થી ૧૩	૪૪	ગોચમેજીમાં ગાંધીજી	૨૬
ગામગોષ્ઠી	૩૦	ગ્રામ આન્દોલન શા માટે ?	૪૩
ગામઢામાં જમીને શું કરીશું ?	૩૪	ગ્રામ શુદ્ધોગ અને ગ્રામ પુનર્રચના	૪૩
ગામડાંની વહારે	૩૪	ગ્રામપંચાયતનો કાયદો	૪૦
ગીતાગીતમંજરી	૩૩	ગ્રામપુનર્રચના	૪૩
ગીતાધર્મ	૩૨	ગ્રામમજનમંદચી	૪૩, ૪૯
ગીતાધ્વનિ	૩૩	ગ્રામરચના	૩૬
ગીતાપદાર્થકોષ	૩૨	ગ્રામસંગઠન	૩૫
ગીતાબોધ	૩૩	ગ્રામોદ્યોગ પ્રવૃત્તિ	૪૩
ગીતામંથન	૩૨	ગ્રામોત્થાતિ	૩૬
ગીતા સંકલ્પન	૩૩	ચંપારણમાં મહાત્મા ગાંધીજી	૩૨
ગીતાનાર	૩૨	ચામડાં કેલ્ચવાની ક્રુમ પદ્ધતિ —	
ગીતાહૃદય	૩૪	ગૃહશુદ્ધોગ તરીકે	૪૩
ગુજરાત	૪૯	ચાલ્યા વાવ	૩૮
ગુજરાત છાદી પ્રચાર મંડલ્લનો		ચિરંજીવ સાહિત્ય	૫૦૦
પ્રથમ વર્ષનો અહેવાલ	૪૩	ચીનનો અવાજ	૩૫
ગુજરાત હરિજન સેવક સંઘના વાર્ષિક		ચૂપ નહીં રહેવાય	૪૮
અહેવાલો	૩૬	ચોથી કાઠિયાવાંઢ રાજકીય પરિપદના	
ગુજરાતના ક્રાંતિવીરો	૫૨	સ્વાગત મંડલ્લનો તથા તેના કાર્ય-	
ગુજરાતના સેવકો	૫૩	વાહક મંડલ્લનો અહેવાલ અને હિસાબ,	
ગુજરાતનાં માંગતાં ગામઢાંમાં	૩૫	રાજકોટના છાત અધિવેશનનો	
ગુજરાતની અસ્મિતા	૪૯	અહેવાલ અને માવનગરનો પરિપદમાં	
ગુજરાતનું નૂર	૫૨	ગાંધીજીએ આપેલું માપણ	૩૭
ગુજરાતનો તપસ્વી	૨૫	છાત્રાલ્પ્ય સંહિતા	૪૪
ગુજરાતમાં સંગીતનું પુનરુજ્જીવન	૪૭	જગતના અિતિહાસનું રેલાદર્શન	૫૧
ગુજરાતી જોડણીકોષ	૪૫	જગતનો મહાન પુરુષ	૨૮
ગુજરાતી સાહિત્ય સમ્મેલનનું છટું		જગદંબા કલ્પૂરવા	૨૬
અધિવેશન	૪૮	જપવી	૩૩
ગુજરાતી સાહિત્ય સમ્મેલનનું વારસું		જમનાલાલજી	૫૨
અધિવેશન	૪૮		

જ્યાર જન વિષુદ્ધ	૫૧	દેહનો આગનો માં (ગાંધી-ચિંતા)	૩૯
જાગ્રત મરણ	૫૩	પરી મનો	૪૦
જાતે મજૂરી કરનારોને	૪૮	દેહી ઉચ્ચોને જીવ	૩૯
જીવતા મોંઘારો	૩૨	દેહી રાજ્યોનો પ્રશ્ન	૪૩
જીવન અને જીવન મગ ૧૦	૪૯	દૌરનો આર	૩૧
જીવનચર્ચા	૨૯	ધર્મમાનો કાચો કેર	૩૨
જીવનનોરો	૪૮	ધર્મ	૩૨
જીવનનાં કારણ	૫૧	ધર્મનયન	૩૦
જીવનનું પરોડ	૨૦	ધર્મનુદત્ત રાજ્ય	૩૬
જીવનનો આનંદ	૪૭	ધર્મન્યાયન	૩૪
જીવનમરણ	૪૭	ધર્મનું નિર્ણય	૩૧
જીવનવિકાસ	૪૪	ધર્મનો આનંદ અને મરણ	૫૫
જીવનનિર્ણય	૫૩	નવજીવન	૫૫
જીવનનમરણ	૫૨	નવજીવન અને મરણ	૩૦
જીવનનુદત્ત	૩૪	નિર્ણય	૩૨
ટોન્ટોન અને રિજી	૪૪	નીતિધર્મ અને ધર્મનિર્ણય	૩૨
જીવનના નવાં દર	૪૮	નીતિધર્મ અને ધર્મનિર્ણય અને સર્વોદય	૩૪
જીવન મરણ	૫૩	નિર્ણય અને મરણ	૪૦
જીવન	૨૮	નિર્ણય અને મરણ	૫૦
જીવનનાં પ્રવૃત્તિ કાર્યને પરી	૪૫	નિર્ણય અને મરણ	૪૭
જીવનનિર્ણય	૨૯	નિર્ણય અને મરણ	૩૨
જીવનનિર્ણય	૨૬	નિર્ણય અને મરણ	૫૪
જીવનની	૪૩	નિર્ણય અને મરણ	૫૨
જીવનની પૂર્વ	૪૪	નિર્ણય અને મરણ	૫૨
જીવનની અને મરણ	૩૪	નિર્ણય અને મરણ	૪૯
જીવન કરોડુ ગુ!	૩૫	નિર્ણય અને મરણ	૪૩
જીવન આક્રમિકતા ન્યાયનો	૩૧	નિર્ણય અને મરણ	૪૮
જીવન, જીવ, ૧, ૨	૫૧	નિર્ણય અને મરણ	૧૮૯
જીવન આક્રમિકતા રાજ્ય	૩૨	નિર્ણય અને મરણ	૨૯
જીવન	૩૫	નિર્ણય અને મરણ	૩૪
જીવનને અને સર્વ	૩૫	નિર્ણય અને મરણ	૩૫
જીવનને આ મગ ?	૩૨	નિર્ણય અને મરણ	૩૫
જીવો જાગરો	૫૨	નિર્ણય અને મરણ	૫૫
જીવન	૨૫	નિર્ણય અને મરણ	૫૫
જીવનની રાજ્ય	૫૩	નિર્ણય અને મરણ	૫૫
જીવો જીવ	૫૩	નિર્ણય અને મરણ	૫૫

મજાદંધારણ	૩૯	બ્રિટિશ રાજ્યતંત્ર અને આપણી મહાસભા	૪૦
મયન ગુજરાત-કાઠિયાવાડ ગીતેવા		બ્રિટિશ હિન્દનો આર્થિક ઇતિહાસ	
સંમ્મલનનો અહેવાલ	૪૧	ભાગ ૧-૨	૪૧
મુદ્દ જૈન	૫૫	મગવાનનાં ઢોળ	૩૭
મધોત્તરી અને પ્રાસંગિક	૫૦	ભારત પુણ્યપ્રવાસ	૨૬
મસ્થાન	૫૫	ભારતનો એકતા	૫૧
મહાદ નાટક તથા સહનવીરનાં ગીતો	૪૯	ભારતનું ઘટતર ભાગ ૨ જો	૩૧
પ્રાગપ્રતિષ્ઠા	૩૯	ભારતનો વારસો	૪૬
પ્રેમમન્ય યોજન ૧	૩૦	ભારતમાં અંગ્રેજી રાજ્ય પુ. ૧, ૨	૫૩
પ્રેમમન્ય યોજન ૨ (નવજીવન)	૬૨૫	ભારત સેવક ગોલ્ડ	૫૧
પ્રેમમન્ય યોજન ૨ (સસ્તુ સાહિત્ય)	૨૫	ભારતીય રાષ્ટ્રધ્વજ	૫૪
મોનોને	૩૪	ભારતીય સંસ્કૃતિ અને વીજા લેખો	૫૦
વા	૨૯	મીતપત્રી દ્વારા લોકશિક્ષણ	૪૬
વાપુ	૨૮	મગનરેટિયો	૪૨
વાપુ, તારે ચરો	૨૭	મંગલપ્રભાત	૩૨
વાપુજી અને વીજી વાતો	૨૮	મધપૂઢો	૪૯
વાપુનાં પારખાં	૫૦	મધપૂઢો (નામયિક - હસ્તલિખિત)	૫૬
વાપુના વાને પત્રો	૧૮૯	મધુકર	૪૯
વાપુની છાયાનાં	૨૮	મધ્યમ પીંજણ	૪૩
વાપુની પ્રસાદો	૧૮૯	મન્દિરપ્રવેશ અને શાસ્ત્રો	૩૭
વાપુને	૨૭	મરુનું	૪૭
વારડોલી ગીતસંગ્રહ	૪૯	મહાત્મા	૨૯
વારડોલી સત્યાગ્રહપત્રિકા	૩૧, ૫૫	મહાત્મા ગાંધી (કેન્કર)	૨૫
વારડોલીના સત્યાગ્રહનો ઇતિહાસ	૩૧	મહાત્મા ગાંધી (ઠાકુર)	૧૮૯
વારડોલીની હિજરત	૩૧	મહાત્મા ગાંધી (રાધાકૃષ્ણન)	૨૮
વારડોલીનો સેદૂત	૪૨	મહાત્મા ગાંધી (રમણલાલ શાહ)	૨૯
વાલ્કોના ગાંધીજી	૨૬	મહાત્મા ગાંધી અને શ્રીમદ્ રાજચંદ્ર	૩૯
વાલ્કોનો પોકાર	૪૨, ૪૬	મહાત્મા ગાંધી અને હિન્દનાં	
વીજી ગુજરાત કેન્દ્રવળી પરિષદ	૪૫	મહાન નરરત્નો	૨૬
વુનગ યુવાન અધ્વાસ તૈયવજી	૫૨	મહાત્મા ગાંધીજી (ચિત્રાલ્કિયા)	૨૬
વુલંદ વચાવનામું	૩૯	મહાત્મા ગાંધીજીના જીવનના	
વે મુદામી સિદ્ધમતનાર	૫૧	કેટલાક પ્રસંગો	૨૭
વેલગાન મહાસભાના પ્રમુખ તરેકે		મહાત્મા ગાંધીજીના પંજાવના પત્રો	૩૯
ગાંધીજીએ આપેલું ભાષણ	૩૯	મહાત્મા ગાંધીજીના પત્રો	
વે ત્રિચારધારા	૩૦	(સાકરલાલ ઘુલ્લોદાસ)	૫૦
વોલ્લડની વીરાંગનાઓ	૩૧	મહાત્મા ગાંધીજીના પત્રો	
વોલ્લેવિશ્વમ અને વીજી વાતો	૫૦	(સેવક કાર્યાલય)	૪૮

મહાત્મા ગાંધીજીના સદ્ગુણો	૨૮	મીઠાનમાળા	૪૮
મહાત્મા ગાંધીજીની ૧૧ ટાંચો	૪૦	મૌ અનુભવ કામ અસાદ	૫૧
મહાત્મા ગાંધીજીનો જીવનવાત્તા	૨૮	પરબા ચક્ર ચપરબાની રીત અને	
મહાત્મા ગાંધીજીની વિચારસરિ	૨૦	કાંઠાની સમજૂતી	૪૨
મહાત્મા ગાંધીજીનું જીવનરહસ્ય	૨૬	યતોજ્ઞતા અનુભવ	૨૫
મહાત્મા ગાંધીજીનું જીવનજીવન	૨૮	યત્રની મર્યાદા	૨૧, ૪૨
મહાત્મા ગાંધીજીનું મનમંદિર	૪૮	યજ્ઞ સામે ચક્રો	૨૧
મહાત્મા ગોસ્વામીની જરમો	૫૦	ગુપ્તમ	૫૩
મહાત્માજીના સામાજિક જીવો	૩૪	ગુપ્તસુત્ર ગાંધી	૨૫
મહાત્માજીની મૈત્ર્ય તારથવા	૩૬	ગુપ્તચર ગાંધી	૨૭
મહાત્માજીનું આશ્રમે ચૂક મળ ૧-૨	૩૧	ગુપ્તોનોનો જોડ	૫૧
મહાત્માજીની વિચારસરિ	૪૧	ગુપ્તોની મંસ્કરસંધના	૪૬
મહાત્માજીની રાષ્ટ્રીય-ગુપ્તક ૧	૧૮૧	જીવનનો દુર્ગ	૫૧
મહારાજ થયા ૧૯૦૧	૫૨	જીવનનો કાર્યક્રમ કેટલોક	
મહારાજની મૈત્ર્ય	૫૨	જીવનનો	૩૬
મહાત્માજીની જીવો	૪૧	જીવનનો કાર્યક્રમ : તેનું રહસ્ય	
મહાત્માજીના ટાંચો	૧૮૧	અનુભવ	૨૪
મહાત્માજીના પ્રભુઓ	૨૭	રવિશંકર મહારાજ (પુરાણ ગુપ્ત)	૫૨
મહાત્માજીના મહારાષ્ટ્રીઓ	૨૭, ૫૩	રવિશંકર મહારાજ (રવિશંકર મહેતા)	૧૮૧
મહાત્માજીની અદેશ	૪૦	રાષ્ટ્રકર્મ	૪૦
મહાત્માજીની મિત્રિયા	૫૩	રાષ્ટ્રકોષ-સંસ્થાપના	૩૧
મહાત્માજીના રીલા	૫૩	રાષ્ટ્રનીતિ	૩૧
માતર જાતકની આર્થિક ટરસ	૪૦	રાષ્ટ્ર અંશકોરી અને આપની રાષ્ટ્રિતા	૪૧
માનવ અંશક	૪૨	રાષ્ટ્રીય	૫૦
માનવો જીવિયો	૪૭	રાષ્ટ્રીયતાના ચરણો	૧૮૧
મારી જીવનકથા (ગાંધીજી)	૨૫	રાષ્ટ્રીયતા વિષય વિચાર	૪૪
મારી જીવનકથા (નેહરુ)	૫૧	રાષ્ટ્રીય મહાત્મા અને વિદ્યાર્થી-અનુભવ	૪૫
મારી ગામડું	૩૬	રાષ્ટ્રીય જાતકનકા	૪૪
મારું જિન્દગી દરજા	૧૮૧	રાષ્ટ્રીય	૫૨
મારી જીવો અનુભવ (ગાંધીજી)	૨૫	રાષ્ટ્રીય વિષય સમજૂતી	૧૦
મારી જીવો અનુભવ (રાષ્ટ્રીય મહાત્મા)	૨૫	રાષ્ટ્રીય જીવો	૫૩
મીઠાવો વાને જિન્દગી પામવાની		રાષ્ટ્રીય રાષ્ટ્રીય તારથવા	૪૦
મળ કથા	૪૨	રાષ્ટ્રીય જીવો (કાષ્ટકર)	૩૪
મુજબત, જાનિયરસ્ય અને		રાષ્ટ્રીય જીવો (પાશુક)	૧૮૧
બેક સંસ્કારની કથા	૪૮	રાષ્ટ્રીય જીવો પદવી	૪૫
મીઠાસાસ જીવનકથા ગાંધી (જોક)	૨૬	રાષ્ટ્રીય જીવો દિવસ, બેમની વાદવા	
મીઠાસાસ કામચંદ ગાંધી (દેમાઓ)	૨૬	અને જીવો મહા ૧	૫૨

लोकमान्यने श्रद्धाञ्जलि	५१	सत्याग्रहाश्रमनो वित्तिहास	४४
लोकशाही	१८९	सत्याग्रही गेरिसन	४९
वणाटदाख	४३	सत्याग्रहीना स्वातंत्र्यमंत्री	३०
वर्णव्यवस्था	३४	संतनां स्मरणो	२७
वर्षा केळवणी प्रयोग	४६	सवरस	४०
वर्षा शिक्षणयोजना	४५	समाजमां स्त्रीमोनुं त्यान	३५
वाल्मीकिनो जय	५०	समाजवाद शा माटे ?	४१
विदेशी कापडवह्निष्कार	४१	समूची क्रान्ति	३६
विद्यार्थी आलमने	४४	संपत्तिशास्त्र	४१
विद्यार्थी औष्मप्रवृत्ति	४५	संपूर्ण दारुनिपेध	३५
विश्वशान्ति	४८	नवोदय	४७
वीरनी हाकल	३१	“ सर्वे शुभोपमायोग्य ” महादेवभाभी	५३
वीरांगनाओनो वीर हाक	५०	सर्वोदय (रस्किन-गांधीजी)	४१
व्यापक धर्मभावना	३३	सर्वोदय (मासिक)	५६
व्रतविचार	३३	सर्वोदयनी केळवणी	४४
		सर्वोदयनी जीवनकळा	४५
शिक्षण अने साहित्य	५६	सहायवृत्ति	३०
शिक्षण व्याख्यानमाला	४५	संसार अने धर्म	३३
शिवदयाळनी शोध अथवा सत्य विना		संसारमंथन	४७
वीजुं कशें नथी	४८	साची केळवणी	४४
गेरथानी आर्थिक तपास	४१	साची मजूर चळवळनां मूळतत्त्वो	४१
श्री गीता संकलन	३३	साचो श्रमजीवी	४१
श्रीमदनी जीवनयात्रा	३३	सावरमती	२५, ५६
श्रीमद् राजचन्द्र	३३	साम्यवाद अने सर्वोदय तथा	
श्रीमद् राजचन्द्र : जीवनयात्रा तथा		बीजा लेखो	३६
विचाररत्नो	३३	सार्थ गुजराती जोडणीकोश	४५
श्रीमद् राजचन्द्रनां विचाररत्नो	३३	मोधां चढाण	५३
		सुवर्णनी माया	४२
सत्यना प्रयोगो अथवा आत्मकथा	२५	सेवादल पुस्तिकाओ अने पत्रिकाओ	४५
सत्यमय जीवन	३०	सो टका स्वदेशी	४१
सत्याग्रह	३०	खो अने पुरुष	३५
सत्याग्रह अने असहयोग	३०	स्त्री केळवणी विषयक निबंध	४६
सत्याग्रह : निष्फळ अने नकामुं शस्त्र		स्त्री-पुरुष मर्यादा	३६
भा. १-२	३१	स्त्रीस्वातंत्र्य	३५
सत्याग्रहनी मर्यादा	३०	स्वदेशी	४१
सत्याग्रहनी मीमांसा	३०	स्वदेशी धर्म	४०
सत्याग्रहनुं रहस्य	३०	स्वदेशी समाज	३५
सत्याग्रहाश्रम नियमावलि	३०	स्वदेशीनां सज्जो	४१

स्वदेशीनो डेरो	४१	हिन्दुनो मुस्लिम प्रश्न	७१
स्वामी मङ्गना गौडगैरीनो जीवनम्बेस	५०	हिन्दुनो हुकर	२८
स्वराज भावु	४०	हिन्दु जिननो भगवोवर	४१
स्वराज्यनो गेनो	४२	हिन्दु स्वराज	१५, ३९
स्वराज्यशास्त्र	४०	हिन्दु स्वराज (गणेशना हाउसुस)	३९
स्वस्थाय खड २थो	४७	हिन्दु-स्वराज, बेक मन्दरीरनी कवा	
स्वामीराव	५१	अने म्मारीय	३९
हजरत महमद अने जिन्यान	३४	हिन्दु-स्वराजनी द'वो	३९
हजूरत हरिजन	३६	हिन्दो राष्ट्री अग्निमनो जिनियम	
हरिजनभण्डु	५६	प्रथ २थो	५३
हरिजन भागवत	३६	हिन्दो राष्ट्रीय मङ्गलमानो भित्तिपत्र	
हरिजन मनो	३७	मङ्ग ३थो	५२
हरियम	४९	हिन्दी सरकारनो रिपुना योजना	४४
हजूरति-मुक्ति	३०	हिन्दी मन्त्रि अने अरिषा	२९
हाथपण्ट मंड १-७	४२	हिन्दु मन्वार	३३
हिन्दु को रले ?	४०	हिन्दु जीवनदहन	३४
हिन्दु पणमन्त्र कम मयु ?	४२	हिन्दु धननी कपटो	३३, ३६
हिन्दुना सर्पिक विक्रमनी योजना	४०	हिन्दुधननी वज्रोती	३३
हिन्दुना (बिनिमनो) हिन्दु-मुस्लिम भेकना	३७	हिन्दु-मुस्लिम	३७
हिन्दु प्रवक्तव्य अर्थशास्त्र	४१	हिन्दु मुस्लिम भेकदिनी	३७
हिन्दु भावि बचारा	३७	हिन्दु जनन वेर कुरेगनी नाश	४२
हिन्दु मुस्लिम राजकरण	३७	हिन्दुस्थाननी गरीबानी	४२
हिन्दुनो कोनी विक्री	३७	हिन्दुस्थानी व्यवसायप्रवेश	४६
		हिन्दुना	४२

मराठी

अकरावा अक्षर — मरणा गंधे	५८	अष्टादशोदर विवर	३५
अष्टक भागत	६१	अष्टाशना प्रदन	३५
अनासक्तिगीत	६०	अष्टिक मन्त्रार्थ प्रतीक सारा	३८
अभय प्रज्ञे	६३	अष्टिपत्र का ?	३०
अर्थशास्त्र की अनुवर्णाव ?	६७	अष्टिपत्रार्थ	३०
अष्टमरपत्र	६६	अष्टिपत्रो संपन्न	३०
अष्टदशारवोप	६०	अष्टिपत्रे अर्थशास्त्र	३७
अष्टदशना व देवलयपत्र	६५	अष्टाचारपत्र	३३
अष्टदशनानिवारण	६५	अष्टाचार कुरेगनो	७०
अष्टदशनेचा शास्त्रार्थ	६५	अष्टकलचा मरणा	७३
अष्टदशविचार	६५	अष्टाचारि (नेहरू)	७३

आत्मोद्धार	६९	खेडेगांवविषयक व्याख्यानें	६३
आधुनिक गीता	६३	खेड्याकरितां कातडें कमावण्याची	
आधुनिक फटके — गांधीवावस्तुधा	७०	क्रोम पद्धति	६८
आधुनिक भारत	७२	खेड्यांत जावून काय करणार ?	६४
आधुनिक भारताचे निमिती		ख्रिस्त धर्मीयांस गांधींचें आह्वान	६२
व त्यांचा पार्श्वभूमि	५८	गनगोष्टी अर्थात् माझी जीवनयात्रा	७१
आधुनिक राज्यमीमांसा १-२	६६	गांधी आणि गांधीवाद	६९
आमच्या वा	५८	गांधी-गीता अथवा विसाव्या शतकातील	
आर्यावर्तातील तेजस्वी रत्नें	७२	कृष्णार्जुन संवाद	६०
आहार आणि पोषण	६९	गांधी- गोंधळ	६६
आह्वान	७३	गांधींचा अहिंसावाद	६०
आशावात्स्य वृत्ति	६३	गांधी-जिना पत्रव्यवहार	६६
आशावात्स्योपनिषद्	६३	गांधीजी (दवे; अनु. पाटील)	५८
सुपनिषदांचा अभ्यास	६३	गांधीजी भेक दर्शन	५८
भेक धर्मयुद्ध	६१	गांधीजींच कां ?	५८
औद्योगिक हितसंवंध कायद्याविषयीं		गांधीजींचो देशाला देणगी	७१
आमचा दृष्टिकोन	६७	गांधीजींची धर्मनीति	६२
कर्मवीर महात्मा गांधी यांची पोवाडा	५७	गांधीजींचीं पत्रें (अनु. पटवर्धन)	६२
कला म्हणजे काय ?	७१	गांधीजींची पत्रें (अनु. सहस्रर्मी)	६२
कस्तुरबा	५९	गांधीजींचो हांक	७०
काश्चुन्ट टॉल्स्टॉय	७३	गांधीजींचें विद्यार्थ्यांशीं हितगुज	६८
काम आणि कामिनी	७०	गांधीजींचें विविध दर्शन	५९
काळकर्ते शिवरामपंत परांजपे यांचें		गांधीजींचें स्त्रियांशीं हितगुज	६४
जीवनचरित्र	७३	गांधीजींच्या सहवासांत भेक आठवडा	५८
१ काँग्रेस आणि महासमा	७२	गांधीजींच्या सान्निध्यांत	५८
काँग्रेसकथा *	७२	गांधी-जीवनकथा खंड १ ला	५९
काँग्रेसचा इतिहास	७४	गांधीझन्	६९
काँग्रेसचा पोवाडा व खादीचा पोवाडा	७०	गांधीझन्चें अंतिम स्वरूप	६०
काँग्रेसची अलीकडील कामगिरी	७२	गांधी-टोपी	७१
काँग्रेसची पुनर्घटना	७३	गांधी-तत्त्वज्ञान	६१
खादी: इतिहास व कार्य	६७	गांधीदर्शन	६०
खादी भारताचा जीवनमंत्र	६७	गांधी-प्रणीत अर्थयोजना	६७
खादीकार्यमीमांसा	६८	गांधी-रणगीता	६१
खादीमीमांसा	६८	गांधीवाद	६०
खादीशास्त्र	६७	गांधी-वादवरील आक्षेप व त्यांचीं सुत्तरे	६०
खान वण्ट्या अल्प परिचय	५३	गांधी-विचार-दोहन	६१
		गीतांभी	६३

श्वेदीनी घेरी	४१	हिन्दूनी मुक्तिमं प्रश्न	७३
स्वर्गस्य महत्त्वा गोत्रेजीवो जीवनमं३१	५०	हिन्दूनी हुकर	२८
स्वरात्र भाग्य	४०	हिन्दू शिष्टनी मंगलबोकर	४८
स्वराज्यना मेरो	४९	हिन्दू-स्वराज	३५, ३९
स्वराज्यशास्त्र	४०	हिन्दू-स्वराज (गंगादीना इन्द्रधनुषी)	३९
स्वाध्याय रात्र २जी	८३	हिन्दू-स्वराज, मेक स्वर्गीनी वष	
स्वामीगव	५१	अने स्वर्गाज	३९
हजरत महम्मद अर्ने भिम्मा	३४	हिन्दू-स्वराजनी दावी	३९
हज्जुत हरिजन	३३	हिन्दी रष्ट्रो नमिननी बिम्बुम	
हरिजनहस्तु	५६	प्रश्न २जी	५३
हरिजन भाग्य	३३	हिन्दी राष्ट्रम महम्मदानी जिम्मा	
हरिजन मनी	३७	रात्र ३जी	५२
हरिद	४०	हिन्दी सरकारनी शिक्षा योजना	४४
हज्जुविमुक्ति	३०	हिन्दी संस्कृति अने कविता	२९
हाथगट नद १-२	४२	हिन्दु भाषा	३३
हिन्दू कत रने ?	४०	हिन्दु जीवनदर्शन	३८
हिन्दू दायमान कत द्यु ?	४२	हिन्दु धर्मनी कष्टेदी	३३, ३५
हिन्दूना अर्थिक विकासनी योजना	४२	हिन्दुधर्मनी बळोपी	३३
हिन्दूना भित्तिमनी हिन्दु मुस्लिम मेक	३७	हिन्दु-मुस्लिम	३७
हिन्दु प्रश्नकोय अर्थशास्त्र	८१	हिन्दु मुस्लिम मेकदिनी	३७
हिन्दु मावि वषगा	३७	हिन्दु-मन्त्रा वेदर मुद्देनी मंग	४२
हिन्दु मुस्लिम राक्षरम	३७	हिन्दुमन्त्राणी मंगलभी	४२
हिन्दूनी कीनी प्रिक्ते	३७	हिन्दुमन्त्राणी म्हावगमं३३	४९
		हृदिवामग	४२

मंगडी

अस्वगा अवधार — महत्त्वा मंकी	५८	अमृतपीठार विचार	३५
अस्व भारत	६५	अस्वर्गावा प्रश्न	३५
अनासक्तियोग	३७	अस्विक मन्त्राये प्रदीक छदी	३८
अभल जने	३३	अस्विसाच का ?	३०
अर्थशास्त्र की अनर्थशास्त्र ?	६७	अस्विनदर्शन	३०
अस्वमन्त्रा	६६	अस्विनेची मन्त्रा	३०
अस्वद्वारायोग	६०	अस्विनेची अर्थशास्त्र	३७
अस्वद्वारा व स्वल्पमं३३	३५	आचारधर्म	३३
अस्वद्वारानिवारण	३५	आचार्य कृष्णने	७०
अस्वद्वाराचा शास्त्रार्थ	३५	आकाशवा मन्त्रा	७३
अस्वद्वाराविचार	३५	आत्मचरित्र (नेहरू)	७३

आत्मोद्धार	६९	खेडेगांवविषयक व्याख्याने	६३
आधुनिक गीता	६३	खेड्याकरिता कातडे कमावण्याची	
आधुनिक फटके — गांधीवाक्युपा	७०	क्रोन पद्धति	६८
आधुनिक भारत	७२	खेड्यांत जाकून काय करणार ?	६४
आधुनिक भारताचे निनीति		निवृत्त धर्मीयांस गांधींचे आह्वान	६२
व त्यांचा पार्श्वभूमि	५८	गनगोष्टी अर्थात् माझी जीवनयात्रा	७१
आधुनिक राज्यमीमांसा १-२	६६	गांधी आणि गांधीवाद	६९
आनड्या बा	५८	गांधी-गोना अथवा विसाव्या शतकातील	
आर्थावर्तनातील तेजस्वी रत्ने	७२	कृष्णार्जुन संवाद	६०
आहार आणि पोषण	६९	गांधी-गोधळ	६६
आह्वान	७३	गांधींचा अहिंसावाद	६०
ओशावात्स्य वृत्ति	६३	गांधी-जिना पत्रव्यवहार	६६
ओशावात्स्योपनिषद्	६३	गांधीजी (दवे; अनु. पाटोल)	५८
सुनिपदांचा अभ्यास	६३	गांधीजी अेक दर्शन	५८
थेक धमेयुद्ध	६१	गांधीजीव कां ?	५८
औद्योगिक हितसंबंध कायद्याविषयी		गांधीजींचो देशाला देणगी	७१
आमचा दृष्टिकोन	६७	गांधीजींची धर्मनीति	६२
अमंगीर महात्मा गांधी यांची पोवाडा	५७	गांधीजींचीं पत्रे (अनु. पटवर्धन)	६२
कला म्हणजे काय ?	७१	गांधीजींची पत्रे (अनु. सहधर्मी)	६२
कस्तुरबा	५९	गांधीजींचो हांक	७०
काश्चुन्ट टॅलेंटोय	७३	गांधीजींचें विद्यार्थ्यांशीं हितगुज	६८
काम आणि कामिनी	७०	गांधीजींचें विविध दर्शन	५९
काळकते शिवरामपंत परांजपे यांचें		गांधीजींचें स्त्रियांशीं हितगुज	६४
जीवनचरित्र	७३	गांधीजींच्या सहवासांत अेक आठवडा	५८
काँग्रेस आणि महासमा	७२	गांधीजींच्या सान्निध्यांत	५८
काँग्रेसकथा	७२	गांधी-जीवनकथा खंड १ ला	५९
काँग्रेसचा इतिहास	७४	गांधीज्ञान	६९
काँग्रेसचा पोवाडा व खादीचा पोवाडा	७०	गांधीज्ञानचें अंतिम स्वरूप	६०
काँग्रेसची अलीकडील कामगिरी	७२	गांधी-टोपी	७१
काँग्रेसची पुनर्घटना	७३	गांधी-सत्त्वज्ञान	६१
खादी: इतिहास व काय.	६७	गांधीदर्शन	६०
खादी भारताचा जीवनमंत्र	६७	गांधी-प्रणीत अर्थयोजना	६७
खादीकार्यमीमांसा	६८	गांधी-रणगीता	६१
खादीमीमांसा	६८	गांधीवाद	६०
खादीशास्त्र	६७	गांधी-वादावरील आक्षेप व त्यांचीं उत्तरे	६०
खान वंगूचा अल्प परिचय	५३	गांधी-विचार-दीहन	६१
		गीताथी	६३

[illegible]

भारतीय अर्वाचोन चरित्रकोश	७२	महात्मा गांधींचे सत्याचे प्रयोग	
भारतीय अस्पृश्यतेचा प्रश्न	६५	अथवा आत्मकथा	५७
भारतीय क्रान्ति आणि राष्ट्रीय महासभा	५२	महात्मा गांधींचे स्वातंत्र्यप्रेरक विचार	७०
भारतीय संस्कृति	६४	महात्मा गांधींच्या ११ मागण्या	६६
मिळ साधु आपथी गुलामहाराज		महात्मार्जीची सुत्तरगीता	६०
यांचे चरित्र	५२	महात्मार्जींचो विलायतची यात्रा	५८
मंगळधाम अथवा सुलभ गांधीवाद	६०	महायुद्ध आणि राष्ट्रसभा	७२
मंगलप्रभात (अनु. परुळकर)	६२	महाराष्ट्र खांदी पत्रिका	७४
मंगलप्रभात (अनु. सहधर्मी)	६२	महाराष्ट्र खांदी पत्रिकेंतील १९३३ ते	
मधुकर	७१	१९३८ पर्यंतच्या निवडक	
मराठी हरिजन	७४	लेखांचा संग्रह	६७
महात्मा (गांवकर)	५७	महाराष्ट्र धर्म (मासिक)	७४
महात्मा (मासिक)	७४	महाराष्ट्र धर्म (साप्ताहिक)	७४
महात्मा गांधी (केळकर)	५७	महाराष्ट्र राष्ट्रीय शिक्षण परिषद-संमेलनांचे	
महात्मा गांधी (टिळ्)	५८	अहवाल व अध्यक्षीय भाषणे	६९
महात्मा गांधी (दामले)	५८	महाराष्ट्र व हिन्दी राजकारण	७२
महात्मा गांधी (फाटक)	५८	महाराष्ट्रांतील कायदेमंगाचा इतिहास	६२
महात्मा गांधी (राष्ट्रसेवक)	५९	महाराष्ट्रांतील शिक्षण शिविरें	६९
महात्मा गांधी (छोटें चरित्र-सोताकान्त)	६०	महारोग	६९
महात्मा गांधी (मोठें चरित्र-सोताकान्त)	६०	माझा कारागृहवास	५९
महारा गांधी यांचा कारागृहवास	५७	माझे व्यापक शिक्षण	६९
महात्मा गांधी यांची पत्रके	६५	मार्ग व मार्गदर्शक	६१
महात्मा गांधी यांचे आत्मवृत्त		मिरज संस्थानांतोल सारावाढ आणि	
भाग १ ला	५७	रयतांचा सत्याग्रह	६२
महात्मा गांधी यांचे चरित्र (शिखरे)	५९	मूळ बुद्योग कांतणे	६९
महात्मा गांधी यांचे चरित्र, अित्यादि		रचनात्मक कार्यक्रम	६४
(अवन्तिकावाळी गोखले)	५७	राष्ट्रमाता कस्तुरबा	५९
महात्मा गांधी यांचे जीवनवृत्त	५९	राष्ट्रसंवर्धक कार्यक्रम	६४
महात्मा गांधी यांचे सामर्थ्यवान विचार	७०	राष्ट्रीय शिक्षण	६९
महात्मा गांधी यांनी लिहिलेला		लाजपतराय यांचे आत्मचरित्र व चरित्र	७३
स्वतः चा कारागृहवास	५७	लोकमान्य टिळक यांच्या आठवणी व	
महात्मा गांधी व हिन्दुस्तान सरकार		आख्यायिका १-३	७३
यांजमघोल समग्र पत्रव्यवहार	६६	लोकमान्य टिळक व महात्मा गांधी	५७
महात्मा गांधींची पत्रे (अनु. वसंतमिश्र)	७०	लोकमान्य टिळकाचे चरित्र भाग ३ रा	७२
महात्मा गांधींची भीष्मप्रतिज्ञा	६५	लोकशाही	६६
महात्मा गांधींचे ओझरतें दर्शन	५७	लोकशिक्षण	७४
महात्मा गांधींचे नेतृत्व	५८		

[illegible]

वंगाली

अश्शेर सुक्ति	७५	चरकार विप्लव	७८
अहितक विप्लव	७५	चरकार व्यवहार	७७
अंतिमे गांधीजी	७७	छात्रों गठनमूलक कार्यक्रम	७५
आत्मकथा अथवा सत्येर प्रयोग		जागतिक परिवेश ओ गांधीजीर अर्थनीति	७९
खण्ड १-२	७५	जातीयतार पथे	७९
आमादेर वापूजी	७८	जातीये वरणीर	७८
आमादेर शिक्षणव्यवस्था	७८	जीवनव्रत वा गांधीवाद	७५
आरोग्यदर्शन	७५	तोर्थकर	७९
आश्रममजनावली	७५	तुमि महात्मा	७८
ऐतिहासिक सत्याग्रह	७८	तुलसीदासेर रामायण	७७
कलिकाता - नोआखली - विहार	७९	दक्षिण आफ्रिकार सत्याग्रहेर इतिहास	७६
कलिर दधीचि	७६	नया भारतेर भित्ति	७९
कार्पास	७९	नीतिधर्म वा गांधीजीर उपदेश	७६
कार्पास शिल्प	७७	नेताजीर पथ ओ गांधीजीर मत	७९
काँग्रेस	७८	नोआखलीते गांधीजी	७६
काँग्रेसपथ	७६	पंडित जवाहरलाल नेहरू-आत्मचरित्र	७८
स्रष्टित भारत	७९	पाकिस्तानेर विचार	७९
खेलपन प्रसंग	७९	बंदीर डायरी	७९
गांधीकथा	७९	वस्तिर गल्प	७७
गांधी-कीर्तन	७७	वापूजी	१९०
गांधी गवर्मेट पत्रालाप-१९४२-४५	७५	वारडोली सत्याग्रह	७७
गांधीजी की चान	७८	वासेर चरखा	७७
गांधीजीके जानते हले	७७	विलते गांधीजी	७७
गांधीजीर अग्निपरीक्षा	७७	विलते भारतेर दावो	७६
गांधीजीर गल्प	७८	बुनियादी शिक्षार कथा	७५
गांधीजीर जीवनप्रभात	७८	भारतपथिक	७८
गांधीजीर परिकल्पना	७५	भारतपरिचय	७८
गांधीजीर राष्ट्रपरिकल्पना	७५	भारतमुक्तिसाधक रामानंद चट्टोपाध्याय	
गांधीजीर वाणी	७५	ओ अर्धशताब्दीर बांगला	७९
गांधीजीर सहित भेक सप्ताह	७८	भारतवर्षीय सम्यता ओ सांप्रदायिक	
गांधीजीवनेर घटनापञ्जी	७५	समस्या	७८
गांधीवादेर पुनर्निर्धार	७७	भारतवर्षेर स्वाधीनता ओ	
गांधीवीणा	७८	अन्यान्य प्रसंग	७८
गोताबोध	७५	भारते जातीय आन्दोलन वा जातीय	
चम्पारन सत्याग्रह	७९	अभिव्यक्ति	७९
चरका ओ मिल	७७	भारतेर मुक्तिसंग्राम	७८

खुतबाये सदरत (अजमलखान)	८०	दुनिया-अ-बिसलाम और मस्ले खिलाफत	८२
खुतबाये सदरत (अजाद, रामगढ़)	८०	दुःखी दुनिया	८१
खुतबाये सदरत (पं. नेहरू)	८१	नओ तालोम (मासिक परचा)	८१
खुतबाये सदरत (बोस, सुभासचंद्र)	८१	पंजाब हमें क्या सिखाता है	८२
खुराक और सिहत पर मेरे तजरुवात	८०	बुनियादो कौमी तालीम (जाकिर हुसेन	
ख्यालते महात्मा गांधी	८०	कमेटीकी रिपोर्ट)	८१
गांधी	८१	ग्रहचये	८१
गांधीजीकी बातें	८०	मजामीने अबुल कलाम आजाद	८०
गांधीसम	८१	मगलप्रभात	८१
गांधीनामा हिस्ता-१	८१	मुसलमान और कांग्रेस	८०
गीता और कुरान	८१	मुसलमानोंका रोशन मुस्तकविल	८२
जगश्रीती	८१	मेरी कहानी	८१
जन्ते नफ्त और नफ्तपरस्ती	८०	मेरी राय	१९०
तकली	८१	रियास्ती दुनिया	१९०
तलगे हक	८१	शाहरा-अ-तन्दुरस्ती	८१
तामीरी प्रोग्राम	८१	हजरत मुहम्मद और बिसलाम	८२
तामीर जिन्दगी	८१	हमारी कौमी जवान	८१
तोक व कंजोर	८१	हरिजन (साप्ताहिक)	८२
दस्तुरे असाफी	८०	हरिजनसेवक	८२
		हिन्दु-मुस्लिम अकता	८२

कन्नड

अन्तर्द्वारद मीमांसे	८३	गांधीजियवर आत्मकथे	८३
अस्पृश्यते याके अक्यियचेकु ?	८३	गांधीजीय हात्य प्रकृति	८३
अस्पृश्यतेय कलंक	८३	गांधी दर्शन	८४
अहिंसाधर्मद परमान्रधि	८४	गांधीवाद	८४
आदिजनसुधारणे	८४	गांधीविचार दोहन	८४
ऊतर सनातनी गळिगे केलवु प्रथेगळु	८४	गांधीसाहित्य भाग १, २	८३
कर्नाटकद बलिदान	८४	गोरक्षणे	८४
कर्मवीर	८३	ग्रामोद्योग आंदोलन	८४
कांग्रेस चुनावणेय जाहिर पत्रिका	८४	दक्षिण आफ्रिकदल्लि सत्याग्रह	८३
कांग्रेस भारत	८४	निर्माण्य वीरे गौडा	८३
कांग्रेसिन संक्षिप्त इतिहास	८३	नीतिधर्म	८३
खादिय अर्थशास्त्र	८४	पर्णकुटी	८३
खादीदर्शन	८४	प्रान्तभाषे राष्ट्रभाषे	८४
खादीनाल	८४	बडवर भाग्य	८४
गांधियवर चरित्रे	८३	बापू	८४

TITLE-INDEX

ENGLISH BOOKS

Abdication	149	Annual Report of the	
Above the Battle	150	A. I. C. K. Dept., 1924	138
Activity School	143	Annual Reports of the	
Addendum to the first edi-		A. I. S. A.	138
tion of India Divided	125	Annual Reports of the	
Adult Education Movement	146	A. I. V. I. A.	140
Advance India	164	Annual Reports of the	
Agrarian Distress in the		Harijan Sevak Sangh	120
United Provinces	137	Annual Reports of the Textile	
Ahimsa and World Peace	108	Labour Association	137
Akali Struggle	152	Appeal to Gandhiji	120
Akhand Bharat	170	Are We Two Nations?	126
Akhand Hindustan	170	Art and Swadeshi	186
All about the Khilafat	122	As an Untouchable Feels	
All Parties' Conference		Untouchability	120
1928	126	Ashrams—Ancient and	
All Parties' National		Modern	144
Convention	127	Asian Relations	153
Along the Indian Road	112	Asianism and Other Essays	154
Alternative to Pakistan	122	Assam Congress Opium	
Ambedkar Refuted	120	Enquiry Committee	
Ambedkar's Attack	121	Report, 1925	114
Among the Great	98	At the Feet of the	
Amritsar and Our Duty		Mahatma or the Joys of	
to India	164	Renunciation	105
Annexure to the Report		At the Point of the Spindle	138
on the Financial Obliga-		Atonement	151
tions between Great		Atonement and Non-	
Britain and India	136	Resistance	108
Annie Besant as Woman		Autobiography	
and as Leader	176-77	(M. K. Gandhi)	90
Annihilation of Caste and		Autobiography (Pt. Nehru)	172
a Reply to Mahatma		Autobiography of a Yogi	181
Gandhi	116, 119	Autobiography of John	187
		Ruskin - Praeterita	

Awakening Asia	178	Cabinet Mission	174
Back to Sanity	167	Cabinet Mission and After	127
Bapu Gandhi	96	Cabinet Mission in India	127
Basic National Education		Call to Young India	167
Revised Syllabus for		Capitalism Socialism and	
Grades I—IV and also		Villagism	117
Pre-Basic	144	Card board Modelling	146
Basic National Education		Case for India (Durant)	90 159
Syllabus Recommended		Case for India (Hoyland)	164
by the Zakir Hussain		Case for Mulshi Peta	
Committee	142 144, 147	Satyagraha	110
Bee Keeping	140	Caste and Outcasts	121
Beggar My Neighbour	160	Cent Per Cent Swadeshi	140
Behave Like Men	175	Centre of Indian Culture	146
Behind the Bars	181	Challenge of the North West	
Bengali Bihar Question	126	Frontier	152
Birthing	179	Challenge to the East	163
Black Regime at Dharasana	109	Challenge to Women	116
Bleeding Wound	119	Challenge to Youth	146 177
Blood and Tears	158	Changing India	150
Blood Money	131	Changing Shape of Indian	
Bone Meal Fertilizer	140	Politics	171
Britain and India, 1000 1741	167	Charkha Marxism and Indian	
British Achievement in India	174	Socialism	133
British Empire	150	Charaka Shastra	133
British in Asia	181	Charkha Yarn or the Superior-	
British in India	163	ity of Handspun Yarn etc	140
British Propaganda in		Cheap Remedies	149
America	127	Childhood Boyhood and	
British Savagery in India	140	Youth	167
Brotherhood of Religions	114	Children's Gandhi	87
Builders of Tomorrow	179	China Spain and War	171
Burden of Swaraj	131	Chirala Perala Tragedy	109
C F Andrews Minister of		Choice before India	159
Reconciliation	164	Christ and Labour	137
C P Ministerial Crisis		Christ and Satyagraha	102
(A I C C.)	126	Christ of Today	92
C P Ministerial Crisis		Christian Missions and	
(S C. Bose)	127	Their Place in India	111

Christian Proselytism in India	113	Congress Golden Jubilee Brochures Nos. 1 - 11	116
Christianity : Its Economy and Way of Life	112, 113	Congress Handbook	152
Chrome Tanning for Cottages	140	Congress in Evolution Pts. I-II	156
Churchill's Blind Spot: India	165	Congress in Office	180
Civil Dis-obedience Movements in India or the Indian Struggle for Freedom	110	Congress in Power	127
Civilization at Bay	118	Congress Ministries at Work	126, 169
Civilization : Its Cause and Cure	134, 186	Congress Political and Economic Studies	116
Claim for Independence	152	Congress Presidential Addresses	171
Clive to Keynes	134	Congress Responsibility for the Disturbances 1942-43	130
Commonsense about India	164	Congress Rule in India	151
Communal Settlement	122	Congress Struggle	162
Communal Triangle in India	124	Conquest of Self	114, 115
Communal Unity	123	Conquest of Violence	102
Communalism in India	122	Conscience of a Nation or Studies in Gandhism	105
Complete Record of the Unity Talks	123	Constituent Assembly of India	127
Condition of India	109, 164	Constitution and Bye-laws of the Gandhi Seva Sangh	103
Confession, The Gospel in Brief and What I Believe	187	Constitutional History of India 1600-1935	130
Congress and the Labour Movement in India	135	Constitutional Proposals of the Sapru Committee	131
Congress and the Masses	118	Constructive Citizenship	186
Congress and the National Movement	175	Constructive Non-Cooperation	101
Congress and the War	151	Constructive Programme for Students	142
Congress and War Crisis	152	Constructive Programme : Its Meaning and Place	117 143
Congress at a Deadlock and the Way Out	129	Constructive Programme : Its Perspectives and Dynamics	117
Congress Bulletin	152, 183		
Congress Caravan 1885-1945	151		
Congress Case	165		

Constructive Programme		Currency and Exchange	136
Some Suggestions	146	Currency Inflation Its	
Contemporary Immortals	92	Cause and Cure	131
Contemporary Indian		Current Thought (Monthly)	183
Philosophy	107	Cutting Ice	101
Continental Experiments	155	Dadabhai Naoroji	169
Controlling Minds of Asia	93	Dangers of Obedience	
Correspondence between		and Other Essays	105
Mahatma Gandhi and		Dare You Face Facts?	105
P C Joshi	131	Dandranarayana	135
Correspondence between		Dandranarayana or	
Mahatma Gandhi the		Gandhian Economics	136
Bombay Government and		Dawn of a New Age and	
the Govt of India	179	Other Essays	173
Correspondence on the		Dawn of Freedom	160
Temple Entry Question	120	Dawn of Indian Freedom	160
Correspondence with Mr		Dead Animals and	
Gandhi	130	Tanned Leather	140
Cottage Industries and		Decentralization of	
Their Place in National		Khadi Work	133
Economy	140	Delhi Diary	111
Cottage Industries and		Dharma (Journal)	183
Their Role in National		Diamond Jubilee Souvenir	
Economy	140	of the Madras Mahajana	
Cottage Industry and Indian		Sabha	190
Economy	141	Diet	143
Cow in India Vols I II	133	Dilemma in India	157
Cow Protection	133	Direct Action	105
Cow Protection in India	133	Discipline for Non violence	103
Craft in Education	142	Discovery of India	171
Creative Art of Life	145	Disillusioned India	170
Creative Revolution	103, 179	Disorders Inquiry Com	
Cripps Mission	123	mittee (Hunter Commi	
Critical Note on Hindu		tee) Report 1919-20	159
Temp's Entry Bill	120	Divine Music before	
Cross Moves East	112	Divine Mosques	126
Cult of Ahimsa	107	Drink and Drug Evil in	
Cult of Violence	106	India	114
Cultural History of India	181	Early History of Satyagraha	103

Eastern Religions and Western Thought	187	Education, Politics and War	146
Eclipse of Faith	149	Education through the Mother Tongue	142
Economic Background	136	Educational Recon-struction	144, 147
Economic Conquest of India	136	Educational Reformation in India	143
Economic Freedom and Economic Planning	136	Educational System	143
Economic History of India	133	Eighteen Months in India	172
Economic Results of Prohibition in the Salem District	115	Elements of Village Administration and Law	131
Economic Structure of Free India	133	Eleven Points of Mahatma Gandhi	131
Economic Survey and Planning	134	Eminent Asians	92
Economics of Khaddar	139	Eminent Indians (Brown)	88
Economics of Khadi (Gandhiji)	138	Eminent Indians (Dhangopal)	89
Economics of Khadi (Rajendraprasād)	139	Eminent Musalmans	171
Economics of Non-violence	135-36	Empire	160
Economics of Permanence (Article)	134	Empire of the Nabobs	164
Economics of Permanence Pts. I-II	134	Encyclopædia of Pacifism	104
Economics of Shipping	134	Ends and Means	104
Education for Life	145	Ends are Means	107
Education in India in the XXth Century	145	Enemies of Indian Freedom and Other Essays	159
Education in India Today	145	English in India	169
Education in Modern India	142	Englishman Defends Mother India	181
Education Number (Vishwabharati)	147	Enlist India for Freedom	179
Education of India	145	Entertaining Gandhi	94
Education of the Whole Man	186	Epic Fast	120
Education of Women in Modern India	142	Epic of Travancore	119
		Essay on Gandhian Economics	132
		Essay on the Civilization of India, China and Japan	186
		Essays and Writings of Thoreau	187
		Essentials of Gandhism	107

Ethical Ideals in India		For India and Islam	
Today	114	(Reza ul Karim)	125
Ethical Religion	111	Foreigner Looks at India	178
Ethics of Cottage Industries	141	For India's Uplift	154
Ethics of Destruction	103	Fora Clavagira	187
Ethics of Fasting	111	Foundations of Indian	
Ethics of Passive		Struggle	132
Resistance	103, 105	Four Crore Artisans Hail	
Europe through		the Gandhian Plan	135
Gandhian Eyes	167	Freedom and Culture	146
Faith That Matters	114	Freedom Come	149
Family Views of Tolstoy	167	Freedom of Faith and Its	
Famous and Historical		Price	151
Trials	91	Freedom's Battle	160
Famous Convocation		From Bondage to Freedom	170
Addresses	147	From Many Angles	178
Famous Letters and		From Nagpur to Lahore	163
Speeches	151	From the Yeravda Mandir	112
Famous Letters and Ulti-		From Wrong Angles	150
matums to the British		Frontier and Its Gandhi	155
Government	181	Frontier Speaks	191
Famous Letters of Mahatma		Fundamental Education	145
Gandhi	160	Futility of the Khaddar	
Famous Personalities	176	Cult	139
Fatal Cart and Other		Future of India (Gandhi)	160
Stories	150	Future of India (Moon)	170
Father India	165	Gandhi (Carl Heath, Onslow)	92
Feathers and Stones	150	Gandhi (Carl Heath, George	
Fields, Factories and		Allen)	93
Workshops	166 57	Gandhi (Sharga)	99
Fifth Annual Report		Gandhi (Weber)	100
— Harijan Sevak Sangh	120	Gandhi A Biographical	
First Annual Report		Study	93
— Harijan Sevak Sangh	120	Gandhi A Portrait from Life	89
Flight from the City	166	Gandhi Against Fascism	128
Fools Paradise	150	Gandhi Album Pt. I-III	97
For Every Thinking Indian	124	Gandhi and Anarchy	95
For India and Islam		Gandhi and Gandhism	
(Karachi Trial)	152	(Gupta)	92

Gandhi and Gandhism (Sitaramaiyya)	107	Gandhi or Ambedkar	120
Gandhi and Indian Regene- ration	94	Gandhi or Aurobindo	89
Gandhi and Kasturba	91	Gandhi or Cæsar ?	93
Gandhi and Labour	137	Gandhi Seva Sangh	102
Gandhi and Non-violent Resistance	100, 108	Gandhi Sutras	85, 107
Gandhi and Stalin	90	Gandhi the Apostle	95
Gandhi and Tagore	99	Gandhi, the Dawn of Indian Freedom	181
Gandhi and the Anglican Bishops	112	Gandhi—the Greatest Man of the World Vols. I-III	97
Gandhi and the Indian Problem	92	Gandhi the Holy Man	90
Gandhi and the Indianization of the Empire	88	Gandhi the Internationalist	93
Gandhi and the Youth	97	Gandhi the Mahatma (J. C. Rowe)	98
Gandhi as I Know Him Pts. I-II	100	Gandhi the Master	95
Gandhi as We Know Him	99	Gandhi: The Saint as Statesman	93
Gandhi before Pilate	92	Gandhi the Saviour	87
Gandhi: Champion of the Proletariat	89	Gandhi Triumphant	95, 110
Gandhi Diamond Jubilee Number (S. Ganesan)	91	Gandhi Versus Lenin	89
Gandhi Diamond Jubilee Number (Janmabhumi)	93	Gandhi Versus the Empire	95
Gandhi Era in World Politics	167	Gandhi: World Citizen	94
Gandhi Fights for Freedom	166	Gandhian Constitution for Free India	126
Gandhi Greetings	99	Gandhian Economics	136
Gandhi in Arms	92	Gandhian Economy and Other Essays	134
Gandhi Is India (J. S. Bright)	88	Gandhian Institutions of Wardha	119
Gandhi Is India (V. V. M.)	100	Gandhian Non-Cooperation or Shall India Commit Suicide ?	106
Gandhi-Jinnah Talks	123	Gandhian Plan	132
Gandhi-Mahatmya Vol. I	91	Gandhian Plan Re- affirmed	132
Gandhi-Muslim Conspiracy	123	Gandhian Rambles in the Realm of the New Testament	113
Gandhi: Nationalist or Internationalist	99	Gandhian Way	105

Gandhigram	141	Gandhism An Analysis	107
Gandhiji after Release	94	Gandhism and Socialism	103
Gandhiji in England	9	Gandhism A Review	101
Gandhiji in Indian Villages	29	Gandhism A Social	
Gandhiji in the Rat Field	92	Approach	101
Gandhiji on Communal Disorders	123	Gandhism as I Understand It	109
Gandhiji on Hinduism or Varnashramadharma	114	Gandhism in His Own Words	192
Gandhiji the Master	9	Gandhism in Theory and Practice	101
Gandhiji Through Foreign Eyes	91	Gandhism or Socialism	103
Gandhiji Through Indian Eyes	91	Gandhism or the Royal Road to Happiness	105
Gandhiji a Beads of Wisdom	1-2	Gandhism Reconsidered	133
Gandhiji's Birth Centel	114	Gandhism vs Socialism	103
Gandhiji's Correspondence with the Government 1947-48	179	Gems of Mahatma Gandhi's Writings	192
Gandhiji's Do or Die Mission	123	General Education and Technical Education and Developmental Research	146
Gandhiji's Fast Diary	5	Gi a the Mother	113
Gandhiji's Great Fast 1937	119	Glances at Islam	111
Gandhiji's Leadership and the Congress Sociels. Party	165	Glimpses of World History	172
Gandhiji's Prisoners of His Proposed Parliament from the Congress	124	Glorious and Burden	177
Gandhiji's Satyagraha or Non Violence Revolution	103	God's Lenses	115
Gandhiji's Challenge to Christianity	117	Golden Book of Tagore	142
Gandhiji's Great Fast	83	Golden Number of Indian Opinion	93
Gandhiji's Letters on Indian Affairs	161	Good Late	113
Gandhiji's Non Violence	103	Gopal Krishna Gokhale His Life and Speeches	154
Gandhiji's Suppressed Letter	174	Gospel of Freedom	103 179
Gandhiji's Wisdom Box	182	Gospel of Gandhi	105
		Gospel of Selfless Action or the Gita according to Gandhi	102
		Gospel of Swadeshi	134
		Government of India's Despatch on the	

Proposals for Constitutional Reforms	129	Hindu-Muslim Unity (Alivi and Jaisinghani)	122
Gramodyoga Patrika	183	Hindu-Muslim Unity (Bapat)	122
Great Challenge (Fischer)	128	Hindus and Musalmans of India	122
Great Challenge (Sitharam)	132	Hints on National Education in India	146
Great Contemporaries	89	Historic Correspondence	161
Great Leader	165	Historical Trial of the Ali Brothers and Five Others	126
Great Men of India (Home Library Club)	100	History of Civilization in Ancient India	186
Great Nehrus	155	History of Nationalism in the East	167
Great Prisoners	149	History of Peace	186
Great Thoughts of Mahatma Gandhi	182	History of the Congress Socialist Party	167
Great Trial of Mahatma Gandhi and Mr. Shankarlal Banker	95	History of the Indian National Congress vols I-II	177
Guide to Health	148	History of the Indian Nationalist Movement	168
Guide to the Communal Problem in India	124	History of Wage Adjust- ment in the Ahmedabad Industry Vols III & IV	137
Gujarat and Its Literature	150	Homage to Gandhi	95
Guru-Ka Bag	110	Home and Village Doctor	148
Guru-Ka Bag Satyagraha	190	House Divided	166
Hand-made Paper	140	House That Jinnah Built	166
Hand-Spinning and Hand- Weaving	139, 140	How Can India Become Free?	161
Harijan (Weekly)	184	How Christ Met Aggression?	104
Harijans Through the Ages	121	How Does Mahatma Gandhi Live at Sevagram?	89
Haripura Congress Guide	158	How India Can Be Free?	152
Has Congress Failed?	178	How to Compete with Foreign Cloth?	139
Heart of Aryavarta	175		
Heart of Hindustan	113		
He Followed Christ	92		
Heritage of Asia	98		
Heroes of the Hour	91		
Hind Swaraj or Indian Home Rule	117		
Hindu-Muslim Problem	122		
Hindu-Muslim Questions	122		
Hindu-Muslim Tension	123		

I Ask Every Briton	161	India, America and World	179
I Follow the Mahatma	95	Brotherhood	132
I Fought for My Country	169	India and Democracy	152
I Have It from Gandhiji	173	India and Freedom	127
I Have Shed My Tears	166	India and Its Government	173
I Lived with Gandhi	90	India and the Four	
I Meet Gandhi	92	Freedom	161
I too Have Spun	139	India and the National	
I Will Not Rest	150	Congress	166
I Write as I feel	151	India and the New World	153
Ideal Swaraj	154	Order	152
Ideals of Non Cooperation	103	India and the Pacific	151
Ideas on Education		India and the Simon Report	
for Life	142	India and the War	
If Britain Quit India?	180	India and the World and	
Impending Fast of		Other Essays	
Mahatma Gandhi	121	India and World Politics	173
Imperialism Unmasked	160	India A Re Statement	163
Important Speeches of		India Arisen	128
Jawaharlal Nehru	155, 172	India as I Knew it	179
In Round Table Conference	161	India at War	173
In Search of Truth	94	India A Warning	123
In the Labors Fort	190	India Bond or Free?	166
In the Path of Mahatma		India Calling	154
Gandhi	83	India Divided	160
Incomparable India	155	India Drifts Away	125
Indentured Labour	136	India from a Back Bench	165
Independent India and a		India, Gandhi and World	153
New World Order	167	Peace	97
India (Ed Bhandarkar)	154	India in Bondage	178
India (Buchan)	156	India in Chains	179
India (Chitrol)	157	India in Crisis (Brookway)	156
India (Costman)	184	India in Crisis (Duncan)	159
India (Hodder and		India in England	173
Stoughton)	163	India in Ferment	179
India (Raman, T A)	174	India in 1919	180
India — A Bird's Eye View	180	India in 1931	180
India — A Plea for Under-		India in 1921-23	180
standing	167	India in 1924-25	180

India in 1925-26	157	India Today (Gollancz)	159
India in 1926-27	157	India Today (Parkins)	173
India in 1927-28	157	India Today (Sunshine)	159
India in 1928-29	157	India Today and Tomorrow	
India in 1929-30	162	(Barnes)	154
India in 1930-31	162	India Today and Tomorrow	
India in 1931-32	162	(Montmorency)	170
India in 1932-33	162	India Under the British	
India in 1933-34	162	Crown	154
India in 1934-35	162	India Unreconciled	129
India in Revolt	160	India We Saw	156
India in the Balance	166	India We Served	168
India in the Crucible	165	India: What Can It	
India in Transition	173	Teach Us ?	187
India in World Politics	166	India, What Now	162
India Insistent	156	India Without Fables	169
India Land of Regrets	175	Indian Annual Register	184
India of My Dreams	182	Indian Chaos	181
India Old and New	157	Indian Charter	167
India on the Brink	94	Indian Christians	171
India on Trial	161	Indian Commentary	162
(Gandhiji)		Indian Commercial and	
India on Trial	181	Press Opinions on the	
(Woolscott)		Bill for Reservation of	
India Reveals Herself	169	Coastal Traffic of India	134
India Round Table Con-		Indian Constitutional	
ference and After	168	' Documents	127
India Since Cripps	151	Indian Crisis (Hayes)	163
India Speaking	118	Indian Crisis (The Daily	
India Speaks	150	Mail Blue Book)	153
India Steps Forward	156	Indian Crisis: The Back-	
India That Shall Be	154	ground	164
India, the Commission		Indian Culture, Its Strands	
and the Conference	179	and Trends	116
India: The New Phase	175	Indian Deadlock	171
India the Road to		Indian Diary	170
Self-Government	157	Indian Earthquake	152
India Today (Dufett and		Indian Education	144
Others)	159	Indian Ferment	151

Indian Foreign Policy	130	Indian Shipping	135
Indian Home Rule	117	Indian Shipping Pamphlets	136
Indian Independence the Immediate Need	153	Indian Socialism	133
Indian Liberalism A Study	171	Indian States Problem	123
Indian Nation Builders Pt III	91	Indian Struggle 1930 1934	155
Indian National Congress (De Mello)	103	Indian Struggle for Freedom	167
Indian National Congress (Kripalani)	167	Indian Struggle for Freedom A History	170
Indian National Congress (Patil)	173	Indian Studies	179
Indian National Congress (Dasgupta)	153	Indian Tangle	153
Indian National Congress 1920 1923 (A I C C)	152	Indians in Foreign Lands	130
Indian National Trade Union Congress—Constitution	137	Indians in South Africa (Andrews C F)	103
Indian Nationalism	163	Indians in South Africa (Shafaat Ahmed Khan)	176
Indian Opinion	164	Indians of South Africa	173
Indian Parties and Politics	131	Indian View	173
Indian Politics	129	Indian War of Independence	154
Indian Politics A Survey	163	Indian White Paper	130
Indian Politics since the Mutiny	157	Indian Womanhood Today	116
Indian Press	154	Indian Year Book and Who's Who	180
Indian Problem (Andrews)	168	India's Adventure	180
Indian Problem (Craddock)	168	India's Awakening	180
Indian Problems	165	India's Case for Freedom	174
Indian Problems in Religion Education and Politics	180	India's Case for Swaraj	161
Indian Prohibition Manual	115	India's Challenge to Christians	118 170
Indian Recorder	185	India's Challenge to Civilization	117
Indian Review	185	India's Charter of Freedom	127
Indian Revolution and the Constructive Programme	116	India's Claim for Home Rule	161
Indian Rural Problem	141	India's Constitution at Work	127
		India's Fight for Freedom	156
		India's Outcastes A New Era	120
		India's Political Crisis	164
		India's Problem Can Be Solved	130

India's Problem of Her		Journal of the East India	
Future Constitution	125	Association	159
India's Social Heritage	118	Journey Among Warriors	159
India's Stand	168	Justice Among Nations	186
India's Struggle	174	Justice in War Time	107
India's Struggle for Swaraj	174	Kalki or the Future of	
India's Will to Freedom	167	Civilization	119
Indo-Aryan and Hindi	147	Kasturba Gandhi (Miss	
Indo-Muslim Culture	125	Dhanachandra)	90
Inequality of Man	117	Kasturba Gandhi (Thomas)	99
Inside Asia	163	Kasturba Gandhi's Last	
Inside Congress	176	Hours	94
Inside India	160	Key to Health	148
Inside Pakistan	123	Key to Yeravda	170
Intelligent Man's		Khaddar Under Searchlight	139
Guide to the Wardha		Khaddar Work in India	138
Scheme of Education	143	Khadi Bulletins	138
Intelligent Man's Way to		Khadi Centres	138
Prevent War	101	Khadi Guide 1930-31	
International University of		(A. I. S. A.)	138
Non-violence: Principles		Khadi Guide 1925 (Khadi	
and Planning	146	Information Bureau)	139
Introduction to India	170	Khadi in Kashmir	139
Introduction to Pacifism	106	Khadi Manual Pts. I & II	138
Is India Different?	102	Khadi Tour	138
Is Mahatma Gandhi the		Khaksar Movement Under	
Greatest Man of the Age?	96	Searchlight	125
Is Pakistan Necessary?	124	Khilafat and England	168
Is This Peace?	107	Kill or Cure?	105
Islamic Culture	111	Kingdom of God Is Within	
Jai Hind Pamphlets 1-10	130	You and Peace Essays	187
Jail Diary	150	Labour in India	137
Jawaharlal Nehru	167	Lands of the Thunderbolt	175
Jesus Christ and the Present		Latest Fad	144
Situation in India	112	Law and Order in Midnapur	110
Jinnah Sahib, 'Please!'	123	Leader by Merit	166
Joseph Doke the Missionary-		Leaders' Correspondence	
Hearted	158	with Mr. Jinnah	124

Leaders, Dreamers and		Living India	181
Babels	160	Living Thoughts of Tolstoy	187
Leaders of India (Alva)	87	Living Torch	149
Leaders of India (Meherally)		Loam Cloth Laid Bare	113
	95, 169	Lord Chelmsford's	
Leading Political Parties		Vice-Royalty	163
in India	123	Lost Dominion	156
League Demand	125	Loyal India	159
Left Wing and Right Wing	105	M. K. Gandhi (Oxford)	96
Lenin and Gandhi	90	M. K. Gandhi (Rao	
Letters of Iqbal to Jinnah	123	Moharjal)	97
Letters of the Rt. Hon.		M. K. Gandhi and the South	
V. S. Shrinivas Shastri	150	African Indian Problem	95
Letters of John Chinaman	186	M. K. Gandhi The Man of	
Letters on Imperial Rela-		the Moment	90
tions Indian Reforms,		Mahatma and the World	99
Constitutional Law	130	Mahatma Gandhi (Aiyer)	87
Letters on India	152	Mahatma Gandhi (Akkad)	87
Letters to a Friend	151	Mahatma Gandhi (Barua)	87
Letters to Gandhi		Mahatma Gandhi (Bookwala)	89
and to Others	149	Mahatma Gandhi	
Life and Experiences of a		(Dara)	89
Bengali Chemist		Mahatma Gandhi (Holmes	
Vols I-II	174	and Herrington)	93
Life and Speeches of		Mahatma Gandhi	
Pt. Jawaharlal Nehru	172	(Natarajan)	96
Life and Teachings		Mahatma Gandhi (National	
of Tolstoy	183	Literature Publishing Co.)	96
Life and Times of		Mahatma Gandhi (Polak)	96
C. R. Das	175	Mahatma Gandhi	
Life of Gopal Krishna		(Ed. Radhakrishnan)	97
Gokhale	175	Mahatma Gandhi (Ranula)	97
Life of Lokamanya Tilak	153	Mahatma Gandhi	
Life of Mahatma Gandhi	87	(Veillier)	100
Life of Tolstoy - First		Mahatma Gandhi (Wadia)	100
Fifty Years	187	Mahatma Gandhi. A Study	
Life of Tolstoy Later Years	187	(Jaisinghani)	93
Lingua Indiana	148	Mahatma Gandhi - A Study	
Little Known Facts about		(Kaila)	93
Well-Known People	88		

Mahatma Gandhi : An Essay in Appreciation	91	Mahatma Gandhi's Reply (with appendices) to "Congress Responsibility for the Disturbances, 1942-43"	128
Mahatma Gandhi: An Interpretation	190	Mahatma Gandhi's Sayings	182
Mahatma Gandhi and His Significance	96	Mahatma Gandhi's Warning and Flashes in Harijan Tour	120
Mahatma Gandhi and India's Struggle for Swaraj	99	Mahatmaji and the Depressed Humanity	121
Mahatma Gandhi and the Modern World	89	Makers of India	97
Mahatma Gandhi as Viewed by Eminent Men	88	Making of the Indian Constitution	127
Mahatma Gandhi at Work	87	Mammonart	150
Mahatma Gandhi: Builder and Liberator	91	Man Gandhi	97
Mahatma Gandhi : His Life, Work and Influence	89	March of Events Pt. I	155
Mahatma Gandhi : His Life, Writings and Speeches	92, 182	March of Events Pts. II & III	168
Mahatma Gandhi: His Own Story	87	Marching Millions	170
Mahatma Gandhi Memorial Number (Vegetarian News XXVII)	149	Match Manufacture in Cottages	140
Mahatma Gandhi : Sketches in Pen and Pencil	89	Maulana Abul Kalam Azad	158
Mahatma Gandhi: Superman of the Age	99	Meaning of Life	102
Mahatma Gandhi: the Grea- test Rogue of India	89	Meaning of Non-Co- operation	101
Mahatma Gandhi: The Man and His Mission	96	Meaning of Pakistan	123
Mahatma Gandhi: The Man Who Became One with the Universal Being	98	Medium of Education: A Symposium	145
Mahatma Gandhi's Arrest	96	Medium of Instruction	142
Mahatma Gandhi's Confessions	91	Memorandum Submitted to the Rent Inquiry Committee in August 1938 and to the Textile Labour Inquiry Committee 1939	137
Mahatma Gandhi's Ideas	101	Memories of Bapu	92
		Men and Machines	116
		Menace of Hindu Imperialism	159

Men and Supermen		Must England Lose India ?	173
of India	87	Mutual Aid	197
Message of the Birds	180	My Adopted Country	166
Message of the East	186	My Appeal to the British	
Mind of Mahatma Gandhi	182	(Pub Hingorani)	161
Miss Maya's Mother		My Appeal to the British	
India — A Rejoinder	171	(Pub Longman)	161
Modern India (Dutt)	159	My Early Life	91
Modern India (Rutherford)	175	My Host the Hindu	94
Modern India and		My Impressions of India	177
the West	173	My India	153
Modern Islam in India	125	My India, My America	176
Modern Review	193	My Jail Experiences	91
Mohammed Ali Jinnah	173	My Life A Fragment	132
Monograph on Common		My Master Gokhale	175
Salt	134	My Motherland	180
Moplah Rebellion, 1921	171	My Motherland Series	178
Moral Challenge of Gandhi	92	My Religion	112
Moral Equivalent of War	104	My Soul's Agony	119
Moral Man and Immoral		Mystery of Sir Stafford	
Society	106	Cripps	166
Moral Rearmament	101	Naked Fakir	89
Mother India	169	Nakli Ghee	148
Mother Kasturba Gandhi	98	Nation at Bay	171
Mr Gandhi (Satyendra Ray)	97	Nation Betrayed	179
Mr Gandhi An Indian		Nation in the Making	154
Patriot in South Africa	90	National Being	186
Mr Gandhi and the		National Education A	
Emancipation of the		Symposium	143
Untouchables	119	National Flag	
Mr Gandhi as I Know		(M K Gandhi)	161
Him (Part I)	100	National Flag	
Mr Gandhi The Man	96	(Rajagopalachariar)	110
Mr Jinnah	171	National Language	147
Muslim Demand for		National Language for India	147
Pakistan	123	National Self-Realization	178
Muslim Problem of India	124	Nationalism	167
Muslim Politics	124	Nationalists and Reform	
Muslims and the Congress	125	in India	177

Nationalism in Conflict in India	168	Non-Violent Coercion	102
Nationalists vs. Moderates	132	Non-Violent Non-Cooperation	156
Nationhood for India	169	Non-Violent Revolution	105
Nation's Voice	162	Of Use to Workers and Voters	128
Necessity of Pacifism	106	Oil Extraction	142
Nehru Flings a Challenge	172	On Khaddar	140
Nehru on Gandhi	96	On Life and Essays in Religion	187
Nehru the Rising Star of India	153	On Tour with Gandhiji	94
Nehru Your Neighbour	179	One Hundred Great Lives	100
Neo-Gandhism or Heaven on Earth	106	One Step Forward	144
New Approach to the Communal Problem	124	Open Letter to Mr. Gandhi	156
New Deal in Indian Politics	154	Open Letter to the Moslem League	124
New Economic Menace to India	136	Oppression of the Poor	116, 137
New Education	144	Ordeal Begins	129
New India Speaks	172	Other Harmony	150
New Outlook	171	Our Countrymen Abroad	158
Nine Years of Khadi Work in Kerala	139	Our Economic Problem	137
Non-Cooperation and National Idealism	108	Our Education	143
Non-Cooperation and Other Writings	101	Our Fault	118
Non-Cooperation and Students	146	Our Heritage and Its Significance	176
Non-Cooperation in Congress Week	106	Our Indian Heritage	176
Non-Cooperation in Egypt	110	Our Language Problem	147
Non-Cooperation in Other Lands	109	Our Struggle for Freedom and Democracy	167
Non-Violence in an Aggressive World	106	Out of Dust	94
Non-Violence in Peace and War	103	Outlines of a National Revolutionary Path	174
Non-Violence the Invisible Power	102	Overall Plan for Rural Development	134
		Oxford Pamphlets on Indian Affairs	173
		Pacifism as a Principle and Pacifism as a Dogma	105
		Pacifism in the Modern World	101

Pacifism Today and Tomorrow	103, 108	Planned Economy — A Gandhian Approach	134
Pacifist Programme in Time of War, Threatened		Measures and Privileges of the Pen	166
War and Fascism	103	Pledge of Peace	106
Pakistan (Allied Publishers)	125	Plighted Word	121
Pakistan A Hindu View	124	Political Gita	133
Pakistan A Nation	123	Political India	159
Pakistan and National Unity	122	Political Insanity of India	179
Pakistan Framed	125	Political Philosophies since 1905	131
Pakistan Issue	124	Political Philosophy of Mahatma Gandhi	102
Pakistan the Problem of India	122	Political Philosophy of Mr Gandhi	107
Palm Jaggery	141	Political Problems and Hunter Committee Disclosures	172
Pandit Motilal Nehru	165	Politics of the Charkha	130
Paper Making (Joshi)	141	Poona Statements	126
Paper Making by Hand in India (Hunter)	141	Portraits and Personalities	89
Parliamentary Government in India	132	Post-War Educational Development in India	145
Passing Phase of Politics	104, 165	Poverty and Un-British Rule in India	133
Peace and Prosperity	118	Power of Non Violence (Gandhiji)	103
Peasant and Prince	155	Power of Non-Violence (Gregg, Navajivan)	103
Peshawar Men vs Machine Guns	110	Power of Non-Violence (Gregg, Revd American ed 1944)	104
Philosophy of Non-Cooperation	101	Practical Non-Violence	105
Philosophy of the Village Movement	141	Practice and Precepts of Jesus	113
Philosophy of Work and Other Essays	118	Prayer and Other Sketches of Mahatma Gandhi and the Moods of the Mahatma	90
Pictorial Life Sketch of Gandhiji, the Living Saint of India	95	Prayers, Praises and Psalms	113
Picture of India	164	Preparation for Science	143
Pilgrims March	162		
Plain Talk with Britain	165		
Plan for the Economic Development of the North West Frontier Province	134		

President Kripalani and His Ideas	155	Pros and Cons of Council Controversy	131
Presidential Address of Gandhiji, Belgaum Congress	161	Prosperous British India	133
Presidential Address of Kripalani, Meerut Congress	167	Psychology and Strategy of Gandhi's Non-Violent Resistance	104
Presidential Address of B. C. Pal, Bengal Provincial Conference 1921	173	Psychology of Gandhi	91
Price for Liberty	190	Public Finance and our Poverty	135
Problem of Aborigines in India	121	Public Opinion on the Assisted Emigration Scheme Under Indo- South African Agreement	174
Problem of Democracy in India	132	Question of the National Language	147
Problem of Hindustani	148	Question : Whither India	157
Problem of India (Shelvankar)	176	Questionnaire for the Survey of Village Industries	135
Problem of India's Future	179	Quintessence of Gandhism	108
Problem of the Minorities or Communal Represen- tation in India	124	Quit India	161
Proceedings of the Federal Structure Committee	129	Rabindranath Tagore	149
Proceedings of the Indian Round Table Conference 1st. Session	130	Ramanama the Infallible Remedy	112
Proceedings of the Indian Round Table Conference 2nd. Session	129	Ranade, Gandhi and Jinnah	87
Proceedings of the Leaders' Conference convened at Delhi	168	Rashtra Vani	185
Prohibition: The Dawn of a New Era	115	Rational Life and Non- Cooperation	104
Property or Peace?	101	Rationale of Untouchability	121
Prophets and Patriots	87	Rebel India	155
Proposals for Indian Consti- tutional Reforms	130-131	Recent Essays and Writings	172
		Recollections and Essays	187
		Recollections and Reflections	176
		Recommendations of the National Education Committee	144

Reconciliation	185	Committee of the Congress	157
Reconciliation Why and How?	174	Report of the Committee Appointed by the Cawnpore Harijan Sevak Sangh in May 1933	120
Reconciliation and Rural Education in India	146	Report of the Committee Appointed by the Government of India to Investigate the Disturbances in the Punjab etc	161
Reconstruction of India	179	Report of the Disorders Inquiry Committee (Hunter Committee) 1919-20	159
Reflections on Gandhiji's Hind Swaraj	190	Report of the Economic Programme Committee	131
Reflections on the Gandhian Revolution	105	Report of the Enquiry into the Alleged Police Oppressions at Char Minar	109
Religion and Society	113	Report of the Financial Obligations between Great Britain and India	133
Religion of Jesus	113	Report of the Fundamental Rights Committee	128
Religion of Man	114	Report of the Guruka Bag Congress Inquiry Committee	109
Remakers of Mankind	150	Report of the Indian Statutory Commission Vols I II (His Majesty's Stationery Office)	129
Renaissant India (Venkataramani)	150	Report of the Indian Statutory Commission Vols. I II (Govt of India)	129
Renaissant India (Zacharias)	181		
Replies to the Questionnaire of the Textile Labour Inquiry Committee	137		
Report of the Administration of the Excise Department of the Government of Bombay	114		
Report of the Adult Education Committee 1935	145		
Report of the All Parties Conference 1928	131		
Report of the Asiatic Inquiry Committee	162		
Report of the Civil Disobedience Inquiry Committee	103		
Report of the Commissioners Appointed by the Punjab Sub-			

Report of the Industrial Survey Committee, Government of C. P. and Berar	135	Report on the Emigrants Repatriated to India	155
Report of the Joint Committee on Indian Constitutional Reform : Session 1933-34. Vol. I, Pt. I	131	Report on the Public Instruction in the Bombay Province 1937-38, 1938-39, 1939-40	143
Report of the Non-Official Public Inquiry on Police Excesses in Madras	110	Report on the Vocational Training in Primary and Secondary Schools and Consequent Re-organization	143
Report of the Peasant Enquiry Committee of the Maharashtra P. C. C.	135	Report on the Working of Prohibition in the Salem District	151
Report of the Peshawar Enquiry Committee	110	Report to Gandhiji	151
Report of the Royal Commission on Agriculture in India	135	Reports of Annual and Special Sessions of the I. N. Congress	165
Report of the Royal Commission on Labour in India	137	Reports of the General Secretary on the Working of the I. N. Congress	152
Report of the Second War-dha Educational Committee of the Central Advisory Board of Education 1939	145	Reports of the Society for the Promotion of National Education	146
Report of the Select Committee on Asiatic Grievances	174	Representative Indians	89
Report of the Special Enquiry into the Second Revision Settlement of the Bardoli and Chorasi Talukas	133	Resurgence of Asia	174
Report of the Temple Entry Committee	121	Resurrection of the Congress	154
Report of the Vocational Education in India	142	Return to Nature	148
Report of What Happened at Borsad	109	Review of the Gandhi Movement in India	175
Report on India	174	Revolt of Asia (Close, Upton)	157
		Revolt of Asia (Payne, Robert)	173
		Revolt of the East	117
		Revolution and Counter Revolution	165
		Revolution and Evolution	106
		Revolution in India	163
		Rice	48

Rise and Fulfilment of British Rule in India	179	Satyagraha in South Africa	109
Rise and Growth of the All India Muslim League	124	Satyagraha Its Technique and History	102
Rise and Growth of the Congress	153	Sayings of Mahatma Gandhi	182
Rise and Growth of Indian Nationalism—Nonviolent Nationalism Gandhi and His School	102 156	Sayings of Muhammad	113
Road to Peace and Pakistan	196	Science and Progress	118
Romain Rolland The Story of a Conscience	153	Science Liberty and Peace	104
Romance of Scientific Bee Keeping	140	Searchlight on Gandhi	93
Round Table Conference	131	Secret of Hindu Sangathan	159
Round Table Conference India's Demand for Dominion Status	131	Secular State for India	130
Rowlatt Bills and Satyagraha	103	Selections from Mahatma Gandhi	192
Ruin of Indian Trade and Industries	133	Selections from the Speeches and writings of S Sinha	177
Ruin That Britain Wrought	118	Self Restraint vs Self Indulgence	115
S Srinivasa Iyengar	165	Sermon on the Mount	111
Saharmati 1928	111	Sermon on the Sea	117
Salu'e the Mahatma	94	Seven Months with Mahatma Gandhi Vols I II	94
Santiniketan Pilgrimage	97	Sex and Culture	115
Sardar Vallabhbhai Patel	177	Sex Sermons from the Loin Cloth	115
Sati kasturba	96	Shastrason Untouchability	119
Satyagraha (Home Rule Series)	103	Sheaf of Gandhi Anecdotes	97
Satyagraha 1910 35 (Gandhi)	103	Short History of India	157
Satyagraha and the Potentialities of the Congress	107	Short History of Our Times	177
Satyagraha Ashram (Rules and Regulations)	106	Simla Triangle	124
Satyagraha in Champaran	110	Simplification of Life	186
		Sixth Annual Report of the Hindustani Talimi Sangh	144
		Sixty Years of Congress (Satyapal and Probodh chandra)	176
		Sixty Years of Congress (Sitaramayya)	177

Smuts-Gandhi Agreement of 1914	109	Speeches and Statements of the Marquess of Linlithgo (1936-43)	168.
So I Became a Minister	173	Speeches and Writings of Annie Besant	154
Soap Making	141	Speeches and Writings of Dadabhai Naoroji	158
Social Back-ground of Indian Nationalism	116	Speeches and Writings of Dr. S. S. Iyer	165
Social Problem	118	Speeches and Writings of Mahatma Gandhi	182
Social Welfare	185	Speeches and Writings of Shrimati Sarojini Naidu	171
Socialism and Gandhism (Mehta, Ashok)	105	Speeches of Bhulabhai J. Desai	158
Socialism and Gandhism (Sitaramayya)	107	Speeches of G. K. Gokhale	162
Socialism in India	136	Speeches of H. E. Lord Hardinge of Penhurst	163
Socialism Reconsidered	135	Speeches of the Earl of Willingdon	180
Some Aspects of Indian Education — Past and Present	143	Speeches of the Rt. Hon. Sir Samuel Hoare	163
Some Aspects of Khadi	139	Spinning and Khadi	138
Some Fundamentals of the Indian Problem	177	Spirit and Struggle of Islam	126
Some Indian Leaders	99	Spirit of India	162
Some Indian Problems	181	Spiritual Basis of Social Service	119
Some Non-Political Achievements of the Congress	118	Spiritual Swadeshi and Huma- nitarian Nationalism	134
Son of Mother India Answers	170	Spiritual Triumph of Gandhi Maharaj	88
Song of India	157	Spotlights on the Culture of India	164
Songs from Prison	112	Status of Indian Princes	131
Sound of Swaraj	161	Steps Towards Indian Home Rule	181
Soya Bean	140	Sterling Securities	135
Special Hind Swaraj Number of the 'Aryan Path', Sept. 1938	101		
Speeches of Maulana Mohammed Ali	152		
Speeches and Statements of Iqbal	165		

Stone Walls and Iron Bars	167	Sword of Gold A Life of M K Gandhi	100
Story of a Satyagraha in a South Indian Village	110	Table of Indian Food Values and Vitamins	148
Story of Bardoli	109	Tagore and Gandhi Argue	149
Story of Civilization Vol I — Our Oriental Heritage	159	Tagore Gandhi and Nehru	94
Story of India	170	Takli Teacher	143
Story of Peace Negotiations	131	Teachings of Mahatma Gandhi	183
Story of Simla	128	Telegraphic Correspondence Regarding the Situation in India	132
Story of the Human Race	99	Testament of India	93 176
Strange Little Brown Man Gandhi	90	Textile Policy of the Madras Government	331
Strangers in India	170	Theosophy and Untoucha- bility	121
Struggle for Freedom of Religious Worship in Jairo	110	These Hurrying Years	163
Student Movement In India	146	They Speak for India	157
Studies in Gandhism	101	They Told Me So	179
Studies in the Renaissance of Hinduism in the Nine- teenth and Twentieth Centuries	98 113	Thinning Hand	145
Studies of an Imperialist on War India and Socialism	178	Third Annual Report of the Hindustani Talimi Sangh	144
Subject India	157	Third Class in Indian Rail- ways and Other Articles	183
Suggestion No 4 to Mahatma Gandhi	113	Thirty Questions on Indian Village Industries	141
Supplement to O I Extraction	142	Thought Currents Pts I II	143
Survey of the Matar Taluka	130	Thoughts on Indian Discussions	154
Swadeshi Movement	136	Thoughts on Pakistan	123
Swadeshi True and False	134	Thoughts on the War Peace and Prison	106
Swaraj in One Year	161	Three Trumpe's Sound Tagore Gandhi and Schweizer	93
Swaraj Chaitra	127	Three Wise Men of the East and Other Lectures	100
Swaraj Through Charkha	133 139		

Three Words: How to do		Truth and the War	106
India Free	168	Tumult in India	166
Three Years' Report of the		Twentieth Century India	169
Harijan Sevak Sangh	120	Two Lectures on Mahatma	
Through Congress Eyes	155	Gandhi	99
Through Pakistan to		Two Years' Work	144
Freedom	122	Unemployment	135
Thumbnail Sketches	98	Unhappy India	167
Thurston's Philosophy of		Unique Christ and the	
Marriage	115	Mystic Gandhi	91
Tilak and Gandhi	94	Unity	185
To the Hindus and Muslims	123	Unity of India	172
To the Princes and Their		Unseen Power	112
People	129	Unto This Last	136, 187
To the Protagonists of		Untouchability	119
Pakistan	123	Untouchables and the	
To the Students (Andrews)	142	Indian Constitution	119
To the Students (Gandhiji)	143	Unworthy of Wardha	149
To the Women (Gandhiji)	117	Victories Without	
To Women (Amrit Kaur)	116	Violence	109
Tomorrow	185	Village Communities In	
Towards Dry India	114	the East and West	187
Towards Freedom	172	Village Industries and	
Towards Moral Bankruptcy	114	Reconstruction	141
Towards Struggle	165	Village Industries in the	
Tragedy of Gandhi	88	United Provinces	142
Tragedy of Jinnah	166	Village Republics	132
Training for Peace	104	Vishva-Bharati	
Trial of Mahatma Gandhi	92	Quarterly	146, 185
Tribunes of the People	97	Voice of the Autumn	
Tributes to Gandhiji	95	Leaf	183
True India	153	Voiceless India	176
True Takli	139	War a Factor of	
Truth About Gandhi	93	Production	135
Truth About India (Elvin)	160	War and India's Freedom	168
Truth About India		War and the Psychological	
(Hyndman)	164	Condition of Peace	101
Truth About Leprosy.	148		

War Its Causes Consequences and Cure	106	What Then Must We Do? and a Letter to Engelhardt	187
War or Peace?	107	Wheel of Fortune	139
War Without Violence	107	When Congress Ruled	178
Wardha Scheme of Education	147	Where Are We?	173
Warning to the West	176	Where We Differ	130
Washing Soap and Fountain Pen Ink	140	Which Way to Peace?	107
Way out	174	White Sahibs in India	175
We say No	107	Whither Asia?	99
Weaponless Warrior	183	Whither Congress?	171
Week with Gandhi	90	Whither India?	172
What About India?	160	Whither Minorities?	
What Ails India?	171	Who Is the Greatest Man in the World To-day?	93
What are you going to do About It?	104	Why Cripps Failed?	176
What Congress and Gandhi Have Done to the Untouchables	119	Why Musalmans Should Oppose Pakistan?	126
What Congress Fights for?	130	Why Pakistan and Why Not?	125
What Does Gandhi Want?	97	Why Socialism?	134
What Gandhi Has Done For India	93	(Jayaprakash)	
What Gandhi Might Do For America	93	Why Socialism?	136
What I Owe to Christ	153	(Satyanarayan)	
What I Owe to Congress and Gandhi	165	Why the Village Movement?	141
What Is Art? and Essays on Art	187	Why Vote Congress?	177
What is Happening in the North West Frontier Province?	160	Why War?	104
What is Wrong with India?	154	William Lloyd Garrison on Non Resistance	186
What It Cost Me	153	William Lloyd Garrison The Story of His Life	186
What Price Freedom?	170	Wisdom of Gandhi	183
What Shall We Eat?	148	Wisdom of Modern India	150
		With Gandhi in Ceylon	89
		With No Regrets	164
		With Romain Rolland on Gandhism	109
		Whither India?	149
		Wives of Famous Men	99